



उत्तराखण्ड लोक सेवा आयोग

हरिद्वार- 249404

Website-www.ukpsc.gov.in

दूरभाष नं०-01334-244143

विज्ञापन संख्या :: A-1/E-4/2021-22

वन क्षेत्राधिकारी परीक्षा-2021

विज्ञापन प्रकाशन की तिथि	::	11 अगस्त, 2021
ऑनलाईन आवेदन पत्र भरने की अन्तिम तिथि	::	31 अगस्त, 2021 (रात्रि 11:59:59 बजे तक)
परीक्षा शुल्क : Net Banking/Debit Card/Credit Card द्वारा जमा करने की अन्तिम तिथि	::	31 अगस्त, 2021 (रात्रि 11:59:59 बजे तक)

अति महत्वपूर्ण निर्देश

(01) अभ्यर्थी उर्ध्व एवं क्षैतिज आरक्षण से सम्बन्धित श्रेणी/उप श्रेणी का अंकन ऑनलाईन आवेदन पत्र में अवश्य करें। आरक्षण का दावा न किये जाने की दशा में रिट याचिका (स्पेशल अपील) संख्या: 79/2010 राधा मित्तल बनाम उत्तराखण्ड लोक सेवा आयोग में मा० उच्च न्यायालय, नैनीताल द्वारा पारित आदेश दिनांक 08.06.2010 तथा विशेष अनुज्ञा याचिका (सिविल) नं० (एस) 19532/2010 में मा० उच्चतम न्यायालय द्वारा पारित आदेश के क्रम में अभ्यर्थी को आरक्षण का लाभ कदापि अनुमन्य नहीं होगा। आरक्षण विषयक प्रमाण पत्र ऑनलाईन आवेदन पत्र भरने की अन्तिम तिथि तक अभ्यर्थी द्वारा अवश्य धारित करना चाहिए।

(02) अभ्यर्थी यह सुनिश्चित कर लें कि वे ऑनलाईन आवेदन पत्र भरने की अन्तिम तिथि 31 अगस्त, 2021 तक विज्ञापन में वर्णित अनिवार्य शैक्षिक अर्हताएं एवं अन्य अर्हताएं अवश्य धारित करते हों। अभ्यर्थी की शैक्षिक अर्हता के सम्बन्ध में परीक्षा परिणाम घोषित होने की तिथि (Result Declaration Date), वह तिथि मानी जाएगी जो अंक-पत्र निर्गत होने की तिथि (Marksheet Issuing Date) हो। अतः अभ्यर्थी यह सुनिश्चित कर लें कि ऑनलाईन आवेदन पत्र के शैक्षिक अर्हता (Qualification Details) के विवरण में, Result Declaration Date के कॉलम में, सम्बन्धित शैक्षिक अर्हता के अंक-पत्र निर्गत होने की तिथि (Marksheet Issuing Date) का अंकन हो। विज्ञापन के अनुसार वांछित अर्हताओं की पुष्टि न होने पर अभ्यर्थन निरस्त कर दिया जायेगा, जिसकी जिम्मेदारी पूर्णतया अभ्यर्थी की होगी।

(03) ऑनलाईन आवेदन पत्र भरने के पूर्व विज्ञापन में वर्णित समस्त निर्देशों का भली-भांति अध्ययन कर लें। किसी भी स्थिति में अपूर्ण आवेदन पत्र स्वीकार नहीं किये जायेंगे।

(04) फर्जी प्रमाण पत्रों (शैक्षिक योग्यता/आयु/अनुभव/आरक्षण सम्बन्धी) के आधार पर आवेदन पत्र प्रस्तुत करने वाले अभ्यर्थियों को आयोग की समस्त आगामी परीक्षाओं से अधिकतम 05 वर्षों के लिए प्रतिवारित कर दिया जायेगा। साथ ही सुसंगत विधि के अंतर्गत ऐसे अभ्यर्थियों के विरुद्ध अभियोग भी दर्ज कराया जा सकता है। अभ्यर्थी द्वारा प्रवेश पत्र पर लिखना/लिखा होना भी अनुचित साधन की श्रेणी में आयेगा।

(05) ऑनलाईन आवेदन पत्र स्वीकार किये जाने की अन्तिम तिथि के पश्चात आवेदन पत्र में की गयी प्रविष्टियों यथा शैक्षिक अर्हता एवं अधिमानी अर्हताएं (यदि लागू हो), आरक्षण से सम्बन्धित श्रेणी/उप श्रेणी, आयु इत्यादि की प्रविष्टियों में किसी प्रकार का संशोधन या परिवर्तन का अनुरोध स्वीकार नहीं किया जायेगा।

(06) प्रश्नगत परीक्षा हेतु मात्र ऑनलाईन आवेदन पत्र एवं Net Banking/Debit Card/Credit Card के माध्यम से ही आवेदन शुल्क स्वीकार्य होगा। किसी अन्य प्रकार से किया गया आवेदन/परीक्षा शुल्क स्वीकार नहीं किया जायेगा। यदि कोई अभ्यर्थी निर्धारित शुल्क जमा नहीं करता है अथवा निर्धारित शुल्क से कम शुल्क जमा करता है तो उसका आवेदन पत्र/अभ्यर्थन निरस्त कर दिया जायेगा।

(07) अभ्यर्थी प्रारम्भिक परीक्षा के आयोजन हेतु नगरों की सूची के लिए परिशिष्ट-1, न्यूनतम ऊँचाई के मानक में

छूट संबंधी प्रमाण पत्र के लिए परिशिष्ट-2, परीक्षा योजना एवं पाठ्यक्रम के लिए परिशिष्ट-3 एवं आरक्षण संबंधी दावों के लिए निर्धारित प्रारूप हेतु परिशिष्ट-4 का अवलोकन करें।

(08) प्रारम्भिक परीक्षा में सफल अभ्यर्थियों को मुख्य परीक्षा से पूर्व आयोग द्वारा निर्धारित समयान्तर्गत ऑनलाईन आवेदन-पत्र में किये गये दावों की पुष्टि हेतु ऑनलाईन आवेदन पत्र के स्वहस्ताक्षरित प्रिंटआउट के साथ अनिवार्य अर्हता, अनापत्ति प्रमाण पत्र, आरक्षण आदि से संबंधित समस्त प्रमाण-पत्रों की स्वहस्ताक्षरित छायाप्रति आयोग कार्यालय में जमा कराना अनिवार्य होगा, अन्यथा की स्थिति में अभ्यर्थी का अभ्यर्थन निरस्त कर दिया जायेगा। अभ्यर्थी आवेदन पत्र का प्रिंट आउट भविष्य में आयोग से किए जाने वाले पत्राचार व अन्य आवश्यक प्रयोग/साक्ष्य हेतु अपने पास सुरक्षित रखें।

(09) ऑनलाईन आवेदन पत्र स्वीकार किये जाने की अन्तिम तिथि/निर्धारित समय के पूर्व तक आवेदन पत्र में त्रुटि होने पर अभ्यर्थी अपना आवेदन रद्द (Cancel) कर पुनः आवेदन कर सकते हैं, किन्तु इस दशा में जमा किया गया शुल्क वापस नहीं होगा अर्थात् अभ्यर्थी को संशोधित/नवीन ऑनलाईन आवेदन पत्र के सापेक्ष पुनः आवेदन शुल्क जमा करना होगा।

(10) एक अभ्यर्थी के नाम एक से अधिक आवेदन पत्र कदापि स्वीकार नहीं किये जायेंगे। यदि कोई अभ्यर्थी एक से अधिक ऑनलाईन आवेदन पत्र भरता है तो अभ्यर्थी के इस प्रकार प्राप्त समस्त आवेदन पत्र निरस्त कर दिये जायेंगे।

(11) ऑनलाईन आवेदन पत्र भरने की अंतिम तिथि एवं नियत समय तक अभ्यर्थी द्वारा "Online Application" प्रक्रिया में पूर्ण रूप से भरा हुआ आवेदन पत्र तथा आवेदन शुल्क जमा करने के पश्चात् ही "Online Application" की प्रक्रिया पूर्ण मानी जाएगी।

प्रश्नगत परीक्षा के सापेक्ष मानक से अधिक आवेदन पत्र प्राप्त होने की दशा में विज्ञापन के "परिशिष्ट-1" में उल्लिखित नगरों के विभिन्न परीक्षा केन्द्रों पर वस्तुनिष्ठ प्रकार की प्रारम्भिक परीक्षा का आयोजन किया जायेगा। प्रारम्भिक परीक्षा में सफल अभ्यर्थियों की मुख्य परीक्षा एवं शारीरिक मानक परीक्षा का आयोजन हरिद्वार में किया जायेगा। मुख्य परीक्षा, शारीरिक मानक परीक्षा तथा साक्षात्कार परीक्षा हेतु निर्धारित परीक्षा तिथि की सूचना यथासमय पृथक आयोग की वेबसाइट तथा दैनिक समाचार पत्रों के माध्यम से उपलब्ध करायी जायेगी।

02. रिक्तियों का विवरण : कुल पद-40

क्रमांक	श्रेणी	पदों का विवरण					
		कुल रिक्तियाँ	सामान्य	उत्तराखण्ड महिला	पूर्व सैनिक	स्व0सं0से0के आश्रित	स्वैच्छिक/राजकीय गृहों में निवासरत अनाथ बच्चे
01.	सामान्य	26	19	03	00	00	04
02.	अनुसूचित जाति	06	04	00	01	01	00
03.	अनुसूचित जनजाति	01	01	00	00	00	00
04.	अन्य पिछड़ा वर्ग	02	00	01	01	00	00
05.	आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग	05	00	04	01	00	00
कुल :-		40	24	08	03	01	04

नोट :- (क) रिक्तियों की संख्या घट/बढ़ सकती है।

(ख) शासन द्वारा उपलब्ध कराये गये अधियाचन के अनुसार शारीरिक रूप से दिव्यांग अभ्यर्थी प्रश्नगत पद हेतु उपयुक्त/चिन्हांकित नहीं है।

03. पद का स्वरूप :- राजपत्रित व स्थायी।

04. वेतनमान एवं पेंशन :- रू0 47600-151100 (लेवल-08) ग्रेड वेतन-4800, अंशदायी पेंशन योजना।

05. अनिवार्य शैक्षिक अर्हताएं:- वन क्षेत्राधिकारी के पद पर सीधी भर्ती के लिए अभ्यर्थी को भारत में विधि द्वारा स्थापित किसी विश्वविद्यालय से निम्नलिखित में से कम से कम एक विषय के साथ, "विज्ञान स्नातक/प्रौद्योगिकी स्नातक अथवा अभियांत्रिकी स्नातक उपाधि" या उनके समकक्ष मान्यता प्राप्त उपाधि प्राप्त होना आवश्यक होगा :-

(01) कृषि, (02) वनस्पति विज्ञान (03) रसायन विज्ञान (04) कम्प्यूटर एप्लीकेशन/कम्प्यूटर विज्ञान (05) अभियांत्रिकी(कृषि/कैमिकल/सिविल/कम्प्यूटर/इलैक्ट्रिकल/इलैक्ट्रॉनिक्स/मैकेनिकल), (06) पर्यावरणीय विज्ञान (07) वानिकी (08) भू-विज्ञान (09) उद्यान विज्ञान, (10) गणित (11) भौतिकी (12) सांख्यिकी (13) पशु चिकित्सा विज्ञान (14) प्राणी विज्ञान।

06. अधिमानी अर्हता-अन्य बातों के समान होने पर, सीधी भर्ती के मामले में, उन अभ्यर्थियों को, अधिमान दिया जाएगा, जिसने-

(क) प्रादेशिक सेना में कम से कम दो वर्ष सेवा पूर्ण की हो;

या

(ख) नेशनल कैडेट कोर का "बी" प्रमाण-पत्र प्राप्त किया हो,

या

(ग) राष्ट्रीय सेवा योजना का प्रमाण-पत्र प्राप्त किया हो।

07. चयन की प्रक्रिया:-भर्ती हेतु विज्ञापित रिक्तियों के सापेक्ष मानक से अधिक आवेदन पत्र प्राप्त होने की दशा में आयोग मुख्य लिखित परीक्षा या साक्षात्कार में प्रवेश के लिए उपयुक्त अभ्यर्थियों को ज्ञात करने की प्रयोजन से छंटनी के लिए वस्तुनिष्ठ प्रश्नपत्र (सामान्य अध्ययन एवं सामान्य बुद्धि परीक्षण) के द्वारा प्रारम्भिक परीक्षा/स्क्रीनिंग परीक्षा आयोजित कर सकता है। प्रारम्भिक परीक्षा एवं मुख्य लिखित परीक्षा का पाठ्यक्रम "परिशिष्ट-3" पर उपलब्ध है। प्रारम्भिक परीक्षा/स्क्रीनिंग परीक्षा में प्राप्त अंकों की गणना किसी भी दशा में अंतिम योग्यता क्रम अवधारित करने के लिए नहीं की जायेगी।

लिखित परीक्षा निम्न प्रकार से आयोजित की जायेगी:-

(क) अनिवार्य विषय:

- (1) सामान्य ज्ञान-100 अंक
- (2) अंग्रेजी (निबन्ध और सार लेखन आदि)-100 अंक
- (3) सामान्य हिन्दी-100 अंक

(ख) वैकल्पिक विषय:

निम्न में से कोई दो विषय-200 अंक (प्रत्येक):-

- (01) कृषि,
- (02) वनस्पति विज्ञान,
- (03) रसायन शास्त्र,
- (04) कम्प्यूटर एप्लीकेशन/कम्प्यूटर विज्ञान,
- (05) अभियांत्रिकी (कृषि/रसायन/सिविल/कम्प्यूटर/इलैक्ट्रिकल/इलैक्ट्रॉनिक्स/मैकेनिकल),
- (06) पर्यावरणीय विज्ञान,
- (07) वानिकी,
- (08) भू-विज्ञान,
- (09) उद्यान विज्ञान,
- (10) गणित,

- (11) भौतिकी,
- (12) सांख्यिकी,
- (13) पशु चिकित्सा विज्ञान,
- (14) प्राणी विज्ञान।

(ग) किसी भी अभ्यर्थी को निम्न समूह में एक से अधिक विषय लिए जाने की अनुमति न होगी—

- (क) कृषि, कृषि अभियांत्रिकी और पशु चिकित्सा विज्ञान,
- (ख) रसायन शास्त्र और रसायन अभियांत्रिकी,
- (ग) कम्प्यूटर एप्लीकेशन/कम्प्यूटर साइन्स और कम्प्यूटर अभियांत्रिकी,
- (घ) इलैक्ट्रिकल इंजीनियरिंग और इलैक्ट्रॉनिक्स इंजीनियरिंग,
- (ङ) गणित और सांख्यिकी।

(घ) (न्यूनतम अर्हक अंक) :- (i) उत्तराखण्ड लोक सेवा आयोग परीक्षा परिणाम निर्माण प्रक्रिया नियमावली-2012 (समय-समय पर यथा संशोधित) के अनुसार अभ्यर्थियों को मुख्य लिखित परीक्षा में न्यूनतम अर्हक अंक यथा— सामान्य श्रेणी एवं सम्बन्धित उपश्रेणी के पदों हेतु परीक्षा में पूर्णांक का न्यूनतम अर्हकारी अंक 40 प्रतिशत, आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग एवं संबंधित उपश्रेणी के लिए आरक्षित पदों हेतु न्यूनतम अर्हकारी अंक 35 प्रतिशत, अन्य पिछड़ा वर्ग श्रेणी एवं संबंधित उप श्रेणी के लिए आरक्षित पदों हेतु न्यूनतम अर्हकारी अंक 35 प्रतिशत तथा अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति एवं संबंधित उपश्रेणी के लिए आरक्षित पदों हेतु अर्हकारी अंक 30 प्रतिशत प्राप्त करना अनिवार्य है।

नोट: ऐसे अभ्यर्थी जो हिन्दी प्रश्नपत्र में न्यूनतम 35 प्रतिशत से कम अंक प्राप्त करेंगे, उनकी मुख्य परीक्षा की उत्तर पुस्तिकाओं का मूल्यांकन नहीं किया जायेगा।

(ii) (अंतिम चयन हेतु न्यूनतम अर्हक अंक) :- उत्तराखण्ड लोक सेवा आयोग परीक्षा परिणाम निर्माण प्रक्रिया नियमावली-2012 (समय-समय पर यथा संशोधित) के अनुसार अभ्यर्थियों को अन्तिम चयन हेतु नियमावली द्वारा निर्धारित न्यूनतम अर्हक अंक यथा— सामान्य श्रेणी एवं सम्बन्धित उपश्रेणी के पदों हेतु परीक्षा में पूर्णांक का न्यूनतम अर्हकारी अंक 45 प्रतिशत, आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग एवं संबंधित उपश्रेणी के लिए आरक्षित पदों हेतु न्यूनतम अर्हकारी अंक 40 प्रतिशत, अन्य पिछड़ा वर्ग श्रेणी एवं संबंधित उप श्रेणी के लिए आरक्षित पदों हेतु न्यूनतम अर्हकारी अंक 40 प्रतिशत तथा अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति एवं संबंधित उपश्रेणी के लिए आरक्षित पदों हेतु अर्हकारी अंक 35 प्रतिशत प्राप्त करना अनिवार्य है।

08. न्यूनतम शारीरिक योग्यता— (1) सीधी भर्ती द्वारा किसी अभ्यर्थी को सेवा में नियुक्त नहीं किया जायेगा जब तक कि वह ऊँचाई और सीने के घेरे के लिये नीचे विनिर्दिष्ट न्यूनतम मानक न रखता हो—

लिंग	ऊँचाई	सीने का घेरा	
		सामान्य	फैलाव
पुरुष	163 से0मी0	84 से0मी0	05 से0मी0
महिला	150 से0मी0	79 से0मी0	05 से0मी0

अनुसूचित जनजातियों और गोरखा, नेपाली, आसामी, लद्दाखी, सिक्किमी, भूटानी, गढ़वाली, कुमाऊँनी, मिजो, नागा और अरुणांचल प्रदेश, लाहुल एवं स्पिति और मेघालयी अभ्यर्थियों की दशा में न्यूनतम ऊँचाई का मानक निम्न प्रकार होगा:—

लिंग	ऊँचाई
पुरुष	152 से0मी0
महिला	145 से0मी0

ऊँचाई के मानक में छूट के लिए अभ्यर्थियों को परिशिष्ट-2 के अनुसार प्रमाण पत्र प्रस्तुत करना होगा।

(2) सीधी भर्ती में पुरुष अभ्यर्थी के मामले में 25 किमी० व महिला अभ्यर्थी के मामले में 16 किमी० की दूरी पैदल चलकर चार घंटे में पूरी करना आवश्यक होगा, अन्यथा अभ्यर्थी को नियुक्ति के लिए अयोग्य माना जायेगा।

(3) किसी भी ऐसे अभ्यर्थी को सेवा में नियुक्त नहीं किया जाएगा, यदि वह शारीरिक और मानसिक रूप से स्वस्थ नहीं है, और किसी ऐसे शारीरिक दोष से मुक्त नहीं है, जिसके कारण उसे अपने कर्तव्यों के दक्षतापूर्ण निर्वहन में हस्तक्षेप की संभावना हो। किसी अभ्यर्थी को नियुक्ति के लिए अनुमोदित करने से पूर्ववित्तीय हस्तपुस्तिका खण्ड दो, भाग-तीन के अध्याय तीन में समाविष्ट मूलनियम 10 के अधीन बनाए गए नियमों के अनुसार स्वस्थता प्रमाण पत्र प्रस्तुत कराना होगा, परन्तु यह और कि किसी महिला अभ्यर्थी को परीक्षण के आधार पर बारह सप्ताह या अधिक की गर्भवती पाये जाने पर अस्थायी रूप से अस्वस्थ घोषित किया जायेगा। प्रसूति के दिनांक से छः सप्ताह पश्चात् स्वस्थता के लिए उसका पुनः परीक्षण किया जायेगा।

(4) किसी भी ऐसे अभ्यर्थी को सेवा में सीधी भर्ती द्वारा नियुक्त नहीं किया जायेगा, जो "कलर ब्लाइन्ड" हो और/या जिसकी सामान्य दृष्टि में +/− 4.00 डी० से अधिक दोष हो।

09. आयु सीमा :-

(1) आयु गणना की निश्चयक तिथि 01 जुलाई, 2021 है अर्थात् अभ्यर्थियों को आयु गणना की निश्चयक तिथि को न्यूनतम 21 वर्ष की आयु अवश्य पूरी करनी चाहिए और 42 वर्ष से अधिक आयु का नहीं होना चाहिए अर्थात् अभ्यर्थी का जन्म 01 जुलाई, 2000 के पश्चात् व 02 जुलाई, 1979 के पूर्व का नहीं होना चाहिए।

(2) उच्चतम आयु सीमा में छूट :- विभिन्न श्रेणियों/उपश्रेणियों के अभ्यर्थियों हेतु उत्तराखण्ड शासन द्वारा समय-समय पर निर्गत एवं वर्तमान में प्रचलित शासनादेशों के अनुसार उच्चतम आयु सीमा में उनके आरक्षण की श्रेणी तथा उप श्रेणी के अनुसार छूट प्रदान की जायेगी। उत्तराखण्ड अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति/उत्तराखण्ड अन्य पिछड़ा वर्ग हेतु शासनादेश संख्या : 1399 दिनांक 21 मई, 2005 द्वारा अधितम आयु सीमा में 05 वर्ष की छूट अनुमन्य है। उत्तराखण्ड के स्वतंत्रता संग्राम सेनानी के आश्रित अभ्यर्थियों के लिए शासनादेश संख्या : 1244 दिनांक 21 मई, 2005 द्वारा अधिकतम आयु सीमा में 05 वर्ष की छूट अनुमन्य है। शासनादेश संख्या : 17/2/1981-कार्मिक-2 दिनांक 28 फरवरी, 1985 के अनुपालन में उत्तराखण्ड के पूर्व सैनिकों हेतु उत्तराखण्ड के आपात कमीशन प्राप्त/अल्पकालीन सेवा कमीशन प्राप्त अधिकारी/पूर्व सैनिकों से सम्बन्धित ऐसे कार्मिक/अधिकारी जिन्होंने थल/जल/वायु सेना में कम से कम 05 वर्ष की सेवा की हो, को उच्चतर आयु सीमा में 05 वर्ष की छूट अनुमन्य होगी। यह छूट उन अधिकारियों को भी अनुमन्य होगी जो आवेदन पत्र जमा करने की अन्तिम तिथि से 06 माह की अवधि के भीतर कार्यमुक्त होने वाले हों। किन्तु यह छूट ऐसे पूर्व सैनिकों को अनुमन्य नहीं होगी-1 जो कदाचार अथवा अकुशलता के कारण बर्खास्त हुए हो, 2- जो सेना की सेवा में अवगुण समझी जाने वाली शारीरिक अयोग्यता अथवा अशक्तता के कारण सेवामुक्त हुए हों।

10. आरक्षण :- (क) उर्ध्व/क्षैतिज आरक्षण शासन द्वारा निर्गत तथा अद्यतन प्रचलित शासनादेश के आधार पर केवल उत्तराखण्ड के अधिवासी अभ्यर्थियों को ही अनुमन्य है। ऑनलाइन आवेदन पत्र के संबंधित कॉलम में उर्ध्व/क्षैतिज श्रेणी का दावा करने पर ही आरक्षण अनुमन्य किया जायेगा। आरक्षण संबंधी शासनादेशों के विस्तृत विवरण हेतु आयोग की वेबसाइट देखें।

(ख) शासन द्वारा जारी अधिसूचना संख्या : 29/XXXVI(3)/2019/03(1)/2019 दिनांक 05.02.2019 के अनुसार आर्थिक रूप से कमजोर वर्गों के लिए आरक्षण का लाभ मात्र उत्तराखण्ड राज्य के स्थायी निवासी अभ्यर्थियों को ही अनुमन्य होगा। इस श्रेणी के अन्तर्गत ऑनलाइन आवेदन करने वाले अभ्यर्थियों को अधिकतम आयु सीमा में किसी भी प्रकार की छूट अनुमन्य नहीं है।

(ग) अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति, अन्य पिछड़ा वर्ग, पूर्व सैनिक, स्वतंत्रता संग्राम सेनानी के आश्रित तथा महिला श्रेणी के ऐसे अभ्यर्थी जो उत्तराखण्ड राज्य के अधिवासी नहीं हैं, को आरक्षण का लाभ अनुमन्य नहीं होगा। ऐसे अभ्यर्थी केवल अनारक्षित (सामान्य श्रेणी के अंतर्गत) ही आवेदन कर सकेंगे।

(घ) पूर्व सैनिक आरक्षण का लाभ शासनादेश संख्या : 133/XXXVI(3)2009/14(1)/2009 दिनांक 16.03.2009 के अनुसार सेना से सेवानिवृत्त/विनियोजित सैन्यकर्मियों को ही अनुमन्य होगा। शासनादेश संख्या-124/XXX(2)/2019-53(01)/2001 दिनांक 22.05.2020 के प्रस्तर-8 के अनुसार पूर्व सैनिकों को राज्याधीन सेवाओं में सेवायोजन के संदर्भ में भारत सरकार के O.M. No. 36034/27/84-Estt. (SCT) dated 02.05.1985, it was decided that once an ex-serviceman has joined the Government job on civil side after availing of the benefits given to him as an ex-serviceman for his re-employment, his ex-serviceman status for the purpose of re-employment in Government would cease" का प्राविधान राज्य सरकार द्वारा अंगीकृत किया गया है।

(च) आरक्षण के लाभ का दावा करने वाले अभ्यर्थियों के पास अपनी श्रेणी/उपश्रेणी के समर्थन में निर्धारित प्रारूप पर मुद्रित सक्षम अधिकारी द्वारा निर्गत प्रमाण पत्र होना आवश्यक है, जिसे उन्हें ऑनलाइन आवेदन पत्र की छायाप्रति के साथ मुख्य लिखित परीक्षा से पूर्व अन्य सभी शैक्षणिक अभिलेखों के साथ संलग्न कर प्रस्तुत करना होगा। जहां शपथ पत्र प्रस्तुत करना भी आवश्यक हो वहां वांछित शपथ पत्र मजिस्ट्रेट अथवा नोटरी द्वारा विधिवत प्रमाणित कराकर मुख्य लिखित परीक्षा से पूर्व ऑनलाइन आवेदन पत्र के साथ अवश्य संलग्न कर प्रस्तुत करना होगा।

(छ) स्वतंत्रता संग्राम सेनानी के आश्रित को आरक्षण का लाभ शासन द्वारा निर्गत अद्यतन प्रचलित शासनादेशों के आधार पर दिया जायेगा।

(ज) शासन द्वारा जारी अधिसूचना संख्या : 415/XXX(2)2019-30(2)/2019 दिनांक 17 दिसम्बर, 2019 द्वारा उत्तराखण्ड राज्य में महिला सशक्तिकरण एवं बाल विकास विभाग के अन्तर्गत संचालित स्वैच्छिक/राजकीय गृहों में निवासरत अनाथ बच्चों को क्षैतिज आरक्षण अनुमन्य किया गया है। सम्बन्धित प्रमाण पत्र जनपद के जिला प्रोबेशन अधिकारी की संस्तुति पर उप जिलाधिकारी से अन्यून अधिकारी द्वारा निर्गत किया गया होना चाहिए।

11. यदि अभ्यर्थी क्षैतिज आरक्षण के अंतर्गत एक से अधिक उपश्रेणी में आरक्षण का दावा करता है तो वह केवल एक उप श्रेणी, जो उसके लिए अधिक लाभदायक होगी, का लाभ पाने का पात्र होगा।

12. आरक्षण के लाभ का दावा करने वाले अभ्यर्थी अपनी श्रेणी/उपश्रेणी के समर्थन में निर्धारित प्रारूप पर सक्षम प्राधिकारी द्वारा निर्गत प्रमाण पत्र अवश्य प्राप्त कर लें, जिसे यथासमय आयोग द्वारा मांगे जाने पर प्रस्तुत करना अनिवार्य होगा।

13. राष्ट्रीयता : (क) सेवा में किसी पद पर सीधी भर्ती के लिए अभ्यर्थी भारत का नागरिक हो; या

(ख) तिब्बती शरणार्थी, जो भारत में स्थायी रूप से बसने के आशय से 01 जनवरी, 1962 से पहले भारत आया हो, होना चाहिए; या

(ग) भारतीय मूल का ऐसा व्यक्ति हो, जिसने भारत में स्थायी रूप से निवास करने के अभिप्राय से पाकिस्तान, म्यांमार (पूर्व बर्मा), श्रीलंका या किसी पूर्वी अफ्रीकी देश, केन्या, युगाण्डा और संयुक्त तन्जानिया गणराज्य (पूर्ववर्ती तांगानिका और जंजीबार) से प्रव्रजन किया हो।

परन्तु उपरोक्त श्रेणी (ख) और (ग) से सम्बन्धित अभ्यर्थी वह व्यक्ति होगा, जिसके पक्ष में राज्य सरकार द्वारा पात्रता का प्रमाण-पत्र जारी किया गया हो,

परन्तु यह और कि श्रेणी (ख) से सम्बन्धित अभ्यर्थी के लिए भी उप-पुलिस महानिरीक्षक, अभिसूचना शाखा, उत्तराखण्ड द्वारा प्रदत्त पात्रता प्रमाण-पत्र प्राप्त करना आवश्यक होगा, परन्तु यह भी कि यदि अभ्यर्थी उक्त श्रेणी (ग) से संबंधित है तो पात्रता का प्रमाण-पत्र एक वर्ष से अधिक अवधि के लिए जारी नहीं

किया जायेगा और ऐसे अभ्यर्थी को एक वर्ष से अधिक अवधि के बाद उसके द्वारा भारत की नागरिकता प्राप्त करने पर सेवा में रखा जा सकेगा।

टिप्पणी :- जिस अभ्यर्थी के मामले में पात्रता प्रमाण-पत्र आवश्यक हो, किन्तु उसे न तो जारी किया गया हो, न ही नामजूर किया गया हो, उसे परीक्षा या साक्षात्कार में प्रवेश दिया जा सकता है और उसे अनन्तिम रूप से नियुक्त भी किया जा सकता है। किन्तु शर्त यह है कि उसके द्वारा आवश्यक प्रमाण-पत्र प्राप्त कर लिया जाय या उसके पक्ष में जारी कर दिया जाय।

14. चरित्र :- सेवा में किसी पद पर सीधी भर्ती के लिए अभ्यर्थी का चरित्र ऐसा होना चाहिए जिससे वह सरकारी सेवा में सेवायोजन के लिए सर्वथा उपयुक्त हो। नियुक्ति प्राधिकारी इस विषय में स्वयं समाधान करेगा।

टिप्पणी- संघ सरकार या राज्य सरकार या/किसी स्थानीय प्राधिकारी द्वारा किसी संघ सरकार या राज्य सरकार के स्वामित्वाधीन अथवा नियन्त्रणाधीन किसी प्राधिकारी या निगम या निकाय द्वारा पदच्युत व्यक्ति सेवा में किसी पद पर नियुक्ति के पात्र नहीं होंगे। नैतिक अधमता के लिए दोष सिद्ध व्यक्ति भी पात्र नहीं होंगे।

15. वैवाहिक प्रस्थिति :- सेवा में किसी पद पर नियुक्ति के लिए ऐसा पुरुष अभ्यर्थी पात्र न होगा, जिसकी एक से अधिक पत्नी जीवित हो अथवा उसने ऐसी स्त्री से विवाह किया हो, जिसका पहले से ही जीवित पति हो एवं ऐसी महिला अभ्यर्थी पात्र न होगी जिसके एक से अधिक पति जीवित हो या ऐसे पुरुष से विवाह किया हो, जिसकी पहले से ही जीवित पत्नी हो,

परन्तु यह कि सरकार किसी व्यक्ति को इस नियम के प्रवर्तन से छूट दे सकती है यदि उसका समाधान हो जाए कि ऐसा करने के लिए विशेष कारण विद्यमान है।

16. आवेदन कैसे करें :-

(1) अभ्यर्थी विज्ञापन का सम्यक् रूप से अवलोकन करने हेतु आयोग की वेबसाइट www.ukpsc.gov.in या <https://ukpsc.net.in> पर जायें।

(2) विज्ञापन का अवलोकन करने के पश्चात <https://ukpsc.net.in> पर जाकर **MenuBar** में **Apply Now** लिंक पर क्लिक करें। **Apply Now** page पर Instructions for filling up online application form को सावधानीपूर्वक पढ़ने के पश्चात **Apply Now** पर क्लिक करें।

(3) **Apply Now** पर क्लिक करने के पश्चात् **Basic Information** फॉर्म पर अपनी सही जानकारी भरकर **Login** हेतु **Password** बनाकर **Continue** पर क्लिक करें। **Continue** पर क्लिक करने के पश्चात फॉर्म पर भरी जानकारी Confirm Filled Information फॉर्म पर प्रदर्शित होगी। भरी हुई जानकारी का पुनः सम्यक परीक्षण कर लें।

यदि भरी हुई जानकारी सही है तो I have verified all the details entered by me in the registration form and wish to submit the same पर **Tick** कर **Submit** पर क्लिक करें, अन्यथा No, I want to change some details पर **Tick** कर **Edit Data** पर क्लिक करें एवं संशोधित detail भरने के पश्चात् पुनः **Registration** फार्म Submit करने की प्रक्रिया पूर्ण करें।

(4) **Submit** पर क्लिक करने के पश्चात स्क्रीन पर Primary Registration पूर्ण होने की जानकारी प्रदर्शित होगी एवं **Registered Mobile No.** एवं **Email** पर **Message** प्राप्त होगा। तत्पश्चात स्क्रीन पर Click here to login के लिंक पर क्लिक करें।

(5) **Login** करने के पश्चात **Educational Details** अथवा **Proceed To Next Step** बटन पर क्लिक कर फॉर्म पर, Essential Educational Qualifications के अन्तर्गत High School, Intermediate एवं Graduation का विवरण भरें। अन्य **Educational Details** भरने हेतु **Add More Qualification** पर क्लिक कर विवरण भर कर **Submit** बटन पर क्लिक करें।

उसके पश्चात् **Photo** एवं **Signature** को प्रदर्शित सूचना के आधार पर अपलोड करें। **Photo** एवं **Signature** के अपलोड होने के पश्चात फॉर्म में भरा गया डाटा स्क्रीन पर दिखाई देगा, घोषणा को **Tick** करने के बाद शुल्क जमा करने हेतु **Click here to Make Payment** पर क्लिक करें। उसके पश्चात **Pay Now** पर क्लिक कर आवेदन शुल्क जमा करने की कार्यवाही पूर्ण करें। आवेदन शुल्क जमा करने के पश्चात **Print Application Form** पर क्लिक कर ऑनलाईन आवेदन पत्र का प्रिंटआउट प्राप्त करें।

(6) परीक्षा शुल्क जमा करने के उपरान्त आवेदन पत्र में त्रुटि होने पर अभ्यर्थी अपना आवेदन रद्द (Cancel) कर पुनः आवेदन कर सकते हैं। रद्द किये गये आवेदन पत्र का जमा किया गया आवेदन शुल्क वापस नहीं होगा। आवेदन रद्द (Cancel) करने के लिए **Cancel My Application** बटन पर क्लिक करें। तत्पश्चात् एक नई विंडो ओपन होगी, जिसमें दी गयी घोषणा का सम्यक् अध्ययन करने के पश्चात घोषणा को **Tick** कर **Proceed to Cancel** बटन पर क्लिक करें अथवा वापस जाने हेतु **Back** बटन पर क्लिक करें। **Proceed to Cancel** पर क्लिक करने के पश्चात अभ्यर्थी के पंजीकृत मोबाइल पर ओ0टी0पी0 प्राप्त होगा, जिसको की **Enter OTP** वाली फील्डस पर दर्ज कर **Cancel Application** बटन पर क्लिक करें। आवेदन रद्द (cancel) करने के पश्चात उस रद्द आवेदन के सापेक्ष किसी भी दशा में कोई भी दावा स्वीकार नहीं किया जायेगा।

(7) अभ्यर्थी द्वारा परीक्षा के सम्बन्ध में यदि कोई गलत सूचना अथवा अभिलेख प्रस्तुत किये जाते हैं, तो उन्हें सम्बन्धित परीक्षा व आयोग द्वारा प्रस्तावित समस्त परीक्षाओं से प्रतिवारित (Debar) किया जा सकता है।

नोट :1 आवेदन शुल्क जमा किये जाने से पूर्व अभ्यर्थी द्वारा आवेदन-पत्र में त्रुटि होने की दशा में संशोधन किया जा सकता है। संशोधन हेतु अभ्यर्थी **Email-Id/Mobile Number** एवं **Password** के माध्यम से **Login** करने के पश्चात् **Update Personal Information** पर क्लिक कर, Personal Information , **Update Educational Information** पर क्लिक कर, Educational Qualification एवं **Reload Images** पर क्लिक कर, Photo एवं Signature को पुनः अपलोड कर सकते हैं। ध्यान रखें कि नाम, पिता का नाम, माता का नाम, जन्मतिथि, ई-मेल आई0डी0 एवं मोबाइल न0 को **Edit/Update** नहीं किया जा सकता। ऑनलाईन आवेदन करते समय उत्पन्न समस्या के समाधान हेतु अभ्यर्थी ukpschelpine@gmail.com पर ई-मेल कर सकते हैं।

2 आवेदन शुल्क जमा करने के पश्चात् आवेदन-पत्र में भरे गये डाटा में अभ्यर्थी द्वारा किसी भी प्रकार का संशोधन नहीं किया जा सकता है।

3 परीक्षा शुल्क Net Banking/Debit Card/Credit Card के माध्यम से जमा किया जा सकता है। (उक्त परीक्षा हेतु आवेदन-पत्र प्रोसेसिंग शुल्क टैक्स सहित प्रत्येक पद हेतु 26.55 रूपये है।)

4. उत्तराखण्ड राज्य में संचालित स्वैच्छिक/राजकीय गृहों में निवासरत अनाथ अभ्यर्थी हेतु कोई शुल्क देय नहीं है। किन्तु उक्त अभ्यर्थी को आवेदन पत्र पर डाटा भरने के बाद [Click here for Final Submission](#) बटन पर क्लिक कर आवेदन की प्रक्रिया को पूर्ण करना होगा। तत्पश्चात् आवेदन-पत्र में भरे गये डाटा में अभ्यर्थी द्वारा किसी भी प्रकार का संशोधन नहीं किया जा सकता है।

17. **शुल्क** :- प्रारम्भिक परीक्षा हेतु अभ्यर्थियों को Net Banking/Debit Card/Credit Card के माध्यम से निम्नानुसार शुल्क जमा करना अनिवार्य है :-

क्र०सं० (S.No.)	श्रेणी (Category)	आवेदन-शुल्क (Application Fees)	प्रोसेसिंग शुल्क टैक्स सहित (Processing Fees with Tax)	कुल शुल्क (Total Fees)
01	Unreserved	₹150.00	₹26.55	₹176.55
02	Unreserved Orphan	00.00	00.00	00.00
03	Unreserved Uttarakhand Female	₹150.00	₹26.55	₹176.55
04	SC, ST	₹60.00	₹26.55	₹86.55
05	Ex-Serviceman-Unreserved	₹150.00	₹26.55	₹176.55
06	Ex-Servicemen-SC,ST	₹60.00	₹26.55	₹86.55
07	Dependent Of Freedom Fighter Unreserved	₹150.00	₹26.55	₹176.55
08	Dependent Of Freedom Fighter –SC,ST	₹60.00	₹26.55	₹86.55
09	OBC	₹150.00	₹26.55	₹176.55
10	OBC- Ex-Servicemen	₹150.00	₹26.55	₹176.55
11	OBC- Dependent of Freedom Fighter	₹150.00	₹26.55	₹176.55
12	OBC- Uttarakhand Female	₹150.00	₹26.55	₹176.55
13	SC/ST- Uttarakhand Female	₹60.00	₹26.55	₹86.55
14	EWS	₹150.00	₹26.55	₹176.55
15	EWS-Uttarakhand Female	₹150.00	₹26.55	₹176.55
16	EWS- Ex-Servicemen	₹150.00	₹26.55	₹176.55
17	EWS- Dependent of Freedom Fighter	₹150.00	₹26.55	₹176.55

18. **अभ्यर्थियों के लिए परीक्षा से सम्बन्धित महत्वपूर्ण निर्देश :-**

(01) आयोग द्वारा सम्पन्न की जाने वाली सम्पूर्ण चयन प्रक्रिया, पदों से संबंधित संगत सेवानियमावली, अद्यतन प्रचलित अधिनियमों/नियमावलियों/मैनुअल्स/मार्ग-दर्शक सिद्धान्तों एवं समय-समय पर आयोग द्वारा लिये गये निर्णयों इत्यादि में वर्णित प्राविधानों के अन्तर्गत सम्पन्न की जायेगी।

(02) अभ्यर्थियों हेतु Uttarakhand Public Service Commission (Procedure and Conduct of Business) Rules-2013 एवं प्रथम संशोधन-2016 और उत्तराखण्ड लोक सेवा आयोग, परीक्षा परिणाम निर्माण प्रक्रिया नियमावली, 2012 यथा संशोधन 2013 (प्रथम संशोधन), 2014 (द्वितीय संशोधन), 2015 (तृतीय संशोधन) एवं 2016 (चतुर्थ संशोधन) आयोग की वेबसाइट www.ukpsc.gov.in पर उपलब्ध है।

(03) प्रश्नगत परीक्षा के सापेक्ष आयोग में प्राप्त अभिलेखों की सन्निरीक्षा (Scrutiny) उत्तराखण्ड लोक सेवा आयोग सन्निरीक्षा मार्गदर्शिका-2019 के आलोक में सम्पन्न की जायेगी, जो आयोग की वेबसाइट पर उपलब्ध है, जिसके महत्वपूर्ण बिन्दु निम्नवत् हैं:-

(i) यदि अभ्यर्थी द्वारा अनिवार्य शैक्षिक अर्हता का अंक पत्र एवं प्रमाण पत्र/उपाधि व अनुभव प्रमाण पत्र (यदि लागू हो) प्रस्तुत नहीं किया गया है तो अभ्यर्थी को सन्निरीक्षा टीप में अनर्ह अभ्यर्थियों की श्रेणी में रखा जायेगा।

(ii) अधिमानी अर्हता प्रमाण पत्र उपलब्ध न कराने की स्थिति में आवेदन को अपूर्ण मानते हुए अभ्यर्थी को अनर्ह अभ्यर्थियों की श्रेणी में रखा जायेगा।

(iii) यदि आरक्षण सम्बन्धी प्रमाण पत्र ऑनलाइन आवेदन पत्र भरने की अन्तिम तिथि को निर्धारित प्रारूप पर न होने/वैध न होने/भारत सरकार की सेवाओं हेतु जारी होने के कारण उत्तराखण्ड राज्य

की सेवा में लागू न होने/ऑनलाइन आवेदन की अन्तिम तिथि के पश्चात् का जारी होने के कारण स्वीकार्य किये जाने योग्य न हो तो अभ्यर्थी को सन्निरीक्षा टीप में अनर्ह अभ्यर्थियों की श्रेणी में रखा जायेगा।

(iv) यदि अभ्यर्थी द्वारा ऑनलाइन आवेदन पत्र में क्षैतिज आरक्षण का दावा किया गया है किन्तु आरक्षण सम्बन्धी प्रमाण पत्र प्रस्तुत नहीं किया गया है अथवा क्षैतिज आरक्षण सम्बन्धी प्रमाण पत्र निर्धारित प्रारूप पर न होने/वैध न होने/ऑनलाइन आवेदन की अन्तिम तिथि के पश्चात् का जारी होने के कारण स्वीकार्य किये जाने योग्य न हो तो अभ्यर्थी को सन्निरीक्षा टीप में अनर्ह अभ्यर्थियों की श्रेणी में रखा जायेगा।

(v) यदि अभ्यर्थी द्वारा अनापत्ति प्रमाण पत्र प्रस्तुत नहीं किया गया है तो उसे सन्निरीक्षा टीप में अनर्ह अभ्यर्थियों की श्रेणी में रखा जायेगा।

अभ्यर्थी ध्यान रखें कि आवेदन-पत्र/प्रमाण-पत्रों इत्यादि की सन्निरीक्षा के दौरान यदि अभ्यर्थी द्वारा ऑनलाइन आवेदन पत्र में अर्हता के सम्बन्ध में किये गये दावों के सापेक्ष प्रस्तुत प्रमाण पत्रों/अभिलेखों में कोई कमी या असत्यता पायी जाती है तो अभ्यर्थी को अनर्ह अभ्यर्थियों की श्रेणी में रखा जायेगा। अनर्ह अभ्यर्थियों की सूचना आयोग की वेबसाइट पर प्रसारित की जायेगी। उक्त हेतु सूचना डाक द्वारा प्रेषित नहीं की जायेगी। इस सम्बन्ध में अभ्यर्थियों को सूचना हेतु विज्ञप्ति राज्य के दैनिक समाचार पत्रों में एवं आयोग की वेबसाइट पर प्रसारित की जायेगी।

(04) अभ्यर्थियों को परीक्षा हेतु प्रवेश-पत्र डाक द्वारा प्रेषित नहीं किये जायेंगे अपितु ऑनलाइन प्रवेश-पत्र आयोग की वेबसाइट पर जारी किये जायेंगे। अभ्यर्थी ऑनलाइन आवेदन के रजिस्ट्रेशन नम्बर एवं जन्मतिथि के आधार पर प्रवेश-पत्र आयोग की वेबसाइट से डाउनलोड कर सकेंगे। इस संबंध में अभ्यर्थियों की सूचना हेतु विज्ञप्ति राज्य के दैनिक समाचार पत्रों एवं आयोग की वेबसाइट www.ukpsc.gov.in पर भी प्रसारित की जायेगी।

(05) प्रारम्भिक/स्क्रीनिंग परीक्षा के परिणाम के आधार पर ऑनलाइन आवेदन पत्र में किए गए दावे के अनुसार शैक्षणिक व अन्य अभिलेख प्रस्तुत करने होंगे।

(06) प्रारम्भिक/स्क्रीनिंग परीक्षा (वस्तुनिष्ठ प्रकार) का मूल्यांकन उत्तराखण्ड परीक्षा परिणाम नियमावली-2012 (समय समय पर यथा संशोधित) में निर्धारित प्रावधानों के अन्तर्गत किया जायेगा। उक्त नियमावली आयोग की वेबसाइट पर उपलब्ध है।

(07) गलत उत्तरों के लिए दण्ड- वस्तुनिष्ठ प्रश्नपत्रों में अभ्यर्थियों द्वारा दिये गये गलत उत्तरों के लिए ऋणात्मक मूल्यांकन (Negative marking) दिया जायेगा -

(क) प्रत्येक प्रश्न के लिए चार विकल्प (उत्तर) हैं। अभ्यर्थी द्वारा प्रत्येक प्रश्न के लिए दिये गए एक गलत उत्तर के लिए प्रश्न हेतु नियत किये गये अंकों का एक चौथाई दण्ड के रूप में काटा जायेगा।

(ख) प्रत्येक प्रश्न का यदि अभ्यर्थी एक से अधिक उत्तर देता है, तो इसे गलत उत्तर माना जायेगा; यदि दिये गये उत्तरों में से एक उत्तर सही भी हो, फिर भी उस प्रश्न के लिए उपरोक्तानुसार ही उसी तरह का दण्ड दिया जायेगा।

(ग) यदि अभ्यर्थी द्वारा कोई प्रश्न हल नहीं किया जाता है, अर्थात् अभ्यर्थी द्वारा उत्तर नहीं दिया जाता है, तो उस प्रश्न के लिए कोई दण्ड नहीं होगा।

(08) प्रारम्भिक/स्क्रीनिंग परीक्षा (वस्तुनिष्ठ प्रकार) के प्रश्न पत्रों से सम्बन्धित उत्तर कुंजी/कुंजियों का विवरण परीक्षा समाप्ति के उपरान्त आयोग की वेबसाइट पर प्रकाशित कर दिया जायेगा और अभ्यर्थी उत्तर कुंजी के प्रकाशन के 07 दिनों के भीतर प्रश्नपत्र एवं सम्बन्धित उत्तर कुंजी के सम्बन्ध में अपनी आपत्ति प्रस्तुत कर सकते हैं। इस अवधि के उपरान्त आपत्तियों के संबंध में प्राप्त प्रत्यावेदनों पर आयोग द्वारा कोई विचार नहीं किया जायेगा। अभ्यर्थी द्वारा प्रति-प्रश्न आपत्ति के सापेक्ष निर्धारित शुल्क रू0 50.00 का भुगतान करना होगा, जिसे किसी भी दशा में अभ्यर्थियों को वापस नहीं किया जायेगा। यदि अभ्यर्थी द्वारा प्रति-प्रश्न आपत्ति के सापेक्ष निर्धारित शुल्क का भुगतान नहीं किया गया है तो आयोग द्वारा प्रस्तुत आपत्ति पर विचार नहीं किया जायेगा। आपत्तियों के संबंध में प्राप्त प्रत्यावेदनों का निस्तारण संबंधित विषय विशेषज्ञों से कराने के उपरान्त विषय विशेषज्ञों की संस्तुतियों के आधार पर उत्तर पत्रों का मूल्यांकन कर परीक्षा परिणाम की घोषणा कर दी जाएगी।

(09) केन्द्र अथवा राज्य सरकार/लोक प्रतिष्ठान के अधीन कार्यरत अभ्यर्थियों को ऑनलाईन आवेदन पत्र भरने के पूर्व विभागीय अनापत्ति प्रमाण पत्र हेतु अपने सेवा नियोजक को सूचित करना अनिवार्य है तथा चयन प्रक्रिया में आयोग द्वारा यथासमय मांगे जाने पर सेवा नियोजक द्वारा निर्गत "अनापत्ति प्रमाण-पत्र" अभ्यर्थी को प्रस्तुत करना होगा।

(10) परीक्षा केन्द्र परिसर में परीक्षा के दौरान अभ्यर्थी को फोटो कैमरा, मोबाइल फोन, पेजर, स्कैनर पेन अथवा किसी अन्य प्रकार के संचार यंत्र अथवा किसी अन्य इलेक्ट्रॉनिक उपकरण के प्रयोग की अनुमति नहीं है। यदि वे इन अनुदेशों का उल्लंघन करते पाए जाते हैं तो उन पर लोक सेवा आयोग द्वारा भविष्य में आयोजित की जाने वाली इस अथवा सभी परीक्षाओं में बैठने पर रोक सहित अन्य कार्यवाही की जा सकती है। अभ्यर्थियों को उनके हित में सलाह दी जाती है कि वे परीक्षा स्थल पर फोटो कैमरा, मोबाइल फोन, पेजर, स्कैनर पेन अथवा किसी अन्य प्रकार के संचार यंत्र अथवा अन्य किसी इलेक्ट्रॉनिक उपकरण सहित किसी प्रकार कि प्रतिबन्धित सामग्री न लाए क्योंकि उनकी सुरक्षा का प्रबन्ध नहीं किया जा सकता है।

(11) उत्तराखण्ड लोक सेवा आयोग के निर्णय के अनुसार किसी भी अभ्यर्थी को अपने ऑनलाईन आवेदन पत्र में गलत तथ्यों को जिनकी प्रमाण-पत्र के आधार पर पुष्टि नहीं की जा सकती, देने पर आयोग की समस्त परीक्षाओं के लिए प्रतिवारित (डिबार) किया जा सकता है और उसके विरुद्ध आपराधिक दण्डात्मक कार्यवाही भी की जा सकती है।

(12) परीक्षा के लिए आवेदन करने वाले अभ्यर्थियों को यह सुनिश्चित कर लेना चाहिए कि वे परीक्षा में प्रवेश हेतु पात्रता की सभी शर्तों को पूरा करते हैं। परीक्षा के सभी स्तरों पर उनका प्रवेश पूर्णतः अनन्तिम होगा। अभ्यर्थी को मात्र प्रवेश पत्र जारी किए जाने का यह अर्थ नहीं होगा कि उसका अभ्यर्थन आयोग द्वारा अन्तिम रूप से सुनिश्चित कर दिया गया है। यदि किसी भी स्तर पर यह पाया जाता है कि अभ्यर्थी अर्ह नहीं था अथवा उसका आवेदन पत्र अस्वीकृत किया जाना चाहिए था अथवा वह प्रारम्भिक स्तर पर ही स्वीकार किए जाने योग्य नहीं था, उसका अभ्यर्थन निरस्त कर दिया जाएगा और यदि वह अन्तिम रूप से चुन लिया जाता है तो भी आयोग की संस्तुति वापस ले ली जाएगी।

(13) निर्धारित प्रारूप पर आवेदन पत्र प्रस्तुत न किए जाने की दशा में आवेदन पत्र अस्वीकृत कर दिया जाएगा।

(14) मूल आवेदन पत्र में दर्शाये गए विवरण में किसी भी प्रकार का कोई परिवर्तन किसी भी दशा में अनुमन्य नहीं होगा।

(15) अभ्यर्थियों को यह सुनिश्चित करना चाहिए कि अपने आवेदन पत्र, उपस्थिति सूची आदि में तथा आयोग के साथ समस्त पत्राचार में सभी स्थानों पर उनके द्वारा किए गए हस्ताक्षर एक जैसे होने चाहिए और उनमें किसी भी प्रकार की भिन्नता नहीं होनी चाहिए। अभ्यर्थियों द्वारा विभिन्न स्थानों पर किए गए हस्ताक्षरों में यदि कोई भिन्नता पायी जाती है तो आयोग उसके अभ्यर्थन को रद्द कर सकता है।

(16) हाईस्कूल प्रमाण पत्र में अंकित जन्मतिथि ही मान्य होगी। अभ्यर्थी को ऑनलाईन आवेदन पत्र के साथ हाईस्कूल परीक्षा का प्रमाण पत्र संलग्न/अपलोड करना अनिवार्य होगा। जन्मतिथि हेतु उक्त प्रमाण पत्र के अतिरिक्त अन्य कोई अभिलेख मान्य नहीं होगा तथा उक्त प्रमाण पत्र संलग्न न किए जाने पर आवेदन पत्र अस्वीकृत कर दिया जाएगा।

(17) जो अभ्यर्थी विज्ञापन की शर्तों के अनुसार पात्र नहीं पाये जाएंगे उनका अभ्यर्थन निरस्त कर दिया जाएगा तथा परीक्षा में प्रवेश हेतु उनका कोई दावा मान्य नहीं होगा। अभ्यर्थियों के अभ्यर्थन/अर्हता/पात्रता के सम्बन्ध में आयोग का निर्णय अन्तिम होगा।

(18) यदि कोई अभ्यर्थी अपनी श्रेणी/उपश्रेणी के सापेक्ष निर्धारित शुल्क से कम शुल्क जमा करता है तो उसका आवेदन पत्र/अभ्यर्थन निरस्त कर दिया जायेगा।

(19) अनुचित साधन सख्ती से प्रतिबन्धित:- कोई भी अभ्यर्थी किसी भी अन्य अभ्यर्थी की उत्तर पुस्तिका से न तो नकल करेगा, न ही नकल करवायेगा और न ही किसी अन्य तरह की अनुचित सहायता देगा, न ही सहायता देने का प्रयास करेगा, न ही सहायता प्राप्त करेगा और न ही प्राप्त करने का प्रयास करेगा।

- (20) अँगूठे का निशान (Thumb Impression):- सभी अभ्यर्थी परीक्षा कक्ष में अपनी परीक्षा की उत्तर-पत्रक के निर्धारित स्थान पर अपने अँगूठे का निशान (पुरुष अभ्यर्थी की दशा में बाँये अँगूठे का निशान तथा महिला अभ्यर्थी की दशा में दाँये अँगूठे का निशान) अवश्य अंकित करेंगे।
- (21) परीक्षा भवन में आचरण :- परीक्षा केन्द्र/कक्ष में अभ्यर्थी न तो किसी के साथ दुर्व्यवहार करेंगे और न ही अव्यवस्था फैलायेंगे तथा परीक्षा के संचालन हेतु आयोग द्वारा तैनात स्टॉफ को परेशान भी नहीं करेंगे। ऐसे किसी भी दुराचरण के लिए कठोर दण्ड दिया जाएगा।
- (22) आयोग से किए जाने वाले सभी प्रकार के पत्राचार में अभ्यर्थियों को ऑनलाइन आवेदन पत्र की छायाप्रति के साथ ही नाम, आवेदित पद का नाम, विज्ञापन संख्या, अभ्यर्थी की जन्मतिथि, पिता/पति का नाम, रजिस्ट्रेशन सं० तथा अनुक्रमांक(यदि सूचित किया गया हो) का उल्लेख अवश्य किया जाना चाहिए।
- (23) यदि पते में कोई परिवर्तन होता है तो उसे तत्परता से आयोग को रजिस्टर्ड डाक द्वारा सूचित किया जाना चाहिए।
- (24) आवेदित पद पर अन्तिम रूप से चयनित हो जाने के बाद भी अभ्यर्थी को नियुक्ति का कोई अधिकार तब तक प्राप्त नहीं होता है जब तक कि आयोग को ऐसी जांच करने के पश्चात् जैसा आवश्यक समझा जाय, यह समाधान न हो जाये कि वह नियुक्ति के लिए सभी प्रकार से उपयुक्त है।
- (25) अभ्यर्थियों को परीक्षा से सम्बन्धित समस्त सूचनाएँ वेबसाइट के माध्यम से अवगत करायी जायेगी। अतः अभ्यर्थी आयोग की वेबसाइट www.ukpsc.gov.in का समय-समय पर अनुश्रवण करना सुनिश्चित करें।
- (26) कदाचार के दोषी पाये गए अभ्यर्थियों के विरुद्ध Uttarkhand Public Service Commission (Procedure and Conduct of Business) Rules – 2013 एवं प्रथम संशोधन 2016 के सुसंगत प्राविधानों के अन्तर्गत कार्यवाही की जायेगी।
- (27) कदाचार के दोषी पाये गए अभ्यर्थियों के विरुद्ध कार्यवाही:- अभ्यर्थियों को सचेत किया जाता है कि आवेदन पत्र भरते समय न तो कोई झूठे विवरण प्रस्तुत करें और न ही किसी महत्वपूर्ण सूचना को छिपाएं। उन्हें यह भी चेतावनी दी जाती है कि वे अपने द्वारा प्रस्तुत किसी प्रलेख या उसकी अनुप्रमाणित/प्रमाणित प्रति की किसी प्रविष्टि में कोई शोधन या परिवर्तन या अन्यथा फेरबदल नहीं करें तथा न ही वे फेरबदल किया गया/जाली प्रलेख प्रस्तुत करें। यदि दो या दो से अधिक दस्तावेजों के बीच अथवा उनकी अनुप्रमाणित/प्रमाणित प्रतियों में कोई असंगति या विसंगति हो तो इस विसंगति के बारे में अभ्यर्थी को स्पष्टीकरण प्रस्तुत करना चाहिए।
- (28) अभ्यर्थी को निम्नलिखित कारणों से आयोग द्वारा दोषी घोषित किया जायेगा :-1. अग्रलिखित तरीकों से अपनी उम्मीदवारी के लिए समर्थन प्राप्त किया गया है, अर्थात् (क) गैर कानूनी रूप से पारितोषण की पेशकश करना, (ख) अनुचित दबाव डालना या (ग) परीक्षा आयोजित करने से संबंधित किसी भी व्यक्ति को ब्लैकमेल करना अथवा तथा उसे ब्लैकमेल करने की धमकी देना, अथवा 2. नाम बदलकर परीक्षा देना है, अथवा अनुचित लाभ प्राप्त करने के आशय से ओ०एम०आर० उत्तर पत्रक/उत्तर पुस्तिका में अनुक्रमांक गलत भरना हो अथवा 3. प्रतिरूपण द्वारा छल करते हुए अन्य व्यक्ति से परीक्षा दिलाना, कूट-रचित प्रवेश पत्र के साथ परीक्षा भवन में प्रवेश किया हो, अथवा 4. जाली प्रमाण पत्र या ऐसे प्रमाण पत्र प्रस्तुत किए हैं, जिनमें तथ्यों को बिगाड़ा/फेरबदल किया गया हो, अथवा 5. गलत या झूठे वक्तव्य दिए हैं या किसी महत्वपूर्ण तथ्य को छिपाया है, अथवा 6. परीक्षा के लिए अपनी उम्मीदवारी के संबंध में निम्नलिखित साधनों का उपयोग किया है, (क) गलत तरीके से प्रश्न पत्र की प्रति प्राप्त करना (ख) परीक्षा से संबंधित गोपनीय कार्य से जुड़े व्यक्ति के बारे में कोई जानकारी प्राप्त करना, (ग) परीक्षकों को प्रभावित करना, या 7. परीक्षा के समय अनुचित साधनों का प्रयोग किया हो, या 8. उत्तर पुस्तिकाओं पर असंगत बातें लिखना, जो अश्लील भाषा में या अभद्र आशय की हो या अश्लील या भद्दे रेखाचित्र बनाना, अथवा 9. परीक्षा भवन में दुर्व्यवहार करना, जिनमें उत्तर पुस्तिकाओं अथवा उत्तर पत्रकों का फाड़ना, उत्तर पुस्तिकाओं अथवा उत्तर पत्रकों को परीक्षा कक्ष से लेकर भाग जाना, परीक्षा देने वालों को परीक्षा का बहिष्कार करने के लिए उकसाना अथवा अव्यवस्था तथा ऐसे ही अन्य स्थिति पैदा करना शामिल है, अथवा 10. परीक्षा संचालन के लिए आयोग द्वारा नियुक्त कर्मचारियों को परेशान किया हो या अन्य प्रकार की शारीरिक क्षति पहुँचायी हो, या 11. परीक्षा हॉल में परीक्षा के दौरान मोबाइल फोन/पेजर या आयोग द्वारा वर्जित अन्य किसी प्रकार

का इलैक्ट्रानिक उपकरण या यन्त्र अथवा संचार यन्त्र के रूप में प्रयोग किये जा सकने वाला कोई अन्य उपकरण प्रयोग करते हुए या अपने पास रखे पाया गया हो, या 12. परीक्षा की अनुमति देते हुए अभ्यर्थियों को भेजे गये प्रमाणपत्रों के साथ जारी अनुदेशों का उल्लंघन किया है, अथवा 13. उपर्युक्त खंडों में उल्लिखित सभी अथवा किसी भी कार्य को करने का प्रयत्न किया हो या करने की प्रेरणा दी हो, जैसी भी स्थिति हो, उन पर आपराधिक अभियोग चलाया जा सकता है और उसके साथ ही उसे (क) आयोग द्वारा ऐसे अभ्यर्थी को उस परीक्षा के लिए अयोग्य ठहराया जा सकता है जिसमें वह बैठ रहा है, और/अथवा (ख) उसे स्थायी रूप से अथवा एक विशेष अवधि के लिए (i) आयोग द्वारा ली जाने वाली किसी भी परीक्षा अथवा चयन के लिए विवर्जित किया जा सकता है (ii) राज्य सरकार द्वारा उसके अधीन किसी भी नौकरी से वारित किया जा सकता है। (ग) यदि वह सरकार के अधीन पहले से ही सेवा में है तो उसके विरुद्ध उपर्युक्त नियमों के अधीन अनुशासनिक कार्यवाही की जा सकती है। इस नियम के अधीन कोई शास्ति तब तक नहीं दी जायेगी जब तक (i) अभ्यर्थी को इस संबंध में लिखित अभ्यावेदन, जो वह देना चाहे, प्रस्तुत करने का अवसर दिया गया हो और (ii) अभ्यर्थी द्वारा अनुमत समय में प्रस्तुत अभ्यावेदन पर, यदि कोई हो, आयोग द्वारा विचार कर लिया गया हो।

(29) निम्नलिखित अभिलेख आयोग कार्यालय द्वारा वांछित होने पर प्रस्तुत किया जाना आवश्यक होगा—

(क) शैक्षिक अर्हता से सम्बन्धित समस्त अंकतालिका, समस्त प्रमाण-पत्र व अनापत्ति प्रमाणपत्र (यदि लागू हो) एवं आरक्षण श्रेणी/उपश्रेणी से सम्बन्धित प्रमाण पत्र की स्वप्रमाणित फोटो प्रतियाँ।

(ख) आरक्षण के दावे की पुष्टि के लिए जिलाधिकारी/अपर जिला मजिस्ट्रेट/नगर मजिस्ट्रेट/एस.डी. एम./तहसीलदार द्वारा उत्तराखण्ड राज्य के निर्धारित प्रपत्र पर जारी जाति प्रमाण-पत्र प्रस्तुत करना होगा। शासनादेश संख्या-310/XVII-2/16-02(OBC)/2012 दिनांक 26.02.2016 द्वारा अन्य पिछड़ा वर्ग प्रमाण पत्र की वैधता, निर्गत होने की तिथि से 03 वर्ष की अवधि तक है। **अभ्यर्थी द्वारा प्रस्तुत अन्य पिछड़ा वर्ग प्रमाण पत्र ऑनलाइन आवेदन पत्र जमा करने की अन्तिम तिथि तक अवश्य वैध होना चाहिये।**

(ग) शासनादेश सं0-123/XXX(2)/2019-30(1)/2019 दिनांक 29.04.2019 के अनुसार आर्थिक रूप से कमजोर वर्गों के लिए, विज्ञापन में निर्धारित आवेदन की अन्तिम तिथि तक निर्गत आय एवं सम्पत्ति प्रमाण पत्र ही मान्य होंगे।

(घ) उध्वाधर/क्षैतिज आरक्षण एवं अधिकतम आयु में छूट की प्राप्ति हेतु सक्षम अधिकारी द्वारा निर्धारित प्रारूप पर निर्गत प्रमाण पत्र एवं अधिवास प्रमाण पत्र प्रस्तुत करना अनिवार्य है, जो ऑनलाइन आवेदन किये जाने की अन्तिम तिथि के पूर्व जारी हुआ हो।

(30) चयन परिणाम पद हेतु विहित संगत सेवा नियमावली के प्राविधानों के अनुसार तैयार किया जायेगा तथा चयनित अभ्यर्थियों के ऑनलाइन आवेदन में किये गये दावों की पुष्टि हेतु मूल शैक्षणिक एवं अन्य अभिलेखों से मिलान कर सत्यापन के पश्चात ही चयन संस्तुति शासन को प्रेषित की जायेगी।

(31) नियुक्ति हेतु चयनित अभ्यर्थियों को नियुक्ति से पूर्व नियमानुसार अपेक्षित स्वास्थ्य परीक्षण कराना होगा। यह कार्यवाही नियुक्ति से पूर्व सम्बन्धित नियुक्ति अधिकारी/प्राधिकारी द्वारा पृथक से की जाएगी।

(32) परीक्षा कार्यक्रम एवं अन्य आवश्यक सूचना समय-समय पर आयोग की वेबसाईट एवं दैनिक समाचार पत्रों के माध्यम से प्रसारित की जायेगी।

-SD-
(कर्मन्द् सिंह)
सचिव

परिशिष्ट-1

वन क्षेत्राधिकारी परीक्षा-2021 हेतु अत्यधिक संख्या में आवेदन पत्र प्राप्त होने की दशा में उपयुक्त अभ्यर्थियों के चयन हेतु प्रारम्भिक परीक्षा (वस्तुनिष्ठ प्रकार) का आयोजन निम्न नगरों में कराया जायेगा :-

S.No.	CITY	CITY CODE
01	Almora	01
02	Bageshwer	02
03	Champawat	03
04	Dehradun	04
05	Rishikesh	05
06	Nanital	06
07	Haldwani	07
08	Haridwar	08
09	Roorkee	09
10	Rudrapur	10
11	Khatima	11
12	Pantnagar	12
13	Pithoragarh	13
14	Pauri Garhwal	14
15	Kotdwar	15
16	Srinagar	16
17	Chamoli	17
18	Tehri Garhwal	18
19	Uttarkashi	19

नोट 1:- प्रारम्भिक परीक्षा में सफल अभ्यर्थियों हेतु मुख्य लिखित परीक्षा एवं शारीरिक मानक परीक्षा का आयोजन हरिद्वार नगर में किया जायेगा। अभ्यर्थी ऑनलाईन आवेदन-पत्र के सम्बन्धित कॉलम में प्रारम्भिक परीक्षा हेतु परीक्षा केन्द्र के लिए नगर के संबंध में अपना विकल्प अनिवार्य रूप से प्रस्तुत करें।

2:- आयोग अभ्यर्थियों को उनके द्वारा प्रस्तुत विकल्प के अनुसार आवेदित नगरों में परीक्षा केन्द्र आवंटित करने का प्रयास करेगा, किन्तु अपरिहार्य परिस्थितियों में अभ्यर्थियों को उनके विकल्प से इतर अन्य नगर भी आवंटित किये जा सकते हैं। केन्द्र निर्धारण के उपरान्त परीक्षा केन्द्र परिवर्तन के संबंध में किसी भी प्रकार के अनुरोध/प्रत्यावेदन पर विचार नहीं किया जायेगा।

परिशिष्ट-2

शासनादेश संख्या-256/18-प्रा0शि0-2-88-20/82, दिनांक 16.07.1982 ऊँचाई की नापतौल में छूट चाहने वाले उम्मीदवारों द्वारा प्रस्तुत किया जाने वाला प्रमाण-पत्र

प्रमाणित किया जाता है कि श्री/श्रीमती/कुमारी.....
.....पुत्र/पुत्री श्री/श्रीमती.....ग्राम.....तहसील/तालुका.....
.....जिला.....राज्य.....के स्थायी निवासी हैं।

उपरोक्त उल्लिखित क्षेत्र के अनुसूचित जनजातियों और गोरखा, नेपाली, आसामी, लद्दाखी, सिक्कीमी, भूटानी, गढ़वाली, कुमाऊँनी, मिजो, नागा के मूल वंश और अरुणाचल प्रदेश, लाहुल एवं स्पिति और मेघालय अभ्यर्थियों हेतु ऊँचाई की मापतौल में छूट दी गयी है।

स्थान.....
दिनांक.....

हस्ताक्षर

प्रमाण पत्र जारी करने वाले प्राधिकारी का नाम

पदनाम

पदनाम की मुहर

नोट: कृपया जो लागू हो उस पर सही (✓) का निशान लगायें।

परिशिष्ट-3

परीक्षा योजना:—प्रतियोगिता परीक्षा में कमवार तीन स्तर सम्मिलित हैं यथा (1) प्रारम्भिक परीक्षा (वस्तुनिष्ठ प्रकार की) (2) मुख्य परीक्षा (लिखित परीक्षा) (परम्परागत प्रकार की) (3) मौखिक परीक्षा (व्यक्तित्व परीक्षा)।

टिप्पणी:— प्रारम्भिक परीक्षा आवेदकों की संख्या विज्ञापन में उल्लिखित रिक्तियों के अनुपात में बहुत अधिक होने की स्थिति में ही आयोग के निर्णय के अनुसार आयोजित होगी। इस परीक्षा के प्राप्तांक मुख्य लिखित परीक्षा व साक्षात्कार (व्यक्तित्व परीक्षण) के प्राप्तांकों के साथ नहीं जोड़े जायेंगे।

वन क्षेत्राधिकारी प्रारम्भिक परीक्षा का पाठ्यक्रम परीक्षा योजना

क्र०सं०	विषय	अधिकतम अंक	समय अवधि
1	सामान्य अध्ययन एवं सामान्य बुद्धि परीक्षण (वस्तुनिष्ठ प्रकार)	150	02 घण्टे

वन क्षेत्राधिकारी पद के लिए मुख्य (लिखित) परीक्षा का पाठ्यक्रम परीक्षा योजना

क्र०सं०	विषय	अधिकतम अंक	समय अवधि
1	प्रथम अनिवार्य प्रश्नपत्र सामान्य ज्ञान	100	03 घण्टे
2	द्वितीय अनिवार्य प्रश्नपत्र अंग्रेजी	100	03 घण्टे
3	तृतीय अनिवार्य प्रश्नपत्र सामान्य हिन्दी	100	03 घण्टे
4	प्रथम वैकल्पिक विषय	200	03 घण्टे
5	द्वितीय वैकल्पिक विषय	200	03 घण्टे
6	साक्षात्कार	75	
कुल अंक		775	

नोट— सामान्य हिन्दी प्रश्नपत्र में न्यूनतम 35 प्रतिशत अंक प्राप्त करना अनिवार्य होगा।

APPENDIX-3

Forest Range Officer Preliminary Examination Syllabus
Exam Plan

Sl. No.	Subject	Maximum Marks	Time duration
1	General Studies and General Aptitude Test (Objective Type)	150	02 Hours

Forest Range Officer Main (Written) Examination Syllabus
Exam Plan

Sl. No.	Subject	Maximum Marks	Time duration
1	First Compulsory Paper General Knowledge	100	03 Hours
2	Second Compulsory Paper General English	100	03 Hours
3	Third Compulsory Paper General Hindi	100	03 Hours
4	First Optional Subject	200	03 Hours
5	Second Optional Subject	200	03 Hours
6	Interview		75
Total Marks			775

Note : It is essential to obtain minimum of 35% marks in **General Hindi** paper.

वन क्षेत्राधिकारी परीक्षा पाठ्यक्रम

प्रारम्भिक परीक्षा

सामान्य अध्ययन एवं सामान्य बुद्धि परीक्षण (वस्तुनिष्ठ प्रकार)

समय—2 घंटे

अधिकतम अंक—150

खण्ड—1 : सामान्य अध्ययन

अधिकतम अंक—100

कुल प्रश्न—100

- 1 सामान्य विज्ञान एवं कंप्यूटर से संबंधित आधारभूत जानकारी :** सामान्य विज्ञान एवं कंप्यूटर संचालन की आधारभूत जानकारी सम्बन्धी प्रश्न विज्ञान एवं कंप्यूटर की सामान्य समझ एवं दैनिक जीवन में इनके अनुप्रयोग, प्रेक्षण एवं अनुभव पर आधारित होंगे, जो कि ऐसे शिक्षित व्यक्ति से अपेक्षित हैं जिसका विज्ञान या कंप्यूटर की किसी भी शाखा में विशेष अध्ययन न हो।
- 2 भारत का इतिहास तथा भारतीय राष्ट्रीय आन्दोलन :** भारत का इतिहास तथा भारतीय राष्ट्रीय आन्दोलन के अन्तर्गत प्रश्न; प्राचीन, मध्यकालीन एवं आधुनिक भारतीय इतिहास के राजनैतिक, सामाजिक, आर्थिक एवं सांस्कृतिक पहलुओं की व्यापक जानकारी तथा भारत के स्वतंत्रता आन्दोलन, राष्ट्रवाद के विकास एवं स्वतंत्रता प्राप्ति पर आधारित होंगे।
- 3 भारतीय राज्य व्यवस्था एवं अर्थव्यवस्था :** भारतीय राज्य व्यवस्था एवं अर्थव्यवस्था के अन्तर्गत प्रश्न; भारतीय राज्यव्यवस्था, संविधान, पंचायती राज और सामुदायिक विकास तथा भारतीय अर्थव्यवस्था एवं नियोजन की व्यापक विशेषताओं की समझ पर आधारित होंगे।
- 4 भारत का भूगोल एवं जनांकिकी :** इसके अन्तर्गत प्रश्न भारत के भौगोलिक पारस्थितिकीय और सामाजिक-आर्थिक जनांकिकीय पक्षों की व्यापक समझ पर आधारित होंगे।
- 5 सम-सामयिक घटनाएं :** इसके अन्तर्गत प्रश्न समसामयिक उत्तराखण्ड राज्यीय तथा राष्ट्रीय एवं अन्तर्राष्ट्रीय महत्व की घटनाओं खेलकूद सहित की समझ पर आधारित होंगे।
- 6 उत्तराखण्ड का इतिहास :** उत्तराखण्ड की ऐतिहासिक पृष्ठभूमि: प्राचीनकाल (आरम्भ से 1200 ई० तक): मध्यकाल (1200 से 1815 ई० तक): प्रभावशाली राजवंश एवं उनकी

उपलब्धियाँ, गोरखा आक्रमण एवं शासन, ब्रिटिश शासन, टिहरी रियासत एवं उसकी शासन व्यवस्था, स्वतंत्रता आन्दोलन में उत्तराखण्ड की भूमिका और इससे सम्बन्धित प्रमुख विभूतियाँ, प्रमुख ऐतिहासिक स्थल एवं स्मारक, उत्तराखण्ड राज्य निर्माण आन्दोलन, उत्तराखण्ड के लोगों का राष्ट्रीय एवं अन्तर्राष्ट्रीय क्षेत्रों में; विशेष रूप से सशस्त्र बलों में योगदान; विभिन्न समाज सुधार आन्दोलन तथा अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति, बच्चों, दलितों एवं महिलाओं हेतु उत्तराखण्ड शासन के विभिन्न कल्याणकारी कार्यक्रम।

7 उत्तराखण्ड की संस्कृति : जातियां एवं जनजातियां, धर्म एवं लोक विश्वास, साहित्य, लोक साहित्य, परम्पराएं एवं रीति-रिवाज, वेश-भूषा एवं आभूषण, मेले एवं त्यौहार, खान-पान, कला शिल्प ; नृत्य, गायन एवं वाद्य यंत्र, प्रमुख पर्यटन-स्थल, महत्वपूर्ण खेलकूद, प्रतियोगिताएं एवं पुरस्कार, उत्तराखण्ड के प्रसिद्ध लेखक एवं कवि तथा उनका हिन्दी-साहित्य एवं लोक-साहित्य में योगदान, उत्तराखण्ड शासन द्वारा संस्कृति के विकास हेतु उठाए गए कदम।

8 उत्तराखण्ड का भूगोल एवं जनांकिकी: भौगोलिक स्थिति। उत्तराखण्ड हिमालय की प्रमुख विशेषताएं। उत्तराखण्ड में नदियां, पर्वत, जलवायु, वन संसाधन एवं बागवानी। प्रमुख फसलें एवं फसल चक्र। सिंचाई के साधन। कृषि जोतें। प्राकृतिक एवं मानव जनित आपदायें एवं आपदा प्रबन्धन। जल संकट और जलागम प्रबन्धन। दूरस्थ क्षेत्रों की समस्याएँ। पर्यावरण एवं पर्यावरणीय आन्दोलन। जैव विविधता एवं इसका संरक्षण। उत्तराखण्ड की जनसंख्या: वर्गीकरण, धनत्व, लिंगानुपात, साक्षरता एवं जनसंख्या पलायन।

9 उत्तराखण्ड का आर्थिक, राजनीतिक व प्रशासनिक परिवेश।

राजनीतिक एवं प्रशासनिक परिवेश:- उत्तराखण्ड में गठित सरकारें एवं उनकी नीतियाँ, राज्य की विभिन्न प्रकार की सेवाएं, प्रदेश की राजनैतिक एवं प्रशासनिक व्यवस्था, पंचायती-राज, सामुदायिक विकास तथा सहकारिता।

प्रशासनिक व्यवस्था की ऐतिहासिक पृष्ठभूमि – गोरखा एवं ब्रिटिश शासन काल में भूमि सम्बन्धी व्यवस्थाएँ— जिला भूमि प्रबन्धन (थोकदारी, वन पंचायतें, सिविल एवं सोयम वन केशर हिन्द (बेनाप भूमि) नजूल, नयाबाद बन्दोबस्त)। आधुनिक काल— उत्तर प्रदेश एवं कुमाऊँ—उत्तराखण्ड जमींदारी विनाश एवं भूमि व्यवस्था अधिनियम लागू होने के बाद भूमि-सुधार, लैंड टैन्डोर में परिवर्तन, लगान वसूली व्यवस्था। राजस्व पुलिस-व्यवस्था।

आर्थिक परिवेश:- सीमान्त जनपदों का प्राचीन काल में तिब्बत से व्यापार एवं व्यापार की वर्तमान स्थिति, स्थानीय कृषि, पशुपालन, कृषि जोतों की अलाभकर स्थिति व चकबंदी की आवश्यकता, बेगार तथा डडवार प्रथा।

10 आर्थिक व प्राकृतिक संसाधनः— मानव संसाधन, प्रदेश की शिक्षा व्यवस्था एवम् प्रमुख शिक्षण संस्थान; वन, जल, जडी-बूटी, कृषि, पशुधन, जल-विद्युत, खनिज, पर्यटन, उद्योग (लघु व ग्रामीण) संसाधनों के उपयोग की स्थिति।

उत्तराखण्ड में गरीबी व बेरोजगारी, उन्मूलन व आर्थिक विकास की दिशा में चलाई जा रही विभिन्न योजनाएँ/आर्थिक क्रियायें एवं इनका राज्य जी० डी० पी० में योगदान, उत्तराखण्ड में विकास की प्राथमिकतायें व नियोजन की नवीन रणनीति तथा समस्याएँ। उत्तराखण्ड में विपणन की सुविधाएं तथा कृषि मन्डियां, उत्तराखण्ड के बजट की प्रमुख विशेषताएँ।

खण्ड-2 : सामान्य बुद्धि परीक्षण

अधिकतम अंक-50

कुल प्रश्न-50

1 सामान्य बुद्धिमता : इसके अन्तर्गत प्रश्न सामान्य बुद्धिमता से संबंधित जैसे शाब्दिक और गैर-शाब्दिक दोनों प्रकार के प्रश्न होंगे और इसमें सादृश्यों, समानताओं तथा अंतरों, स्थानिक कल्पना, समस्या, समाधान, विश्लेषण, निर्णय लेना, दृश्य स्मृति, विभेद, अवलोकन, संबंध अवधारणा, अंकगणितीय तर्क, शाब्दिक एवं चित्रात्मक वर्गीकरण, अंकगणितीय संख्या श्रृंखला आदि सम्मिलित होंगे। इसमें अभ्यर्थी की योग्यता का सामान्य विचार और संकेत और उनके संबंध, अंकगणितीय गणना तथा अन्य विश्लेषणात्मक कार्य आदि के प्रश्न भी शामिल होंगे।

Forest Rangers Examination Syllabus

Preliminary Examination

General Studies and General Aptitude Test (Objective Type)

Time : 2 Hours

Maximum Marks : 150

Part -1 : General Studies

Maximum Marks-100

Total Questions-100

- 1 General Science and Knowledge of Computer Operation:** Questions on General Science and Computer operation will cover general understating and application of science and Computers including matters of day to day observation and experience as may be expected from an educated person who has not made a special study of any scientific or computer discipline.
- 2 History of India and Indian National Movement:** Questions on history of India and Indian National Movement will be based on broad understanding of ancient, mediaeval and modern India's political, social, economic, and cultural aspects and India's Freedom movement, growth of nationalism and attainment of Independence.
- 3 Indian polity and Economy:** Questions on Indian polity and economy will be based on Indian polity, Constitution, Panchayati raj and Community development, broad features of Indian economy and planning.
- 4 Geography and Demography of India:** Questions will be based on a broad understanding of geographical, ecological and socio-economic aspects and demography of India.
- 5 Current Events:** Questions will be based on important Uttarakhand State, National and International current events including games.
- 6 History of Uttarakhand:** Historical background of Uttarakhand: Ancient period (from earliest to 1200 AD) ; Mediaeval period (from 1200 to 1815 AD): Important dynasties and their achievements; Gorkha invasion and administration, British rule, Tehri State and its administration, role of Uttarakhand in the Freedom Movement of India and related eminent personalities, historical sites and monuments; movements for the formation of Uttarakhand, contribution of people of Uttarakhand in National and International fields, especially in Armed forces; different social reform movements, and different welfare programmes of Uttarakhand for SC, ST, children, minorities and women.
- 7 Culture of Uttarakhand:** Castes and tribes, religious and folk beliefs, literature and folk literature, traditions and customs, costumes and ornaments; Fairs and Festiveals, food habits, art and Crafts, dances, songs, musical instruments, major tourist places, important sports, tournaments and awards, famous authors and poets of Uttarakhand and their contribution in the field of Hindi literature and folk literature, State steps taken by Uttarakhand for the development of culture.

- 8 Geography and Demography of Uttarakhand :** Geographical Setup. Salient features of Uttarakhand Himalaya. Rivers and streams, mountains, climate, forest resources and horticulture. Major crops and crop rotation. Means of irrigation. Agricultural holdings. Natural and man-made calamities and Disaster management. Water crises and watershed management. Problems of remote areas. Environment and environmental movements. Biodiversity and its preservation. Population of Uttarakhand: Classification, density, sex ratio, literacy and out-migration.
- 9 Economic, Political and Administrative Background of Uttarakhand :**
Political and Administrative Background- Elected governments in Uttarakhand and their policies, different services in the State, the political and administrative systems, Panchayti raj, Community development and Co-operatives.
The historical background of the administrative system in Uttarakhand- Land management system under Gorkhas rule and British rule, district land management (Thokdari, van panchayat, civil and soyam forest, Kesar-i-hind(benap land)Nazul, nayabad settlements) Modern period Uttar Pradesh and Uttarakhand-Kumaun land reforms, changes in land tenures and collection of land revenue after the enforcement of Zamindari Abolition Act, revenue police system.
Economic background – Indo-Tibetan trade from border districts, the present position, local agriculture and animal husbandry, the uneconomic condition of land holdings and need for consolidation of holdings, Begar and Dadwar systems.
- 10 Economic and natural resources :** Human resources, Education system of the State and important educational institutes; forest, water, herbs, agriculture, animals, hydro electricity, minerals, tourism, industries (Small and Village), the position of utilization of resources.
 Various schemes being implemented in Uttarakhand for the eradication of poverty and unemployment and for economic development. Economic activities and their contribution in the State GDP. The priorities of development in Uttarakhand and new strategies of planning and its problems. Marketing facilities in Uttarakhand and agriculture mandis. The salient features of the budget of Uttarakhand State.

Part -2 : General Aptitude Test

Maximum Marks-50

Total Questions-50

- 1 General Intelligence:** The questions on general intelligence will cover, both, verbal and non verbal types, including questions on analogies, similarities, differences, space visualization, problem solving, analysis, judgement, decision making, visual memory, discrimination, observation, relationship concepts, arithmetical reasoning, verbal and figure classification and arithmetical number series. The test will also include questions designed to test the candidate's ability to deal with abstract ideas, symbols and their relationships, arithmetical computations and other analytical functions.

Syllabus for Main Examination of Forest Range Officers
(A) The written examination shall be held in the following manner

Compulsory Subjects

1. GENERAL KNOWLEDGE – 100 Marks (Time - 3.00 hrs)

The paper on General knowledge will include questions covering current events of National and International importance, History of India - Indian Freedom Movement, Constitution of India, General appreciation and understanding of Science including everyday matter of observation and experience as may be expected of a well-educated person.

Geography of nature, political system including local self government in Uttarakhand, Indian economy.

Note- This paper carries 10 questions. Each question 10 marks. All questions are compulsory.

2. GENERAL ENGLISH – 100 Marks (Time - 3.00 hrs)

Essay, Precis writing, Letter writing, Usages, Vocabulary and Application of Grammar.

1- Write an essay in approximately 400 words on any one of the following topics – (20 Marks)

- (A) Science, Technology and Environment
- (B) Literature and Culture
- (C) Economic Development and Planning
- (D) Social and Political sphere of Uttarakhand
- (E) National and International Issues
- (F) Natural Calamities

2- Précis Writing - (5+10 Marks)

3- Letter writing - (10+ 10 Marks)

- (A) Official letters
- (B) Semi Government letters
- (C) Telegram
- (D) Official orders
- (E) Notice
- (F) Circular/Official Memorandum

4- Vocabulary – (5+5+5 Marks)

- (A) Synonyms
- (B) Antonyms
- (C) One-word Substitute

5- Usages – (5 Marks)

Idioms and Phrases

6- Application of Grammar- (10+10+5 Marks)

- (A) Parts of Speech
- (B) Transformation and Synthesis
- (C) Punctuation

3. GENERAL HINDI – 100 Marks (Time - 3.00 hrs)

- | | |
|--|--------------|
| (1) प्रश्न-पत्र में दिये गये गद्यखण्ड का अवबोध एवं प्रश्नोत्तर। | 10 + 5 = 15 |
| (2) संक्षेपण। | 5 + 10 = 15 |
| (3) सरकारी एवं अर्द्धसरकारी पत्र लेखन, तार, कार्यालय आदेश, अधिसूचना, परिपत्र। | 10 + 10 = 20 |
| (4) शब्द ज्ञान एवं प्रयोग- (अ) उपसर्ग एवं प्रत्यय | 05 |
| (आ) विलोम शब्द | 05 |
| (इ) वाक्यांश के लिए एक शब्द | 05 |
| (ई) वर्तनी एवं वाक्याशुद्धि। | 05 |
| (5) लोकोक्ति एवं मुहावरें। | 20 |
| (6) कम्प्यूटर और हिन्दी। (सरकारी कामकाज में हिन्दी क्षेत्र में कम्प्यूटर की उपयोगिता एवं आवश्यकता) | 10 |

नोट:- अनिवार्य विषय सामान्य हिन्दी प्रश्न-पत्र में न्यूनतम 35 % अंक प्राप्त करना अनिवार्य होगा।

Optional Subjects

4. Any 2 (two) Subjects out of the following carrying 200 Marks each.

1. Agriculture
2. Botany
3. Chemistry
4. Computer Applications/Computer Science
5. Engineering (Agriculture/Chemical/Civil/Computer/Electrical/Electronics/Mechanical)
6. Environmental Science
7. Forestry
8. Geology
9. Horticulture
10. Mathematics
11. Physics
12. Statistics
13. Veterinary Science
14. Zoology

Each optional subject will have one question paper of 3.00 hour duration carrying 200 marks. Each question paper shall have two parts containing four questions in each part. Candidates will be required to answer five questions in all. It shall be compulsory to answer at least two questions from each part. The standard and syllabus of each subject will in general be equivalent to that of the University Degree Course Examination. A candidate is required to select any two of the above optional subjects but will not be allowed to offer the following combination of subjects.

- (a) Agriculture, Agricultural Engineering and Veterinary Science.
- (b) Chemistry and Chemical Engineering.
- (c) Computer Application/Computer Science and Computer Engineering.
- (d) Electrical Engineering and Electronic Engineering.
- (e) Mathematics and Statistics

(B) Interview – 75 Marks

1. AGRICULTURE

SECTION – A

Ecology and its relevance to man, natural resources, their management and conservation. Environmental factors of crop distribution and production. Climatic elements as factor of crop growth, impact of changing environment on cropping pattern. Environmental pollution and associated hazards to crops, animals and humans.

Cropping patterns in different agro-climatic zones of the state. Impact of high yielding and short duration varieties on shifts in cropping patterns. Concepts of multiple cropping, multistory, relay and inter-cropping and their importance in relation to sustainable crops production. Package of practices for production of important cereals, pulses, oilseeds, fibre, sugar and cash crops grown during Kharif and Rabi seasons in different regions of the state. Important features, scope and propagation of various types of forestry plants with reference to agro-forestry and social forestry. Weeds, their characteristics, dissemination and association with various field crops; their multiplications; cultural, biological and chemical control of weeds. Processes and factors of soil formation, classification of Indian soils including modern concepts. Mineral and organic constituents of soils and their role in maintaining soil productivity. Problem soils, extent and distribution in India and their reclamation. Essential plant nutrients and other beneficial elements in soils and plants, their occurrence, factors affecting their distribution, functions and cycling in soil. Symbiotic and non-symbiotic nitrogen fixation. Principles of soil fertility and its evaluation for judicious fertilizer use. Soil conservation planning on watershed basis, Erosion and runoff management in hilly foothills and valley lands; processes and factors affecting them. Dry land agriculture and its problems. Technology for stabilising agriculture production in rainfed agriculture area.

Water use efficiency in relation to crop production, criteria for scheduling irrigations, ways and means of reducing run-off losses of irrigation water. Drainage of water-logged soils. Farm management, scope, importance and characteristics, farm planning and budgeting. Economics of different types of farming systems. Marketing and pricing of agriculture inputs and outputs, price fluctuations and their cost, role of co-operatives in agricultural economy, types and systems of farming and factors affecting them. Agricultural extension, its importance and role, methods of evaluation of extension programmes, diffusion, communication and adoption of innovations, people's participation and motivation. Farm mechanization and its role in agricultural production and rural employment. Training programmes for extension workers and farmers. Extension systems and programmes : Training & Visits, NATP and IVLP.

SECTION - B

Heredity and variation. Mendel's law of inheritance, Chromosomal theory of inheritance. Cytoplasmic inheritance. Sex linked, sex influenced and sex limited characters. Spontaneous and induced mutations. Role of chemicals in mutation. Origin and domestication of field crop. Morphological patterns of variations in varieties and related species of important field crops. Cause and utilization of variation in crop improvement. Application of the principles of plant breeding to the improvement of major field crops, methods of breeding of self and cross-pollinated crops. Introduction, selection, hybridization. Male sterility and self-incompatibility, utilization of mutation of polypoidy in breeding. Seed technology and its importance, production, processing, storage and testing of seeds. Role of national and state seed organization in production. Processing and marketing of improved seeds. Physiology and its significance in agriculture, physical properties and chemical constitution of protoplasm, inhibition, surface tension, diffusion and osmosis, absorption and translocation of water, transpiration and water economy.

Enzymes and plant pigments. Photosynthesis – modern concepts and factors affecting the process, aerobic and anaerobic respiration. Growth and development, Photoperiodism and vernalization. Plant growth regulators and their mechanism of action and importance in crop production. Climatic requirements and cultivation of major fruits and vegetable crops; package of practices and the scientific basis for the same. Pre and post harvest physiology of fruits and vegetables. Principal methods of preservation of fruits and vegetables. Processing techniques and equipment. Landscape and Floriculture including raising of ornamental plants. Design and layout of lawns and gardens. Diseases and pests of vegetables, fruits and plantation crops of the state, and measures to control plant diseases. Integrated management of pests and diseases Pesticides and their formulations, plant protection equipment, their care and maintenance.

Storage pests of cereals and pulses, hygiene of storage godowns; preservation and remedial measures.

2. BOTANY

SECTION – A

Microbiology, Plant pathology, Plant diversity and Morphogenesis.

1. Microbiology: – Microbial diversity, elementary idea of microbiology of air, water and soil, a general account of microbial infection and immunity, application of microbiology with reference to agriculture, industry, medicine and environment.

2. Plant Pathology – Important plant diseases caused by viruses, bacteria, algae, fungi and nematodes with special reference to root blot of crucifers, tobacco mosaic, leaf curl of papaya, citrus canker, leaf blight of paddy, rust of tea, rust of wheat, smut of barley, late blight of potato, red rot of sugarcane and wilt of arhar.

3. Plant Diversity – Classification, structure, reproduction, life cycles and economic importance of viruses, bacteria, algae, fungi, bryophytes, pteridophytes and gymnosperms including fossils, morphology of root, stem, leaf, flower and seed, secondary growth; embryology-microsporogenesis and male gametophyte, megasporogenesis and female gametophyte, fertilization, embryo and endosperm development principles of taxonomy, modern systems of classification of angiosperms, rules of botanical nomenclature, biosystematics, distinguishing features of the families – Renunculaceae, Magnoliaceae, Brassicaceae, malvaceae, Fabaceae, Rosaceae, Apiaceae, Cucurbitaceae, Solanaceae, Asclepiadaceae, Verbenaceae, Lamiaceae, Asteraceae, Apocyanaceae, Euphorbiaceae, Arecaceae, Poaceae and Orchidaceae.

4. Morphogenesis – Correlation, polarity, symmetry, totipotency, differentiation and regeneration of tissues and organs; morphogenetic factors, methods and applications of cell, tissue, organ and protoplast cultures, somaclonal variations, somatic hybrids and cybrids.

SECTION – B

1. Cell Biology – Cell as structural and functional unit of life; ultrastructure of eukaryotic and prokaryotic cells, structure and function of plasma membrane, endoplasmic reticulum, chloroplasts, mitochondria, ribosomes, golgi bodies and nucleus; cell cycle, mitosis and meiosis, chromosomal morphology and chemistry, numerical and structural changes in chromosomes and their cytological and genetical effects.

2. Genetics – Mendal's law of inheritance, interaction of genes, linkage and crossing over, genetic recombination in fungi, cyanobacteria, bacteria and viruses, gene mapping, sex linkage, determination of sex, cytoplasmic inheritance of plastids; development of genetics and gene concept, genetic code; molecular genetics – DNA as genetic material, structure and replication of DNA, role of nucleic acids in protein synthesis (transcription and translation) and regulation of gene expression, mutation and evolution; DNA damage and repair, gene amplification, gene rearrangement, oncogene; genetic engineering-restriction enzyme, cloning vectors (pBR 322, pTi, lambda phage), gene transfer, recombinant DNA, genomic libraries, application of genetic engineering in human welfare.

3. Physiology and Biochemistry – Water relation of plants – absorption, conduction of water and transpiration; mineral nutrition and ion transport, translocation of photosynthates, essential micro and macroelements and their function; chemistry and

classification of carbohydrates; photosynthesis – mechanism and importance, factors affecting photosynthesis, C3 and C4 carbon fixation cycle, photorespiration; plant respiration and fermentation, Krebs's cycle; enzymes and co-enzymes, mechanism of enzyme action; secondary metabolites (alkaloids, steroids, terpenes, lipids), nitrogen fixation and nitrogen metabolism, structure of protein and its synthesis; plant growth – growth movements and senescence, growth hormones and growth regulators – their structure, role and importance in agriculture and horticulture; physiology of flowering, sexual incompatibility, seed germination and dormancy.

4. Ecology – Scope of ecology, ecological factors, plant communities and plant succession; concept of biosphere; ecosystem – structure and function, abiotic and biotic components, flow of energy in the ecosystem, applied aspects of ecology – natural resources and their conservation, endangered, threatened and endemic taxa; pollution and its control. **5. Economic Botany** – Origin of cultivated plants study of plants as sources of food, fibre, timber, drugs, rubber, beverage, spices, resin and gums, dyes, essential oils, pesticides and biofertilizers, ornamental plants, energy plantation and petrocrops.

3. CHEMISTRY

SECTION – A

Atomic Structure – Bohr's model and its limitations, de Broglie equation, Heisenberg uncertainty principle, quantum mechanical operators and the Schrodinger wave equation, physical significance of wave function and its characteristics (normalized, orthogonal), radial distribution and shapes of s, p, d and f-orbitals, particle in a one-dimensional box, quantization of electronic energies (qualitative treatment of hydrogen atom). Pauli's exclusion principle, Hund's rule of maximum multiplicity, Aufbau principle. Electronic configuration of atoms, Long form of Periodic table including trans-lanthanide elements. Periodicity in properties of the elements such as atomic and ionic radii, ionization potential, electron affinity, electronegativity and hydration energy.

Nuclear and Radiation Chemistry – Structure of nucleus (shell model), nuclear forces, nuclear stability N/P ratio, nuclear binding energy. Kinetics, detection and measurement of radioactivity, Artificial transmutation of elements and nuclear reactions, nuclear fission & fusion, radioactive isotopes and their applications. Radio carbon dating, Elementary ideas of radiation chemistry, radiolysis of water and aqueous solutions, unit of radiation chemical yield (G-value), Fricke's dosimetry.

Chemical Bonding – Valence bond theory (Heitler-London and Pauling-Slater theories), hybridization VSEPR theory and shapes of simple inorganic molecules. Molecular orbital theory, bonding, non-bonding and anti-bonding molecular orbitals, molecular orbital energy level diagrams for homo and hetero nuclear diatomic molecules, bond order, bond length and bond strength, sigma and pi-bonds, hydrogen bond, characteristics of covalent bond.

Chemistry of s- and p-Block Elements – General properties of s- and p-block elements, chemical reactivity of elements and group trends, chemical behaviour with respect to their hydrides, halides and oxides.

Chemistry of Transition Elements – General characteristics, variable oxidation states, complex formation, colour, magnetic and catalytic properties. Comparative study of 4d and 5d transition elements with their 3d analogues with respect to their ionic radii, oxidation state and magnetic properties.

Chemistry of Lanthanides and Actinides – Lanthanide contraction, oxidation states, Principles of separation of lanthanides and actinides. Magnetic and spectral properties of their compounds.

Coordination Chemistry – Werner's theory of coordination compounds, IUPAC system of nomenclature, effective atomic number (EAN) Isomerism in coordination compounds. Valence bond theory and its limitations, Crystal field theory, Crystal field splitting of d-orbitals in octahedral, tetrahedral and square planar complexes. Dq and factors affecting its magnitude, calculation of Crystal field stabilization energies (CFSE) for d^1 to d^9 weak and strong field octahedral complexes, spectrochemical series. Electronic spectra of 3d-transition metal complexes, types of electronic transitions, selection rules for electronic transitions, spectroscopic ground states for d^1 to d^{10} systems.

Bio-inorganic Chemistry – Essential and trace elements in biological processes, Metalloporphyrins with special reference to haemoglobin and myoglobin. Biological role of alkali and alkaline earth metal ions with special reference to Ca^{2+} .

Preparation, Properties and Uses of the following Inorganic Compounds – Heavy water, boric acid, diborane, hydrazine, hydroxylamine, potassium dichromate, potassium permanganate, (Ce(IV) sulphate and titanium (III) sulphate.

Polymers – Number average and weight average, sedimentation, light scattering, viscosity and osmotic pressure methods. Finding molecular weight of polymers.

SECTION – B

General Organic Chemistry – Electronic displacement – inductive, electromeric and mesomeric effects, Conjugation and hyperconjugation. Resonance and its application to organic compounds. Electrophiles, nucleophiles, carbocations, carbanions and free radicals. Organic acids and bases. Effects of structure on the strength of organic acids and bases. Hydrogen bond and its effect on the properties of organic compounds.

Concepts of Organic Reaction Mechanism – Mechanism of addition, substitution, elimination reactions and molecular re-arrangements. Mechanism of electrophilic and nucleophilic aromatic substitution. Mechanism of the following reactions; Aldol condensation, Claisen condensation, Beckmann re-arrangement, Perkin reaction, Reimer-Tiemann reaction, Cannizzaro's reaction, Friedel-Craft's reaction, Reformatsky's reaction and Wagner-Meerwein re-arrangement.

Aliphatic Compounds – Chemistry of simple organic compounds belonging to following classes with special reference to the mechanisms of the reactions involved therein ; alkanes, alkenes, alkynes, alkyl halides, alcohols, ethers, thiols, aldehydes, ketones, α , β -unsaturated carbonyl compounds, acids and their derivatives, amines, aminoacids, hydroxyl acids, unsaturated acids and dibasic acids. Synthetic uses of malonic ester, acetoacetic ester, Grignard's reagent, carbene, diazomethane and phosphoranes.

Carbohydrates – Classification, configuration and general reaction of simple monosaccharides. Osazone formation, mutarotation, pyranose and furanose structures. Chain lengthening and chain shortening in aldoses and ketoses. Interconversion of glucose and fructose.

Stereochemistry and Conformations – Elements of symmetry, optical and geometrical isomerism in simple organic compounds. Absolute configuration (R & S), Configurations of geometrical isomers, E & Z notations. Conformations of mono and disubstituted cyclohexanes. Boat and chair forms.

Aromatic Compounds – Modern structure of benzene ; concept of aromaticity, Huckel rule and its simple application to non-benzenoid aromatic compounds. Activating and deactivating effect of substituent groups, directive influence.

Study of the compounds containing following groups attached to the alkyl and benzene ring – Halogen, hydroxyl, nitro and amino groups. Sulphonic acids, benzaldehyde, salicylaldehyde, acetophenone, Benzoic, salicylic, phthalic, cinnamic and mandelic acids.

Naphthalene and Pyridine – Synthesis, structure and important reactions.

Alkaloids – General methods of structure elucidation of alkaloids, chemistry of nicotine.

Organic Polymers – Mechanism of polymerization, polymers of industrial importance, synthetic fibres.

Chemistry of Living Cells – A brief introduction, chemical constituents, cell membrane, acid-base balance. Diffusion and active transport. Donnan membrane equilibria.

Enzymes and Coenzymes – Nomenclature and characteristics, factors which affect enzyme activity.

NMR Spectroscopy – Principle of PMR, chemical shift, spin-spin coupling, interpretation of PMR spectra of simple organic molecules.

Evaluation of Analytical Data – Errors, accuracy and precision, Relative and standard deviation, rejection of doubtful observations, t-test, Q-test.

Solvent Extraction – Distribution law, Craigs concept of counter – current distribution, important solvent extraction systems.

Chromatography – Classification of chromatographic techniques, general principles of adsorption, partition ion exchange, paper and thin layer chromatography.

Environmental Chemistry – Air pollutants and their toxic effects, depletion of ozone layer Effects of oxides of nitrogen fluorochlorocarbons and their effect on ozone layer, Greenhouse effect, Acid rain.

4. Computer Science/Computer Application

Section A

Basic Mathematics Element of probability, matrix, algebra, integration, differentiation.

Basic Concepts Analog Vs digital, accuracy, reliability, fastness, character and number representations, decimal, binary, octal, hexadecimal numbers, floating point representation, batch processing, time sharing, multiprogramming, programming language, machine language and high level language, compiler and interpreter, study of commonly used peripherals.

Switching Theory and Digital Design Logic functions, Boolean algebra, simplifications, Gates, implementation of logical functions, design of combinational and sequential circuits, flip-flops, registers, encoder, decoder, code converters, counters, design with integrated circuits including ROM, PLA and multiplexers, microprocessor architecture, programming study of 8085/8086.

Programming and Data structures - Concepts of OOP's , C++ data types, control statements, procedures, Scope rules, arrays and records, enumerated data types, sets, pointers, recursion. File-sequential, indexed files, sorting and merging report generations. Arrays, queues, linked lists, stacks, tree traversal, evaluation of expressions using postfix notation, sorting algorithms, bubble sort, quick sort, heap sort, complexity of algorithms

Section B

Computer Organization Function organization, machine instructions, addressing modes, introduction to microprocessors, study of 8085/8086 communication between processor and I/O via DMA and interrupt priority, I/O processors, problems associated with bus scheduling. Micro computer memory, virtual memory, basic concepts, problems of virtual memory, page replacements algorithms, cache memory, associative memory. Fundamentals of parallel processing and its necessity pipelined processors and multiprocessors.

Systems Programming Editors, loaders, linkers, assemblers, phases of a compiler and their function, lexical analysers and parsers, parsing techniques, symbol table, code generation.

Operating Systems Batch, Multi-programming and time sharing systems, processor memory, device and file management, virtual memory, process scheduling, inter process communication, I/O redirection, process synchronization and concurrency, deadlocks, prevention, avoidance, detection and recovery, auxiliary storage management, file system functions and its hierarchy.

Data Processing Concepts File organisation techniques: indexing, relational and network data models, study of relational DBMS. Data dictionary, normal forms and query languages.

Computer Networks Data communication concepts, concepts, concepts of LAN, evolution of LAN, OSI - 7 layer reference model and design issues. Physical layer-transmission media, packet and circuit switching, topologies, Data link layer, token passing, sliding window protocols, protocols specification and verification, network layer, routing, congestion control, transport layer, session and presentation layers, design issues, application layer, file transfer, electronic mail.

Software Engineering and Applications Systems analysis, detailed analysis, feasibility study, tools for system designer, input and output design, program definition, module design and design review, structured programming and conversion, testing, training and documentation, systems life

cycle, role of System Analyst. Tools for office Automation, word processing Spreadsheets, ,
Multimedia systems, Application of computers .

5. (1). Agricultural Engineering

Section A

1. Soil and Water Conservation : Scope of soil and water conservation. Mechanics and types of erosion, their causes. Rainfall, runoff and sedimentation relationships and their measurement. Soil erosion control measures - biological and engineering including stream bank protection-vegetative barriers, contour bunds, contour trenches, contour stone walls, contour ditches, terraces, outlets and grassed waterways. Gully control structures - temporary and permanent - design of permanent soil conservation structures such as chute, drop and drop inlet spillways. Design of farm ponds and percolation ponds. Principles of flood control-flood routing. Watershed Management - investigation, planning and implementation - selection of priority areas and watershed work plan, water harvesting and moisture conservation. Land development - levelling, estimation of earth volumes and costing. Wind Erosion process - design of shelter belts and wind brakes and their management. Forest (Conservation) Act,

2. Aerial Photography and Remote Sensing : Basic characteristics of photographic images, interpretation keys, equipment for interpretation, imagery interpretation for land use, geology, soil and forestry.

Remote sensing - merits and demerits of conventional and remote sensing approaches. Types of satellite images, fundamentals of satellite image interpretation, techniques of visual and digital interpretations for soil, water and land use management. Use of GIS in planning and development of watersheds, forests including forest cover, water resources etc.

3. Irrigation and Drainage : Sources of water for irrigation. Planning and design of minor irrigation projects. Techniques of measuring soil moisture - laboratory and in situ, Soil-water plant relationships. Water requirement of crops. Planning conjunctive use of surface and ground water. Measurement of irrigation water, measuring devices - orifices, weirs and flumes. Methods of irrigation - surface, sprinkler and drip, fertigation. Irrigation efficiencies and their estimation. Design and construction of canals, field channels, underground pipelines, head-gates, diversion boxes and structures for road crossing.

Occurrence of ground water, hydraulics of wells, types of wells (tube wells and open wells) and their construction. Well development and testing. Pumps-types, selection and installation. Rehabilitation of sick and failed wells.

Drainage causes of waterlogging and salt problem. Methods of drainage— drainage of irrigated and unirrigated lands, design of surface, sub-surface and vertical drainage systems. Improvement and utilization of poor quality water. Reclamation of saline and alkali soils. Economics of irrigation and drainage systems. Use of waste water for irrigation — standards of waste water for sustained irrigation, feasibility and economics.

4. Agricultural Structures : Site selection, design and construction of farmstead - farm house, cattle shed, dairy barn, poultry shed, hog housing, machinery and implement shed, storage structures for food grains, feed and forage. Design and construction of fences and farm roads. Structures for plant environment - green houses, poly houses and shade houses. Common building materials used in construction - timber, brick, stone, tiles, concrete etc and their properties. Water supply, drainage and sanitation system.

Section B

1. Farm Power and Machinery : Agricultural mechanization and its scope. Sources of farm power - animate and electro-mechanical. Thermodynamics, construction and working of internal combustion engines. Fuel, ignition, lubrication, cooling and governing system of IC engines. Different types of tractors and power tillers. Power transmission, ground drive, power take off (p.t.o.) and control systems. Operation and maintenance of farm machinery for primary and secondary tillage. Traction theory. Sowing transplanting and interculture implements and tools. Plant protection equipment - spraying and dusting. Harvesting, threshing and combining equipment. Machinery for earth moving and land development - methods and cost estimation. Ergonomics of man-machine system. Machinery for horticulture and agro-forestry, feeds and forages. Haulage of agricultural and forest produce.

2. Agro-energy : Energy requirements of agricultural operations and agro-processing. Selection, installation, safety and maintenance of electric motors for agricultural applications. Solar (thermal and photovoltaic), wind and bio-gas energy and their utilization in agriculture. Gasification of biomass for running IC engines and for electric power generation. Energy efficient cooking stoves and alternate cooking fuels. Distribution of electricity for agricultural and agro-industrial applications.

3. Agricultural Process Engineering : Post harvest technology of crops and its scope. Engineering properties of agricultural produces and by-products. Unit operations - cleaning grading, size reduction, densification, concentration, drying/dehydration, evaporation, filtration, freezing and packaging of agricultural produces and by-products. Material handling equipment - belt and screw conveyors, bucket elevators, their capacity and power requirement.

Processing of milk and dairy products - homogenization, cream separation, pasteurization, sterilization, spray and roller drying, butter making, ice cream, cheese and shrikhand manufacture. Waste and by-product utilization - rice husk, rice bran, sugarcane bagasse, plant residues and coir pith.

4. Instrumentation and computer applications in Agricultural Engineering : Electronic devices and their characteristics - rectifiers, amplifiers, oscillators, multivibrators. Digital circuits — sequential and combinational system. Application of microprocessors in data acquisition and control of agricultural engineering processes- measurement systems for level, flow, strain, force, torque, power, pressure, vacuum and temperature. Computers — introduction, input/output devices, central processing unit, memory devices, operating systems, processors, keyboards and printers. Algorithms, flowchart specification, programme translation and problem analysis in Agricultural Engineering. Multimedia and Audio-Visual aids.

5.(2) Chemical Engineering

Section A

(a) Fluid and Particle Dynamics -Viscosity of fluids. Laminar and turbulent flows. Equation of continuity and Navier-Stokes equation-Bernoulli's theorem. Flow meters. Fluid drag and pressure drop due to friction, Reynold's Number and friction factor - effect of pipe roughness. Economic pipe diameter. Pumps, water, air/steam jet ejectors, compressors, blowers and fans. Agitation and mixing of liquids. Mixing of solids and pastes. Crushing and Grinding - principles and equipment.

Rittinger's and Bond's laws. Filtration and filtration equipment. Fluid-particle mechanics - free and hindered settling. Fluidisation and minimum fluidization velocity, concepts of compressible and incompressible flow. Transport of Solids.

(b) Mass Transfer --Molecular diffusion coefficients, First and second law and diffusion, mass transfer coefficients, film and penetration theories of mass transfer. Distillation, simple distillation, relative volatility, fractional distillation, plate and packed columns for distillation. Calculation of theoretical number of plates. Liquid-liquid equilibria. Extraction - theory and practice; Design of gas-absorption columns. Drying. Humidification, dehumidification. Crystallisation. Design of equipment.

(c) Heat Transfer --Conduction, thermal conductivity, extended surface heat transfer. Convection - free and forced. Heat transfer coefficients - Nusselt Number. LMTD and effectiveness. NTU methods for the design of Double Pipe and Shell & Tube Heat Exchangers. Analogy between heat and momentum transfer. Boiling and condensation heat transfer. Single and multiple-effect evaporators. Radiation - Stefan-Boltzman Law, emissivity and absorptivity. Calculation of heat load of a furnace. Solar heaters.

(d) Novel Separation Processes --Equilibrium separation processes - ion-exchange, osmosis, electro-dialysis, reverse osmosis, ultra-filtration and other membrane processes. Molecular distillation. super critical fluid extraction.

(e) Process Equipment Design --Factors affecting vessel design criteria - Cost considerations. Design of storage vessels-vertical, horizontal spherical, underground tanks for atmospheric and higher pressure. Design of closures flat and elliptical head. Design of supports. Materials of construction-characteristics and selection.

(f) Process Dynamics and Control --Measuring instruments for process variables like level, pressure, flow, temperature pH and concentration with indication in visual/pneumatic/analog/digital signal forms. Control variable, manipulative variable and load variables. Linear control theory-Laplace, transforms. PID controllers. Block diagram representation transient and frequency response, stability of closed loop system. Advanced control strategies. Computer based process control.

Section B

(a) Material and Energy Balances --Material and energy balance calculations in processes with recycle/bypass/purge. Combustion of solid/liquid/gaseous fuels, stoichiometric relationships and excess air requirements. Adiabatic flame temperature.

(b) Chemical Engineering Thermodynamics --Laws of thermodynamics. PVT relationships for pure components and mixtures. Energy functions and inter-relationships - Maxwell's relations. Fugacity, activity and chemical potential. Vapour-liquid equilibria, for ideal/non-ideal, single and multi component systems. criteria for chemical reaction equilibrium, equilibrium constant and equilibrium conversions. Thermodynamic cycles - refrigeration and power.

(c) Chemical Reaction Engineering : --Batch reactors - kinetics of homogeneous reactions and interpretation of kinetic data. Ideal flow reactors - CSTR, plug flow reactors and their performance equations. Temperature effects and run-away reactions. Heterogeneous reactions - catalytic and non-catalytic and gas-solid and gas-liquid reactions. Intrinsic kinetics and global rate concept. Importance of interphase and intraparticle mass transfer on performance. Effectiveness factor. Isothermal and non-isothermal reactors and reactor stability.

(d) Chemical Technology --Natural organic products - Wood and wood-based chemicals, pulp and paper, Agro industries - sugar, Edible oils extraction (including tree based seeds), Soaps and detergents. Essential oils - Biomass gasification (including biogas). Coal and coal chemical. Petroleum and Natural gas-Petroleum refining (Atmospheric distillation/cracking/reforming) - Petrochemical industries - Polyethylenes (LDPE/HDPE/LLDPE), Polyvinyl Chloride, Polystyrene. Ammonia manufacture. Cement and lime industries. Paints and varnishes. Glass and ceramics. Fermentation - alcohol and antibiotics.

(e) Environmental Engineering and Safety --Ecology and Environment. Sources of pollutants in air and water. Green house effect, ozone layer depletion, acid rain. Micrometeorology and dispersion of pollutants in environment. Measurement techniques of pollutant levels and their control strategies. Solid wastes, their hazards and their disposal techniques. Design and performance analysis of pollution control equipment. Fire and explosion hazards rating - HAZOP and HAZAN. Emergency planning, disaster management. Environmental legislations - water, air environment protection Acts. Forest (Conservation) Act.

(f) Process Engineering Economics : --Fixed and working capital requirement for a process industry and estimation methods. Cost estimation and comparison of alternatives. Net present value by discounted cash flow. Pay back analysis. IRR, Depreciation, taxes and insurance. Break-even point analysis. Project scheduling - PERT and CPM. Profit and loss account, balance sheet and financial statement. Plant location and plant layout including piping.

5 (3). Civil Engineering

Section-A

Engineering Mechanics, Strength of Materials and Structural Analysis.

Engineering Mechanics : Units and Dimensions, SI Units, Vectors, Concept of Force, Concept of particle and rigid body. Concurrent, Non Concurrent and parallel forces in a plane, moment of force and Varignon's theorem, free body diagram, conditions of equilibrium, Principle of virtual work, equivalent force system.

First and Second Moment of area, Mass moment of Inertia.

Static Friction, Inclined Plane and bearings.

Kinematics and Kinetics : Kinematics in Cartesian and Polar Co-ordinates, motion under uniform and nonuniform acceleration, motion under gravity. Kinetics of particle : Momentum and Energy principles, D' Alembert's Principle, Collision of elastic bodies, rotation of rigid bodies, simple harmonic motion, Flywheel.

Strength of Materials : Simple Stress and Strain, Elastic constants, axially loaded compression members, Shear force and bending moment, theory of simple bending, Shear Stress distribution across cross sections, Beams of uniform strength, Leaf spring. Strain Energy in direct stress, bending & shear.

Deflection of beams : Mecaulay's method, Mohr's Moment area method, Conjugate beam method, unit load method. Torsion of Shafts, Transmission of power, close coiled helical springs, Elastic stability of columns, Euler's Rankine's and Secant formulae. Principal Stresses and Strains in two dimensions, Mohr's Circle, Theories of Elastic Failure, Thin and Thick cylinder : Stresses due to internal and external pressure--Lame's equations.

Structural Analysis : Castigliano's theorems I and II, unit load method, method of consistent deformation applied to beams and pin jointed trusses. Slope-deflection, moment distribution, Kani's method of analysis and column Analogy method applied to indeterminate beams and rigid frames.

Rolling loads and Influences lines : Influences lines for Shear Force and Bending moment at a section of a beam. Criteria for maximum shear force and bending Moment in beams traversed by a system of moving loads. Influences lines for simply supported plane pin jointed trusses.

Arches : Three hinged, two hinged and fixed arches, rib shortening and temperature effects, influence lines in arches.

Matrix methods of analysis : Force method and displacement method of analysis of indeterminate beams and rigid frames.

Plastic Analysis of beams and frames : Theory of plastic bending, plastic analysis, statical method, Mechanism method.

Unsymmetrical bending : Moment of inertia, product of inertia, position of Neutral Axis and Principle axes, calculation of bending stresses.

Design of Structures : Steel, Concrete and Masonry Structures.

Structural Steel Design :

Structural Steel : Factors of safety and load factors. Rivetted, bolted and welded joints and connections. Design of tension and compression members, beams of built up section, rivetted and welded plate girders, gantry girders, stanchions with battens and lacings, slab and gusseted column bases.

Design of highway and railway bridges : Through and deck type plate girder, Warren girder, Pratt truss.

Design of Concrete and Masonry Structures : Concept of mix design. Reinforced Concrete : Working Stress and Limit State method of design—Recommendations of I.S. codes design of one way and two way slabs, stair-case slabs, simple and continuous beams of rectangular, T and L sections. Compression members under direct load with or without eccentricity, Isolated and combined footings.

Cantilever and Counterfort type retaining walls.

Water tanks : Design requirements for Rectangular and circular tanks resting on ground.

Prestressed concrete : Methods and systems of prestressing, anchorages, Analysis and design of sections for flexure based on working stress, loss of prestress.

Design of brick masonry as per I.S. Codes

Design of masonry retaining walls.

Fluid Mechanics, Open Channel Flow and Hydraulic Machines

Fluid Mechanics : Fluid properties and their role in fluid motion, fluid statics including forces acting on plane and curve surfaces.

Kinematics and Dynamics of Fluid flow : Velocity and accelerations, stream lines, equation of continuity, irrotational and rotational flow, velocity potential and stream functions, flownet, methods of drawing flownet, sources and sinks, flow separation, free and forced vortices.

Control volume equation, continuity, momentum, energy and moment of momentum equations from control volume equation, Navier-Stokes equation, Euler's equation of motion, application to fluid flow problems, pipe flow, plane, curved, stationary and moving vanes, sluice gates, weirs, orifice meters and Venturi meters.

Dimensional Analysis and Similitude : Buckingham's Pi-theorem, dimensionless parameters, similitude theory, model laws, undistorted and distorted models.

Laminar Flow : Laminar flow between parallel, stationary and moving plates, flow through tube.

Boundary layer : Laminar and turbulent boundary layer on a flat plate, laminar sublayer, smooth and rough boundaries, drag and lift.

Turbulent flow through pipes : Characteristics of turbulent flow, velocity distribution and variation of pipe friction factor, hydraulic grade line and total energy line, siphons, expansion and contractions in pipes, pipe networks, water hammer in pipes and surge tanks.

Open channel flow : Uniform and non-uniform flows, momentum and energy correction factors, specific energy and specific force, critical depth, resistance equations and variation of roughness coefficient, rapidly varied flow, flow in contractions, flow at sudden drop, hydraulic jump and its applications surges and waves, gradually varied flow, classification of surface profiles, control section, step method of integration of varied flow equation, moving surges and hydraulic bore.

Hydraulic Machines and Hydropower :

Centrifugal pumps—Types, characteristics, Net Positive Suction Height (NPSH), specific speed. Pumps in parallel.

Reciprocating pumps, Airvessels, Hydraulic ram, efficiency parameters, Rotary and positive displacement pumps, diaphragm and jet pumps.

Hydraulic turbines, types classification, Choice of turbines, performance parameters, controls, characteristics, specific speed.

Principles of hydropower development. Type, layouts and Component works. Surge tanks, types and choice. Flow duration curves and dependable flow. Storage an pondage. Pumped storage plants. Special features of mini, micro-hydel plants.

Geo Technical Engineering

Types of soil, phase relationships, consistency limits particles size distribution, classifications of soil, structure and clay mineralogy.

Capillary water and structural water, effective stress and pore water pressure, Darcy's Law, factors affecting permeability, determination of permeability, permeability of stratified soil deposits.

Seepage pressure, quick sand condition, compressibility and consolidation, Terzaghi's theory of one dimensional consolidation, consolidation test.

Compaction of soil, field control of compaction. Total stress and effective stress parameters, pore pressure coefficients.

Shear strength of soils, Mohr Coulomb failure theory, Shear tests.

Earth pressure at rest, active and passive pressures, Rankine's theory, Coulomb's wedge theory, earth pressure on retaining wall, sheetpile walls, Braced excavation.

Bearing capacity, Terzaghi and other important theories, net and gross bearing pressure.

Immediate and consolidation settlement.

Stability of slope, Total Stress and Effective Stress methods, Conventional methods of slices, stability number.

Subsurface exploration, methods of boring, sampling, penetration tests, pressure meter tests.

Essential features of foundation, types of foundation, design criteria, choice of type of foundation, stress distribution in soils, Boussinesq's theory, Newmark's chart, pressure bulb, contact pressure, applicability of different bearing capacity theories, evaluation of bearing capacity from field tests, allowable bearing capacity, Settlement analysis, allowable settlement.

Proportioning of footing, isolated and combined footings, rafts, buoyancy rafts, Pile foundation, types of piles, pile capacity, static and dynamic analysis, design of pile groups, pile load test, settlement of piles, lateral capacity. Foundation for Bridges. Ground improvement techniques—preloading, sand drains, stone column, grouting, soil stabilisation.

Section -B

Construction Technology, Equipment, Planning and Management

1. Construction Technology :

Engineering Materials : Physical properties of construction materials : Stones, Bricks and Tiles; Lime, Cement and Surkhi Mortars; Lime Concrete and Cement Concrete, Properties of freshly mixed and hardened concrete, Flooring Tiles, use of ferro-cement, fibre-reinforced and polymer concrete, high strength concrete and light weight concrete. Timber : Properties and uses; defects in timber; seasoning and preservation of timber. Plastics, rubber and damp-proofing materials, termite proofing, Materials, for Low cost housing.

Construction : Building components and their functions; Brick masonry : Bonds, jointing. Stone masonry. Design of Brick masonry walls as per I.S. codes, factors of safety, serviceability and strength requirements; plastering, pointing. Types of Floors & Roofs. Ventilators, Repairs in buildings.

Functional planning of building : Building orientation, circulation, grouping of areas, privacy concept and design of energy efficient building; provisions of National Building Code. Building estimates and specifications; Cost of works; valuation.

2. Construction Equipment : Standard and special types of equipment, Preventive maintenance and repair, factors affecting the selection of equipment, economical life, time and motion study, capital and maintenance cost. Concreting equipments ,Earth-work equipment

3. Construction Planning and Management : Construction activity, schedules, job layout, bar charts, organization of contracting firms, project control and supervision. Cost reduction measures.

Network analysis : CPM and PERT analysis, Float Times, cashing of activities, contraction of network for cost optimization, up dating, Cost analysis and resource allocation.

Survey and Transportation Engineering

Survey : Common methods of distance and angle measurements, plane table survey, levelling traverse survey, triangulation survey, corrections, and adjustments, contouring, topographical map. Surveying instruments for above purposes. Tacheometry. Circular and transition curves. Principles of photogrammetry.

Railways : Permanent way, sleepers, rail fastenings, ballast, points and crossings, design of turn outs, stations and yards, turntables, signals, and interlocking, level-crossing. Construction and maintenance of permanent ways : Superelevation, creep of rail, ruling gradient, track resistance, tractive effort, relaying of track.

Highway Engineering : Principles of highway planning, Highway alignments. Geometrical design : Cross section, camber, superelevation, horizontal and vertical curves. Classification of roads : low cost roads, flexible pavements, rigid pavements. Design of pavements and their construction, evaluation of pavement failure and strengthening. .

Traffic Engineering : Forecasting techniques, origin and destination survey, highway capacity. Channelised and unchannelised intersections, rotary design elements, markings, sign, signals, street lighting; Traffic surveys. Principle of highway financing.

Hydrology, Water Resources and Engineering :

Hydrology : Hydrological cycle, precipitation, evaporation, transpiration, depression storage, infiltration, overland flow, hydrograph, flood frequency analysis, flood estimation, flood routing through a reservoir, channel flow routing-Muskingam method.

Ground water flow : Specific yield, storage coefficient, coefficient of permeability, confined and unconfined aquifers, aquitards, radial flow into a well under confined and unconfined conditions, tube wells, pumping and recuperation tests, ground water potential.

Water Resources Engineering : Ground and surface water resource, single and multipurpose projects, storage capacity of reservoirs, reservoir losses, reservoir sedimentation, economics of water resources projects.

Irrigation Engineering : Water requirements of crops : consumptive use, quality of water for irrigation, duty and delta, irrigation methods and their efficiencies.

Canals : Distribution systems for canal irrigation, canal capacity, canal losses, alignment of main and distributory canals, most efficient section, lined canals, their design, regime theory, critical

shear stress, bed load, local and suspended load transport, cost analysis of lined and unlined canals, drainage behind lining.

Water logging : causes and control, drainage system design, salinity.

Canal structures : Design of cross regulators, head regulators, canal falls, aqueducts, metering flumes and canal outlets.

Diversion head work : Principles and design of weirs of permeable and impermeable foundation, Khosla's theory, energy dissipation, stilling basin, sediment excluders.

Storage works : Types of dams, design, principles of rigid gravity and earth dams, stability analysis, foundation treatment, joints and galleries, control of seepage.

Spillways : Spillway types, crest gates, energy dissipation.

River training : Objectives of river training, methods of river training.

Environmental Engineering

Water Supply : Estimation of surface and subsurface water resources, predicting demand for water, impurities, of water and their significance, physical, chemical and bacteriological analysis, waterborne diseases, standards for potable water.

Intake of water : pumping and gravity schemes. Water treatment : principles of coagulation, flocculation and sedimentation; slow-; rapid-, pressure-, filters; chlorination, softening, removal of taste, odour and salinity.

Water storage and distribution : storage and balancing reservoirs : types, location and capacity. Distribution system : layout, hydraulics of pipe lines, pipe fittings, valves including check and pressure reducing valves, meters, analysis of distribution systems, leak detection, maintenance of distribution systems, pumping stations and their operations.

Sewage systems : Domestic and industrial wastes, storm sewage—separate and combined systems, flow through sewers, design of sewers, sewer appurtenances, manholes, inlets, junctions, siphon. Plumbing in public buildings.

Sewage characterisation : BOD, COD, solids, dissolved oxygen, nitrogen and TOC. Standards of disposal in normal water course and on land.

Sewage treatment : Working principles, units, chambers, sedimentation tanks, trickling filters, oxidation ponds, activated sludge process, septic tank, disposal of sludge, recycling of waste water.

Environmental pollution : Sustainable development. Radioactive wastes and disposal. Environmental impact assessment for thermal power plants, mines, river valley projects. Air pollution. Pollution control acts.

5(4). Computer Engineering

Section A

1. Software Engineering

Software development process: Software life cycle models, specification design tools, software design objectives, documentation, configuration management, S/W reliability, safety, risk assessment and maintenance.

Software estimation techniques, loc and FP estimation. Empirical models like COCOMO. Project tracking and scheduling. Reverse engineering.

Software requirements and specifications, requirement analysis models.

Software design and implementation (OOD,JSD), implementation strategies (top-down, bottom-up, team) and issues, reuse, performance improvement, debugging and antialiasing.

Verification, validation, testing and maintenance: Verification and validation techniques (pre/post -conditions, invariant, proof of correctness), code and design reading, structured walk through, testing (test plan, white/black box testing, unit and integration testing, regression testing, test case design and acceptance testing) and maintenance activities.

Code sharing, software components, rapid prototyping, specialization, construction, class extensions, intelligent software agents.

Introduction to CASE tools.

Social, legal and ethical implications of computing.

2. Advanced computer architecture

Introduction to parallel processing, Pipelined and vector processors, SIMD and MIMD computers, Multi processor architecture, Data driven coupling, data flow computer architecture.Parallel algorithms, detection of parallelism, local balancing, communication and synchronization, features of typical ,parallel languages, monitors and operating systems.

Introduction to hybrid computers.

Compiler Construction

Lexical analysis: Some sophisticated pattern matching algorithms and their optimization, use of LEX.

Error recovery: Detection, reporting, recovery and repair of errors in the compilation process.

Syntax analysis: Canonical LR prasers, handling of ambiguous grammars, error reporting in LL (1), operator precedence and LR parsing, efficient generation of LALR (1) sets, optimization of LR parsers, optimization of transformations.

Run time storage: Activation records, handling recursive calls, management of variable length blocks, garbage collection and

compaction, allocation strategies for arrays, structures, class.

Type checking: Overloading of functions and operators, polymorphic functions, unification algorithm.

Code generation and semantic analysis: Semantic stacks, attributed translation, analysis of syntax, directed translation,

evaluation of expressions, control structures, procedure calls.

Code optimization: Basic blocks and folding, optimization within iterative loops, global optimization through flow graph analysis, code-improving transformations, machine dependent optimization.

Compiler-Compilers: Parser generators, YACC attributed LL (1) parser generator, machine independent code generation.

Other topics: Compilers for parallel machines, compilers for functional languages.

3. Data communication

Elements Of Communication Systems: Communication channel and their characteristics.

Elements of Signals: Classification of systems, LTI systems and reconstruction method, Review of probability and random variables, probability density function, description of random processes in the frequency domain, Gaussian and White processes.

Modeling of Information sources: Measure of information, source coding techniques like Huffman code, Lempel – Ziv Code, Block Code & Cyclic codes, Quantisation, Pulse Code, DPCM, Multiplexers and multiplexing PCM signals, Delta Modulation and adaptive delta modulation, Frequency division multiplexing, synchronous TDM and statistical TDM.

Modulation: its need, basic PAM techniques, Binary PSK, DPSK, QPSK < frequency shift keying, M-ary FSK.

Broadband Signal Receiver: Probability of error, filtering, correlation type demodulator, matched filter demodulator, coherent detector, correlation, errors in binary & M-ary modulation, PAM with ISI.

Noise calculations in digital communication systems., Introduction to equalizations, Introduction to data compression techniques. , Relay and Cell relay techniques.

4. Digital signal Processing

Discrete Time Signals and Systems: Discrete time signal sequences, Linear Shift Invariant system, Stability, Linear Constant

Coefficient difference equations, Frequency domain representation of discrete time systems and signals, symmetry properties of Fourier Transform, Sampling of continuous time signal, Two dimensional sequences and system.

Z Transform: Z-transform, Inverse z transform theorem and properties, System functions, Two-dimensional transforms.

The Discrete Fourier Transform: Representation of periodic sequences, The Discrete Fourier Series, Properties of the discrete

Fourier series, Sampling the z-transform, Fourier representation of finite deviation sequences, the discrete fourier transform, properties of the DFT, Linear convolution using the DFT, two dimensional DFT.

Flow Graph and Matrix Representation of Digital Filters: Signal flow graph representation of digital networks, Matrix representation of digital networks, Basic network structures for IIR, Transposed forms, Basic network structures for FIR systems, Parameter Quantization effects, Tellegen's theorem for digital filters and its applications.

Digital Filter Design Techniques: Design of IIR digital filters from analog filters, Properties of FIR digital filters, Design of FIR filters using windows, Comparison of IIR and FIR filters.

Computation of The Discrete Fourier Transform: Goertzel's Algorithm, Decimation in time algorithms, Decimation in frequency algorithms, FFT algorithms for a N composite number, General computational considerations in FFT algorithms, Chirps Z transform algorithm.

Discrete Hilbert Transform: Real and Imaginary part sufficiency for causal sequences, Minimum phase condition, Hilbert Transform relation for the DFT and the complex sequences.

5. Operating Systems

Introduction to history of operating systems : Processes and Interprocess communication:, Memory management ,File systems

Deadlocks : Conditions, modeling, detection and recovery, deadlock avoidance, deadlock presentation.

Case studies : Unix : Implementation of processes, memory model, file systems, deadlock handling,

Strategies, scheduling, IPC, system calls.

WINDOWS 2000 Server Technology: Layered structure, interoperability.

Distributed Systems : Introduction to H/W and S/W concepts in distributed systems, network operating systems and NFS, NFS, architecture and protocol, client-server model, distributed file systems,

6. Database Management System

Basic Concepts, Database system architecture.

Entity Relationship Model ,Relational Model.

Crash Recovery: Failure verification, storage hierarchy, transaction model, log-based recovery, buffer management, and checkpoints.

Concurrency Control: Schedules, serializability, log based protocols.

Transaction Recovery: Storage model, recovery from transaction failure, deadlock handling.

Security & Integrity: Security & integrity violation, authorization & views, security systems in SQL, encryption.

Heiracheal Model: Architecture, data structure, external level, data manipulation, internal level, and logical databases.

Network Model: Architecture, data structure, external level, and data manipulation.

Selection of DBMS, Introduction to OODB, distributed DB, temporal DB, and active DB.

7. Computer organization

General organization of a digital computer, functional blocks, data representation, fixed and floating point decimal arithmetic, bit slice microprocessor (introduction), full adders, ripple carry adders, look ahead carry generators, multiplication and division circuits, an arithmetic unit.

Instruction cycle, instruction sequencing, formats and its interpretation, microprogram concepts and control unit design.

Semiconductor memory and memory organization, virtual memory, segments, pages, paged segments, cache memory and interleaved memory.

Concepts of I/O organization, data transfer methods, programmed I/O, DMA, interrupt-based transfer, I/O channels, I/O processors, serial transmission and synchronization.

Introduction to assembly level programming - concepts of assemblers, macros, linkers, and loaders, linking loaders.

Multiprogramming and time-sharing, introduction to advanced computer architecture (pipelining, array processors & multiprocessors).

Introduction to operating systems. Case study (comparative) of DOS & UNIX.

Section-B

1. Computer Networks & Communication: *OSI and DOD model* Seven layers model, LAN, MAN , WAN, Routing, Switching, ISDN, X.25, Frame Relay

2. Object oriented programming methodology

Introduction to object oriented programming, its need and requirements, general object oriented philosophy, software usability, code sharing, rapid prototyping, information hiding.

Classes, attributes and methods, encapsulation, constructor, destructors, iterator classes, class interface.

Function overloading, inline, functions, operators & operator overloading, iterators.

Inheritance base class, derived classes, friend class, static class, type checking, class scopes.

Multiple inheritance & polymorphism, abstract classes, virtual function, virtual base class, static & dynamic binding,

overloading, overriding type conversions.

Object oriented design, class identification, defining inheritance, visibility & dependency coupling & cohesion.

Case study of classes like ADT class, I/O class, string class, editor class.

Language study: C++, object Pascal.

3. Discrete Structure

Introduction to sets: Review only.

Logic : Propositions and logical operations, Truth tables, Equivalence and implication, Laws of logic, Mathematical induction and quantifiers.

Set theory : Method of proof for set, Venn diagram, set membership tables, definitions, Laws of set theory, Partition of sets.

Permutations, combinations and discrete probability :

Introduction to permutations and combinations, Generation of permutation and combination, Discrete probability, Conditional probability.

Relations and Diagraphs :

Relations and diagraphs., Paths and the relations and diagraphs, Properties of relations, Equivalence relations, Computer representation of relations and diagraphs, Manipulation of relations, Transitive closure, Warshall's algorithm.

Function and pigeon hole principle :

Definition, Types of functions: injective, surjective, bijective, Composition, identity and inverse, Pigeon hole principle.

Graphs , Posets, Hasse Diagram, Lattices, Finite Boolean Algebra, Groups & their Applications, Introduction to Rings & Fields.

4. Computer Graphics

Introduction: Application areas, display devices and hard copy devices, interactive input devices, display processors, co-ordinate systems, vector generation.

Raster Algorithms: Line drawing algorithms -- DDA and Bresenham's algorithm, and aliasing techniques, circle generation algorithm, ellipses and other curves generation, style primitives and display processor interface, area filling-scan line algo, boundary fill and flood fill techniques, text generation and display processor interface.

Geometric transformations in 2D : basic transformations, world, NDC, device and homogeneous co-ordinate systems, composite transformations.

Windowing and clipping: Windowing concepts, window view part transformation algorithms, line clipping algorithms like Cohen-Sutherland and Liang and Barsky, area clipping methods like Sutherland and Holgman.

Segmentation: Segments, segment files, segmented display processor, segment attributes.

Graphics hardware: Display controller, use of DAC and buffer organization.

Introduction to 3-D: 3D co-ordinate system, 3D display techniques, and 3D transformations.

Three-dimensional representations: Modeling polygon and curved surfaces, sweep representations, CSG and B- rep techniques.

3D viewing: Projection methods, viewing transformations, clipping in 3D.

Image synthesis: Hidden line and hidden surface removed techniques like back-face depth buffer method, scan line method, arc subdivision method, ochre methods.

Light and shading: Illumination theory, reflections, textures and surface patterns, shadows, half toning surface shading methods, Gounand shading, Phang shading, Ray tracing.

User interfaces: Interactive input techniques, physical device classification, interactive picture contraction techniques, positioning methods, constraints, grids and field input functions, event handle, design of user interface command language, mean design, output formats.

5. Principles of Communication Engineering

Signals and their representations:Fourier series, Fourier transform, continuous spectra, frequency selective networks and transformers.

Basic Information Theory:Information , entropy of discrete systems, rate of transmission, redundancy, efficiency and channel capacity.

Amplitude Modulation:Frequency spectrum, power relations, basic requirements and description of various modulators, comparison. DSB, DSBSC, SSB, VSB, spectrum modulators and detectors.

Frequency Modulation: Frequency spectrum of FM, phase modulation, effect of noise, generation of FM and demodulators.

Pulse Modulation: Sampling theorem, low pass and band pass signals, elements of PAM, PWM, PPM, PCM and Delta, Modulation. FDM, TDM, A.M. and FM radio transmitters and receivers. Characteristics, block diagrams.

6. Logic Circuits

Number systems and codes: Binary, Octal and Hexadecimal number systems. Conversion from any base to another base number system. Binary, BCD, Excess-3, Alphanumeric, EBCDIC, Hollerith, ASCII codes, code conversion, error detecting and correcting codes, parity and Hamming codes.

Binary Arithmetic: Basic rules for addition and multiplication. Sign magnitude notation, One's complement notation. Two's complement notation. Addition and multiplication using binary, octal and hexadecimal number systems.

Boolean Algebra and Logic Gates: Boolean algebra theorems, reduction of logic expressions using boolean algebra, truth tables, minterms, maxterms, SOP and POS forms. Standard SOP and POS forms. Basic and universal logic gates, control aspect of gates, enabling and disabling of gates. K map representation of logical functions, simplification of logic functions using K-maps upto 6 variables. Quine McCluskey method and Veitch diagrams used for logic function reduction.

Combinational Logic Circuits: Concepts of combinational and sequential logic circuits. Realisation of following circuits using gates.:

(a) Systems implementing combinational logic.

(b) Arithmetic circuits, half and full adders, subtractors, multipliers, code converters, parity generators, parity checkers, comparators.

(c) Multiplexers, demultiplexers, encoder, decoder.,(d) Concept of mode control

(e) Application of MSI devices for multiplexer, demultiplexer/decoder, parity generator/checker, concept of capacity, expansion using gates. Use of MSI devices for adders, Sequential adder, BCD adder / subtractor, carry look ahead adder, multiplier, fast multipliers, Arithmetic Logic Unit

Sequential Circuits: Concept of Synchronous and Asynchronous operation, Flip Flops : triggering and edge triggering , flip flop excitation tables, triggering and timing of flip flops.

(b) Registers: (c) Analysis of clocked sequential circuits,(d) Asynchronous counters: up-down counters, modulo N counter, glitch problem.,(e) Synchronous counters: Use of K- maps for synchronous counters, ring counters, twisted ring counters, counters using shift registers, sequence generators using flip flops.

7. C Programming Features of C, ANSI C, structure of a C program.

Control structures and looping, Functions, Function Scope

Arrays, Pointers, Structures and Unions.

Memory Management and File Management : Low level and high level file access. Sequential and random access files, error handling.

Pre processor : macro substitution, header file inclusion, study of standard libraries

8. Computer methodology and algorithms

SORTING ,Searching

Stacks and Queues and Linked Lists, Trees :

Graph : Representation, Transitive Closure or path matrix, Graph Traversal, Shortest path problem, minimal cost spanning tree, Backtracking and greedy algorithms.

Matrix Operations: Strassen's Matrix Multiplication, LU decomposition matrix, Sparse matrices.

Algorithms and its Efficiency

Hash functions, collision handling techniques, array representation, evaluation of expression in Postfix form, Infix to Postfix conversion.

5 (5). Electrical engineering

Section A

Circuit Theory: Circuit components; network graphs; KCL, KVL; circuit analysis methods: nodal analysis, mesh analysis; basic network theorems and applications; transient analysis: RL, RC and RLC circuits; sinusoidal steady state analysis; resonant circuits; coupled circuits; balanced 3-phase circuits; Two-port networks.

Signals & Systems: Representation of continuous-time and discrete-time signals & systems; LTI systems; convolution; impulse response; time-domain analysis of LTI systems based on convolution and differential/difference equations. Fourier transform, Laplace transform, Z-transform, Transfer function. Sampling and recovery of signals DFT, FFT Processing of analog signals through discrete-time systems.

E.M. Theory: Maxwell's equations, wave propagation in bounded media. Boundary conditions, reflection and refraction of plane waves. Transmission line: travelling and standing waves, impedance matching, Smith chart.

Analog Electronics: Characteristics and equivalent circuits (large and small-signal) of Diode, BJT, JFET and MOSFET. Diode circuits: clipping, clamping, rectifier. Biasing and bias stability. FET amplifiers. Current mirror; Amplifiers: single and multi-stage, differential, operational, feedback and power. Analysis of amplifiers; frequency-response of amplifiers. OPAMP circuits. Filters; sinusoidal oscillators: criterion for oscillation; single-transistor and OPAMP configurations. Function generators and wave-shaping circuits. Linear and switching power supplies.

Digital Electronics: Boolean algebra; minimization of Boolean functions; logic gates; digital IC families (DTL, TTL, ECL, MOS, CMOS). Combinational circuits: arithmetic circuits, code converters, multiplexers and decoders. Sequential circuits: latches and flip-flops, counters and shift-registers. Comparators, timers, multivibrators. Sample and hold circuits, ADCs and DACs. Semiconductor memories. Logic implementation using programmable devices (ROM, PLA, FPGA).

Energy Conversion: Principles of electromechanical energy conversion: Torque and emf in rotating machines. DC machines: characteristics and performance analysis; starting and speed control of motors; Transformers: principles of operation and analysis; regulation, efficiency; 3-phase transformers. 3-phase induction machines and synchronous machines: characteristics and performance analysis; speed control.

Power Electronics and Electric Drives: Semiconductor power devices: diode, transistor, thyristor, triac, GTO and MOSFET-static characteristics and principles of operation; triggering

circuits; phase control rectifiers; bridge converters: fully-controlled and half-controlled; principles of thyristor choppers and inverters; DC-DC converters; Switch mode inverter; basic concepts of speed control of dc and ac motor drives applications of variable-speed drives.

Analog Communication: Random variables: continuous, discrete; probability, probability functions. Statistical averages; probability models; Random signals and noise: white noise, noise equivalent bandwidth; signal transmission with noise; signal to noise ratio. Linear CW modulation: Amplitude modulation: DSB, DSB-SC and SSB. Modulators and Demodulators; Phase and Frequency modulation: PM & FM signals; narrowband FM; generation & detection of FM and PM, Deemphasis, Preemphasis. CW modulation system: Superhetrodyne receivers, AM receivers, communication receivers, FM receivers, phase locked loop, SSB receiver Signal to noise ratio calculation for AM and FM receivers.

Section B

Control Systems: Elements of control systems; block-diagram representation; open-loop & closed-loop systems; principles and applications of feed-back. Control system components. LTI systems: time-domain and transform-domain analysis. Stability: Routh Hurwitz criterion, root-loci, Bode-plots and polar plots, Nyquist's criterion; Design of lead-lag compensators. Proportional, PI, PID controllers. State-variable representation and analysis of control systems.

Microprocessors and Microcomputers: PC organisation; CPU, instruction set, register set, timing diagram, programming, interrupts, memory interfacing, I/O interfacing, programmable peripheral devices.

Measurement and Instrumentation: Error analysis; measurement of current, voltage, power, energy, power-factor, resistance, inductance, capacitance and frequency; bridge measurement. Signal conditioning circuit; Electronic measuring instruments: multimeter, CRO, digital voltmeter, frequency counter, Q-meter, spectrum-analyzer, distortion-meter. Transducers: thermocouple, thermistor, LVDT, strain-gauge, piezo-electric crystal.

Power Systems: Analysis and Control: Steady-state performance of overhead transmission lines and cables; principles of active and reactive power transfer and distribution; per-unit quantities; bus admittance and impedance matrices; load flow; voltage control and power factor correction; economic operation; symmetrical components, analysis of symmetrical and unsymmetrical faults. Concept of system stability: swing curves and equal area criterion. Static VAR system. Basic concepts of HVDC transmission.

Power System Protection: Principles of overcurrent, differential and distance protection. Concept of solid state relays. Circuit breakers. Computer aided protection: Introduction; line bus, generator, transformer protection; numeric relays and application of DSP to protection.

Digital Communication: Pulse code modulation (PCM), differential pulse code modulation (DPCM), delta modulation (DM), Digital modulation and demodulation schemes: amplitude, phase and frequency keying schemes (ASK, PSK, FSK). Error control coding: error detection and correction, linear block codes, convolution codes. Information measure and source coding. Data networks, 7-layer architecture.

5.(6): ELECTRONICS ENGINEERING

Section A

Materials and Components : Structure and properties of Electrical Engineering materials; Conductors, Semiconductors and Insulators, magnetic, Ferroelectric, Piezoelectric, Ceramic, Optical and Super-conducting materials. Passive components and characteristics Resistors, Capacitors and Inductors; Ferrites, Quartz crystal Ceramic resonators, Electromagnetic and Electromechanical components.

Physical Electronics, Electron Devices and ICs: Electrons and holes in semiconductors, Carrier Statistics, Mechanism of current flow in a semiconductor, Hall effect; Junction theory; Different types of diodes and their characteristics; Bipolar Junction transistor; Field effect transistors; Power switching devices like SCRs, GTOs, power MOSFETS; Basics of ICs - bipolar, MOS and CMOS types; basic of Opto Electronics.

Signals and Systems Classification of signals and systems: System modelling in terms of differential and difference equations; State variable representation; Fourier series; Fourier transforms and their application to system analysis; Laplace transforms and their application to system analysis; Convolution and superposition integrals and their applications; Z-transforms and their applications to the analysis and characterisation of discrete time systems; Random signals and probability, Correlation functions; Spectral density; Response of linear system to random inputs.

Network theory Network analysis techniques; Network theorems, transient response, steady state sinusoidal response; Network graphs and their applications in network analysis; Tellegen's theorem. Two port networks; Z, Y, h and transmission parameters. Combination of two ports, analysis of common two ports. Network functions : parts of network functions, obtaining a network function from a given part. Transmission criteria : delay and rise time, Elmore's and other definitions effect of cascading. Elements of network synthesis.

Electromagnetic Theory -Analysis of electrostatic and magnetostatic fields; Laplace's and Poisson's equations; Boundary value problems and their solutions; Maxwell's equations; application to wave propagation in bounded and unbounded media; Transmission lines : basic theory, standing waves, matching applications, microstrip lines; Basics of wave guides and resonators; Elements of antenna theory.

Electronic Measurements and instrumentation -Basic concepts, standards and error analysis; Measurements of basic electrical quantities and parameters; Electronic measuring instruments and their principles of working : analog and digital, comparison, characteristics, application. Transducers; Electronic measurements of non electrical quantities like temperature, pressure, humidity etc; basics of telemetry for industrial use.

Section B

Analog Electronic Circuits : Transistor biasing and stabilization. Small signal analysis. Power amplifiers. Frequency response. Wide banding techniques. Feedback amplifiers. Tuned amplifiers. Oscillators. Rectifiers and power supplies. Op Amp, PLL, other linear integrated circuits and applications. Pulse shaping circuits and waveform generators.

Digital Electronic Circuits : Transistor as a switching element; Boolean algebra, simplification of Boolean functions, Karnaguh map and applications; IC Logic gates and their characteristics; IC

logic families : DTL, TTL, ECL, NMOS, PMOS and CMOS gates and their comparison; Combinational logic Circuits; Half adder, Full adder; Digital comparator; Multiplexer Demultiplexer; ROM and their applications. Flip flops. R-S, J-K, D and T flip-flops; Different types of counters and registers Waveform generators. A/D and D/A converters. Semiconductor memories.

Control Systems : Transient and steady state response of control systems; Effect of feedback on stability and sensitivity; Root locus techniques; Frequency response analysis. Concepts of gain and phase margins: Constant-M and Constant-N Nichol's Chart; Approximation of transient response from Constant-N Nichol's Chart; Approximation of transient response from closed loop frequency response; Design of Control Systems, Compensators; Industrial controllers.

Communication Systems:

Basic information theory; Modulation and detection in analogue and digital systems; Sampling and data reconstructions; Quantization & coding; Time division and frequency division multiplexing; Equalization; Optical Communication : in free space & fiber optic; Propagation of signals at HF, VHF, UHF and microwave frequency; Satellite Communication.

Microwave Engineering : Microwave Tubes and solid state devices, Microwave generation and amplifiers, Waveguides and other Microwave Components and Circuits, Microstrip circuits, Microwave Antennas, Microwave Measurements, Masers, lasers; Microwave propagation.

Microwave Communication Systems terrestrial and Satellite based.

Computer Engineering : Number Systems. Data representation; Programming; Elements of a high level programming language PASCAL/C; Use of basic data structures; Fundamentals of computer architecture; Processor design; Control unit design; Memory organisation, I/o System Organisation. Microprocessors : Architecture and instruction set of Microprocessors 8085 and 8086, Assembly language Programming. Microprocessor Based system design : typical examples. Personal computers and their typical uses.

5.(7): Mechanical Engineering

Section A

1. Theory of Machines --Kinematic and dynamic analysis of planar mechanisms. Cams, Gears and gear trains, Flywheels, Governors, Balancing of rigid rotors, Balancing of single and multicylinder engines, Linear vibration analysis of mechanical systems (single degree and two degrees of freedom), Critical speeds and whirling of shafts, Automatic Controls, Belts and chain drives. Hydrodynamic bearings.

2. Mechanics of Solids : Stress and strain in two dimensions. Principal stresses and strains, Mohr's construction, linear elastic materials, isotropy and an isotropy, Stress-strain relations, uniaxial loading, thermal stresses. Beams : Bending moment and shear force diagrams, bending stresses and deflection of beams, Shear stress distribution. Torsion of shafts, helical springs. Combined stresses, Thick and thin walled pressure vessels. Struts and columns, Strain energy concepts and theories of failure. Rotation discs. Shrink fits.

3. Engineering Materials : Basic concepts on structure of solids, Crystalline materials, Defects in crystalline materials, Alloys and binary phase diagrams, structure and properties of common engineering materials. Heat treatment of steels. Plastics, Ceramics and composite Materials, common applications of various materials.

4. Manufacturing Science : Marchant's force analysis, Taylor's tool life equation, machinability and machining economics, Rigid, small and flexible automation, NC, CNC. Recent machining methods- EDM, ECM and ultrasonics. Application of lasers and plasmas, analysis of forming processes. High energy rate forming. Jigs, fixtures, tools and gauges, Inspection of length, position, profile and surface finish.

5. Manufacturing management : Production Planning and Control, Forecasting-Moving average, exponential smoothing, Operations scheduling; assembly line balancing. Product development. Breakeven analysis, Capacity planning. PERT and CPM.

Control Operations : Inventory control-ABC analysis. EOQ model. Materials requirement planning. Job design, Job standards, work measurement, Quality management-Quality control. Operations Research : Linear programming-Graphical and Simplex methods. Transportation and assignment models.

Value Engineering : Value analysis, for cost/value. Total quality management and forecasting techniques. Project management.

6. Elements Of Computation : Computer Organisation, Flow charting. Features of Common Computer Languages-FORTRAN d Base III, Lotus 1-2-3 C and elementary programming.

Section B

1. Thermodynamics : Basic concept. Open and closed systems, Applications of Thermodynamic Laws, Gas equations, Clapeyron equation, Availability, Irreversibility and Tds relations.

2. I.C. Engines, Fuels and Combustion : Spark Ignition and compression ignition engines, Four stroke engine and Two stroke engines, mechanical, thermal and volumetric efficiency, Heat balance.

Combustion process in S.I. and C.I. engines, preignition detonation in S.I. engine Diesel knock in C.I. engine. Choice of engine fuels, Octance and Cetane ratings. Alternate fuels Carburation and Fuel injection, Engine emissions and control. Solid, liquid and gaseous fuels, stoichiometric air requirements and excess air factor, fuel gas analysis, higher and lower calorific values and their measurements.

3. Heat Transfer, Refrigeration And Air Conditioning : One and two dimensional heat conduction. Heat transfer from extended surfaces, heat transfer by forced and free convection. Heat exchangers. Fundamentals for diffusive and convective mass transfer, Radiation laws, heat exchange between black and non black surfaces, Network Analysis. Heat pump refrigeration cycles and systems, Condensers, evaporators and expansion devices and controls. Properties and choice of refrigerant, Refrigeration Systems and components, psychometrics, comfort indices, cooling loading calculations, solar refrigeration.

4. Turbo-Machines And Power Plants : Continuity, momentum and Energy Equations. Adiabatic and Isentropic flow, fanno lines, Rayleigh lines. Theory and design of axial flow turbines and compressors, Flow through turbo-machine blades, cascades, centrifugal compressor. Dimensional analysis and modelling. Selection of site for steam, hydro, nuclear and stand-by power plants, selection base and peak load power plants Modern High pressure, High duty boilers, Draft and dust removal equipment, Fuel and cooling water systems, heat balance, station and plant heat rates, operation and maintenance of various power plants, preventive maintenance, economics of power generation.

6. Environmental Science

Section –A

Life Sciences (Basic Biology and Natural Resources)

Introduction to biology, branches, scope and importance from environmental point of view. What is life? The evolution of life on earth: Origin of life - Microbes, Plants and Animals, fossils and sediments, distribution and pattern of life in past, Paleontological evidences, Mass extinction, Life forms on Earth (all forms of plants and animals), Life in Water, Life on Land, Microbial life in air, water and soils, microbes and diseases, decomposing soil microbes, marine biology

Taxonomic principles: History, aims, objectives, hierarchy and kingdoms, identification and nomenclature. Classification of plants and animals based on form-relationship, species concept, organization of living things, microbial classification, Ecological Classification Systems, Collection and Herbarium, Preservation, flora, fauna, preservation of insects

Ecological adaptation under various environmental conditions, Hydrophytes, Xerophytes, Halophytes, Mesophytes, Epiphytes. Distribution of life on earth and factors responsible for present day distribution. Continental drift,

Introduction, scope and importance of natural resources, biotic and abiotic resources Renewable resources: Forest and wildlife resources, forest wealth of India, animal resources, livestock and fisheries, Food Resources: World food problems, agricultural resources, agricultural potential of India, effects of modern agriculture

Non-renewable resources: Fossil fuels – coal, oil and natural gas, Consequences of rapid consumption of fossil fuels.

Fresh and marine Water resources: global distribution of freshwater and its limits, The sources of fresh water for terrestrial life, fresh water resources of India

Soil and Mineral resources: global status, mineral resources of India, metals and minerals.

Energy resources: Global energy consumption, energy needs, conventional and non-conventional energy sources, alternative energy sources, energy resources of India

Section B

Earth Sciences (Environmental Chemistry and Basic Geosciences)

Chemistry of atmosphere, Chemical reactions involved in atmosphere, chemistry in ozone depletion, chemical reactions of global warming, Chemistry of water, unusual physical properties, changes in water properties by addition of solute, hydrogen bonding, gases present in water, basic reversible and irreversible reactions in water, sources of cations and anions in water, changes in water properties by addition of solute. Stichiometry, Gibb's energy, chemical potential, chemical equilibria, acid-base reactions, solubility product, carbonate system. Chemistry of carcinogenic compounds and their effects on human body Surfactants, Pesticides, Hydrocarbons Atmosphere: Evolution, structure and chemical composition of atmosphere.

Temperature measurement and controls, Environmental lapse rate, dry and wet adiabatic lapse rate, inversion of temperature and atmospheric stability.

Atmospheric pressure and winds, factors affecting on wind, Forms of condensation, precipitation, hydrological cycle.

Internal structure of earth, Geological evolution, plate tectonic, formation of lithosphere. Continental and oceanic crust formation. , Types of rocks, Rock cycle, basic minerals of rock, clay minerals, mineral chemistry, Soil and its formation, weathering processes, soil profiles, physical and chemical properties of soil, composition of soil. Macro and micro plant nutrients in soil, Soil classification, Soils of India.

7. FORESTRY

SECTION – A

General Silviculture

Biotic and abiotic components of forest ecology. Forest community concepts, Nutrient cycling and water relations, Ecological succession and climax. Composition of forest types in India, species identification, composition and association, principles of establishment of herbs and trees. General principles of Silviculture, local factors influencing vegetation. Natural and artificial regeneration of forests, propagation techniques, forest nursery technique – nursery beds, poly bags and their maintenance, grading and hardening of seedlings, establishment and tending, felling climber, cutting.

Silviculture systems and forest Silviculture

Clear felling, shelter, wood selection, coppice and conversion systems. Choice of species, establishment and management of standards enrichment methods, technical constraints, intensive mechanized methods. Traditional and recent advancement in dry tropical forest, forest Silviculture research. Silviculture of some of the economically important species in India such as *Acacia nilotica*, *Auriculiformis*, *Albizia lebbek*, *Anogeissus latifolia*, *Azadirachta indica*, *Bambocaceae*, *Dandrocalamus strictus*, *Bombax avicennia*, *Ecucitifolia*, *Dalbergia latifolia*, *Emblica officinalis*, *Eucalyptus hybrid*, *Malaina arborea*, *Hardwickia bintia*, *Largerstroemia lanceolata*, *Pterocarpus marsupium*, *Prosopis juliflora*, *Santalum album*, *Tectona grandis*, *Terminalia tomentosa*, *Terminalia arjuna*, *Terminalia paniculata*, *Tamarindus indica*, *Zizania jialocarpa*.

Agroforestry and social forestry and requirements, interbehaviour of tree crops, selection of species, classification of agroforestry systems. Agro-forestry systems under different agro-ecological zones of Uttarakhand, role of multipurpose trees and NTFP's, techniques, food, fodder and fuel security. Urban social forestry extension and necessity, people's participation, agrofield forestry. Agrofield wood group and dry and water logged land forestry.

Soil Conservation and Watershed Management

Forest soil, classification of soil formation, physical, chemical and biological properties. Soil conservation – definition, causes for erosion, types – wind and water erosion, problems of soil protection and improvement, role of forests in conserving of soil. Maintenance and buildup of soil organic matter, role of micro-organisms in ameliorating soils, watershed management, concepts of watershed – watershed development in respect of torrent control, river channel stabilization, avalanche and landslide controls, rehabilitation of degraded areas; hilly and mountain areas, integrated watershed management, water-harvesting and conservation, groundwater recharge and watershed management.

Tree Improvement

General concept of tree improvement, methods and techniques, natural standards and variance in its use. Seed production and seed orchards, establishment, evaluation,

maintenance and usefulness. Progeny tests, use of tree improvement and stand improvement, forest genetic resources and gene conservation in situ and ex-situ. Modern propagation techniques, seed certification.

SECTION - B

Forest Management

Objectives, principles and techniques of forest management, units of administration and management, forest stands, structure and dynamics, principles of sustained yield, normal forests, rotation, analysis of ideal tree wealth, yield regulation, management of forest plantations, commercial forests, working plans and their role in scientific management, nature conservation, bio-diversity and other dimensions annual plan and its operation, principles of joint forest management, methodology, usefulness and its role, village forest committee arrangement/construction.

Forest Mensuration and Remote Sensing

Methods and use of tools, diametre, girth, height, age, growth and volume of trees, tree multiplier, current annual and average annual increment, sampling methods and sample plots, yield calculation and stand table, creating yield mechanism and its use. Field quality analysis/remote/distant sensing principles, schemes and contingencies, forest cover monitoring through remote sensing. Geographical information system for forest management.

Forest Economics and Legislation

Forest economics, fundamental principles, cost benefit analysis, estimation of demand and supply, role of private sector, cooperatives of forestry and corporate financing, valuation of forest products and service, commercial control. Legislation : History of forest development. National forest policies of 1894, 1952 and 1988. Forest policies and issues related to land use. Timber and non-timber products. Institutional and structural changes. Forest laws, necessity and general principles. Indian Forest Act, 1927. Indian Forest (Uttaranchal Amendment) 2001, U.P. forest conservation Act, 1976. Forest (Conservation) Act, 1980. Wild Life (Conservation) Act, 1972 and Amendment, Environment (Protection) Act, 1986.

Forest Resources and Utilization

Environmentally sound forest harvesting principles, logging and extraction techniques and principles, transportation system and sale of forest products, definition and scope, collection of gums, resins, oleoresins, fibres, oil seeds, nuts, rubber, canes, bamboos, medicinal plants, charcoal, lac and shellac, Bidi leaves. Importance of wood seasoning, necessity and protection. General principles of seasoning methods, properties and uses of wood, Present position of supply of raw material to pulp, paper and rayon industry. Wood plantation, substitution, wood use.

Forest Conservation

Needs and limitations, agencies responsible for destruction of forests – Man, pet animals, wild animals and environmental factors, prohibitory and protective measures, responsible factors for destruction of forests for human development, Substitutional tenancy, mining, forest fire, illegal hunting, bad management, encroachment, illegal felling and control over them, types of forest fire, damage, speed control. Important insects and diseases of nursery and plantation fields, insects and disease management.

Environment and Bio-diversity change

Environment : Components and importance, impact of deforestation, forest fires and various human activities like mining, construction, development projects. Population growth, types, impact and controlling standards for pollution. Global warming, green house effects, ozone layer depletion, acid rain, impact and control measures. Role of trees and forests in environmental conservation. Control and prevention of air, water and noise, environment test, environment effect analysis, protection, biology, rational methods of protection of bio-diversity with special reference to protected regions. Protection of forest ecology and sustained development.

8. GEOLOGY

SECTION – A

1. **General Geology** – Energy in relation to geodynamic activities. Origin and interior of the Earth. Dating of rocks by various methods and age of Earth. Radio-activity and its application to geological problems. Volcanoes – causes and products, volcanic belts. Earthquakes – causes, effects, distribution and its relation to volcanic belts. Geosynclines and their classification, island arcs, deep sea trenches and midoceanic ridges, sea-floor spreading and plate tectonics; isostasy, Mountains – types and origin. Origin of continents and oceans. An outline of continental drift.

2. **Geomorphology** – Basic concepts and significance. Geomorphic processes and parameters. Geomorphic cycles and their interpretation, Relief features, topography and its relation to structures and lithology. Major landforms, Drainage systems, Geomorphic features of Indian subcontinent.

3. **Structural Geology** – Stress and strain ellipsoid, and rock deformation. Mechanics of folding and faulting. Linear and planar structures and their genetic significance. Petrofabric analysis, its graphic representation and application to geological problems. Tectonic framework of India.

4. **Palaeontology** - Micro and macro-fossils. Modes of preservation and utility of fossils. General idea about classification and nomenclature. Organic evolution and the bearing of palaeontological studies on it. Morphology, classification and geological history including evolutionary trends of brachiopods, bivalves, gastropods, ammonoids, trilobites, echinoids and corals. Principle groups of vertebrates and their main morphological characters. Vertebrate life through ages. Dinosaurs, Detailed study of evolution of horses, elephants and man. Gondwana flora and its importance. Types of microfossils and their significance with reference to petroleum exploration.

2. **Stratigraphy** – Principles of stratigraphy, stratigraphic classification and nomenclature. Standard stratigraphical scale. Detailed study of various geological system of Indian subcontinent. Boundary problems in stratigraphy, Pre-Cambrian and Cambrian, Permian Triassic, cretaceous Tertiary and Neogene – Quarternary Correlation of the major Indian formations with their world equivalents. An outline of the stratigraphy of various geological systems. Brief study of climates and igneous

activities in Indian subcontinent during geological past. Palaeogeographic reconstructions.

SECTION – B

1. **Crystallography** – Crystalline and non-crystalline substances, space groups. Lattice symmetry, Classification of crystals into 32 classes of symmetry, International system of crystallographic notation. Use of stereographic projections to represent crystal symmetry, Twinning and twin laws. Crystal irregularities, Applications of X-rays for crystal studies.

2. **Optical Mineralogy** – General principles of optics, isotropism and anisotropism, concepts of optical indicatrix. Pleochroism, Birefringence and interference colours, and extinction, Optical orientation in crystals, Dispersion optical accessories.

3. **Mineralogy** – Elements of crystal chemistry, types of bondings, ionic radii, coordination number, isomorphism, polymorphism and pseudomorphism. Structural classification of silicates. Detailed study of rock forming minerals, their physical, chemical and optical properties and uses, if any. Study of the alteration products of these minerals.

4. **Petrology** – Magma, its generation, nature and composition. Simple phase diagrams of binary and ternary systems and their significance. Bowen's Reaction Principle. Magmatic differentiation and assimilation. Texture and structure and their petrogenetic significance. Classification of igneous rocks. Petrography and petrogenesis of important rock types of India; granites, alkaline rocks, charnockites, anorthosite and Deccan basalts. Processes of formation of sedimentary rock. Diagenesis and lithification. Textures and structures and their petrogenetic significance. Classification of sedimentary rocks, clastic and non-clastic. Heavy minerals and their significance. Elementary concept of depositional environments, sedimentary, facies and provenance. Petrography of common rock types. Metamorphic processes and types of metamorphism. Metamorphic grades, zones and facies. ACF, AKF and AFM diagrams. Textures, structures and nomenclature of metamorphic rock. Petrography and petrogenesis of important rock types.

5. **Economic Geology** – Ore, Ore mineral and gangue, tenor of ores. Processes of formation of mineral deposits. Common forms and structures of ore deposits. Classification of ore deposits. Control of ore deposition. Metallogenetic epochs. Study of important metalliferous and non-metalliferous deposits in oil and natural gas fields, and coal fields of India, Mineral wealth of India. Mineral economics. National mineral policy. Conservation and utilization of minerals.

6. **Applied Geology** – Essentials of prospecting and exploration techniques. Principal methods of mining. Sampling, ore dressing and mineral beneficiation. Geological considerations in Engineering works; Dams, Tunnels, Bridges and Roads. Elements of soil and groundwater geology and geochemistry. Use of aerial photographs and satellite imageries in geological investigations.

9. Horticulture

Section A

Principles Of Horticulture

Scope and importance of horticulture in the economy of India and Tamil Nadu - Horticultural geography (regions and zones)-Role of climate, Soil and water in relation to horticultural crop production - Integrated nutrient management (INM), Integrated, management of pests and diseases, Management of water, weeds, mulches, pruning and training

Crop systems - protected cultivation - off season production - crop manipulation - Hydroponics - Nutrient Film Technique - Crop forcing - use of growth regulators. Environmental Horticulture - Commercial Horticulture - organic Horticulture. Advances in conventional plant propagation - Mist propagation - Micro propagation. Role of bio-technology in crop improvement and rapid clonal propagation in horticultural crops.

Breeding systems and methods in Vegetatively and Sexually propagated crops - Breeding for hybrid vigour, processing and resistance to biotic and abiotic stressess - Mutation and polyploidy breeding - somaclonal variation and its application - development of haploids - protoplast fusion - somatic cell fusion - in vitro mutation - transgenic plants.

Landscaping designs for house gardens, institutional and industrial gardens - Bioaesthetic planning of rural gardens, recreational grounds, avenue planting in highways and near railway lines, establishment and maintenance of lawns and different types of gardens - Interior plant scaping – Bonsai

Pre-and Post - Harvest losses in horticultural crops - Maturity indices - ripening - storage methods of storage - Extending the storage life - use of chemicals, growth regulators and skin coatings in regulating ripening and storage life - control of spoilage - Handling, packaging, packing and Methods of transport.

Processing and preservation - Different horticultural products - Establishment of horticulture based industries –

Section-B

Production Technology of Horticultural Crops

Present status and prospects - climatic and Soil requirements in different zones - Propagation techniques and nursery technologies - cropping systems - Planting systems - varieties and crop improvement - Nutrient uptake, requirement and Management - Irrigation methods, water requirement and Management - pruning and training - Mulching - weed management - use of plant growth regulators - Maturity indices - harvesting - grading - packaging methods and packing - storage - ripening methods - Industrial and Export potential - seed production techniques including F1 seed production.

Fruit Crops : Mango, Banana, Citrus, grapes, Papaya, guava, Sapota, Pine apple, pomegranate, anonas, ber, amla, tamarind - apple, pear, plum, peach, strawberry, jack, mangosteen, avocado, other minor fruits.

Vegetable Crops : Tomato, brinjal, hot and sweet, Peppers, Bhendi, Leguminous vegetables (Beans, Peas, cluster beans - cowpea, soya beans - dolichos bean); bulbous vegetables (Onion, garlic) Tuber crops - (Tapioca, sweet potato, yams); cucurbitaceous vegetables (cucumber, musk

melon, water melon, gourds, coccinea, pumpkin and squashes, chow-chow), cruciferous vegetables (Cabbage, Cauliflower, minor crucifers), root vegetables (Carrot, radish, beet root, turnip, knol-kohl); Leafy vegetables (Spinach, chekurmanis, palak, amaranthus), Drumstick, asparagus, Potato, Curry leaf.

Flower Crops : Jasmines, roses, tube rose, chrysanthemum, dahlia, marigold, crossandra, cut flowers (cut roses, orchids, carnations, gladioli, chrysanthomum, Gerbera, anthurium, aster, lilies, dry flowers).

Spice crops : Pepper, cardamom, turmeric, ginger, Tree spices (clove, nutmeg, cinnamon, All spice, coriander, fenugreek, fennel, cumin, herbal spices).

Plantation crops : Tea, Coffee, Rubber, Cocoa, Coconut, Oilpalm, Cashew, Palmyrah, Arecanut, Oilpalm and nut crops.

Medicinal Plants : Catharanthus, Senna, dioscorea, Solanum, gloriosa, coleus, pyrethrum, digitalis, atropa, Ipecac, Isabgol, withania, Rowolfia

Aromatic Plants : Geranium, Mentha, Ocimum, aromatic grasses (Cymbopogons, citronella, palma rosa, vettiver), patchouli.

10- MATHEMATICS

SECTION – A

Linear Algebra – Vector space, bases, dimension of a finitely generated space, Linear transformations, Rank and nullity of a linear transformation, Cayley Hamilton theorem, Eigen values and Eigen vectors. Matrix of a linear transformation, Row and column reduction. Echelon form. Equivalence, Congruence and similarity. Reduction to canonical forms. Orthogonal, symmetrical, skew-symmetrical, unitary, Hermitian and skew-Hermitian matrices – their eigen values, orthogonal and unitary reduction of quadratic and Hermitian forms. Positive definite quadratic forms. Simultaneous reduction. **Calculus** – Real numbers, limits, continuity, differentiability, Mean value theorems, Taylor's theorem, indeterminate forms, Maxima and Minima. Curve Tracing, Asymptotes. Functions of several variables, partial derivatives, maxima and minima, Jacobian, Definite and indefinite integrals, Double and triple integrals (techniques only), Application to Beta and Gamma Functions. Areas, Volumes, Centre of gravity. **Analytical Geometry of two and three dimensions** – First and second degree equations in two dimensions in Cartesian and polar coordinates, Plane, sphere, paraboloid, Ellipsoid, hyperboloid of one and two sheets and their elementary properties, Curves in space Curvature and torsion. Frenet's formulae.

Differential Equations – Order and Degree of a differential equation, differential equation of first order and first degree, variables separable. Homogeneous, linear and exact differential equations. Differential equations with constant coefficients. The complementary function and the particular integral of e^{ax} , $\cos ax$, $\sin ax$, x^m , e^{ax} , $\cos bx$, e^{ax} , $\sin bx$. **Vector Analysis** – Vector Algebra, Differentiation of vector function of a scalar variable, Gradient, divergence and curl in Cartesian, cylindrical and spherical coordinates and their physical interpretation. Higher order derivatives. Vector identities

and vector equations, Gauss and Stokes Theorems. **Tensor Analysis** – Definition of a Tensor, Transformation of coordinates, contravariant and covariant tensors. Addition and multiplication of tensors, contraction of tensors. Inner product, fundamental tensors, Christoffel symbols, covariant differentiation, Gradient, curl and divergence in tensor notation. **Statistics** – Equilibrium of a system of particles, work and potential energy. Friction. Common Catenary. Principle of Virtual work. Stability of equilibrium. Equilibrium of forces in three dimensions. **Dynamics** – Degree of freedom and constraints, Rectilinear motion. Simple Harmonic motion in a plane. Projectiles, Constrained motion, work and energy. Motion under impulsive forces. Kepler's laws. Orbits under central forces. Motion of varying mass. Motion under resisting medium. **Hydrostatics** – Pressure of heavy fluids. Equilibrium of fluids under given system of forces. Centre of pressure. Thrust on curved surfaces. Equilibrium of Floating bodies, stability of equilibrium and pressure of gases, problems relating to atmosphere.

Section B

Algebra – Groups, subgroups, normal subgroups homomorphism of groups, quotient groups, Basic isomorphism theorems. Sylow theorems. Permutation Groups. Cayley's theorem. Rings and ideals, Principal ideal domains, unique factorization domains and Euclidean domains, Field Extensions, Finite fields. **Real analysis** – Metric spaces, their topology with special reference to \mathbb{R}^n sequence in metric space. Cauchy sequence completeness. Completion, continuous functions, Uniform continuity, Properties of continuous functions on Compact sets. Riemann stieltjes Integral, Improper integrals and their conditions of existence. Differentiations of functions of several variables. Implicit function theorem, maxima and minima. Absolute and Conditional Convergence of series of real and Complex terms, Rearrangement of series, Uniform convergence, infinite products. Continuity, differentiability and integrability for series, Multiple integrals. **Complex Analysis** – Analytic functions, Cauchy's theorem, Cauchy's integral formula, power series, Taylor's series, Singularities, Cauchy's Residue theorem and Contour integration. **Partial Differential Equations** – Formation of partial differential equations. Types of integrals of partial differential equations of first order, Charpits method, Partial differential equation with constant coefficients. **Mechanics** – Generalised Coordinates, constraints, holonomic and non-holonomic systems, D'Alembert's Principle and Lagrange's equations, Moment of inertia, Motion of rigid bodies in two dimensions. **Hydrodynamics** – Equation of continuity, momentum and energy, inviscid flow theory – Two dimensional motion, streaming motion, Sources and Sinks. **Numerical Analysis** – Transcendental and polynomial Equations – Methods of tabulation, bisection, regula-falsi, secants and Newton-Raphson and order of its convergence, Interpolation and Numerical Differentiation.

11. PHYSICS

SECTION – A

Mechanics, Thermal Physics and Waves and Oscillations

1. **Mechanics** – Conservation law. Collisions, impact parameter, scattering cross-section, centre of mass and lab systems with transformation of physical quantities, Rutherford Scattering. Motion of a rocket under constant force field. Rotating frames of reference, Coriolis force. Motion of rigid bodies, Dynamics of rotating bodies, Moment of inertia, Theorem of parallel and perpendicular axes. Moment of inertia of sphere, ring, cylinder, disc. Angular momentum. Torque and precession of a top, Gyroscope. Central forces. Motion under inverse square law, Kepler's Laws, Motion of Satellites (including geostationary). Galileann Relativity, Special Theory of Relativity, Michelson-Morley Experiment, Lorentz Transformations – addition theorem of velocities. Variation of mass with velocity. Mass-Energy equivalence. Fluid dynamics, streamlines, Reynold number, Viscosity, Poiseulle's formula for the flow of liquid through narrow tubes, turbulence, Bernoulli's Equation with simple applications.

2. **Thermal Physics** – Law's of thermodynamics, Entropy, Carnot's cycle, Isothermal and Adiabatic changes, Thermodynamic Potentials, Helmboltz and Gibbs functions, Maxwell's relations. The clausius-clapeyron equation, reversible cell, Joule-Kelvin effect, Stefan-Boltzmann Law. Kinetic Theory of Gases, Maxwell's Distribution Law of Velocities, Equipartition of energy, specific heats of gases, mean Free path, Brownian Motion. Black Body radiation, specific heat of solids Einstein and Debye theories, Wein's Law, Planck's Law, solar constant. Saha's theory of thermolionization and Stellar spectra. Production of low temperatures using adiabatic demagnetization and dilution refrigeration. Concept of negative temperature.

3. **Waves and Oscillations** – Oscillations, simple harmonic motion. Examples of simple harmonic motion : mass, spring and LC circuits. Stationary and traveling waves, Damped harmonic motion, Forced oscillation and Resonance. Sharpness of resonance. Wave equation, Harmonic solutions, Plane and Spherical waves, Superpositions of waves, Two perpendicular simple harmonic motions – Lissajous figures, Fourier analysis of periodic waves – square and triangular waves. Phase and Group velocities, Beats, Huygen's principle, Division of amplitude and wavefront, Fresnel Biprism, Newton's rings, Michelson interferometer, Fabry-Perot inter-ferometer. Diffraction-Fresnel and Fraunhofer. Diffraction as a Fourier Transformation. Fresnel and Fraunhofer diffraction by rectangular and circular apertures. Diffraction by straight edge, Single and multiple slits. Resolving power of grating and Optical Instruments. Rayleigh criterion. Polarization, production and Detection of polarized light (linear, circular and elliptical). Brewster's law, Huyghen's theory of double refraction, optical rotation, Polarimeters. Laser sources (Helium-Neon, Ruby, and semi-conductor diode). Concept of spatial and temporal coherence. Holography, theory and applications.

SECTION – B

1. Electricity and Magnetism – Coulomb's law, Electric Field. Gauss's Law, Electric potential. Poission and Laplace equations for homogeneous dielectric, uncharged conducting sphere in a uniform field, point charge and infinite conducting plane. Current electricity : Kirchoff's laws and its applications : Wheatstone bridge, Kelvin's double bridge, Carey-Foster's bridge. Bio-Savart law andn applications, Ampere's circuital law and its applications, Magnetic induction and field strength, magnetic shell. Magnetic field on the axis of a circular coil. Helmboltz coil. Electromagnetic induction, Faraday's and Lenz's law, Self and Mutual inductances, Alternating currents. L.C.R. circuits, series and parallel resonance circuits, quality factor. Maxwell's equations and electromagnetic waves, Transverse nature of electromagnetic waves, Poynting vector. Magnetic fields in matter : Dia, Para, Ferro Antiferro and Ferrimagnetism (Qualitative approach only), Hysteresis.

2. Modern Physics – Bohr's theory of hydrogen atom. Electron spin, Optical and X-ray Spectra. Stern-Gerlach experiment and spatial quantization. Vector model of the atom, spectral terms and fine structure of spectral lines. J-J and L-S coupling. Zeeman effect, Pauli's exclusion principle spectral terms of two equivalent and non-equivalent electrons. Gross and fine structure of electronic band spectra. Raman effect, Photoelectric effect, Compton effect DeBroglie waves. Wave-Particle duality, uncertainty principle, postulates of quantum mechanics. Schrodinger wave equation with application to (i) particle in a box, (ii) motion across a step potential. One dimensional harmonic oscillator eigen values and eigen functions. Radioactivity, Alpha, beta and gamma radiations. Elementary theory of the alpha decay. Nuclear binding energy. Mass spectroscopy, Semi empirical mass formula. Nuclear binding energy. Mass spectroscopy, Semi empirical mass formula. Nuclear fission and fusion. Elementary Reactor Physics, Elementary particles and their classification, strong and weak Electromagnetic interactions. Particle accelerators, cyclotron. Linear accelerators. Elementary ideas of Superconductivity.

3. Electronics – Band theory of solids, conductors, insulators and semiconductors. Intrinsic and extrinsic semiconductors, P.N. Junction. Thermistor, Zener diodes, reverse and forward biased P.N. junction, solar cell. Use of diodes and transistors for rectification, amplification, oscillation, modulation and detection of r.f. waves. Transistor receiver. Television. Logic Gates and their truth table, some applications.

12 . Statistics

Section - A

- Uses, Scope and limitation of Statistics, Collection Classification and tabulation of data, Diagrammatic and Graphical representation, Measures of location, dispersion, Skewness and Kurtosis.
- Probability - Addition, multiplication and Bay's Theorems and their application. Tchebychev's inequality. Random variables - Univariate and Bivariate - probability distributions - Marginal and conditional distributions - Expectations - Moments and cumulants generating functions Discrete distributions - Binomial, poisson, Geometric and Hypergeometric. Continuous distributions - Uniform, exponential and normal.
- Curve Fitting - Linear and Quadratic equation by the method of least squares. Correlation and regression.
- Population and sample - Parameter and statistic, sampling distributions and standard error, student's 't' Chi-square and F statistic - distributions and their applications.
- Estimation - Point estimation - properties of estimates Neyman - Fisher Factorization theorem(without proof) Cramer - Rao inequality, Rao - Blackwell theorem - MLE and method of Moments estimation - Interval estimation - for population mean and variance based on small and large samples.
- Tests of Hypothesis - Null and Alternative - Types of errors _ Power of test, Neyman - Pearson lemma, UMP and Likelihood ratio tests, Test procedures for large and small samples - Independence of attributes, Chi-square test - Goodness of fit.

Section-B

- Simple random sample - stratified, systematic, Cluster (Single stage) Estimation of mean and variance in SKS - Sample Survey - Organisation - CSO and NSSO - Sampling and Non-Sampling errors.
- Analysis of Variance - Principles of design CRD, Rbd and LSD - Factorial experiments 22, 23 and 32 (Without confounding) Missing plot techniques.
- Concept of SQC - Control Charts - X,R, p and C-Charts Acceptance sampling plan - single and double - oc curves Attributes and Variables plan, Reliability.
- Time series - Different Components - Trend and Seasonal Variations - Determination and elimination.
- Index Numbers - Construction and uses - Different kinds of simple and weighted index numbers - Reversal tests - construction and use of cost of living index numbers.
- OR Models - Linear Programming problems - Simplex method Dual - Primal, Assignment problems, Net work - CPM and PERT.
- Basic programming - variables, constants and strings, flow charts - Basic expression and control statements, standard Library functions, subscripted variables DIM and DATA statements simple

programming problems. Birth and death rates - Crude and standard death rates, Fertility rates - Life table construction and uses.

13. VETERINARY SCIENCE

SECTION – A

Animal Nutrition

1. **Energy nutrition** – Energy sources, energy metabolism. Requirements of energy for maintenance and production of milk, meat, eggs and pork, energy evaluation of foods.
2. **Protein nutrition** – Sources of protein, digestion and metabolism of protein, Protein evaluation. Requirement of protein for maintenance and production, Energy, protein ratio in a ration.
3. **Mineral nutrition** – Sources, function, deficiency symptoms, requirements for animals and their relationship with vitamins.
4. **Vitamins, Hormones and Feed additives** – Sources, function, deficiency symptoms, requirements and interrelationship with minerals.
5. **Applied nutrition** – Evaluation of feeding experiments, digestibility and balance studies, Feeding standards and measures of feed energy, Nutrient requirement for growth, maintenance and production. Balanced ration.
6. **Ruminant nutrition** – Nutrient and their metabolism with reference to milk production and its composition. Nutrient requirements and feed formulation for calves, heifers dry and milking cows and buffaloes.
7. **Non-ruminants nutrition** – Nutrient and their metabolism and special reference to meat and egg production. Nutrient requirements and feed formulation for layer, broiler and pig.

Animal Physiology

1. **Growth and animal production** – Parental and Post natal growth, maturation, growth curves, measures of growth, factors affecting growth, body composition and meat quality.
2. **Milk production** – Hormonal control of mammary development. Milk secretion and milk ejection, composition of milk of cows and buffaloes.
3. **Animal Reproduction** – Male and female reproductive organs, their components and functions.
4. **Digestive physiology** – Organs of digestion and their functions. Digestion of carbohydrates, protein and fat in ruminants and non-ruminants.
5. **Environment Physiology** – Physiology relations and their regulation mechanism of adaptation, environmental factors and regulatory mechanism involved in animal behaviour. Method of controlling climatic stress.
6. **Semen quality, preservation and artificial inseminations** – Components of semen, composition of spermatozoa, physical and chemical properties of ejaculated

semen, semen preservation, composition of diluents, sperm concentration, transport of diluted semen, deep freezing techniques.

Livestock Production and Management

1. **Commercial dairy farming** – Comparison of dairy farming in India with advanced countries. Dairying under mixed farming and as specialized farming, economic dairy farming, starting of dairy farm, capital and land requirement, organisation of dairy farms, procurement of goods, opportunities in dairy farming, factors determining the efficiency of dairy animals, herd recording, budgeting, cost of milk production, pricing policy, personnel management.
2. **General Management** – Management of livestock (pregnant, and milking cows, newly born calves), livestock records, principles of clean milk production, economics of livestock farming. Housing for livestock and poultry, General problems of sheep, goat, pigs and poultry management.
3. **Feeding management** – Developing practical and economic ration for dairy cattle, supply of green fodder throughout the year, Land and fodder requirement of dairy farms, Feeding regimes for dry, young stock, bulls, heifers and breeding animals.
4. **Management of animals under drought condition** – Feeding and management of animals under drought, flood and other natural climatics.
5. **Milk and milk products technology**
 - **Milk Technology** – Organization of rural milk procurement, collection and transport of raw milk. Quality, testing and grading of raw milk, Quality storage grade of whole milk, skimmed milk and cream. Processing, packing, storing, distributing, marketing defects and their control and nutritive properties of the following milks: Pasteurized, standardized, Toned, double toned, sterilized, homogenized, reconstituted, recombined and flavoured milk. Culture and their management, Yoghurt, Dahi, Lassi, Srikhand, legal standards, sanitation, Requirement for clean and safe milk and for the milk plant equipments.
 - **Milk product technology.**

SECTION B

Genetics and Animal Breeding

1. **Animal Genetics** – Mitosis and meiosis, Mendelian inheritance, deviations to Mendelian genetics, Expression of genes, Linkage and crossing over, sex determination, sex influenced and sex limited characters, Blood groups and polymorphism, chromosomal aberrations, Gene and its structure DNA as a genetic material, genetic code and protein synthesis, Recombinant DNA technology, Mutations, types of mutations, methods for detecting mutations and mutation role.
2. **Population Genetics applied to animal breeding** – Quantitative Vs Qualitative traits, Hardy Weinberg law, Population Vs Individual, Gene and genotype frequency, Forces changing gene frequency, Random drift and small populations, Inbreeding, methods of estimating inbreeding co-efficient, system of inbreeding. Effective population size, Breeding value, estimation of breeding value, dominance and epistatic deviation, partitioning of variation genotype environment correlation and genotype environment interaction.
3. **Breeding system** - Heritability, repeatability and genetic and phenotypic correlations, their methods of estimation and precision of estimates, Aids to selection and their relative merits, individual pedigree, family within family selection, progeny testing, methods of selection, basis of selection. Response to selection and its measure, selection differential, sire index, selection index,

recurrent and reciprocal recurrent selection, establishment of new breed, inbreeding, out breeding, upgrading, hybridization, crossbreeding, out crossing.

Health and Hygiene

1. Anatomy of ox and fowl. Histological techniques, freezing paraffin embedding etc. preparation and staining of blood film.
2. Common histological stain and embryology of cow.
3. Physiology of blood and its circulation, digestion, respiration, excretion, endocrine gland in health and diseases.
4. General knowledge of pharmacology and therapeutics of drugs.
5. Veterinary-hygiene with respect of water, air and habitation. 6. Milk hygiene.

Animal diseases

1. **Immunity and Vaccination** – Principles and methods of immunization of animals against specific diseases, herd immunity, disease free zones, zero disease concept, chemoprophylaxis.
2. **Diseases of cattle, buffalo, sheep and goats** – Etiology symptoms, diagnosis, prevention and control and treatment of the following diseases : Anthrax, haemorrhagic septicaemia, Black quarter, mastitis, tuberculosis, johns disease, Foot and mouth disease, Rinder pest rabies, Piroplasmiasis, Trypanosomiasis, Fascioliasis, Milk fever and Tympanitis.
3. **Disease of poultry** – Etiology, symptoms, diagnosis, prevention, control and treatments of Ranikhet disease, Fowl pox, Avian leucosis complex Marek's disease and gumboro disease.
4. **Disease of Swine** – Swine fever, hog cholera.
5. **Disease of Dog** – Canine distemper, Parvo disease, Rabies in pets in relation to human health.

Veterinary Public health

1. **Zoonoses** – Classification, definition, role of animals and birds in prevalence and transmission of Zoonotic disease.
2. **Veterinary Jurisprudence** – Rules and regulations for improvement of animals' quality and prevention of animal diseases. Materials and methods for collection of samples for veterolegal investigations.
3. Duties and role of veterinarian in slaughter house to provide meat that is produced under ideal hygienic conditions.
4. By-products from slaughter houses and their economic utilization.
5. Method of collection, preservation and processing of hormonal glands for medicinal use.

Extension

Basic philosophy, objectives, concept and principles of extension, different methods adopted to educate farmers under rural conditions. Generation of technology, its transfer and feed back. Problems and constraints in transfer of technology, Animal husbandry programmes for rural development.

14. ZOOLOGY

SECTION – A

Non-Chordata and Chordata

1. General survey, Classification and Interrelationship of various Phyla. 2. **Protozoa** – Locomotion, Nutrition, Reproduction and Human Parasite. 3. **Porifera** – Canal system :

Skeleton and Reproduction. 4. **Cnidaria** – Polymorphism : Coral reefs; Metagenesis. 5. **Helminthes** – Parasitic adaptations and host-parasite relationships. 6. **Annelida** – Adaptive radiation in Polychaeta. 7. **Arthropoda** – Larval forms and parasitism in crustacean; Appendages of prawn; Vision and respiration in Arthropoda; Social life and metamorphosis in insects. 8. **Mollusca** – Respiration ; Pearl formation. 9. **Echinodermata** – General organisation, larval forma and affinities. 10. **Chordata** – Origin; Lung fishes; Origin of tetrapods. 11. **Amphibia** – Neoteny and parental care. 12. **Reptilia** – Skull types (Anapsid; Diapsid; Prapsid and Synapsid); Dinosaurs. 13. **Aves** – Origin, aerial adaptations and migration; Flightless birds. 14. **Mammalia** – Prototheria and Metatheria; Skin derivatives of Eutheria.

Ecology – Abiotic and biotic factors; Inter and intraspecific relations, ecological succession; Different types of biomes; Biogeochemical cycles; Food web; Ozone layer and Biosphere; Pollution of air, water and land. 2. **Ethology** – Types of animal behaviour; Role of hormones and pheromones in behaviour; Methods of studying animal behaviour; Biological rhythms. 3. **Biostatistics** – Sampling methods, frequency distribution and measures of central tendency, standard deviation, standard error, correlation and regression, Chi-square and t-test. 4. **Economic Zoology** – Insect pests of crops (Paddy, Gram and Sugarcane) and stored grains; Apiculture, Sericulture, Lac culture, Pisciculture and Oyster culture.

SECTION -B

Cell Biology, genetics and evolution and systematics – Cell membrane, Active transport and Sodium-potassium ATPase Pump; Mitochondria, Golgibodies; endoplasmic reticulum; ribosomes and lysosomes; cell division; mitotic spinal and chromosome movements and meiosis; Chromosome mapping Gene concept and function – Watson-Crick model of DNA, Genetic code, Protein synthesis, Sex chromosomes and sex determination. 2. **Genetics** – Mendelian laws of inheritance; recombination linkage and linkage maps, multiple alleles, mutation (natural and induced), mutation and evolution, chromosome number and form, structural rearrangements, polyploidy; regulation of gene expression in prokaryotes and eukaryotes; Human chromosomal abnormalities, gene and diseases; Eugenics; Genetic engineering; recombinant DNA technology and gene cloning. 3. **Evolution and Systematics** – Theories of evolution; sources and nature of organic variation; natural selection; Hardy-Weinberg law; cryptic and sematic colouration; mimicry; isolating mechanisms and their role; insular fauna; concept of species and sub-species; principles of taxonomy; Zoological nomenclature and International code; Fossils; Geological eras; Phylogeny of horse and elephant; origin and evolution of man; principles and theories of continental distribution of animals; Zoogeographical realms of the world.

Biochemistry – Structure of carbohydrates, lipids (including saturated and unsaturated fatty acids), amino acids, proteins and nucleic acids; Glocolysis, Kreb's cycle, Oxidation and reduction, oxidative phosphory-lation, Energy conservation and release, ATP, C-AMP, Types of enzymes, mechanism of enzymes action; Immunoglobulins and immunity; vitamins. 2. **Physiology (with special reference to mammals)** – Composition of blood, blood groups in man, agglutination; oxygen and carbon dioxide transport, haemoglobin, breathing and its regulation; Thermo-regulation in Man; Nerve impulse conduction and transmission across synapse, neurotransmitters; Vision, hearing and olfaction; Types of muscles; Digestion and absorption of protein, carbohydrate, fat

and nucleic acid, control of secretion of digestive juices; Balanced diet of man. Steroid, protein, peptide and amino-acid derived hormones, role of hypothalamus, pituitary, thyroid, parathyroid, pancreas, adrenal, gonads and pineal organ and their relationships; Physiology of human reproduction, hormonal control of development in man; Pheromones in mammals. 3. **Developmental Biology** – Gametogenesis, fertilisation, types of eggs, cleavage and gastrulation in Branchiostoma, frog and chick; Fate maps of frog and chick; metamorphosis in frog; formation and fate of extra embryonic membrane in chick; Formation of amnion, allantois and types of placenta in mammals, organiser phenomenon, regeneration, genetic control of development, organogenesis of brain, eye and heart, Aging. Harmonic control of metamorphosis

वन क्षेत्राधिकारियों की मुख्य परीक्षा हेतु पाठयक्रम

(ए) लिखित परीक्षा निम्न प्रकार से आयोजित की जायेगी :

अनिवार्य विषय

1. सामान्य ज्ञान – 100 अंक (समय – 3.00 घण्टे)

सामान्य ज्ञान के प्रश्न पत्र में राष्ट्रीय तथा अन्तर्राष्ट्रीय महत्व की सामयिक घटनाओं, भारत का इतिहास – भारतीय स्वतन्त्रता आन्दोलन, भारत का संविधान, प्रतिदिन अवलोकन एवं अनुभव के विषय सहित विज्ञान की सामान्य जानकारी तथा समझ जिसकी एक शिक्षित व्यक्ति से अपेक्षा की जाती है, से संबंधित प्रश्न सम्मिलित होंगे। प्रकृति का भूगोल, उत्तराखण्ड में स्थानीय स्वशासन सहित राजनैतिक प्रणाली तथा भारतीय अर्थव्यवस्था।

नोट:- इस प्रश्न पत्र में 10 प्रश्न होंगे। प्रत्येक प्रश्न 10 अंक का होगा। सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।

2. अंग्रेजी – 100 अंक (समय – 3.00 घण्टे)

निबंध, संक्षेप लेखन, पत्र लेखन, उपयोग, शब्द भण्डार तथा व्याकरण का प्रयोग।

1. निम्नलिखित विषयों में से किसी एक विषय पर लगभग 400 शब्दों में एक निबन्ध लिखें। (20 अंक)

- (क) विज्ञान और प्रौद्योगिकी और पर्यावरण
- (ख) साहित्य और संस्कृति
- (ग) आर्थिक विकास एवं नियोजन
- (घ) उत्तराखण्ड के सामाजिक एवं राजनीतिक क्षेत्र
- (च) राष्ट्रीय और अन्तर्राष्ट्रीय मुद्दे
- (छ) प्राकृतिक आपदा

2. संक्षेपण (05 + 10 अंक)

3. पत्र लेखन— (10 + 10 अंक)

- (क) सरकारी पत्र
- (ख) अर्द्ध सरकारी पत्र
- (ग) तार
- (घ) सरकारी आदेश
- (च) सूचना
- (छ) परिपत्र/कार्यालय ज्ञाप

4. शब्द— (5 + 5 + 5 अंक)
 (क) समानार्थी शब्द
 (ख) विलोम शब्द
 (ग) वाक्यांश के लिए एक शब्द
5. प्रयोग— मुहावरे और वाक्यांश (05 अंक)
6. व्याकरण प्रयोग (10+10+5 अंक)
 (क) शब्द खण्ड
 (ख) वाक्य परिवर्तन एवं वाक्यों का संयोजन
 (ग) विराम चिह्न

3. सामान्य हिन्दी— 100 अंक (समय — 3.00 घण्टे)

- | | |
|--|--------------|
| (1) प्रश्न-पत्र में दिये गये गद्यखण्ड का अवबोध एवं प्रश्नोत्तर। | 10 + 5 = 15 |
| (2) संक्षेपण। | 5 + 10 = 15 |
| (3) सरकारी एवं अर्द्धसरकारी पत्र लेखन, तार, कार्यालय आदेश, अधिसूचना, परिपत्र। | 10 + 10 = 20 |
| (4) शब्द ज्ञान एवं प्रयोग— (अ) उपसर्ग एवं प्रत्यय | 05 |
| (आ) विलोम शब्द | 05 |
| (इ) वाक्यांश के लिए एक शब्द | 05 |
| (ई) वर्तनी एवं वाक्याशुद्धि। | 05 |
| (5) लोकोक्ति एवं मुहावरें। | 20 |
| (6) कम्प्यूटर और हिन्दी। (सरकारी कामकाज में हिन्दी क्षेत्र में कम्प्यूटर की उपयोगिता एवं आवश्यकता) | 10 |

नोट:— अनिवार्य विषय सामान्य हिन्दी प्रश्न-पत्र में न्यूनतम 35 % अंक प्राप्त करना अनिवार्य होगा।

वैकल्पिक विषय

4. निम्नलिखित में से कोई 2 (दो) विषय जिसमें प्रत्येक विषय के 200 अंक हैं :
1. कृषि
 2. वनस्पति विज्ञान
 3. रसायन शास्त्र
 4. कम्प्यूटर एप्लीकेशन / कम्प्यूटर विज्ञान
 5. इन्जीनियरिंग (अभियांत्रिकी) – कृषि / रसायन / सिविल / कम्प्यूटर / इलैक्ट्रिकल / इलैक्ट्रॉनिक्स / मैकेनिकल
 6. पर्यावरणीय विज्ञान
 7. वानिकी
 8. भू-विज्ञान
 9. उद्यान विज्ञान
 10. गणित
 11. भौतिकी
 12. सांख्यिकी
 13. पशु चिकित्सा विज्ञान
 14. प्राणी विज्ञान

प्रत्येक वैकल्पिक विषय जो 200 अंक का है, का एक प्रश्न पत्र होगा जिसकी अवधि 3.00 घंटा होगी। प्रत्येक प्रश्न पत्र में दो भाग होंगे जिसके प्रत्येक भाग में चार प्रश्न होंगे। अभ्यर्थी को कुल पाँच प्रश्नों के उत्तर देने होंगे। प्रश्न पत्र के प्रत्येक भाग से न्यूनतम दो प्रश्नों का उत्तर देना अनिवार्य होगा। प्रत्येक विषय का स्तर एवं पाठ्यक्रम सामान्यतः विश्वविद्यालय की डिग्री परीक्षा के समान होगा। अभ्यर्थी को उपरोक्त वैकल्पिक विषयों में से किन्हीं दो का चयन करना है किन्तु निम्नलिखित विषयों के एक साथ चयन की अनुमति नहीं होगी—

- (क) कृषि, कृषि अभियांत्रिकी, पशु चिकित्सा विज्ञान
- (ख) रसायन विज्ञान एवं रसायन अभियांत्रिकी
- (ग) कम्प्यूटर अनुप्रयोग, कम्प्यूटर विज्ञान एवं कम्प्यूटर अभियांत्रिकी
- (घ) विद्युत अभियांत्रिकी एवं इलैक्ट्रॉनिक अभियांत्रिकी
- (ङ) गणित एवं सांख्यिकी

(बी0) साक्षात्कार – 75 अंक

1. कृषि

खण्ड – अ

पारिस्थितिकी विज्ञान और मानव के लिए उसकी प्रासंगिकता, प्राकृतिक संसाधन उसका प्रबंधन तथा संरक्षण। फसलों के उत्पादन तथा वितरण में पर्यावरणीय कारक। फसलों की वृद्धि पर जलवायु तत्वों का प्रभाव तथा शस्यक्रम पर बदलते वातावरण का प्रभाव। पर्यावरणीय प्रदूषण तथा उससे संबंधित मानव, पशु तथा फसल को खतरे।

प्रदेश के विभिन्न कृषि जलवायु क्षेत्रों में शस्यक्रम प्रणाली अधिक उपज तथा अल्पकालीन किस्मों का शस्यक्रम प्रणाली पर प्रभाव। बहुशस्यन, बहुमंजिली रिलें तथा अंतराशस्य की अवधारणा एवं टिकाऊ खाद्य उत्पादन के संबंध में उनका महत्व। प्रदेश के विभिन्न क्षेत्रों में खरीफ तथा रबी मौसमों में उत्पादित मुख्य अनाज, दलहन, तिलहन, रेशा, शर्करा तथा नगदी फसलों की उत्पादन विधियों का पैकेज।

सामाजिक वानिकी तथा कृषि वानिकी के संदर्भ में विभिन्न प्रकार के वानिकी पौधों की प्रमुख विशेषताएं, विस्तार तथा प्रसार। खरपतवार, उनकी विशेषतायें प्रसार तथा विभिन्न फसलों के साथ संसर्ग, एवं वद्धि; खरपतवार का संवर्धन संबंधी जैविक तथा रासायनिक नियन्त्रण। मृदा निर्माण की विधियां तथा कारक, आधुनिक संकल्पनाओं सहित भारतीय मृदाओं का वर्गीकरण। मृदाओं के खनिज लवण तथा कार्बनिक घटक तथा मृदा उत्पादकता बनाए रखने में उनकी भूमिका। समस्यात्मक मृदाएं, भारत में उनका विस्तार एवं सुधार। मृदा तथा पौधों में आवश्यक पादप तत्वों व अन्य लाभकर तत्वों की बहाली तथा उनके वितरण प्रकार्य एवं मृदाचक्रण को प्रभावित करने वाले कारक। सहजीवी एवं गैर सहजीवी नत्रजन फिक्सेशन। मृदा उर्वरता के सिद्धान्त तथा उचित उर्वरक प्रयोग हेतु उनका मूल्यांकन। जल विभाजक के आधार पर मृदा संरक्षण नियोजन; पहाड़ी, निचली पहाड़ी तथा घटियों में अपरदन व अपवाह का प्रबन्ध; उनको प्रभावित करने वाली क्रियाएं तथा कारक। असिंचित कृषि तथा उससे संबंधित समस्याएं। वर्षा पर आधारित कृषि उत्पादन में स्थिरता लाने की तकनीक।

फसल उत्पादन के संबंध में जल उपयोग कुशलता, सिंचाई क्रम के मानदंड सिंचाई जल की अपवाह क्षति को कम करने की विधियां। जलक्रान्त भूमि से जल निकास। कृषि क्षेत्र प्रबन्धन, विस्तार महत्व व विशेषताएं तथा कृषि नियोजन और बजट बनाना। विभिन्न प्रकार की कृषि प्रणालियों की आर्थिकी। कृषि जगत एवं उत्पादन का विपणन तथा मूल्य निर्धारण, कीमतों में उतार चढ़ाव तथा लागत, सहकारिता का कृषि अर्थव्यवस्था में महत्व। विभिन्न प्रकार की कृषि प्रणालियां तथा उनकी किस्मों तथा उनको प्रभावित करने वाले कारक। कृषि विस्तार महत्व तथा भूमिका, कृषि विस्तार प्रोग्रमों का मूल्यांकन, विसरण, संचार व नई तकनीकों का अनुसरण लोगो की भागीदारी एवं उनका उत्प्रेरण। कृषि यंत्रीकरण तथा कृषि उत्पादन व ग्रामीण रोजगार में उनकी भूमिका। प्रसार कार्यकर्ताओं व किसानों के लिए प्रशिक्षण कार्यक्रम। प्रसार विधियां तथा कार्यक्रम प्रशिक्षण एवं भ्रमण, एन.ए.टी.पी. व आई.वी.एल.पी.।

खण्ड – ब

आनुवांशिकता और विभिन्नता, मेंडल का अनुवांशिकता नियम, क्रोमोसोम आनुवांशिकता सिद्धान्त, कोशिकाद्रव्यी वंशागति। लिंग सहलग्न, लिंग प्रभावित तथा लिंग सीमित गुण। स्वतः स्फूर्त और प्रेरित उत्परिवर्तन। उत्परिवर्तन में रसायनों का महत्व। फसलों की उत्पत्ति तथा अनुकूलन। खेतों में उगाई जाने वाली प्रमुख पादप जातियों से संबन्धित जातियों की आकारिकी तथा विभिन्नता के स्वरूप। फसल सुधार के कारक और इनमें भिन्नता का उपयोग। प्रमुख फसलों के सुधार में पादप-प्रजनन सिद्धान्तों का उपयोग। स्वपरागण और परपरागण वाली फसलों की प्रजनन विधियां। शुरुआत, चयन तथा संकरीकरण/पुंजातीय अनुवर्तता तथा स्व-असंगतता, पुनः स्वापनचयन तथा संकर ओज तथा स्थीय असयोजकता जनन में उत्परिवर्तन तथा बहुगुणितता का उपयोग। बीज प्रौद्योगिकी तथा उसका महत्व, बीजों का उत्पादन, संसाधन तथा परीक्षण राष्ट्रीय व राज्य की बीज निगमों की बीज उत्पादन में भूमिका। उन्नत किस्मों के बीजों का संसाधन व विपणन। शरीर क्रिया विज्ञान का कृषि विज्ञान में महत्व। प्रोटोप्लाज्म के रासायनिक गठन व भौतिक गुणधर्म, प्रावरोध, पृष्ठतनाव, विसरण व परासरण, जल का अवशोषण तथा स्थानान्तरण, वाष्पोत्सर्जन और जल की मितव्ययिता में महत्व।

प्रकिण्व (इन्जाईम) और पादप रंजक। प्रकाश-संश्लेषण की आधुनिक संकल्पनाएं तथा इन क्रियाओं को प्रभावित करने वाले कारक, वायवीय व अवायवीय श्वसन। वृद्धि व विकास, प्रकाश आवर्तिता एवं नवीकरण। पादप वृद्धि नियामकों की कार्यविधि तथा कृषि उत्पादन में महत्व। प्रमुख फल व सब्जियों के लिए अपेक्षित जलवायु तथा इनकी कृषि हेतु विधियों एवं वैज्ञानिक आधार का पैकेज। फल व सब्जी के तोड़ने के पहले व बाद की देखभाल। सब्जी व फलों के परिरक्षण की मुख्य विधियां। प्रसंस्करण तकनीके तथा उपकरण। सजावटी पौधों को लगाने सहित भूदृश्य एवं पुष्पकृषि। लॉन एवं उद्यानों की डिजाइन एवं अभिविन्यास प्रदेश के फलों, सब्जियों व पौधों की बीमारियां और कीट, इनके नियंत्रण करने की विधियां, एकीकृत कीट व रोग प्रबन्धन के सिद्धान्त, कीटनाशी दवाओं की संरचना, फसल सुरक्षा के यन्त्र तथा उनकी देख-रेख। अनाज और दलहन के भंडार में लगने वाले कीट, भंडार गोदामों की स्वच्छता तथा उनके संबंध में सावधानी और अनुरक्षण।

2 वनस्पति विज्ञान

खण्ड – अ

सूक्ष्म जीव विज्ञान, पादप रोग विज्ञान, पादप विविधता तथा आकृति जनन

1. सूक्ष्मजीव विज्ञान : सूक्ष्मजीव विविधता, वायु जल तथा मृदा के सूक्ष्मजीव विज्ञान का प्रारंभिक ज्ञान, सूक्ष्मजीव संक्रमण तथा प्रतिरोध क्षमता का सामान्य विवरण, कृषि उद्योग औषधि तथा पर्यावरण के विशेष संदर्भ में सूक्ष्मजीव विज्ञान का अनुप्रयोग।

2 पादप रोग विज्ञान: क्रुसिफेरी के रूट, पाट, तम्बाकू के मोजैक, पपीते की पत्तियों के कर्ल, सिट्रस कैंकर धान के पूर्ण अंगमारी, गेहूं के कीट, जौ के कण्ड, आलू की पिछैती अंगमारी, गन्ने के लाल विगलन, अरहर के मुरझाने के विशेष संदर्भ में विषाणुओं, जीवाणुओं, कवक तथा गोलकृमि द्वारा उत्पन्न प्रमुख पादप रोग।

3 पादप विविधता : जीवाश्म सहित विषाणु, जीवाणु, शैवाल, कवक, ब्रायोफाइट टेरिडोफाइट तथा अनावृतबीजी का वर्गीकरण संरचना, प्रजनन, जीवन चक्र, तथा आर्थिक महत्व, जड़ तना फूल तथा पत्ती, बीज की आकारिकी, द्वितीयक वृद्धि; भ्रूणविज्ञान लघुबीजाणुधानी, लघुबीजाणुजनन, नरयुग्मकोद्भिद, गुरुबीजाणु जनन तथा मादायुग्मकोद्भिद, निषेचन भ्रूण तथा भ्रूणपोष के विकास के वर्गीकरण के सिद्धान्त, आवृतबीजी के वर्गीकरण की आधुनिक पद्धतियां, वानस्पतिक नामकरण के नियम, जीव, वर्गीकरण विज्ञान, रैननकुलेसी, मैग्नोलियेसी, ब्रैसिकेसी, मालवेसी, फेबेसी, रोजेसी, एपियेसी, कुकरबिटेसी, सोलनेसी, एस्वलीपियेडेसी, वर्बीनेसी, लैमिनेसी, एस्टरेसी, एपोसाइनेसी, यूफांबोयेसी, अमरेन्थेसी, लिलियेसी, म्यूजेसी, एरीकेसी, पोएएसी, तथा ऑकिडेसी कुलो के भेदकारी लक्षण।

4 आकृति जनन: सहसम्बन्ध ध्रुविता, सममिति पूर्णशक्तिता, ऊतको एवम्, अंगों का विभेदन तथा पुनरुत्पादन, आकृतिजनक कारक, कोशिका, ऊतक, अंग तथा जीवद्रव्यक संवर्द्धन की विधियां और अनुप्रयोग। सोमाक्लोनल विभिन्नता, कायिक संकर तथा कोशिका द्रव्य संकर।

खण्ड – ब

1 कोशिका जीव विज्ञान: कोशिका जीवन की संरचना एवम् कार्य की इकाई के रूप में; असीम केंद्रकीय तथा ससीम केन्द्रकीय कोशिकाओं की अतिसूक्ष्म संरचना, प्लाज्मा झिल्ली एण्डोप्लाज्मिक रेटिकुलम, हरित लवक, माइटोकोण्ड्रिया राइबोसोम, गाल्जीकाय तथा केन्द्रक की संरचना एवं कार्य; कोशिका चक्र का विस्तृत अध्ययन, सूत्री एवम् अर्धसूत्री विभाजन, गुणसूत्रों में संख्यात्मक एवम् रचनात्मक परिवर्तन तथा उनके कोशिका वैज्ञानिक तथा आनुवांशिक प्रभाव।

2 आनुवंशिकी : मेण्डेल के वंशागति के नियम, जीनों की अन्योन्य क्रिया, सहलग्नता तथा जीन विनिमय, कवको, जीवाणुओं और विषाणुओं में आनुवंशिक पुनर्योजन, जीन प्रतिचित्रण, लिंग सहलग्नता, लिंग निर्धारण प्लास्टिडों की कोशिका द्रव्यीय आनुवंशिकी; आनुवंशिकी तथा जीन की संकल्पना का विकास आनुवंशिक कोड; आणविक आनुवंशिकी – डी.एन.ए आनुवंशिक पदार्थ के रूप में, डी.एन.ए की संरचना तथा प्रतिकृति,

प्रोटीन संश्लेषण में न्यूक्लीय अम्लों की भूमिका (ट्रान्सक्रिप्शन तथा ट्रान्सलेशन) और जीन अभिव्यक्ति का विनियमन, उत्परिवर्तन और विकास, डी.एन.ए. विकृत एवम् सुधार जीन प्रवर्धन, जीन पुनर्विन्यास और ऑन्कोजीन । आनुवंशिक अभियांत्रिकी रेस्ट्रिक्शन एन्जाइम, क्लोनिंग जीन वाहक (PBR. 322, PTI लेम्बडा-फाज), पुनर्संयोजित डी.एन.ए. जीन स्थानान्तरण जीनोमिक लाइब्रेरी, आनुवंशिक अभियांत्रिकी का मानव कल्याण में अनुप्रयोग ।

3 कायिकी और जैव रसायन: पादपों का जल संबंध— अवशोषण, जल संवहन और वाष्पोत्सर्जन, खनिज पोषण और आयन अभिगमन, प्रकाश संश्लेषित पदार्थों का स्थानान्तरण, आवश्यक माइक्रो तथा मैक्रो तत्व और उनके कार्य । कार्बोहाइड्रेट्स की रसायनिकी और वर्गीकरण, प्रकाश संश्लेषण क्रिया विधि एवम् महत्व, प्रकाश संश्लेषण को प्रभावित करने वाले कारक सी3 तथा सी4 कार्बन फिक्सेशन चक्र, प्रकाश श्वसन; प्रकिण्व तथा सहप्रकिण्व, प्रकिण्व की विधि, गौढ़ उपपत्ती (एल्केलॉयड, टीरॉयड, पीन्स, लिपिड) पादप श्वसन तथा किण्वन, नाइट्रोजन यौगिकीकरण तथा नाइट्रोजन उपपत्तय; प्रोटीन की संरचना और संश्लेषण; पादप वृद्धि—गतियां तथा जीर्णता, वृद्धि हॉर्मोन, वृद्धि विनियमन और उनकी रासायनिक प्रकृति, कृषि एवम् बागवानी में उनकी संरचना, भूमिका और महत्व, पुष्पन की कायिकी, लैंगिक अनिषेच्यता, बीज का अंकुरण और प्रसुप्ति ।

4 पारिस्थितिकी : पारिस्थितिकी का विस्तार, पारिस्थितिकी कारक, पादप समुदाय और पादप अनुक्रमण, जीवमण्डल की संकल्पना; अजैविक और जैविक घटक, पारिस्थितिकी तंत्र संरचना और कार्य, पारिस्थितिक तंत्र में ऊर्जा का प्रवाह । पारिस्थितिकी के अनुप्रयुक्त पहलू प्राकृतिक संपदा और उसका संरक्षण संकटा पत्र और विशेष क्षेत्रीय वनस्पतिया—प्रदूषण और उसका नियंत्रण ।

5 आर्थिक वनस्पति विज्ञान : कृषि पादपों का उद्भव, पादपों का भोजन तन्तु टिम्बर, औषध, रबर, पेय पदार्थ, मसाले, रेजिन और गोद, रंजक, वाष्पशील तेल, कीटनाशी जैव उर्वरक, सजावटी पादप, ऊर्जापादपरोपण तथा पेट्रोलियम के स्रोत के रूप में अध्ययन ।

3 रसायन शास्त्र

खण्ड— अ

परमाणु संरचना: बोर का प्रतिरूप तथा उसकी सीमायें, द—ब्राग्ली समीकरण, होइजेनबर्ग का अनिश्चता का सिद्धांत, क्वाण्टम यांत्रिकीय ऑपरेटर तथा स्क्राडिंगर तरंग समीकरण, तरंग फलन का भौतिक महत्व तथा इसकी विशेषतायें (सामान्यीकृत लॉम्बिक) अरीय वितरण तथा **s, p, d** एवं **f** कक्षों की आकृतियां एक विमीय बाक्स में कण, इलेक्ट्रॉनिक ऊर्जाओं का क्वाण्टीकरण (हाईड्रोजन परमाणु का गुणात्मक उपचार पाउली का अपवर्जन सिद्धांत, अधिकतम चक्रण की बहुलता का हुंड का नियम आफबाऊ सिद्धांत। परमाणुओं का इलेक्ट्रॉनिक विन्यास, परालारेशियम तत्वों को सम्मिलित करते हुए आवर्त तालिका की दीर्घ प्रणाली। तत्वों के गुणों में आवर्तता तथा परमाणु एवं आयनिक त्रिज्यायें, आयनन विभव, इलेक्ट्रॉन बंधुता तथा जलयोजन ऊर्जा ।

नाभिकीय एवं विकिरण रसायन विज्ञान: नाभिक की संरचना (कोश मॉडल), नाभिकीय बल, नाभिकीय स्थायित्व **n/p** अनुपात, नाभिकीय बंधन ऊर्जा। रेडियोसक्रियता की बल गतिकी, उसकी पहचान तथा मापन तत्वों का कृत्रिम तत्वांतरण तथा नाभिकीय अभिक्रियायें, नाभिक विखण्डन तथा संगलन, रेडियो एक्टिव समस्थानिक तथा उनकी उपयोगिता, रेडियो कार्बन काल निर्धारण, विकिरण रसायन की प्रारम्भिक जानकारी, जल तथा जलीय विलयनों का रेडियो अपघटन, विकिरण रासायनिक उत्पाद की इकाई (जी—मान) फ्रिक मात्रमिति ।

रासायनिक आबंधन: संयोजकता आबंध सिद्धांत (हाइटलर लंदन तथा पाउलिंग—स्लेटर के सिद्धांत), संकरण sp^3 sp^2 sp आर sp^0 सिद्धांत तथा साधारण अकार्बनिक अणुओं की आकृतियां। आण्विक कक्षक सिद्धांत, आबंधन, अनाबंधन तथा प्रतिआबंधन आण्विक कक्षक, समांग तथा विषमांग द्विपरमाणुक अणुओं की आण्विक कक्षक ऊर्जा स्तर आरेख, आबंध क्रम, आबंध दैर्ध्य, एवं आबंध सामर्थ्य, सिग्मा तथा पाई आबंध, हाईड्रोजन आबंध सहसंयोजी आबंध की विशेषताएं। **s** तथा **p** खण्ड के तत्वों का रसायन विज्ञान: **s** तथा **p** खण्ड के तत्वों का सामान्य गुणधर्म तत्वों की रासायनिक अभिक्रिया तथा समूह प्रवृत्तियां, उनके सैंकरों, हैलडो तथा आक्साइडों का रासायनिक व्यवहार ।

संकमण तत्वों का रसायन विज्ञान : सामान्य विशेषतायें, परिवर्ती आक्सीकरण अवस्थायें, संश्लिष्टों का निर्माण, उनका रंग तथा चुम्बकीय एवं उत्प्रेरिकीय गुणधर्म। आयनिक त्रिज्याओं, आक्सीकरण अवस्थाओं तथा चुम्बकीय गुणों की दृष्टि से 4d ओर 5d संकमण तत्वों एवं उनके अनुरूप 3d तत्वों का तुलनात्मक अध्ययन।

लैथेनाइडों तथा एक्टिनाइडों का रसायन विज्ञान : लैथेनाइड, संकुचन, आक्सीकरण अवस्थायें, लैथेनाइडों तथा एक्टिनाइडों के पृथक्करण का सिद्धांत, उनके यौगिकों का चुम्बकीय तथा स्पेक्ट्रमी गुणधर्म।

उप सहसंयोजन रसायन विज्ञान : उप सहसंयोजन यौगिकों का वर्णर सिद्धांत, नामपद्धति की आई यू 0 पी 0 ए 0 सी 0 (IUPAC) प्रणाली, प्रभावी परमाणु क्रमांक, उपसहसंयोजन यौगिकों में समावयवता/संयोजकता बंध सिद्धांत तथा उसकी सीमायें, क्रिस्टल क्षेत्र सिद्धांत अष्टफलकीय, चतुष्फलकीय तथा वर्ग तलीय संश्लिष्टों में d कक्षकों का क्रिस्टल क्षेत्र विपाटन। dq तथा इसके मान को प्रभावित करने वाले कारक d¹ से d⁹ तक के लिये क्रिस्टल क्षेत्र स्थायित्व ऊर्जाओं की गणना, दुर्बल तथा प्रबल क्षेत्र के अष्टफलकीय संश्लिष्टों, स्पेक्ट्रो रासायनिक श्रृंखला। 3d संकमण धातु संश्लिष्टों के इलेक्ट्रानिक स्पेक्ट्रम, इलेक्ट्रानिक संक्रमण के प्रकार, d¹ से d¹⁰ निकायों के लिये स्पेक्ट्रोस्कोपिक आद्य अवस्थायें। **जैव अकार्बनिक रसायन:** जैविक प्रक्रमों में अनिवार्य तथा सूक्ष्म मात्रिक तत्व हिमाग्लोबिन तथा मायोग्लोबिन के विशेष संदर्भ में, धात्विक पार्फिरिन। Ca²⁺ के विशेष संदर्भ में क्षारीय तथा मृदाक्षारीय धातु आयनों का जैविक महत्व।

निम्नांकित अकार्बनिक यौगिकों का बनाना, उनके गुण धर्म तथा उपयोग : भारी जल, बोरिक एसिड, डाइबोरेन, हाईड्रोजिन, एमीन, पोटैशियम डाइक्रोमेट, पोटैशियम परमैंगनेट, Ce (IV) सल्फेट तथा टिटैनियम (III) सल्फेट।

बहुलक : संख्या माध्य तथा भार अणुभार। अवसादन, प्रकाश विकीर्णन, श्यानता तथा परासरण दाब, विधियां बहुलकों के अणुभार का ज्ञात करना।

खण्ड – ब

सामान्य कार्बनिक रसायन विज्ञान : इलेक्ट्रानिक विस्थापन-प्रेरणिक इलेक्ट्रोमरी तथा मेसोमरी प्रभाव। संयुग्मन एवं अति संयुग्मन अनुनाद तथा कार्बनिक यौगिकों के लिये इसका अनुप्रयोग, इलेक्ट्रान स्नेही, नाभिक स्नेही, कार्बोकेटायन तथा कार्बनियन्स मुक्त मूलक। कार्बनिक अम्ल तथा क्षार। कार्बनिक अम्लों तथा क्षारों की शक्ति पर संरचना का प्रभाव। हाईड्रोजन बंध तथा कार्बनिक यौगिकों के गुणों पर इसका प्रभाव।

कार्बनिक अभिक्रियाओं की क्रियाविधि की अवधारणा : योगात्मक प्रतिस्थापन, विलोपन, अभिक्रियाओं तथा आणविक पुर्नविन्यास की क्रिया विधि। इलेक्ट्रान स्नेही तथा नाभिक स्नेही एरोमैटिक प्रतिस्थापन की क्रिया विधि। निम्नलिखित अभिक्रियाओं की क्रियाविधि ; ऐल्डोन संघनन, क्लेजन संघनन, बेकमैन पुनर्विन्यास, पर्किन अभिक्रिया, राइमर टीमन अभिक्रिया, कैनिजारो अभिक्रिया, फ्रीडेल-कापट्स अभिक्रिया, रिफार्मेटिस्की की अभिक्रिया तथा वागनर मीरवाइन पुर्नविन्यास।

एलिफैटिक यौगिक : निम्नलिखित वर्ग के साधारण कार्बनिक यौगिकों के रसायन जिसमें विशेषकर उन अभिक्रियाओं की क्रियाविधि के संदर्भ में उल्लेख हो जो इन यौगिकों के साथ हो रही हो; एल्केन, एल्कीन, एल्काइन, एल्किल हैलाइड, एल्कोहल, ईथर, थायोल, एल्डिहाइड, कीटोन अल्फा, बीटा असंतृप्त कार्बोनिल यौगिक, एसिड तथा उनके व्युत्पन्न, एमीन, एमीनोएसिड, हाईड्राक्सी एसिड, असंतृप्त एसिड तथा द्विधार्मिक एसिड। मैलानिक एस्टर, एसिटोएसिटिक एस्टर, ग्रीनार्ड अभिकर्मक, कार्बिन डाइएजोमीथेन तथा फास्फोरेन की संश्लेषण उपयोगिताएं।

कार्बोहाइड्रेट : वर्गीकरण, साधारण, मानोसैकेराइड के विन्यास तथा उनकी सामान्य अभिक्रियायें/ ओसाजेन का बनना, परिवर्ती ध्रुवण घूर्णन, पाइरानोस तथा फ्यूयुरानोस की संरचनायें। एल्डोस तथा कीटोस में श्रंखला दीर्घीकरण तथा श्रंखला लघुकरण। ग्लूकोज तथा फ्रक्टोस का अंतरपरिवर्तन। **त्रिविम रसायन तथा संरूपण :** सममिति के तत्व, साधारण कार्बनिक यौगिकों में प्रकाशीय तथा ज्यामितीयसमावयवता। संपूर्ण विन्यास (R तथा S) ज्यामितीय समावयवों के विन्यास E तथा Z संकेतन एकल तथा द्विप्रतिस्थापित साइक्लोहेक्सेनों के संरूपण नौका तथा कुर्सी स्वरूप।

संगंध यौगिक : बेन्जीन की आधुनिक संरचना; एरोमैटिसिटी की धारणा, हकल नियम तथा इसका अबेंजीनीय एरोमैटिक यौगिकों के लिये साधारण अनुप्रयोग। प्रतिस्थापित समूहों का सक्रियण तथा निष्क्रियण प्रभाव दैशिक प्रभाव।

एल्किल तथा बेंजीन वलय से जुड़े निम्नलिखित समूहों वाले यौगिकों का अध्ययन : हैलोजेन, हाईड्राक्सी, नाइट्रो तथा एमीनो समूह। सल्फोनिक एसिड, बेंजजिडिहाइड, सैलेसिलिडिहाइड, एसिटोफीनोन, बेंजोइक, सैलिसिलिक, थैलिक, सिनैमिक तथा मैण्डेसिक एसिड।

नैपथलीन तथा पिरीडीन : संश्लेषण, संरचना तथा महत्वपूर्ण अभिक्रियायें।

एल्कलॉयड : के संरचना निर्धारण की सामान्य विधियां ; निकोटीन का रसायन।

कार्बनिक बहुलक : बहुलीकरण की क्रियाविधि, औद्योगिक महत्व के बहुलक संश्लेषित रेशे। **सजीव सेलों का रसायन:** संक्षिप्त परिचय, रसायनिक संघटक, सेल झिल्ली, अम्ल क्षार संतुलन, विसरण तथा सक्रिय अभिगमन, डॉनन झिल्ली साम्य।

एंजाइम तथा सहएंजाइम: नाम पद्धति तथा विशेषतायें, एंजाइम सक्रियता प्रभावित करने वाले कारक।

एन० एम० आर० स्पेक्ट्रोमीट्री: पी० एम० आर० का सिद्धांत, रासायनिक स्थित्यन्तरण, चक्रण-चक्रण युग्मन, साधारण कार्बनिक अणुओं के लिये पी० एम० आर० स्पेक्ट्रमों की व्याख्या। **विश्लेषित आंकड़ों का मूल्यांकन:** त्रुटियां, यथार्थता तथा परिशुद्धता, आपेक्षिक तथा मानक विचलन, संदेहपूर्ण निरीक्षणों का निराकरण, टी-परीक्षा, क्यू-परीक्षा।

विलायक निष्कर्षण: वितरण नियम, विपरीत धारा वितरण की क्लैग परिकल्पना, महत्वपूर्ण विलायक निष्कर्षण निकाय।

वर्णलेखी विज्ञान: वर्णलेखी विज्ञान। वर्णलेखी प्रविधियों का वर्गीकरण, अधिशोषण के सामान्य सिद्धांत, विभाजन आयन विनियम, कागज वर्ग लेखन तथा विरलपरत वर्ग लेखन।

पर्यावरणीय रसायन विज्ञान: वायु प्रदूषक एवं उनके विषाक्त प्रभाव, ओजोन परत का विघटन, नाइट्रोजन के आक्साइड का प्रभाव, फ्लोरो-क्लोरो-कार्बन तथा ओजोन परत पर उसका प्रभाव, ग्रीन हाउस प्रभाव, अम्ल वर्षा।

4. कम्प्यूटर एप्लीकेशन / कम्प्यूटर विज्ञान

खण्ड – अ

आधार गणित : संभाविता के तत्व, आव्यूह बीज गणित, अनुकलन, अवकलन।

मूलभूत संकल्पनाएं : सदृश बनाम अंकीय परिशुद्धता, विश्वसनीयता, तीव्रता, लक्षण तथा संख्या प्रतिरूपण, दशमिक, द्वयि, अष्टक, षण दशमीय संख्याएं, प्लव बिन्दु प्रतिरूपण, घाण प्रक्रमण, समय विभाजन, बहु प्रोग्रामन, प्रोग्रामन भाषा, यन्त्र भाषा तथा उच्च स्तरीय भाषा, संकलक तथा व्याख्यक, सामान्यतः उपयोग में लाये जाने वाले उपान्तों का अध्ययन।

स्विचिंग सिद्धान्त तथा अंकीय अभिकल्प : तर्क श्रैत, तर्क बीजगणित, सरलीकरण, द्वार, तार्किक श्रैतों का क्रियान्वयन, संयुक्तक तथा आनुक्रमिक परिपथों का अभिकल्प, पिलप फ्लॉप्स, रजिस्टर्स, कूट लेखक, कूट अनुवादक, कूट परिवर्तक, गणक, ROM, PLA तथा बहुगुणक सहित समेकित परिपथ के साथ अभिकल्प। सूक्ष्म प्रक्रमक स्थापत्य, 8085/8086 का प्रोग्रामन अध्ययन।

प्रोग्रामन तथा डाटा संरचनाएं : OOP's, C++ डाटा प्रकारों की संकल्पनाएं, नियन्त्रण विवरण, प्रक्रियाएं, विषय क्षेत्र नियम, आनुविन्यासक तथा अभिलेख, गणित डाटा प्रकार, समुच्चय, सूचियां, प्रत्यावर्तन, फ़ाईल आनुक्रमिक, सूचीकृत फ़ाईलें, रिपोर्ट जनन का पृथक्करण तथा विलयन। सरणियों, पंक्तियां, संपर्ककारी सूचियां, चयन, वृक्ष संरेखण, पोस्ट फिक्स संकेतों का उपयोग करते हुए अभिव्यक्तियों का मूल्यांकन, प्रतीक गणित का पृथक्करण, बबल सौर्ट, हो सौर्ट, प्रतीक गणित की जटिलताएं।

खण्ड ब

कम्प्यूटर का संगठन : कार्य संगठन, यंत्र निर्देश, संबोधन माध्यम, सूक्ष्म प्रक्रमक का परिचय, 8085/8086 का अध्ययन, DMA तथा व्यवधान प्राथमिकता के मार्ग से प्रक्रमक तथा I/O के मध्य संवाद, बस अनुसूचीकरण के साथ संलग्न समस्याएं। सूक्ष्म कम्प्यूटर स्मृति, व्यवहारतः स्मृति, मूलभूत संकल्पनाएं, व्यवहारतः स्मृति की समस्याएं, पृष्ठ बदलाव, प्रतीक गणित, कैश स्मृति, साहचर्य स्मृति, समानान्तर प्रक्रमण के मूलतत्त्व तथा इसकी आवश्यकता। पाईपलाईण्ड प्रक्रमक तथा बहुप्रक्रमक।

प्रणाली प्रोग्रामन : संपादक, लोडर्स, संपर्क सूत्र, सम्मेलक, संकलक की प्रावस्थाएं तथा उनके कार्य, शब्द कोश विश्लेषक तथा पद निर्देशक, पद निर्देशन तकनीकें, संकेत सारिणी, कूट जनन।

परिचालक प्रणालियां : बैच, बहुप्रोग्रामन तथा समय विभाजन प्रणालियां, प्रक्रमक स्मृति, युक्ति एवं फ़ाईल प्रबंधन, व्यवहारतः स्मृति, प्रक्रिया अनुसूचीकरण, अन्तः प्रक्रिया संवाद, I/O पुनः प्रेषण, प्रक्रिया एककालन तथा तालमेल, गतिरोध, निवारण, परिहार, खोज एवं पुनः सुधार, अतिरिक्त भण्डारण प्रबंधन, फ़ाईल प्रणाली कार्य तथा इसका उत्क्रम।

डाटा प्रक्रमण संकल्पना : फ़ाईल संगठन तकनीकें, सूचीकरण, संबंध कारक तथा नेटवर्क डाटा निदर्श, संबंधकारक DBMS के रूप में d Base III+ का अध्ययन। डाटा शब्द कोश, सामान्य स्वरूप एवं प्रश्न – भाषाएं।

कम्प्यूटर संजाल : डाटा संवाद संकल्पनाएं, LAN का विकास, OSI-7 लेयर संदर्भ निदर्श तथा अभिकल्प विषय। भौतिक लेयर पारेषण माध्यम, पैकेट तथा सर्किट स्विचिंग, स्थान विज्ञान, डाटा लिंक लेयर, टोकन पास करना, स्लाइडिंग विंडो नयाचार, नयाचार विनिर्दिष्टियाँ तथा सत्यापन, संजाल लेयर, मार्ग निश्चय, संकुलन नियन्त्रण, परिवहन लेयर, सत्र एवं प्रस्तुतिकरण लेयर्स, अभिकल्प विषय, अनुप्रयोग लेयर, फ़ाईल अन्तरण, इलैक्ट्रॉनिक मेल।

सॉफ्टवेयर इंजीनियरी तथा अनुप्रयोग : प्रणाली विश्लेषण, विस्तृत विश्लेषण, साध्यता अध्ययन, प्रणाली अभिकल्पक हेतु औज़ार, निर्विष्ट व निर्गत अभिकल्प, प्रोग्राम परिभाषा, घटक अभिकल्प तथा अभिकल्प समीक्षा, संरचित प्रोग्रामन तथा संपरिवर्तन, परीक्षण, प्रशिक्षण तथा प्रलेखन, प्रणाली फ़ाईल चक्र, प्रणाली विश्लेषक की भूमिका। कार्यालय स्वतः चालन हेतु औज़ार, वर्ड प्रोसेसिंग स्प्रेडशीट्स, वित्तीय एवं सांख्यिकीय पैकेजेज, वेतन नामावली, वस्तु सूची, कम्प्यूटरों में चित्र उत्पत्ति तथा प्रदर्शन, मल्टी मीडिया प्रणाली, कम्प्यूटरों का अनुप्रयोग।

5.(1). कृषि अभियान्त्रिकी

खण्ड – अ

1. मृदा एवं जल संरक्षण : मृदा एवं जल संरक्षण का विषय क्षेत्र, क्षरण की यान्त्रिकी तथा प्रकार, इसके कारण, वर्षा, अपधाव एवं अवसादन संबंध तथा उनकी माप। मृदा क्षरण नियन्त्रण के उपाय – जीव वैज्ञानिक तथा अभियान्त्रिकी, स्रोत तट संरक्षण, वानस्पतिक अवरोध, समोच्च बांध, समोच्च खाति, समोच्च शिला भित्ति, समोच्च खाइयां, उत्तल, निष्क्रम तथा घास युक्त जलमार्ग। अवनलिका नियन्त्रण संरचनाएं – स्थायी एवं अस्थायी – स्थायी – भू संरक्षण संरचनाओं का आकल्पन जैसे कि प्रवणिका, बूंद, बूंद प्रवेश अधिप्लवन। बाढ़ नियन्त्रण के सिद्धान्त – बाढ़ पथ। जलागम प्रबंधन – अन्वेषण, आयोजना तथा क्रियान्वयन – प्राथमिकता क्षेत्रों तथा जलागम कार्य योजना का चयन, मिट्टी की मात्रा का आकलन तथा लागत निर्धारण। वायु क्षरण प्रक्रिया – आश्रय-पट्टी तथा वायु रोध हेतु आकल्पन – उनका प्रबंधन। वन (संरक्षण) अधिनियम।
2. हवाई फोटोग्राफी तथा सुदूर संवेक्षण : फोटोग्राफिक छवियों के मूल लक्षण, व्याख्या कुंजियां, व्याख्या हेतु उपकरण, भूमि उपयोग, भू विज्ञान, मृदा एवं वानिकी हेतु प्रतिरूप व्याख्या।
दूर संवेक्षण : – पारम्परिक तथा दूर संवेक्षण दृष्टिकोणों के गुण-दोष। उपग्रह छवियों के प्रकार, उपग्रह छवि व्याख्या के मूल तत्व, मृदा, जल तथा भू उपयोग प्रबंधन हेतु दृश्य व अंकीय व्याख्या की तकनीकें, जी आई एस का उपयोग, वन आच्छादन, जल संसाधन सहित जलागम, वनों की आयोजना एवं विकास में जी आई एस का उपयोग।
3. सिंचाई तथा जलोत्सारण : सिंचाई हेतु जल के संसाधन, लघु सिंचाई परियोजनाओं की आयोजना तथा आकल्पन। मृदा आर्द्रता मापन तकनीकें – मृदा-जल पादप संबंध। फसलों की जल आवश्यकताएं। जल एवं भूतल जल के संयुक्त उपयोग की आयोजना। सिंचाई जल की माप, माप के साधन, विवर, बंधिकाय तथा प्रवाहिनी – सिंचाई की विधियां – भूतल, सेचक तथा ट्रप्सन, सिंचाई दक्षताएं तथा उनका आकलन, नहरों की अभिकल्पना और उनका निर्माण, भूमिगत पाईपलाईन्स, हेडगेट्स, पथांतर बक्से तथा सड़क पर करने के लिये संरचनाएं।
भूमिगत जल का होना, कुओं का जल शक्ति विज्ञान, कुओं के प्रकार (ट्यूब वेल तथा खुले कुएं) तथा उनका निर्माण। कुओं का विकास एवं परीक्षण। पंप्स के प्रकार, चयन एवं संस्थापन। जीर्ण एवं विफल कुओं का पुनः स्थापन।
जलोत्सारण, जलानुवेधन के कारण, जलोत्सारण की विधियां – सिंचित व असिंचित भूमि का जलोत्सारण, भूतल, उप भूतल तथा ऊर्ध्वाधर जलोत्सारण प्रणाली की अभिकल्पना।

घटिया जल का सुधार तथा उसका उपयोग। क्षारीय व लवण मृदा का उद्धारण। सिंचाई तथा जलोत्सारण प्रणाली की आर्थिकी। सिंचाई हेतु अपशिष्ट जल का उपयोग – सतत् सिंचाई, साध्यता तथा आर्थिकी हेतु अपशिष्ट जल के मानक।

4. कृषि संरचनाएं : स्थल चयन, फार्म गृह, फार्म स्थान, पशुशाला, कुक्कुट शाला, सूकरशाला, यंत्र तथा औजार गृह की आकल्पना तथा निर्माण। अनाज, खाद्य व चारा हेतु भंडारण संरचना। फार्म मार्ग तथा बाड़ की आकल्पना एवं निर्माण। पौध पर्यावरण हेतु संरचना – ग्रीन हाउससेज – पोली हाउससेज तथा छाया गृह। इमारती लकड़ी, ईट, पत्थर, टाईल्स, कंक्रीट इत्यादि – भवन निर्माण में उपयोग होने वाली सामान्य सामग्री तथा उनके तत्व, जल आपूर्ति, जलोत्सारण तथा स्वच्छता प्रणाली।

खण्ड – ब

1. फार्म ऊर्जा तथा यंत्र : कृषि यंत्रीकरण तथा इसकी परिपथ फार्म ऊर्जा के संसाधन – अनुप्राणित तथा विद्युत-यंत्रीय। तापगतिकी, आन्तरिक दहन यन्त्र का निर्माण व संचालन। आन्तरिक दहन यंत्रों की ईंधन, ज्वलन, उपस्नेहन, शीतलीकरण, प्रचालन प्रणाली। ट्रैक्टर्स तथा ऊर्जा टिलर्स के विभिन्न प्रकार। ऊर्जा पारेषण, तल चालन, शक्ति चालित घुरा (पॉवर टेक ऑफ पी टी ओ) तथा नियन्त्रण प्रणाली। प्राथमिक तथा माध्यमिक खेती हेतु फार्म यंत्रों का परिचालन तथा अनुरक्षण। संकर्षण सिद्धान्त। बुआई, पौधरोपण, अन्तराकृषि – औजार एवं उपकरण। पौध संरक्षण उपकरण – सीकरण तथा धूलन। फसल कटाई, मड़ाई तथा उपकरणों को मिलाना। मिट्टी हटाने तथा भूमि विकास हेतु यंत्र – विधियां तथा लागत आकलन। मानव-यंत्र प्रणाली की एर्गोनोमिक्स। उद्यान विज्ञान तथा कृषि वानिकी हेतु यन्त्र – खाद्य एवं चारे। कृषि तथा वानिकी उत्पादों की ढुलाई।
2. कृषि – ऊर्जा : कृषि परिचालनों तथा कृषि प्रसंस्करण की ऊर्जा आवश्यकता। कृषि अनुपयोगों के लिये विद्युत मोटर्स का चयन, संस्थापना, सुरक्षा तथा अनुरक्षण। सौर (तापीय तथा प्रकाश – द्युमात्रिक), वायव्य तथा बायोगैस ऊर्जा तथा कृषि में उनका उपयोग। आन्तरिक दहन यन्त्रों को चलाने तथा विद्युत ऊर्जा उत्पादन हेतु बायोमास का वातायन। ऊर्जा-दक्ष खाना पकाने के स्टोव तथा खाना – पकाने का वैकल्पिक ईंधन, कृषि तथा कृषि-औद्योगिक अनुपयोगों हेतु विद्युत का वितरण।
3. कृषि प्रक्रिया अभियान्त्रिकी : फसलों की कटाई पश्चात् प्रौद्योगिकी तथा इसका विस्तार। कृषि उत्पादों तथा सह उत्पादों के अभियान्त्रिक गुण। यूनिट परिचालन – कृषि उत्पादों तथा सह-उत्पादों की सफाई, श्रेणी निर्माण, आकार घटाना, घनत्व, संकेन्द्रण,

शोषण/निर्जलीकरण, वाष्पीकरण, छानना, जमाना तथा संवेष्टन। सामग्री उपयोग उपकरण – पेटी तथा अभिवाहक, बाल्टी उत्पापक, उनकी क्षमता तथा ऊर्जा आवश्यकता। दुग्ध तथा डेयरी उत्पादों का प्रसंस्करण – सजातीयता, मलाई, पृथक्करण, नीरोगन, जीवाणुहनन, शीकन तथा वेल्लन द्वारा सुखाना, मक्खन बनाना, आईस क्रीम, चीज़ तथा श्रीखण्ड – निर्माण। अवशिष्ट तथा सह-उत्पाद उपयोग। चावल की भूसी, गन्ने की खोई, पौधों के अवशिष्ट तथा नारियल।

4. कृषि अभियान्त्रिकी में उपकरण-उपयोग तथा कम्प्यूटर अनुप्रयोग : इलेक्ट्रॉनिक युक्तियां तथा उनके विशेष गुण : रेक्टिफायर्स, एम्प्लीफायर्स, ऑसीलेटर्स, मल्टीवाइब्रेटर्स। अंकीय परिपथ – आनुक्रमिक तथा समेकित प्रणाली। डाटा प्राप्ति तथा कृषि अभियान्त्रिकी प्रक्रियाओं के नियन्त्रण में लघुप्रसंस्करणों का अनुप्रयोग – तल, प्रवाह, आयास, तीव्रता, विमोटन, ऊर्जा, दबाव, शून्यक तथा तापमान हेतु मापन प्रणालियाँ। कम्प्यूटर – परिचय, निर्विष्ट/निर्गत युक्तियां, केन्द्रीय प्रसंस्करण यूनिट, स्मृति युक्तियां, परिचालन प्रणालियां, प्रोसेसर्स, कीबोर्ड्स तथा प्रिन्टर्स। कृषि अभियान्त्रिकी में प्रतीक गणित, प्रवाह संचित्र विशिष्टियां। कार्यक्रम अनुवाद तथा जटिल प्रश्न विश्लेषण। मल्टीमीडिया तथा दृश्य-श्रव्य सहायताएं।

5 (2). रसायन अभियान्त्रिकी

खण्ड – अ

- (ए) द्रव तथा कण गतिकी – द्रव की श्यानता। परती तथा प्रक्षुब्ध प्रवाह। सततता का समीकरण तथा नेवियर स्टोक्स समीकरण – बर्नोली का प्रमेय। प्रवाह मीटर। संघर्षण के कारण द्रव रोध तथा दबाव में गिरावट, रेनोल्ड की संख्या तथा संघर्षण कारक – नली की रूक्षता का प्रभाव। नली का किफायती व्यास। पंप्स, जल, वायु/वाष्प, जेट उत्क्षेपण, संपीडक, ब्लोअर्स तथा पंखे। द्रव्यों का उद्वेग तथा मिश्रण। ठोस व लेई का मिश्रण – दलन एवं पेषण- सिद्धान्त एवं उपकरण। रिटिंगर तथा बॉड के नियम। छानना तथा छानने के उपकरण, द्रव कण यान्त्रिकी। अबाध तथा अवरोधक व्यवस्थापन। द्रवीकरण तथा न्यूनतम द्रवीकरण प्रवेग संपीडन योग्य असंपीडन योग्य प्रवाह की संकल्पना। सान्द्रों का परिवहन।
- (बी) पुंज अन्तरण – आण्विक प्रसरण गुणक – प्रथम तथा द्वितीय नियम तथा प्रसरण, पुंज अन्तरण गुणक, पुंज अन्तरण का चित्र पट्टी तथा वेधन सिद्धान्त। आसवन, सरल आसवन, सापेक्ष उत्पतता, प्रभागशः आसवन, आसवन हेतु पट्ट तथा संवेष्टित स्तम्भ, पट्टिकाओं की सैद्धान्तिक संख्या का परिकलन। तरल – तरल साम्य। निस्सारण –

सिद्धान्त एवं व्यवहार, गैस अवशोषण स्तंभों की आकल्पना सुखाना। आक्लेदन, अनाक्लेदन, स्फटन, उपकरण की आकल्पना।

- (सी) ऊष्मा अन्तरण – संवाहन, तापीय संवाहिता, विस्तारित भूतल ऊष्मा अन्तरण। संवहन – अबाध तथा बलात। ऊष्मा अन्तरण गुणक – नुसेल्ट संख्या। एल एम टी डी तथा प्रभाविता। दोहरी नली तथा कवच व नली एवं ऊष्मा विनियामकों के लिये एन टी यू विधियाँ। ऊष्मा तथा संवेग अन्तरण के मध्य सादृश्य। क्वथन तथा संघनन ऊष्मा अन्तरण। एक तथा बहुल प्रभाव वाष्पक। विकिरण – स्टेफ्लान – बोल्जमैन नियम। उत्सारण तथा प्रचूषिता। भट्टी के ऊष्मा भार का परिकलन। सौर उष्मक।
- (डी) नोवाल पृथक्करण प्रक्रियाएं – साम्य पृथक्करण प्रक्रियाएं – अयन विनिमय, आसृति, विद्युत-व्याश्लेषण, विपरीत आसृति, परानिस्स्यंदन तथा अन्य झिल्ली प्रक्रियाएं। आण्विक आसवन। अधिकाष्ठा द्रव निस्सारण।
- (ई) प्रक्रिया उपकरण आकल्पना – पात्र आकल्पना मानदण्ड को प्रभावित करने वाले कारक। क्षैतिज गोलीय, वातावरणीय तथा उच्च दबाव हेतु भूमिगत टंकियां। संवरण चिपिट तथा अंडकार शीर्ष। आलंब की आकल्पना। निर्माण की सामग्री – चयन की विशेषताएं।
- (एफ) प्रक्रिया गतिकी तथा नियन्त्रण – दृश्य/वातिक/सादृश्य/अंकीय संकेत के रूपों में संकेत के साथ स्तर, दबाव, प्रवाह, तापमान जैसे प्रक्रिया परिवर्तन कारकों को हेतु नापने के उपकरण, नियन्त्रण, चर, प्रहस्तनीय चर तथा भार चर। रेखीय नियन्त्रण सिद्धान्त – लाप्लेस, रूपान्तरण। पी आई डी नियन्त्रक। इष्टका चित्र निरूपण क्षणिक तथा आवृत्ति प्रत्युत्तर, संवृत्त पाशी प्रणाली की स्थिरता। उन्नत नियन्त्रण कार्य नीतियां। कम्प्यूटर आधारित प्रक्रिया नियन्त्रण।

खण्ड – ब

- (ए) सामग्री तथा ऊर्जा संतुलन – पुनरोपयोग/उपमार्ग/मार्जन के साथ प्रक्रियाओं में सामग्री तथा ऊर्जा संतुलन परिकलन। ठोस/द्रव्य/वातीय ईंधनों का दहन, तात्वयौगिक संबंध तथा अतिरिक्त वायु आवश्यकताएं। समोष्णीय लौ तापमान।
- (बी) रसायन अभियान्त्रिकी ताप गतिकी – ताप गतिकी के नियम। शुद्ध संघटकों तथा मिश्रणों हेतु पी वी टी संबंध – ऊर्जा कार्य तथा अन्तः संबंध – मैक्सवेल के संबंध। रासायनिक क्षमता। आदर्श/अनादर्श, एकल तथा बहुल संघटक प्रणाली हेतु वाष्प-द्रव्य समतोल, समतोल स्थिरांक, समतोल परिवर्तन। ताप गतिक चक्र – प्रशीतन तथा ऊर्जा।
- (सी) रासायनिक-अभिक्रिया अभियान्त्रिकी : – प्रचय अभिकारक – समरूप अभिक्रियाओं की गतिकी तथा गतिज आंकड़ों की व्याख्या। आदर्श प्रवाह अभिकारक – सी एस टी आर, प्लग प्रवाह अभिकारक तथा उनके निष्पादन समीकरण। तापमान प्रभाव तथा विपलायक

अभिक्रियाएं। विजातीय अभिक्रियाएं – आवेजनिक व अनावेजनिक तथा वात-ठोस व वात द्रव्य अभिक्रियाएं। आन्तर गतिकी तथा वैश्विक दर संकल्पना। निष्पादन पर भाजनमध्या तथा कण अभ्यन्तर पुंज अन्तरण की महत्ता। प्रभावकारी कारक। समताप तथा असमान ताप अभिकारक तथा अभिकारक स्थिरता।

- (डी) रसायन प्रौद्योगिकी – प्राकृतिक जैविक उत्पाद – काष्ठ आधारित रसायन, गूदा तथा कागज, कृषि उद्योग – शक्कर, खाद्य तेल निस्सारण (वृक्ष आधारित बीजों सहित) साबुन तथा अपमार्जक, आवश्यक तेल – बायोमास वातीकरण (बायोमास सहित) कोयला एवं कोयला रसायन/पेट्रोलियम तथा प्राकृतिक गैस – पेट्रोलियम परिष्करण (वायुमण्डलिक आसवन / विपटन / सुधार) पेट्रो रसायन उद्योग – पोलीथिलीन्स (एल डी पी ई/एच डी पी ई) पोलीविनायल क्लोराईड, पोलीस्टीरीन। अमोनिया निर्माण – सीमेन्ट तथा चूना उद्योग। रंग एवं वार्निश। कांच एवं मृच्छल्प। किण्वन – अल्कोल्क तथा प्रतिजीवी।
- (ई) पर्यावरण अभियान्त्रिकी तथा सुरक्षा – पारिस्थितिकी तथा पर्यावरण। वायु तथा जल में प्रदूषकों के स्रोत – हरितगृह प्रभाव, ओजोन परत क्षरण, अम्ल वर्षा, सूक्ष्ममोसमविज्ञान तथा पर्यावरण में प्रदूषकों का विसर्जन। प्रदूषक स्तरों को नापने की तकनीकें तथा उनके नियन्त्रण की कार्यनीति, ठोस अपशिष्ट, उनके जोखिम तथा उनके निस्तारण की तकनीकें। प्रदूषण नियन्त्रण उपकरण की अभिकल्पना तथा निष्पादन विश्लेषण। अग्नि तथा विस्फोट जोखिम दर निर्धारण – एच ए जेड ओ पी तथा एच ए जेड ए एन। आपात आयोजना, आपदा प्रबंधन। पर्यावरण विधान – जल, वायु पर्यावरण संरक्षण अधिनियम। वन (संरक्षण) अधिनियम।
- (एफ) प्रसंस्करण अभियान्त्रिकी अर्थशास्त्र – प्रसंस्करण उद्योग हेतु स्थिर तथा कामकाजी पूंजी अपेक्षाएं तथा आकलन विधियां। आकलन तथा विकल्पों की तुलना। पूर्व प्राप्त नकद प्रवाह द्वारा शुद्ध वर्तमान मूल्य। भुगतान वापसी विश्लेषण। आई आर आर, अवक्षय, कर तथा बीमा। हानि-लाभ रहित बिंदु विश्लेषण। परियोजना अनुसूचन – पी ई आर टी तथा सी पी एम लाभ-हानि लेखा, तुलन पत्र तथा वित्तीय विवरण। संयंत्र अवस्थिति तथा पाईपिंग सहित संयंत्र का अभिविन्यास।

5 (3). सिविल अभियान्त्रिकी

खण्ड – अ

इन्जीनियरी यान्त्रिकी, पदार्थ सामर्थ्य तथा संरचनात्मक विश्लेषण।

इन्जीनियरी यान्त्रिकी : मात्रक तथा विमाएं, एस आई मात्रक, सदिश, बल की संकल्पना, कण तथा दृढ़ पिण्डों की संकल्पना, संगामी, असंगामी तथा समतल पर समानान्तर बल, बल आधूर्ण तथा नैरिग्नान प्रमेय, मुक्त पिंड आरेख, साम्यावस्था की शर्तें, कल्पित कार्य का सिद्धान्त, समतुल्य बल प्रणाली।

प्रथम तथा द्वितीय क्षेत्र आधूर्ण, द्रव्यमान, जड़त्व आधूर्ण स्थैतिक घर्षण अनंत तल तथा दिक्मान।

शुद्ध गतिकी तथा गतिकी : कार्टिसियन शुद्ध गतिकी तथा ध्रुवीय निर्देशांक, शुद्ध गतिकी, समान तथा असमान त्वरण के अधीन गति, गुरुत्वाधीन गति।

कण गतिकी : संवेग तथा ऊर्जा सिद्धान्त, डी. एलेम्बर्ट सिद्धान्त, प्रत्यास्थ पिंडों की टक्कर, दृढ़ पिंडों का घूर्णन, सरल आवर्त गति, गतिपालक पहिया।

पदार्थ सामर्थ्य : सरल प्रतिबल एवं विकृति, प्रत्यास्थ स्थिरांक, अक्षीय : भारित संपीडांग, अपरूपण बल तथा बंकन आधूर्ण, सरल बंकन का सिद्धान्त, अनुप्रस्थ परिच्छेद अपरूपण प्रतिबल वितरण, सम-सामर्थ्य बीम, पत्तीदार कमानी, प्रत्यक्ष प्रतिबल में विकृति ऊर्जा बंकन तथा अपरूपण।

धरन-विक्षेप : मैकाले विधि, मोर की आधूर्ण क्षेत्र विधि, अनुरूप धरन, सघन एकांक भार विधि, सापट की एंठन, संचरण क्षमता, सघन कुंडलित कमानी, स्तम्भों का प्रत्यास्थ स्थायित्व। ऑयलर, रेनकार्डिन तथा सीकेंट सूत्र। दो विमाओं में मुख्य प्रतिबल तथा विकृति, मोर वृत्त, प्रत्यास्थ भंग की प्रमेय, स्थूल एवं तनु सिलिंडर; आंतरिक तथा बाह्य दबावों के कारण प्रतिबल – लार्मे समीकरण।

संरचनात्मक विश्लेषण : कार्स्टिलियानोस प्रमेय I तथा II, धरन और कील संधियुक्त कैंची में प्रयुक्त संगत विकृति की एकांक भार विधि, ढाल विक्षेप, आधूर्ण वितरण, कानी की विश्लेषण पद्धति तथा अन्तवर्ती धरन तथा स्थिर फ्रेमों पर अनुप्रयुक्त स्तम्भ सादृश्य विधि। बेलन भार और प्रभाव रेखाएं : धरन के परिच्छेद पर अपरूपण बल तथा बंकन आधूर्ण के लिये प्रभाव रेखाएं। गतिशील भार प्रणाली द्वारा धरन चक्रमण में अधिकतम अपरूपण बल तथा बंकन आधूर्ण हेतु मानदण्ड। सरल आलंबित समतल कील संधियुक्त कैंची हेतु प्रभाव रेखाएं।

डाट : त्रिकील, द्विकील तथा आबद्ध डाट – कमानी लघुकरण एवं तापमान प्रभाव।

विश्लेषण की आव्यूह विधि : अतिधारित धरण तथा दृढ़ ढांचों का बल विधि तथा विस्थापन विधि से विश्लेषण।

धरन और ढांचों का प्लास्टिक विश्लेषण : प्लास्टिक बंकन सिद्धान्त, प्लास्टिक विश्लेषण, स्थैतिक प्रणाली, यान्त्रिक विधि।

ढांचो की आंकल्पना: इस्पात, कंक्रीर और चिनाई संरचनाएं

संरचनात्मक इस्पात : सुरक्षा कारक और भार कारक। कवचित तथा वेल्डित जोड़ तथा संयोजन, तनाव तथा संपीडांग इकाइयों का अभिकल्प, संघटित परिच्छेद का धरन, कवचित तथा वेल्डित प्लेट गर्डर, गैंद्री गर्डर, बैटन एवं लेसिंग युक्त स्टेन्चियन्स ; शिला पट्ट तथा प्रकोणीय स्तम्भ आधार।

राजमार्ग तथा रेलवे सेतुओं का अभिकल्प : थ्रो और डेक टाइप के गर्डर, वारेन गर्डर, प्राट ट्रस।

कंक्रीट तथा चिनाई संरचना का अभिकल्प : मिश्र अभिकल्प की संकल्पना, प्रबलित कंक्रीट : कार्यकारी प्रतिबल तथा सीमा अवस्था विधि से अभिकल्प – आई. एस. संहिता अभिकल्प की संस्तुतियां वन वे एवं टू वे स्लैब का अभिकल्प; सोपान स्लैब, आयताकार, टी एवं एल काट सरल एवं सतत धरन। उत्केन्द्रता सहित अथवा रहित प्रत्यक्ष भार के अंतर्गत संपीडांग इकाइयां। विलगित एवं संयुक्त नींव, सेंटीलीवर एवं काउन्टरफोर्ट प्रतिधारक भित्ति।

पानी की टंकी : पृथ्वी पर रखी आयताकार एवं गोलाकार टंकियों की अभिकल्पन आवश्यकताएं। पूर्व प्रतिबलित कंक्रीट : पूर्व प्रतिबलन के लिये विधियां और प्रणालियां, स्थिरक स्थान, कार्यकारी प्रतिबल आधारित आनति के लिये परिच्छेद का विश्लेषण और अभिकल्प, पूर्व प्रतिबलित हानि। आई एस संहिता के अनुसार ईट चिनाई का अभिकल्प।

चिनाई प्रतिधारण दीवारों का अभिकल्प।

तरल यांत्रिकी, मुक्त वाहिका प्रवाह एवं द्रव चालित मशीनें तरल यांत्रिकी : तरल गुणधर्म तथा तरल गति में उनकी भूमिका, तरल स्थैतिकी जिसमें समतल तथा वक्र सतह पर कार्य करने वाले बल भी शामिल हैं।

तरल प्रवाह की शुद्ध गतिकी एवं गतिकी : वेग और त्वरण, सरिता रेखाएं, सातत्य समीकरण, अघूर्णी तथा घूर्णी प्रवाह, वेग विभव एवं सरिता फलन, प्रवाह जाल, प्रवाह जाल रेखांकन की विधियां एवं बलात् अग्रमुख। कंट्रोल वाल्यूम समीकरण, सांतत्य, संवेग, कंट्रोल वाल्यूम समीकरण से ऊर्जा एवं संवेग आघूर्ण समीकरण, नेवियर स्वेक समीकरण आयलर गति समीकरण, तरल प्रवाह समस्याओं में अनुप्रयोग, पाईप प्रवाह, स्लूइस गेट, वियर। वियर ओरिफिस मीटर्स तथा वेन्टुरी मीटर्स।

विमीय विश्लेषण एवं समरूपता : बकिंगम/संप्रमेय, विमारहित प्राचल। सादृश्यता सिद्धान्त, आदर्श नियम, विकृत एवं अविकृत आदर्श।

लेमिनर प्रवाह : समानान्तर, अचल एवं चल प्लेटों के बीच लेमिनर प्रवाह, ट्यूब द्वारा प्रवाह।

परिसीमा परत : चपटी प्लेट पर स्तरीय एवं विक्षुब्ध परिसीमा परत, स्तरीय उप परत, मसृण एवं रूक्ष परिसीमाएं, विकर्ष एवं लिपट।

पाईपों द्वारा विक्षुब्ध प्रवाह : विक्षुब्ध प्रवाह के अभिलक्षण, वेग वितरण एवं पाईप घर्षण गुणक की विविधता, जलदाब प्रवणता रेखा तथा पूर्ण ऊर्जा रेखा। निनाल, पाईपों में फ़ैलाव व सिकुड़न, पाईप संजाल, पाईपों में जल घन तथा उल्लोल टंकियां।

मुक्त वाहिका प्रवाह :- समान एवं असमान प्रवाह, आघूर्ण एवं ऊर्जा संशुद्धि गुणक, विशिष्ट ऊर्जा तथा विशिष्ट बल, क्रांतिक गहराई। प्रतिरोध समीकरण तथा रूक्षता गुणांक का परिवर्तन, त्वरित रूप से परिवर्तित प्रवाह, सहसा पात प्रवाह, हायड्रोलिक जंप तथा इसके अनुप्रयोग, उल्लोल एवं लहरें, क्रमशः परिवर्तित प्रवाह, सतही रूपरेखा का वर्गीकरण, नियन्त्रण खण्ड, परिवर्तित प्रवाह समीकरण के समेकन की पद विधि, गतिमान उल्लोल तथा हायड्रोलिक बोर।

हायड्रोलिक मशीन्स तथा हायड्रोपावर :

सेन्द्रीपयूगल पम्प्स – प्रकार, विशेषताएं, शुद्ध सकारात्मक-चूषण ऊँचाई (एन पी एस एच) विशिष्ट वेग। समानान्तर में पंप, प्रतिदानी पंप्स, एयर वेसल्स, हायड्रोलिक रैम, दक्षता मानदण्ड, रोटरी तथा सकारात्मक-विस्थापन पंप, मध्य पट तथा जेट पंप्स।

हायड्रोलिक टर्बाइन्स, प्रकार, वर्गीकरण, टर्बाइन्स का चयन, निष्पादन के मानदण्ड, नियन्त्रण विशेषताएं, विशिष्ट वेग।

जल ऊर्जा विकास के सिद्धान्त, प्रकार, रूपरेखा तथा संघटक कार्य। उल्लोल टंकियां, प्रकार एवं विकल्प। प्रवाह अवधि वक्र तथा विश्वसनीय प्रवाह। भण्डारण एवं तालाबीकरण। सूक्ष्म, स्थूल –हायड्रिल संयंत्रों की मुख्य विशेषताएं।

भू तकनीकी इन्जीनियरी : – मृदा के प्रकार, अवस्था संबंध, संगतता सीमाएं, कण आकार वितरण, मृदा का वर्गीकरण, संरचना तथा मृत्तिका खनिज विज्ञान।

कोशिकीय जल तथा संरचनात्मक जल, प्रभावपूर्ण प्रतिबल तथा रंध्र जल दबाव, डारसी का नियम, पारगम्यता को प्रभावित करने वाले कारक, पारगम्यता का निर्धारण, स्तरित मृदा निक्षेपों की पारगम्यता।

रिसन दाब, बालुपंक अवस्था, संपीड्यता तथा संघटन, टेरजाधी का एक विमीय संघटन सिद्धान्त, संघटन परीक्षण।

मृदा का संहनन, संहनन का स्थल नियन्त्रण पूर्ण प्रतिबल तथा प्रभावी प्रतिबल, मानदण्ड, रन्ध्र दबाव गुणक, मृदा की अपरूपण क्षमता, मोर कुलॉब भंगता सिद्धान्त, अपरूपण परीक्षण।

स्थिरावस्था में भू-दाब, सक्रिय तथा निष्क्रिय दाब, रेनकार्डिन का सिद्धान्त, कुलॉब का वैज सिद्धान्त, प्रतिधारक भित्ति पर भू दाब, चादरी स्थूणाभित्ति एवं बंधनयुक्त खनन।

वहन क्षमता, टरेजागी और अन्य महत्वपूर्ण सिद्धान्त, शुद्ध एवं सकक वहन दाब।

आसन्न एवं संघटन व्यवस्था।

ढाल स्थायित्व। पूर्ण प्रतिबल तथा प्रभावी प्रतिबल विधियां। स्लाइसों की रूढ़ पद्धति, स्थायित्व अंक।

उप सतह का पता लगाना, छिद्रण की विधियां, निदर्श, वेधन परीक्षण, दबाव मीटर प्रशिक्षण।

नींव के आवश्यक लक्षण, नींव के प्रकार, अभिकल्पना, मानदण्ड, नींव के प्रकारों के विकल्प, मृदाओं में प्रतिबल वितरण, बाउसीनिस्क्स का सिद्धान्त, न्यूमाक्स का रेखा चित्र, प्रेशर बल्ब, संपर्क दबाव, विभिन्न सहन क्षमता सिद्धान्तों की अपुप्रयोज्यता, प्रक्षेत्र परीक्षण से सह क्षमता का मूल्यांकन, अनुमतियोग्य सहन क्षमता, स्थापना विश्लेषण, अनुमेय स्थापना।

स्थायित्व का अनुपातीकरण, एकल स्थायित्व, संयुक्त स्थायित्व, लट्टे, उत्प्लावकता लट्टे, खूंटे की नींव, खूंटों के प्रकार, खूंटे की क्षमता, स्थिर एवं गतिमान विश्लेषण, खूंटों के समूह की अभिकल्पना, खूंटा भार परीक्षण, खूंटों की स्थापना। सेतुओं की नींव, तल सुधार तकनीकें – पूर्व भरान, बालूनालियां, शिला स्तम्भ, अभिपूरण, मृदा स्थिरीकरण।

खण्ड – ब

निर्माण प्रौद्योगिकी, उपकरण, योजना एवं प्रबंधन।

1 निर्माण प्रौद्योगिकी

अभियांत्रिकी सामग्रियाँ : निर्माण सामग्रियों के भौतिक गुण : पत्थर, ईंटें, टाईल्स, चूना, सीमेन्ट, सुर्खी, गारा, चूना कंक्रीट तथा सीमेन्ट कंक्रीट, ताजा मिश्रित तथा कठोर किये कंक्रीट के गुण, फर्श की टाईल्स, फेरो सीमेन्ट का उपयोग, फ़ाईबर तन्तु-प्रबलित तथा पोलीमर कंक्रीट, उच्च क्षमता कंक्रीट तथा कम भार कंक्रीट।

टिंबर : गुण एवं उपयोग, टिंबर के दोष, टिंबर का परिरक्षण व संशोधन। प्लास्टिक्स, रबर तथा नमी सहन की सामग्रियां, दीमक सहन करना, निम्न लागत आवास हेतु सामग्रियां।

निर्माण : भवन संघटक एवं उनके कार्य, ईंट चिनाई : जोड़ना। पत्थर चिनाई। आई एस संहिता अनुसार ईंट चिनाई दीवारों की अभिकल्पना, सुरक्षा के कारक, सेवा तथा क्षमता अपेक्षाएं; पलस्तर करना, बिन्दु बनाना। फर्श तथा छतों के प्रकार, रोशनदान, भवनों में मरम्मत।

भवनों की प्रयोजन मूलक आयोजना : भवन अभिमुखीकरण, प्रसार, क्षेत्रों का समूहीकरण, निजता संकल्पना तथा ऊर्जा-दक्ष भवन ; राष्ट्रीय भवन संहिता के उपबन्ध। भवन प्राक्कलन एवं विशिष्टियाँ; कार्य की लागत, मूल्यांकन।

2. निर्माण उपकरण : मानक तथा विशेष प्रकार के उपकरण ; निवारक अनुरक्षण तथा मरम्मत, उपकरण के चयन को प्रभावित करने वाले कारक, मितव्ययी जीवन, समय एवं गति अध्ययन, पूंजीगत तथा अनुरक्षण लागत। कंक्रीट उपकरण, मृदाकार्य उपकरण।

3. निर्माण आयोजना एवं प्रबंधन : निर्माण क्रियाकलाप, अनुसूचियाँ, कार्य रूपरेखा, बार रेखा चित्र, संविदादायी फ़र्मों का संगठन, परियोजना नियन्त्रण तथा पर्यवेक्षण। लागत घटौती उपाय।

नेटवर्क विश्लेषण : सी पी एम तथा पी ई आर टी विश्लेषण, प्लोट टाईम्स, कार्यकलापों का नकदीकरण, लागत अनुकूलता हेतु संजाल का संकुचन, अद्यतनन, लागत विश्लेषण तथा संसाधन आबंटन।

सर्वेक्षण एवं परिवहन अभियान्त्रिकी

सर्वेक्षण : दूरी तथा कोण नापने की सामान्य विधियां, सुधार समायोजन, समोच्चन, भूतल मानचित्रण, उक्त उद्देश्य के लिये भू मापन उपकरण। जवमिति, गोलीय तथा परीवर्त वक्र, फोटोग्रैमेट्री के सिद्धान्त।

रेलवेज : स्थायी मार्ग, स्लीपर्स, रेल-स्थिरक, खण्डाश्म, बिन्दु एवं क्रॉसिंग्स, टर्न आउट का डिजायन, स्टेशनस, व प्रांगण, चबूतरे, सिग्नल्स तथा अन्तः पाश, लेवल क्रॉसिंग, स्थायी मार्गों का निर्माण एवं अनुरक्षण : रेल की क्रीप, ट्रैक प्रतिरोध, संकर्षी प्रयास, नया ट्रैक डालना।

राजमार्ग अभियान्त्रिकी : राजमार्ग आयोजना के सिद्धान्त, राजमार्ग का मिलान, गुणोत्तर अभिकल्पना : अनुप्रस्थ काट, उभार, क्षैतिज व लंबवत वक्र। मार्गों का वर्गीकरण : निम्न लागत मार्ग, लचीले पैदल मार्ग, कठोर पैदल मार्ग, पैदल मार्गों का डिजायन तथा उनका निर्माण, पैदल मार्ग की विफलता का मूल्यांकन तथा सशक्तिकरण।

टैफिक अभियान्त्रिकी : पूर्वानुमान तकनीकें, मूल एवं गन्तव्य सर्वेक्षण, राजमार्ग क्षमता, चैनलाईज्ड तथा अनचैनलाईज्ड चौराहे, रोटरी डिजायन तत्व, चिन्ह, संकेत, पथ प्रकाश : यातायात सर्वेक्षण। राजमार्ग वित्त पोषण के सिद्धान्त।

जल विज्ञान, जल संसाधन एवं इन्जीनियरी

जल विज्ञान : जलीय चक्र, अवक्षेपण, वाष्पीकरण, वाष्पोत्सर्जन, अन्तः स्यंदन, अधिभार प्रवाह, जलारेख, बाढ़ आवृत्ति विश्लेषण, जलाशय द्वारा बाढ़ अनुशीलन, वाहिका प्रवाह मार्गाभिगमन – मस्किंग विधि।

भूतल प्रवाह : विशिष्ट लब्धि, संचयन गुणांक, परिरुद्ध तथा अपरिरुद्ध स्थितियों के अन्तर्गत एक कूप के भीतर अरीय प्रवाह नल कूप, पम्पिंग तथा प्रतिप्राप्ति परीक्षण, तल जल संभावना।

जल संसाधन इन्जीनियरी : भू तथा धरातल जल संसाधन, एकल तथा बहु उद्देशीय परियोजनाएं, जलाशय की संचयन क्षमता, जलाशय हानियां, जलाशय अवसादन। जल संसाधन परियोजनाओं की आर्थिकी।

सिंचाई इन्जीनियरी : फसलों के लिये जल की आवश्यकता : उपभोगात्मक उपयोग, सिंचाई जल की गुणता कृत्ति तथा डेल्टा, सिंचाई के तरीके तथा उनकी दक्षताएं।

नहरें : नहर सिंचाई के लिये वितरण पद्धति, नहर क्षमता, नहर हानियां, मुख्य एवं वितरिका नहरों का संरेखण – अत्यधिक दक्ष प्रभना, स्तरित नहरें, उनके डिजायन, रिजीम सिद्धान्त, क्रांतिक अपरूपण, प्रतिबल, तल भार। स्थानीय एवं निलंबित भार परिवहन, रेखित एवं अरेखित नहरों की लागत – विश्लेषण, लाइनिंग के पीछे निकासी।

जल ग्रस्तता : कारण तथा नियन्त्रण, निकासी व्यवस्था अभिकल्प, लवणता।

नहर संरचना : अनुप्रस्थ नियामकों, शीर्ष नियामकों का अभिकल्प, नहर प्रपात, जलवाही सेतु, अवनलिका एवं नहर निकास का मापन।

द्विपरिवर्ती शीर्ष कार्य : पारगम्य तथा अपारगम्य नीवों पर बाधिका के सिद्धान्त और अभिकल्प। खोसला सिद्धान्त, ऊर्जा क्षय, स्टिलिंग बेसिन, अवसान वर्जक।

भण्डारण कार्य : बांधों की किस्में, डिजायन, दृढ़ गुरुत्व के सिद्धान्त तथा मिट्टी के बाँध, स्थायित्व विश्लेषण, नीव उपचार, जोड़ तथा गलियारे रिसाव का नियन्त्रण।

उत्प्लव मार्ग : उत्प्लव मार्ग के प्रकार, ऊर्जा क्षय।

नदी प्रशिक्षण : नदी प्रशिक्षण के उद्देश्य, नदी प्रशिक्षण की विधियां।

पर्यावरण इंजीनियरी

जल आपूर्ति : भू पृष्ठ तथा अद्यस्थल जल संस्थानों का आकलन, जल के लिये भावी मांग का पूर्वानुमान, जल की अशुद्धता तथा उसकी सार्थकता, भौतिक रसायनिक और जीवाण्विक विश्लेषण, जल रोग, पेय जल के मानक।

जल का अंतर्ग्रहण : पंपिंग तथा गुरुत्वीय योजना, जल उपचार : स्कन्दन के सिद्धान्त, ऊर्जन तथा अवसादन, -- धीमा -- तीव्र -- दाब, निस्यंदक, क्लोरीनिकरण, मृदुकरण, स्वाद, गंध तथा लवणता का निष्कासन।

जल संग्रह तथा वितरण : संग्रह तथा प्रतिपूरक जलाशयों के प्रकार, स्थान निर्धारण तथा क्षमता। वितरण प्रणालियां अभिन्यास, द्रवचालित पाईप लाईन, पाईप फिटिंग, न्यूनकारी, रोधी तथा दाब वाल्व सहित वाल्व, मीटर, वितरण प्रणालियों का विश्लेषण, क्षरण संसूचन, वितरण प्रणाली का अनुरक्षण, पंपिंग स्टेशन तथा उनका प्रचालन।

सीवर प्रणालियाँ : घरेलू तथा औद्योगिक अपशिष्ट, वाहित मल, दृष्टि - पृथक तथा सम्मिलित प्रणालियां, सीवर द्वारा प्रवाह, सीवर का अभिकल्प, सीवर अनुबद्ध, मैनहोल, अंतर्गम, जोड़, सायफ़न, सार्वजनिक भवनों में नलकारी।

वाहित मल अभिलक्षण : बी ओ डी, सी ओ डी, ठोस विलीन आक्सीजन, नाइट्रोजन तथा टी ओ सी। सामान्य जल मार्ग तथा भूमि पर निष्कासन के मानक।

वाहित मल उपचार : कार्यकारी सिद्धान्त, मात्रक, कक्ष, अवसादन कुण्ड, ट्रिक्लिंग निस्यन्दक, आक्सीकरण तालाब, अवपंक उत्प्रेरित प्रक्रम, सैप्टिक टैंक, अवपंक का निपटान, अवशिष्ट जल पुर्नचक्रण।

ठोस अपशिष्ट : गांवों और शहरों में संग्रहण एवं निस्तारण, दीर्घकालीन कुप्रभावों का प्रबंधन।

पर्यावरण प्रदूषण : सतत् विकास, रेडियोएक्टिव अपशिष्ट एवं निस्तारण, उष्मीय शक्ति संयंत्रों, खानों, नदी घाटी परियोजनाओं के लिये पर्यावरण संबंधी प्रभाव मूल्यांकन, वायु प्रदूषण, वायु प्रदूषण नियंत्रण अधिनियम।

5 (4). कम्प्यूटर अभियान्त्रिकी

खण्ड – अ

1 सॉफ्टवेयर इन्जीनियरी : सॉफ्टवेयर विकास प्रक्रिया : सॉफ्टवेयर जीवन चक्र निदर्श, विशिष्टिकरण अभिकल्प उपकरण, सॉफ्टवेयर अभिकल्प उद्देश्य, प्रलेखन, विन्यास प्रबंधन, S/W विश्वसनीयता, सुरक्षा, जोखिम निर्धारण तथा अनुरक्षण।

सॉफ्टवेयर आकलन तकनीकें, loc तथा FP आकलन। COCOMO जैसे आनुभविक निदर्श। परियोजना मार्ग अनुसरण तथा अनुसूचना प्रत्यावर्तन इन्जीनियरी।

सॉफ्टवेयर आवश्यकताएं तथा विशिष्टियां (OOD, ISD), क्रियान्वयन कार्यनीतियां (शिखर नीचे, तल ऊपर, टीम) तथा मुद्दे पुनःप्रयोग, निष्पादन, सुधार, दोष रहित करना तथा दोष प्रतिषेध। सत्यापन, विधिमान्यकरण, परीक्षण तथा अनुरक्षण : सत्यापन एवं विधिमान्यकरण तकनीकें (पूर्व/पश्चात् परिस्थितियां, स्थिर रूप, सही होने का साक्ष्य) कूट अभिकल्प पठन, संरचित गमन, परीक्षण (परीक्षण योजना, श्वेत/श्याम बॉक्स परीक्षण, यूनिट तथा समेकन प्रशिक्षण) तथा अनुरक्षण गतिविधियां।

कूट भागिता, सॉफ्टवेयर संघटक, त्वरित आद्यरूपण, विशेषज्ञता, निर्माण, कक्षा विस्तार, मेधावी सॉफ्टवेयर अभिकर्ता

CASE उपकरणों से परिचय।

अभिकलन के सामाजिक, विधिक तथा नैतिक निहितार्थ।

2 उन्नत कम्प्यूटर शिल्पः

समानान्तर प्रक्रमण से परिचय, नालपथीय तथा सदिश प्रक्रमक, SIMD तथा MIMD कम्प्यूटर्स : बहु प्रक्रमक शिल्प, डाटा चलित संयोजन, डाटा प्रवाह कम्प्यूटर शिल्प। समानान्तर प्रतीक गणित, समानान्तरता की खोज, स्थानीय संतुलन, संचार तथा संकलन, प्ररूपी, समानान्तर भाषा की विशेषताएं, अनुवीक्षक तथा परिचालन प्रणालियां। संकर कम्प्यूटरों का परिचय।

संकलक निर्माण

शाब्दिक विश्लेषण : प्रतीक गणित से मेल खाते हुए कुछ परिष्कृत प्रतिरूप तथा उनकी अनुकूलनयता। LEX का उपयोग।

त्रुटि का पुनः सुधार : खोज, रिपोर्ट करना, संकलन प्रक्रिया में त्रुटियों का पुनः सुधार।

वाक्य रचना विश्लेषण : प्रामाणिक LR पदच्छेद, अस्पष्ट रूप व्याकरणों को सुधारना, LL (1) में त्रुटियों की रिपोर्ट करना। परिचालक प्राथमिकता तथा LR पदच्छेदन LALR (1) समुच्चयों का दक्ष सृजन, LR पदच्छेदों का ईष्टमीकरण, परिवर्तनों का ईष्टमीकरण।

चालन समय भण्डारण : सक्रियता अभिलेख, अस्वीकार्य बुलावों से निपटना, परिवर्ती लंबाई वाले खण्डों का प्रबंधन, कचरा एकत्र करना तथा सुसंगति, सरणियों, संरचनाओं तथा वर्ग हेतु आबंटन कार्यनीतियां।

टाईप जांच : कार्यो व प्रचालकों का अतिभार, बहुरूपीय कार्य, एकीकरण प्रतीक गणित।

कूट उत्पत्ति तथा सेमैन्टिक विश्लेषण : सेमैन्टिक स्टैक्स, श्रेयित अनुवाद, वाक्य रचने का विश्लेषण, निर्देशित अनुवाद, अभिव्यक्तियों का मूल्यांकन, नियन्त्रण संरचनाएं, प्रक्रिया पुकार।

कूट ईस्टतमीकरण : मूल ब्लॉक्स तथा फोल्डिंग, पारस्परिक क्रियात्मक लूप के भीतर ईस्टतमीकरण, प्रवाह आरेख विश्लेषण के माध्यम से ईस्टतमीकरण, कूट सुधार परिवर्तन, यन्त्र निर्भर ईस्टतमीकरण।

संकलक : पदच्छेद उत्पत्ति कारक, YACC श्रेयित LL (1) पदच्छेद उत्पत्तिकारक, यंत्र मुक्त कूट उत्पत्ति।

3 डाटा संचार

संवाद प्रणालियां : संवाद माध्यम तथा उनकी विशिष्टताएं।

संकेतों के तत्व : प्रणालियों का वर्गीकरण। LTI प्रणालियां तथा पुनर्निर्माण विधियां, संभाव्यता तथा यादृच्छिक परिवर्तियों की समीक्षा, संभाव्यता घनत्व कार्य, आवृत्ति क्षेत्र में यादृच्छिक प्रक्रियाओं का विवरण, गौसियां एंड व्हाईट प्रक्रियाएं।

सूचना स्रोतों की मॉडलिंग : सूचना का उपाय, स्रोत कूट तकनीकें जैसे हफमैन कूट, लेम्पेल-जिव कूट, ब्लॉक कूट तथा चक्रीय कूट, मात्राकरण, स्पन्द कूट, DPCM, बहुगुणक तथा बहुगुणकीय PCM संकेत, डेल्टा आपरिवर्तन तथा अनुकूलक डेल्टा आपरिवर्तन, आवृत्ति विभाजन बहुगुणन, संकालक TDM तथा सांख्यिकीय TDM।

आपरिवर्तन : इसकी आवश्यकता, मूल PAM तकनीकें, द्वयी PSK, DPSK, QPSK < आवृत्ति शिपट की करना, M-ary-FSK।

ब्रॉडबैंड संकेत प्राप्तकर्ता : त्रुटि की संभाव्यता, निस्पंदन, परस्पर संबंध प्रकार का अनापरिवर्तक, मेलकारी निस्पंदक अनापरिवर्तक समनुगत दोषदर्शक, परस्पर संबंध, द्वयी तथा M-ary आपरिवर्तन में त्रुटियां, ISI के साथ PAM।

अंकीय संचार प्रणालियों में नाद गणना; समकरण का परिचय, डाटा संपीडन तकनीकों का परिचय, अभिचालन तथा सैल अभिचालन तकनीकें।

4 अंकीय संकेत संसाधन:

पृथक समय संकेत तथा प्रणालियां : पृथक समय संकेत अनुक्रम, रैखिक पर्याय निश्चल प्रणाली, स्थिरता, रैखिक स्थिरांक। गुणक भिन्नता समीकरण, पृथक समय प्रणालियों तथा संकेतों का आवृत्ति क्षेत्र प्रतिरूपण, फूरिअर रूपांतर के सममित गुण, सतत् समय संकेत का निदर्शन। द्विविमीय अनुक्रम तथा प्रणाली।

Z रूपांतर : Z रूपांतर, विपरीत Z रूपांतर प्रमेय तथा गुण, प्रणाली कार्य, द्विविमीय रूपांतर।

पृथक फूरिअर रूपांतर : आवधिक अनुक्रमों का प्रतिरूपण, पृथक फूरिअर श्रृंखला, Z रूपांतर का निदर्शन, सीमित पथान्तर श्रेणियों का फूरिअर प्रतिरूपण, पृथक फूरिअर रूपांतर। DFT के गुण, DFT का उपयोग करते हुए रैखिक परिवलन।

प्रवाह आरेख तथा अंकीय निस्पंदक का आव्यूह प्रतिरूपण : अंकीय संजालों, आव्यूह का संकेत प्रवाह आरेख प्रतिरूपण।

अंकीय संजालों का प्रतिरूपण, IIR के लिये मूल संजाल संरचनाएं, पक्षान्तरित स्वरूप, FIR प्रणालियों के लिये मूल संजाल संरचनाएं, मानदण्ड मात्राकरण प्रभाव, अंकीय निस्पंदकों तथा इसके अनुप्रयोगों हेतु टेलोगन्स का प्रमेय।

अंकीय निस्पंदक अभिकल्प तकनीक : सदृश निस्पंदकों से IIR अंकीय निस्पंदक का अभिकल्प, FIR अंकीय निस्पंदक के गुण; FIR का अभिकल्प। विंडोज का उपयोग करते हुए निस्पंदक, IIR तथा FIR निस्पंदकों की तुलना।

पृथक फूरिअर रूपांतर का अभिकलन गोएट्ज़ेल का प्रतीक गणित, समय प्रतीक गणित में दशमलवीकरण। आवृत्ति में दशमलवीकरण। प्रतीक गणित, N मिश्र संख्या हेतु FFT प्रतीक गणित में सामान्य अभिकलनीय विचार, चर्प्स Z रूपांतर प्रतीक गणित।

पृथक हिलबर्ट रूपांतर : आकस्मिक अनुक्रमों के लिये वास्तविक एवं काल्पनिक पर्याप्तता, न्यूनतम फेज़ परिस्थिति, हिलबर्ट DFT तथा जटिल अनुक्रमों के लिये रूपांतर संबंध।

5 प्रचालन प्रणालियां

प्रचालन प्रणालियों के इतिहास का परिचय : प्रक्रियाएं तथा अन्तः प्रक्रिया संवाद : स्मृति प्रबंध, फाईल प्रणालियां।

गतिरोध : परिस्थितियां, निदर्शन, खोज, पुनःसुधार, गतिरोध दूर करना, गतिरोध प्रस्तुतिकरण।

केस अध्ययन : यूनिक्स : प्रक्रियाओं का क्रियान्वयन, स्मृति निदर्श, फाईल प्रणालियां, गतिरोध से निपटना, कार्यनीतियां, अनुसूचीकरण, IPC , प्रणाली बुलावे।

विंडोज 2000 सर्वर प्रौद्योगिकी : परतीय संरचना, अन्तःप्रचालन योग्यता।

वितरित प्रणालियां : वितरित प्रणालियों में H/W तथा S/W संकल्पनाओं का परिचय, संजाल प्रचालन प्रणालियां तथा NFS , NFS , शिल्प एवं नयाचार ग्राहक सर्वर निदर्श, वितरित फाईल प्रणालियां।

6 डाटा आधार प्रबंधन प्रणालियां

मूल संकल्पनाएं, डाटा आधार प्रणाली शिल्प। आवश्यक तत्व संबंध निदर्श, संबंधकारक निदर्श।

दुत पुनः सुधार : विफलता सत्यापन, भण्डारण उत्क्रम, संचालन निदर्श, लॉग आधारित पुनः सुधार, बफ़र प्रबंधन तथा जांच बिन्दु।

समवर्तना नियन्त्रण : भण्डारण निदर्श, संचालन विफलता से पुनः सुधार, गतिरोध से निपटना।

सुरक्षा एवं सत्यनिष्ठा : सुरक्षा एवं सत्यनिष्ठा का उल्लंघन, अधिकृत करना तथा दृष्टिकोण, SQL में सुरक्षा प्रणालियां, एनक्रिप्शन।

उत्क्रमीय निदर्श : शिल्प, डाटा संरचना, बाह्य स्तर, डाटा हस्त कौशल, आन्तरिक स्तर तथा तार्किक डाटा आधार।

संजाल निदर्श : शिल्प, डाटा संरचना, बाह्य तथा डाटा हस्त कौशल। DBM का चयन, OOBDB से परिचय, वितरित DIS, अस्थायी DB तथा सक्रिय DB।

7 कम्प्यूटर संगठन

अंकीय कम्प्यूटर का सामान्य संगठन, कार्यकारी ब्लॉक्स, डाटा प्रतिरूपण, स्थिर तथा प्लवमान बिन्दु, दशमलव अंक गणित, बिट स्लाईस माइक्रोप्रोसेसर (परिचय), पूर्ण योजक, लहरवाहक योजक, लुक अहेड कैरी जेनैरेटर्स, गुणा एवं विभाजन परिपथ, एक अंकगणित इकाई।

अनुदेश चक्र, अनुदेश अनुक्रमण, फार्मेट और उसकी व्याख्या, सूक्ष्म प्रोगाम अवधारणा तथा नियंत्रण इकाई डिजाइन

अर्धचालक स्मृति तथा स्मृति संगठन, वास्तविक: स्मृति, अंश, पृष्ठ, पृष्ठित अंश, सुरक्षित स्मृति तथा अन्तःपृष्ठित स्मृति।

I/O संगठन की संकल्पनाएं, डाटा अन्तरण विधियां, प्रोग्रामित I/O, DMA, व्यवधान आधारित अन्तरण, I/O माध्यम, I/O प्रक्रमक, क्रमिक अन्तरण तथा संकालन।

एसेम्बली स्तर के प्रोग्रामन का परिचय – एसेम्बलर्स की संकल्पनाएं, मैक्रोज, लिंक्स तथा लोडर्स, लिंकिंग लोडर्स।

मल्टी प्रोग्रामन तथा समय विभाजन, उन्नत कम्प्यूटर शिल्प का परिचय (पाईप लाइनिंग, सूसंगति, संसाधक तथा मल्टी प्रोसेसर)।

प्रचालन प्रणाली का परिचय। DOS तथा UNIX का केस अध्ययन (तुलनात्मक)।

खण्ड—ब

1. कम्प्यूटर संजाल तथा संचार : OSI तथा DOD निदर्श, सात परत निदर्श, LAN, MAN, WAN, रूटिंग, स्विचिंग, ISDN, X.25, फ्रेम रिले।

2. वस्तुपरक प्रोग्रामन कार्यविधि

वस्तुपरक प्रोग्रामन का परिचय, इसकी आवश्यकता तथा अपेक्षाएं, सामान्य वस्तुपरक दर्शन, सॉफ्टवेयर उपयोगिता, कूट विभाजन, त्वरित मूलभूत, सूचना आवरण।

श्रेणियां, प्रतीक तथा विधियां, प्रावरण, संरचक, पुनरावृत्तक, अन्तरापृष्ठ।

कार्य अति भारिता, इनलाईन कार्य, परिचालक तथा परिचालक अतिभारिता, पुनरावृत्तक।

उत्तराधिकार आधार श्रेणी, व्युत्पन्न श्रेणियां, मित्र श्रेणी, स्थिर श्रेणी, टाईप जांच, श्रेणी विस्तार।

बहु उत्तराधिकार तथा बहुरूपता, सार श्रेणियां, वास्तविक: कार्य, वास्तविक: आधार श्रेणी, स्थिर तथा गतिशील आबंधन, अतिभारिता, परमावश्यक प्रकार परिवर्तन।

वस्तु परक अभिकल्पना, श्रेणी पहचान, उत्तराधिकार विवरण, दृश्यता तथा निर्भरता, जुड़ाव व संसंजन।

ए डी टी श्रेणी जैसी श्रेणियों का केस अध्ययन, I/O श्रेणी, स्ट्रिंग श्रेणी, संपादक श्रेणी।

भाषा अध्ययन : C++, ऑब्जेक्ट पास्कल।

3. पृथक संरचनाएं

समुच्चयों का परिचय : केवल समीक्षा।

तर्क : तर्क पूर्ण कथन तथा तार्किक परिचालन, सत्य सारिणियां, समानकता तथा निहितार्थ, तर्क के नियम, गणितीय प्रवर्तन तथा क्वान्टिफायर्स।

समुच्चय सिद्धान्त : समुच्चय हेतु साक्ष्य की विधि, वेन आरेख, समुच्चय सदस्यता सारिणियां, परिभाषाएं, समुच्चय सिद्धान्त के नियम, समुच्चयों का विभाजन।

क्रम परिवर्तन, मेल तथा पृथक संभाव्यता : क्रम परिवर्तन तथा मेल की उत्पत्ति, पृथक संभाव्यता, परिस्थिति जन्य संभाव्यता।

संबंध एवं आरेख :

संबंध एवं आरेख, पथ तथा संबंध व आरेख, संबंधों के गुण, समानकता संबंध, संबंधों व आरेखों का कम्प्यूटर प्रतिरूपण, संबंधों का हस्त कौशल, अल्पकालिक बंदी, वॉर्शल्स की प्रतीक गणित।

कार्य तथा पिगन होल :

परिभाषा, कार्यों के प्रकार, अन्तःक्षेपीय, विषयपरक, वस्तुपरक, रचना, पहचान तथा विपरीत कोष्ठ सिद्धान्त।

रेखाचित्र, पोसेट्स हास आरेख, प्रजाल, सीमित तर्क बीज गणित, समूह एवं उनके अनुप्रयोग, वलय एवं क्षेत्र का परिचय।

4. कम्प्यूटर ग्राफिक्स

परिचय : अनुप्रयोग क्षेत्र, प्रदर्शन युक्तियां तथा हार्ड कॉपी युक्तियां, आदान प्रदान निर्विष्ट युक्तियां, प्रदर्शन संसाधक, सामंजस्य प्रणाली, सदिश उत्पत्ति।

रास्टर प्रतीक गणित : रेखांकन प्रतीक गणित – DDA तथा ब्रेसेनहैम की प्रतीक गणित तथा उपनामन तकनीकें। चक्र उत्पत्ति प्रतीक गणित, दीर्घ वृत्त तथा अन्य वक्र उत्पत्ति, पुरातन शैली तथा प्रदर्शन संसाधक अन्तरा पृष्ठ, क्षेत्र-पूरक अनवलुकोन रेखा एल्गो, बाउन्ड्रीफिल तथा फ्लड फिल तकनीकें, पाठ उत्पत्ति तथा प्रदर्शन प्रक्रमक अन्तरानीक।

2D में ज्यामितीय परिवर्तन : मूल परिवर्तन, वर्ड, NDC युक्ति तथा समरूप सामंजस्य प्रणालियां, संयुक्त परिवर्तन।

विंडोइंग तथा विलपिंग : विंडोइंग संकल्पना, विंडो दृश्य अंश परिवर्तन प्रतीक गणित, लाईन विलपिंग प्रतीक गणित तथा कोहेन-सदरलैंड तथा लियांग व बार्सकी, क्षेत्र चिपिंग विधियां जैसे स्दरलैंड तथा होल्गमैन।

विखण्डन : खण्ड, खण्ड फाईलें, विखण्डित प्रदर्शन प्रक्रमक, खण्ड श्रेय।

ग्राफिक्स हार्डवेयर : प्रदर्शन नियन्त्रक, DAC तथा बफ़र संगठन।

3D का परिचय : 3D सामंजस्य प्रणाली, 3D प्रदर्शन तकनीकें तथा 3D परिवर्तन।

त्रिविमीय प्रतिरूपण : निदर्शक बहुभुज तथा वक्रिय भूतल, स्वीप प्रतिरूपण, CSG तथा B-rep तकनीकें।

3D दृश्यावलोकन : चित्रण विधियां, दृश्यावलोक परिवर्तन, 3D में चिपिंग।

छवि संश्लेषण : छुपी रेखा तथा छुपी सतह हटाने की तकनीकें जैसे पृष्ठ भाग गहराई, बफर विधियां, स्कैन लाईन विधि, आर्क उपखण्ड विधि, ओकर विधियां।

प्रकाश एवं छायांकन : प्रकाशित सिद्धान्त, प्रतिबिंब, कलेवर तथा सतह प्रतिरूप, छायाएं, हाफ टोनिंग, सतह छायांकन विधियां, गाउनैंड छायांकन, फांग छायांकन, रे अनुरेखन।

प्रयोक्ता अंतरापृष्ठ : परस्पर निर्विष्ट तकनीकें, भौतिक युक्ति-वर्गीकरण, परस्पर चित्र संकुचन तकनीकें, स्थितिक विधियां, बाध्यताएं, ग्रिड्स तथा प्रक्षेत्र निर्विष्ट कार्य, इवेन्ट हैंडल, प्रयोक्ता अंतरापृष्ठ, आदेश भाषा, साधन अभिकल्प, निर्गत प्रारूप।

5. संचार इन्जीनियरी के सिद्धान्त

संकेत तथा उनके प्रतिरूपण : फूरिअर श्रृंखला, फूरिअर रूपांतर, सतत् वर्णक्रम, आवृत्ति चयनक, संजाल तथा परिवर्तक।

मूल सूचना सिद्धान्त : सूचना, पृथक प्रणालियों की समरूपता, पारेषण की दर, अनावश्यकता, दक्षता तथा माध्यम क्षमता।

विस्तार आपरिवर्तन : आवृत्ति वर्णक्रम, ऊर्जा संबंध, विभिन्न आपरिवर्तनकों का विवरण तथा मूल आवश्यकताएं। तुलना। DSB, DSBSC, SSB। VSB वर्णक्रम आपरिवर्तक तथा खोजक।

आवृत्ति आपरिवर्तन : FM का आवृत्ति वर्णक्रम, चरण आपरिवर्तन, आवाज का प्रभाव, FM तथा अनापरिवर्तकों की उत्पत्ति।

स्पंद आपरिवर्तन : निदर्शक प्रमेय, निम्न पास तथा बैंड पास संकेत, PAN, PWM, PPM, PCM तथा डेल्टा, आपरिवर्तक के तत्व। FDM, TDM, AM तथा FM रेडियो पारेषक तथा प्राप्तकर्ता। विशिष्टताएं, ब्लॉक आरेख।

6. तर्क परिपथ : संख्या प्रणालियां एवं कूट : द्वयी, अष्टीय तथा षड् दशमलवीय, संख्या प्रणालियां। किसी एक आधार से दूसरी संख्या प्रणाली में परिवर्तन। द्वयी, एक्सेस-3, अकार-संख्यात्मक, EBCDIC, होलेरिथ, ASCII कूट, कूट परिवर्तन, त्रुटि खोज तथा कूट सुधार, समानता तथा हैमिंग कूट।

द्वयी अंकगणित : जोड़ व गुणा के मूल नियम, चिह्न परिमाण संकेत, एक के पूरक संकेत, दो के पूरक संकेत, द्वयी का उपयोग कर जोड़ व गुणा, अष्टीय तथा षट् दशमलवीय संख्या प्रणालियां।

बूलियन बीज गणित एवं तर्क द्वार : तर्क बीज गणित प्रमेय, तर्क बीज गणित का उपयोग कर तर्क अभिव्यक्तियों की कमी, सत्य सारणियां, मिन्टर्स, मैक्सटर्स, **SOP** व **POS** स्वरूप। मानक **SOP** तथा **POS** स्वरूप। मूल तथा सार्वभौम द्वार, द्वारों का नियन्त्रण पहलू। द्वारों को सक्रिय एवं निष्क्रिय करना। **K** मानचित्र प्रतिरूपण के तार्किक कार्य, 6 परिवर्तियों तक **K** मानचित्रों का उपयोग कर तर्क कार्यों का सरलीकरण। क्वार्डिन मैकक्लस्की विधि तथा तर्क कार्य कमी हेतु उपयोग किये जाने वाले वीच आरेख।

संयुक्त तर्क परिपथ : संयुक्त तथा अनुक्रमिक तर्क परिपथों की संकल्पना। द्वारों का उपयोग कर निम्नलिखित परिपथों को वास्तविक रूप देना :

(ए) संयुक्त तर्क क्रियान्वयक प्रणालियां।

(बी) अंकगणित परिपथ, अर्ध एवं पूर्ण योजक, व्यकलक, गुणक, कूट परिवर्तक, समता उत्पादक, समता जांचक, तुलनात्मक।

(सी) बहुगुणक, अबहुगुणक, कूट सृजक, कूट अनुवादक।

(डी) माध्यम नियन्त्रण की संकल्पना।

(ई) बहुगुणक, अबहुगुणक/कूट अनुवादक, समता उत्पादक/जांचक हेतु **MSI** युक्तियों का अनुप्रयोग। द्वारों का उपयोग कर क्षमता विस्तार की संकल्पना। योगक, अनुक्रमिक योगक, **BCD** योगक/व्यकलक, कैरी लुक अहेड योगक, गुणक, तीव्र गुणकों हेतु **MSI** युक्तियों का उपयोग। अंकगणित तर्क एकक।

अनुक्रमिक परिपथ : संकालक व असंकालक प्रचालनों की संकल्पना, फिलप फ्लॉप्स : ट्रिगरिंग तथा एड्स ट्रिगरिंग, फिलप फ्लॉप वर्धक सारणियां, फिलप फ्लॉप्स की ट्रिगरिंग तथा समय।

(बी) रजिस्टर्स : (सी) समयबद्ध अनुक्रमिक परिपथों का विश्लेषण (डी) असंकालक गणक : ऊँचे-नीचे गणक, मॉड्यूल **N** गणक, ग्लिच समस्या(ई) संकालक गणक : संकालक गणकों के लिये **K** मानचित्र का उपयोग, वलय गणक, विकृत वलय गणक, शिफ्ट रजिस्टर्स का उपयोग करने वाले गणक : फिलप फ्लॉप्स का उपयोग करते हुए अनुक्रम उत्पादक।

7. सी प्रोग्रामन : **C**, **ANSIC** की विशिष्टताएं, एक **C** प्रोग्राम की संरचना।

नियन्त्रण संरचना तथा लूपिंग कार्य, कार्य विषय क्षेत्र

सारणियों, पॉइन्टर्स, संरचनाएं तथा युनिअन्स।

स्मृति प्रबंधन तथा फ़ाईल प्रबंधन : निम्न स्तर एवं उच्च स्तर फ़ाईल पहुंच। अनुक्रमिक तथा यादृच्छिक पहुंच फ़ाईलें, त्रुटि से निपटना।

पूर्व संसाधक : स्थूल प्रतिस्थापन, शीर्ष फ़ाईल सम्मिलन, मानक पुस्तकालयों का अध्ययन।

8. कम्प्यूटर कार्यविधि तथा प्रतीक गणित

पृथक्करण, खोज।

भंडन एवं पंक्तियां तथा संपर्क सूचियां, वृक्ष।

आरेख : प्रतिरूपण, अल्पकालिक संवरण या पथ आव्यूह, रेखाचित्र संरेखण, सबसे छोटा मार्ग – समस्या, न्यूनतम लागत विस्तारक वृक्ष, पीछे हटना तथा लोभी प्रतीक गणित।

आव्यूह परिचालन : स्ट्रैसेन का आव्यूह गुणन, एल यू विकृत प्रतीक गणित, विरल आव्यूह।

प्रतीक गणित तथा इसकी दक्षता।

हैश कार्य, टकराव से निपटने की तकनीकें, सरणि प्रतिरूपण, पोस्ट फिक्स स्वरूप में अभिव्यक्ति का मूल्यांकन, इन फिक्स से पोस्ट फिक्स परिवर्तन।

5(5). इलैक्ट्रिकल अभियान्त्रिकी

खण्ड – अ

परिपथ सिद्धांत : विद्युत अवयव, जाल लेखाचित्र, केल्विन धारा नियम, केल्विन वोल्टता नियम, परिपथ विश्लेषण विधियां; नोडीय विश्लेषण ; पाश विश्लेषण; आधारभूत जाल प्रमेय तथा अनुप्रयोग ; क्षणिका विश्लेषण ; RL, RC एवं RLC परिपथ ; ज्यावक्रीय स्थायी अवस्था विश्लेषण ; अनुनादी परिपथ ; युग्मित परिपथ; संतुलित त्रिकला परिपथ। द्विकारक जाल।

संकेत एवं तंत्र : सतत काल एवं विवक्त-काल संकेतों एवं तंत्र का निरूपण ; रैखिक काल निश्चर तंत्र, संवलन, आवेग अनुक्रिया ; संवलन एवं अवकल अंतर समीकरणों पर आधारित रैखिक काल निश्चर तंत्रों का समय क्षेत्र विश्लेषण। फरिए रूपांतर, लेप्लास रूपांतर, जैड-रूपांतर, अंतरण फलन संकेतों का प्रतिचयन एवं उनकी प्रतिप्राप्ति। विवक्त कालतंत्रों के द्वारा तुल्य रूप संकेतों का DFT, FFT संसाधन।

विद्युत चुम्बकीय सिद्धांत : मैक्सवेल समीकरण, परिबद्ध माध्यम में तरंग संचरण, परिसीमा अवस्थाएं, समतल तरंगों का परावर्तन एवं अपवर्तन, संचरण लाइनें : प्रगामी एवं अप्रगामी तरंगें, प्रति बाधा प्रतितुलन, स्मिथ चार्ट।

तुल्य एवं इलेक्ट्रॉनिकी : अभिलक्षण एवं डायोड का तुल्य परिपथ (वृहत एवं लघु संकेत), द्विसंधि ट्रॉजिस्टर, संधि क्षेत्र प्रभाव ट्रॉजिस्टर एवं धातु ऑक्साइड सामिचालक क्षेत्र प्रभाव ट्रॉजिस्टर, डायोड परिपथ : कर्तन, ग्रामी, दिष्टकारी, अभिनतिकरण एवं अभिनति स्थायित्व, क्षेत्र प्रभाव ट्रॉजिस्टर प्रवर्धक। धारा दर्पण प्रवर्धक : एकल एवं बहुचरणी, अवकल, संक्रियात्मक, पुनर्निवेश एवं शक्ति प्रबंधकों का विश्लेषण, प्रबंधकों की आवृत्ति अनुक्रिया, संक्रियात्मक प्रबंधक परिपथ, निस्संदक,

ज्यावक्रीय दोलित्र : दोलन के लिए कसौटी, एकल ट्रॉजिस्टर और संक्रियात्मक प्रवर्धक विन्यास, फलन जनित्र एवं तरंग परिपथ, रैखिक एवं स्वचन विद्युत आपूर्ति।

अंकीय इलेक्ट्रॉनिकी : बूलीयन बीजगणित, बूलीय फलन का न्यूनतमीकरण, तर्कद्वार, अंकीय समाकलित परिपथ कुल, (DTL, TTL, ECL, MOS, CMOS)। संयुक्त परिपथ ; अंकगणितीय परिपथ, कोड परिवर्तक, मल्टी प्लेक्सर एवं विकोडित्र।

अनुक्रमिक परिपथ चटखनी एवं थपथप, गणित्र एवं विस्थापन पंजीयक, तुलनित्र, कालनियामक बहुकंपित्र। प्रतिदर्श एवं धारण परिपथ, तुल्यरूप अंकीय परिवर्त (ADC) एवं अंकीय तुल्य रूप परिवर्तक (DAC)। सामिचालक स्मृतियां। प्रक्रमित युक्तियों का प्रयोग करते हुए तर्क कार्यान्वयन (ROM, PLA, FPGA)।

ऊर्जा रूपांतरण : वैद्युत यांत्रिकी ऊर्जा रूपांतरण के सिद्धांत : घुर्णित मशीनों में बल आघूर्ण एवं विद्युत चुंबकीय बल, दि.धा.मशीनें : अभिलक्षण एवं निष्पादन विश्लेषण, मोटरों का प्रारंभन एवं गति नियंत्रण, परिणामित्र ; प्रचालन एवं विश्लेषण के सिद्धान्त ; विनियमन दक्षता ; त्रिकला परिणामित्र : त्रिकला प्रेरण मशीनें एवं तुल्यकालिक मशीनें : अभिलक्षण एवं निष्पादन विश्लेषण ; गति नियंत्रण।

शक्ति इलेक्ट्रॉनिकी एवं विद्युत चालन : अर्धचालक शक्ति युक्तियां : डायोड, ट्रॉजिस्टर, ट्रायक, GTO एवं धातु ऑक्साइड सामिचालक क्षेत्र प्रभाव ट्रॉजिस्टर-स्थैतिक अभिलक्षण एवं प्रचालन के सिद्धांत, ट्रिगरिंग परिपथ, कला नियंत्रण दिष्टकारी, सेतु परिवर्तक : पूर्ण नियंत्रित एवं अर्द्धनियंत्रित थाइरिस्टर चापर एवं इनवर्टरों के सिद्धांत, DC – DC परिवर्तक, स्वच मोड इन्वर्टर, dc एवं dc मोटर चालन के गतिनियंत्रण की आधारभूत संकल्पना, विचरणीय चाल चालन के अनुप्रयोग।

तुल्यरूप संचार : यादृच्छिक चर : संतत, विविक्त ; प्रायिकता, प्रायिकता फलन, सांख्यिकीय औसत ; प्रायिकता निदर्श ; यादृच्छिक संकेत एवं ध्वनि : सम ध्वनि, समतुल्य बैंड चौड़ाई, ध्वनि सहित संकेत प्रेषण, ध्वनि संकेत अनुपात, रैखिक cw मॉडुलन : आयाम-माडुलन : द्विसाइड बैंड – एकल चैनल (DSB-SC) एवं एकल साइड बैंड। मॉडुलन एवं विमाडुलन ; कला और आवृत्ति माडुलन : कला माडुलन एवं आवृत्ति मॉडुलन संकेत, संकीर्ण बैंड आवृत्ति मॉडुलन, आवृत्ति मॉडुलन कला मॉडुलन के लिए जनन एवं संसूचन, निष्प्रबलन, पूर्व प्रबलन। संवाहक तरंग मॉडुलन (CWM) तंत्र : परासंकरण अभिग्राही, आयाम मॉडुलन अभिग्राही, संचार अभिग्राही, आवृत्ति अभिग्राही, कला पाशित लूप, एकल साइड बैंड अभिग्राही, आयाम मॉडुलन एवं आवृत्ति मॉडुलन अभिग्राही के लिए सिगनल-ध्वनि अनुपात गणन।

नियंत्रण तंत्र : नियंत्रण तंत्र के तत्व, खंड आरेख निरूपण : खुला-पाश एवं बंदपाश तंत्र, पुनर्निवेश के सिद्धान्त एवं अनुप्रयोग। नियंत्रण तंत्र अवयव, रैखिक काल निश्चर तंत्र : काल प्रक्षेत्र एवं रूपांतर प्रक्षेत्र विश्लेषण, स्थायित्व : राउथ हरविज कसौटी, मूल बिंदुपथ, बोडे आलेख एवं पोलर आलेख, नाइक्विस्ट कसौटी, अग्रपश्चता प्रतिकारक का अभिकल्पन। समानुपातिक PI, PID, नियंत्रक; नियंत्रण तंत्रों का अवस्था-विचरणीय निरूपण एवं विश्लेषण।

माइक्रोप्रोसेसर एवं माइक्रोकम्प्यूटर : PC संघटन, CPU, अनुदेश सेट, रजिस्टर सेट, टाइमिंग आरेख, प्रोग्रामन, अंतरानयन, स्मृति अंतरापृष्ठन, IO अंतरापृष्ठन, प्रोग्रामनीय उपान्तीय युक्तियां।

मापन एवं मापयंत्रण : त्रुटि विश्लेषण : धारा, वोल्टता, शक्ति, ऊर्जा, शक्ति गुणक, प्रतिरोध, प्रेरकत्व, धारिता एवं आवृत्ति का मापन, सेतु मापन। सिगनल अनुकूल परिपथ, इलेक्ट्रॉनिक मापन यंत्र : बहुमापी कैथोड किरण आसिलोस्कोप, अंकीय बोल्टमापी, आवृत्ति गणित्र, Q मापी, स्पेक्ट्रम विश्लेषक, विरूपण मापी ट्रांसड्यूसर, ताप वैद्युत युग्म, थर्मिस्टर, रेखीय परिवर्तनीय अवकल ट्रांसड्यूसर, विकृति प्रभावी, दाब विद्युत क्रिस्टल।

शक्तितंत्र : विश्लेषण एवं नियंत्रण : सिरोपरि संचरण लाइनों तथा केबलों का स्थायी दशा निष्पादन, सक्रिय एवं प्रतिघाती शक्ति अंतरण एवं वितरण के सिद्धान्त, प्रति इकाई राशियां, बस प्रवेश्यता एवं प्रतिबाधा आव्यूह, लोड प्रवाह ; वोल्टता नियंत्रण एवं शक्ति गुणक संशोधन ; आर्थिक प्रचालन ; सममित घटक; सममित एवं असममित दोष का विश्लेषण, तंत्र स्थायित्व की अवधारणा : स्विंग वक्र एवं समक्षेत्र कसौटी। स्थैतिक बोल्ट एंपियर प्रतिघाती तंत्र। उच्च वोल्टता दिष्टधारा संचरण की मूलभूत अवधारणाएं।

शक्तितंत्र रक्षण : अतिधारा, अवकल एवं दूरी रक्षण के सिद्धान्त, ठोस अवस्था रिले की अवधारणा। परिपथ वियोजक अभिकलित्र सहायता प्राप्त रक्षण ; परिचय, लाइन, बस, जनित्र, परिणामित्र रक्षण, संख्यात्मक रिले एवं रक्षण के लिए अंकीय संकेत रक्षण (DSP) का अनुप्रयोग।

अंकीय संचार : स्पंद कोड मॉडुलन, अवकल स्पंद कोड मॉडुलन, डेल्टा मॉडुलन एवं विमॉडुलन योजनाएं : आयाम, कला एवं आवृत्ति कुंजीयन योजनाएं। त्रुटि नियंत्रण कूटकरण : त्रुटिसंसूचन एवं संशोधन रैखिक खंड कोड, संवलन कोड। सूचना माप एवं स्रोत कूट करण। आंकड़ा जाल, 7-स्तरीय वास्तुकला।

5.(6): इलेक्ट्रॉनिक्स अभियान्त्रिकी

खण्ड – अ

सामग्री तथा अवयव : विद्युत इंजीनियरी पदार्थों की संरचना एवं गुण : सुचालक, सामिचालक तथा विसंवाहक, चुम्बकीय, अयोविद्युत, पीडविद्युत, मृच्छिल्य, प्रकाशिकीय तथा अतिचालक पदार्थ। निष्क्रिय संघटक तथा विशिष्टताएं रोधक, धारक तथा प्ररोचक, क्वाटर्ज स्फटिक मृच्छिल्य अनुनादक, विद्युत चुम्बकीय तथा विद्युत यांत्रिक संघटक।

भौतिक इलेक्ट्रॉनिक्स, इलेक्ट्रॉन युक्तियां तथा ICS :

सामिचालकों में विद्युत अणु, तथा छेद, वाहक सांख्यिकी, सामिचालक में करेंट प्रवाह की क्रिया विधि, हॉल प्रभाव, संधि सिद्धान्त, विभिन्न प्रकार के डायोड्स तथा उनकी विशिष्टताएं, द्विध्रुवीय संधि, ट्रॉजिस्टर; फोल्ड प्रभाव ट्रॉजिस्टर्स, SCRS, GTO's जैसी स्विचिंग युक्तियां, पावर MOSFETS ; ICS के मूल – द्विध्रुवीय, MOS तथा CMOS प्रकार; ऑप्टो इलेक्ट्रॉनिक्स के मूल।

संकेत एवं प्रणालियाँ : संकेतों व प्रणालियों का वर्गीकरण : भिन्नक तथा भेद समीकरणों के संदर्भ में प्रणाली निदर्श; राज्य परिवर्ती प्रतिरूपण; फूरिये माला ; फूरिये रूपांतर तथा प्रणाली विश्लेषण में उनके अनुप्रयोग। लाप्लास रूपांतर तथा प्रणाली विश्लेषण में उनके अनुप्रयोग ; परिवलन तथा अधिरोपण अनुकल तथा उनके अनुप्रयोग ; Z रूपांतर तथा भिन्न समय प्रणालियों के विश्लेषण तथा विशिष्टिकरण में उनके अनुप्रयोग ; यादृच्छिक संकेत तथा संभाव्यता, परस्पर संबंध कार्य ; रंगावलीय घनत्व, यादृच्छिक निर्विष्टों की रेखिक प्रणाली की अनुक्रिया।

संजाल सिद्धान्त : संजाल विश्लेषण तकनीकें ; संजाल प्रमेय अल्पकालीन अनुक्रिया, अचल अवस्था ज्यावक्रीय अनुक्रिया ; संजाल लेख चित्रण तथा संजाल विश्लेषण में उनके अनुप्रयोग, टेलीजेन का प्रमेय। दो पोर्ट संजाल ; Z, Y, G तथा पारेषण मानदण्ड, दो पोर्ट्स का मेल, साझा दो पोर्ट्स का विश्लेषण; संजाल कार्य, संजाल कार्यो के भाग, दिये गये भाग से संजाल कार्य प्राप्त करना। पारेषण मानदण्ड : विलंब तथा उदय समय, एलमोर की तथा अन्य परिभाषाएं, प्रपातता का प्रभाव। संजाल संश्लेषण के तत्व।

विद्युत चुंबकीय सिद्धान्त : विद्युत स्थैतिक तथा चुम्बक स्थैतिक क्षेत्रों का विश्लेषण। लाप्लास तथा पियसौन के समीकरण; सीमा मूल्य समस्याएं तथा उनके निदान; मैक्सवेल के समीकरण, सीमित तथा असीमित माध्यम में तरंग प्रसार का अनुप्रयोग; पारेषण लाईनें, मूल सिद्धान्त, स्थायी तरंगें, अनुरूपयोजी अनुप्रयोग, सूक्ष्म पट्टी लाइनें, तरंग मार्ग दर्शकों तथा अनुनादकों के मूल; एन्टीना सिद्धान्त के तत्व।

इलेक्ट्रॉनिक मापन तथा यंत्रीकरण : मूलभूत संकल्पनाएं, मानक एवं त्रुटि विश्लेषण, मूल विद्युतीय मात्राओं तथा मानदण्डों की माप; विद्युतीय मापन उपकरण तथा उनका कार्य सिद्धान्त : तुल्य रूप तथा अंकीय, तुलना विशिष्टताएं, अनुप्रयोग। ऊर्जा परिवर्तक, तापमान, दबाव तथा आर्द्रता इत्यादि जैसी गैर विद्युतीय मात्राओं की इलेक्ट्रॉनिक माप, औद्योगिक उपयोग हेतु टेलीमेट्री के मूल।

खण्ड – ब

तुल्य रूप इलेक्ट्रॉनिक परिपथ : ट्रांजिस्टर अभिनति तथा स्थिरता लघु संकेत विश्लेषण। ऊर्जा प्रवर्धक, आवृत्ति अनुक्रिया। विस्तृत पट्टी तकनीकें, प्रतिपुष्टि प्रवर्धक, ट्यूनिंग प्रवर्धक, दोलक, परिशोधक तथा ऊर्जा आपूर्तियां, op Amp, PLL, अन्य रैखिक एकीकृत परिपथ तथा अनुप्रयोग। स्पन्द संरूपक परिपथ तथा तरंग स्वरूप विद्युत्जनक।

अंकीय इलेक्ट्रॉनिक परिपथ : स्विचिंग तत्व के रूप में ट्रांजिस्टर; बूलिदन बीजगणित, बूलिदन प्रकारों का सरलीकरण, कर्नागुह मानचित्र तथा अनुप्रयोग; आई सी तर्क द्वार तथा उनकी विशिष्टताएं; आई सी तर्क परिवार: DTL, TTL, ECL, NMOS, PMOS तथा CMOS द्वार तथा उनकी तुलना; मेलकारी तर्क परिपथ; अर्ध परिवर्धक, पूर्ण परिवर्धक,

अंकीय उपमात्र, मल्टीप्लेक्सर, डी मल्टीप्लेक्सर; ROM तथा उनके अनुप्रयोग। फिलप-फ्लॉप्स। R-1, J-K, D तथा T फिलप-फ्लॉप्स; विभिन्न प्रकार के काउन्टर तथा रजिस्टर्स तरंग – रूप विद्युत्पादक। A/D तथा D/A परिवर्तक। सामिचालक – स्मृतियां।

नियन्त्रण प्रणालियां : नियन्त्रण प्रणालियों की अल्प कालिक तथा स्थायी अवस्था अनुक्रिया। स्थायित्व तथा संवेदनशीलता पर प्रतिपुष्टि का प्रभाव। मूल पथ तकनीकें; आवृत्ति अनुक्रिया विश्लेषण प्राप्ति तथा प्रावस्था उपांत की संकल्पना। स्थिर M तथा स्थिर N निकोल्स चार्ट, स्थिर N निकोल के चार्ट से अल्पकालिक अनुक्रिया का सन्निकटन। संवृत्त पाशी आवृत्ति अनुक्रिया से अल्पकालिक अनुक्रिया का सन्निकटन; नियन्त्रण प्रणालियों का अभिकल्प, क्षतिपूरक; औद्योगिक नियन्त्रक।

संचार प्रणालियां : मूल सूचना सिद्धान्त; तुल्य रूप तथा अंकीय प्रणाली में सामंजस्य तथा खोज; प्रतिचयन तथा डाटा पुनर्निर्माण; परिमाणीकरण तथा कूटन; समय विभाजन तथा आवृत्ति विभाजन बहुगुणन; समानीकरण, प्रकाशकीय संवाद : मुक्त स्थान में तथा फाइबर ऑप्टिक; HF, VHF, UHF तथा सूक्ष्म तरंग आवृत्ति पर संकेतों का प्रसार; उपग्रह संचार।

सूक्ष्म तरंग इन्जीनियरी : सूक्ष्म तरंग नलियां तथा ठोस अवस्था – युक्तियां, सूक्ष्म तरंग उत्पत्ति तथा प्रवर्धक, तरंग मार्गदर्शक तथा अन्य सूक्ष्म तरंग संघटक तथा परिपथ। सूक्ष्म पट्टी परिपथ, सूक्ष्म तरंग एन्टीनाज, सूक्ष्म तरंग माप, मेसर्स, लेसर्स; सूक्ष्म तरंग प्रसार। जमीनी तथा उपग्रह आधारित सूक्ष्म तरंग संचार प्रणालियां।

कम्प्यूटर इन्जीनियरी : संख्या प्रणालियां। डाटा प्रतिरूपण; प्रोग्रामन; उच्च स्तरीय प्रोग्रामन भाषा PASCAL/c के तत्व; मूल डाटा संरचना का उपयोग; कम्प्यूटर शिल्प के मूल आधार; प्रोसेसर अभिकल्प; नियन्त्रण यूनिट अभिकल्प, स्मृति संगठन, I/O प्रणाली संगठन माइक्रो प्रोसेसर: माइक्रोप्रोसेसर – 8085 तथा 8086 का शिल्प तथा निर्देश सेट, संकलन भाषा प्रोग्रामन। माइक्रोप्रोसेसर आधारित प्रणाली अभिकल्प : प्ररूपी उदाहरण। पर्सनल कम्प्यूटर्स तथा उनके प्ररूपी उपयोग।

5.(7): मैकेनिकल अभियान्त्रिकी

खण्ड – अ

1. यन्त्रों का सिद्धान्त : सममतल क्रियाविधियों का शुद्धगतिक एवं गतिक विश्लेषण। कैम, गियर एवं अधिचक्रिक गियर मालाएं, गतिपालक चक्र, अधिनियंगक, दृढ़ घूर्णकों का संतुलन, एकल एवं बहुसिलिंडरी इंजन, यांत्रिक तंत्र का रैखिक कंपन विश्लेषण (एकल तथा द्वि स्वातंत्र्य कोटि) क्रांतिक चाल एवं शैफ्ट का आवर्तन स्वतः नियन्त्रण, पेटी एवं जंजीर चालन, द्रवगतिकी – बियरिंग्स।
2. पिंड यांत्रिकी : दो विमाओं में प्रतिबल व विकृति, मुख्य प्रतिबल एवं विकृतियां, मोर का निर्माण, रेखिक प्रत्यास्थ पदार्थ सावर्तिक व असावर्तिक, विकृति प्रतिबल संबंध, तापीय प्रतिबल, घरण : नमन बिभ्रमिषा तथा कल्पन रेखा चित्र। घरण का नमन प्रतिबल तथा विचलन, कल्पन प्रतिबल, धुरी की ऐंठन, कुंडलाकार स्प्रिंग, संयुक्त प्रतिबल, मोटी व पतली भित्ति वाले पात्र, अनम एवं स्तम्भ, विकृति ऊर्जा संकल्पनाएं तथा विफलता के सिद्धान्त। रोटेशन डिस्कस तथा श्रृंक फिट्स।
3. इन्जीनियरी पदार्थ : ठोसों की संरचनाओं की आधारभूत संकल्पनाएं, पदार्थ, क्रिस्टलीय पदार्थों में दोष, मिश्र धातु एवं द्वयिचरण रेखाचित्र, सामान्य इन्जीनियरी पदार्थों की संरचना तथा उनके गुण। इस्पात का ताप साधन। प्लास्टिक्स, सेरामिक्स तथा मिश्रित पदार्थ। विभिन्न पदार्थों का साझा अनुप्रयोग।
4. निर्माण विज्ञान : व्यापारी बल विश्लेषक, टेलर का औज़ार आयु समीकरण। मशीनेबल तथा मशीन का आर्थिक विवेचन। दृढ़, लघु एवं लचीला स्वचालन। आधुनिक यंत्रिकरण विधियां – ई डी एस, ई सी एम तथा पराश्रव्य। लेसर तथा प्लाज़्या का अनुप्रयोग, संरचना प्रक्रियाओं का विश्लेषण। उच्च ऊर्जा दर अवकलन। जिग्स एवं स्थायक, औज़ार एवं प्रभाप। लंबाई, स्थिति, परिछेदिका एवं सतह सज्जा का निरीक्षण।

5. निर्माण प्रबंधन : उत्पादन आयोजना तथा नियन्त्रण, चलित औसत का पूर्वानुमान, परिचालनों का अनुसूचन, एसेंबली लाईन संतुलन, उत्पाद विकास। ब्रेक इवन विश्लेषण, क्षमता आयोजना। पी ई आर टी तथा सी पी एम। नियन्त्रण परिचालन : वस्तु सूची नियन्त्रण – ए बी सी विश्लेषण। ई ओ क्यू निदर्श। सामग्री आवश्यकताओं की आयोजना। परिचालन शोध : रेखिक प्रोग्रामिंग – ग्राफिकल तथा सिम्प्लेक्स विधियां। परिवहन तथा समनुदेशन निदर्श। एकल सर्वर पंक्ति निदर्श। मूल्य इंजीनियरी : लागत मूल्य हेतु मूल्य विश्लेषण : पूर्ण गुणवत्ता प्रबंधन तथा पूर्वानुमान तकनीकें। परियोजना प्रबंधन।
6. संगणना के तत्व : कम्प्यूटर संगठन, प्रवाह संचित्रण। सामान्य कम्प्यूटर भाषा की विशेषताएं। FORTRAN Base-III, लोटस 1-2-3 सी तथा प्रारम्भिक प्रोग्रामिंग।

खण्ड – ब

1. ऊष्मा गतिकी : मूल भूत संकल्पनाएं। विवृत्त और संवृत्त प्रणालियां ऊष्मा गतिकीय नियमों का अनुप्रयोग, गैस समीकरण, पेरॉन समीकरण, उपलब्धता तथा अप्रतिक्रमणीयता तथा Tds संबंध।
2. आई सी इंजन, ईंधन तथा दहन : स्फुलिंग ज्वलन तथा संपीडन ज्वलन इंजन। चार स्ट्रोक इंजन तथा दो स्ट्रोक इंजन, यांत्रिक तापीय तथा अनुमापी दक्षता, ऊष्मा संतुलन। एस आई एवं सी आई इंजनों में दहन प्रक्रिया, एस इंजन में दहनपूर्व विस्फोट, सी आई इंजन में डीज़ल अपस्फोटन, इंजन ईंधनों का विकल्प, ऑक्टेन्स व सीटेन रेटिंग्स। वैकल्पिक ईंधन – कार्बुरेशन तथा ईंधन अन्तःक्षेप, इंजन उत्सारण तथा नियन्त्रण। ठोस, द्रव तथा गैसीय ईंधन, तात्वयौगिक वायु आवश्यकताएं तथा अतिरिक्त वायु कारक, ईंधन गैस विश्लेषण, उच्च एवं निम्न मूल्य तथा उनकी माप।
3. ऊष्मा अन्तरण, प्रशीतन एवं वातानुकूलन। एक तथा दो विमा ऊष्मा चालन। विस्तारित सतहों से ऊष्मा अन्तरण, प्रणोदित तथा मुक्त संवहन द्वारा ऊष्मा अन्तरण। ऊष्मा विनियामक प्रसारी तथा योजी समूह अन्तरण हेतु मूल

सिद्धान्त, विकिरण नियम। श्याम तथा अश्याम सतहों के मध्य ऊष्मा विनिमय। नेटवर्क विश्लेषण। ऊष्मा पंप प्रशीतलन चक्र एवं प्रणालियां, द्रवणित्र, वाष्पित्र तथा प्रसरण साधन व नियन्त्रण। प्रशीतक के गुण तथा विकल्प, प्रशीतन प्रणालियां तथा संघटक, आर्द्रतामिति – सुख सूचकांक – शीतन – भारिता परिकलन, सौर प्रशीतन।

4. टर्बो-यंत्र तथा ऊर्जा संयंत्र : सततता, संवेग तथा ऊर्जा समीकरण। समोषीय तथा सावर्तिक प्रवाह, फैनो रेखाएं, रेले रेखाएं। अक्ष प्रवाह टर्बाइन्स तथा संपीडक, प्रवाह पार टर्बो यंत्र ब्लेड, प्रपातिकाएं, अपकेन्द्र संपीडक। विमा विश्लेषण तथा निदर्शन। वाष्प, द्रव, परमाणु तथा प्रतीक्षारत ऊर्जा संयंत्रों हेतु स्थल का चयन, चयन आधार तथा पूर्ण भार ऊर्जा संयंत्र। आधुनिक उच्च दबाव, उच्च ड्यूटी बॉयल्स, ड्राफ्ट व धूल हटाने के उपकरण। ईंधन एवं प्रशीतक जल प्रणाली, ऊष्मा संतुलन, स्टेशन तथा संयंत्र ऊष्मा दरें, विभिन्न ऊर्जा संयंत्रों का परिचालन एवं अनुरक्षण, निवारक अनुरक्षण, ऊर्जा उत्पादन का आर्थिक दृष्टिकोण।

6.. पर्यावरणीय विज्ञान

खण्ड – अ

जीवन विज्ञान (मूल जीव विज्ञान तथा प्राकृतिक संसाधन)
जीव विज्ञान का परिचय, शाखायें, विषय क्षेत्र तथा पर्यावरणीय दृष्टिकोण से इसका महत्व। जीवन क्या है? पृथ्वी पर जीवन का विकास : जीवन का मूल – सूक्ष्मजीव वनस्पति एवं जीव-जन्तु, जीवाश्म तथा अवसाद, पूर्व में जीवन के प्रतिरूप एवं वितरण, पुरातात्विकीय साक्ष्य, सामूहिक विलोप, पृथ्वी पर जीवन के स्वरूप (वनस्पति एवं जीव-जन्तुओं के सभी स्वरूप), जल में जीवन, भूमि पर जीवन, वायु, जल तथा भूमि में सूक्ष्म जीव, सूक्ष्मजीव तथा रोग, मृदा सूक्ष्मजीवों का विबन्धन, समुद्री जीव विज्ञान।

वर्गीकरण सिद्धान्त : इतिहास, ध्येय, उद्देश्य, उत्क्रम तथा साम्राज्य, पहचान तथा नामकरण, स्वरूप – संबंध के आधार पर वनस्पति एवं जीव-जन्तुओं का वर्गीकरण, उपजाति की संकल्पना, जीवित वस्तुओं का संगठन, सूक्ष्मजीवी वर्गीकरण, पारिस्थितिक वर्गीकरण प्रणाली, संग्रह व पादप-चय, परिरक्षण, पादप जात, प्राणिजात, कीट-पतियों का परिरक्षण।

विभिन्न पर्यावरणीय परिस्थितियों के अधीन पारिस्थितिक अनुकूलन, जलोद्भिद, शुष्कोद्भिद, लवणोद्भिद, मध्योद्भिद, पररोही। भूमि पर जीवन का वितरण तथा वर्तमान में वितरण हेतु उत्तरदायी कारक। महाद्वीपीय बहाव। प्रस्तावना, प्राकृतिक संसाधनों का विषय क्षेत्र तथा महत्ता, जैविक तथा अजीवी संसाधन। नवीकरणीय तथा अनवीकरणीय साधन और उनकी सीमाएं।

नवीकरणीय संसाधन : वन एवं जीव संसाधन, भारत की वन संपदा, जीव-जन्तु संसाधन, घरेलू पशु तथा मत्स्य संसाधन, खाद्य संसाधन, विश्व खाद्य समस्याएं, कृषि संसाधन, भारत की कृषि क्षमता, आधुनिक कृषि के प्रभाव। अनवीकरणीय संसाधन : जीवाष्म ईंधन, कोयला, तेल, प्राकृतिक गैस, जीवाष्म ईंधन के त्वरित उपभोग के परिणाम।

ताजा तथा समुद्री जल संसाधन : ताजा पानी का वैश्विक वितरण तथा इसकी सीमाएं, भौतिक जीवन हेतु ताजा जल के स्रोत, भारत के ताजा जल संसाधन। मनुष्य की जल आवश्यकताएं, बाढ़ और सूखा।

मृदा एवं खनिज संसाधन, वैश्विक स्थिति, भारत के खनिज संसाधन, धातुएं तथा खनिज। ऊर्जा संसाधन : वैश्विक ऊर्जा उपभोग, ऊर्जा आवश्यकताएं, परम्परागत तथा गैर परम्परागत ऊर्जा स्रोत, वैकल्पिक ऊर्जा स्रोत, भारत के ऊर्जा संसाधन। प्राकृतिक संसाधनों के साथ मनुष्य के पारस्परिक प्रभाव।

खण्ड – ब

पृथ्वी विज्ञान (पर्यावरणीय रसायन शास्त्र तथा मूलभूत भू विज्ञानें)

वातावरण की रासायनिकी, वायुमण्डल में सम्मिलित रासायनिक प्रभाव, ओजोन रिक्तता में रासायनिकी, वैश्विक गर्माहट की रासायनिक अनुक्रियाएं, जल की रासायनिकी, असामान्य भौतिक गुण, विलेयों को मिलाकर जल के गुणों में परिवर्तन, हायड्रोजन का जोड़, जल में उपस्थित गैसों, जल में मूलभूत उत्क्रमणीय व अनुत्क्रमणीय अनुक्रियाएं, जल के न्ययन तथा उदयन के स्रोत, विलेयों को मिलाकर जल के गुणों में परिवर्तन, स्टिचिओमेट्री, गिब्स की ऊर्जा, रासायनिक क्षमता, रासायनिक समत्व, अम्ल आधारित अनुक्रियाएं, घुलनशीलता उत्पाद, कार्बोनेट प्रणाली। कैसरकारक मिश्रण तथा मानव शरीर पर उनके प्रभाव। सफ़ैर्वटैन्ट्स : कीट नाशक : हाइड्रोकार्बन, वातावरण, उद्भव, संरचना और वातावरण की रासायनिक संरचना।

तापमान का मापन तथा नियन्त्रण, पर्यावरणीय चूक दर, शुष्क एवं आर्द्र समोष्जी चूक दर, तापापवर्तन तथा वायुमण्डलीय स्थिरता।

वायुमण्डलीय दबाव तथा हवाएं, हवाओं को प्रभावित करने वाले कारक, संघनन के स्वरूप, निस्सान, जल विज्ञान चक्र।

पृथ्वी की आन्तरिक संरचना, भूवैज्ञानिक विकास, पट्ट अन्तःकृत, सान्द्रमण्डल की संरचना। महाद्वीपीय तथा महासागरीय पर्पटी संरचना।

शैलों के प्रकार, शैल चक्र, शैल के मूलभूत खनिज, मृद् खनिज, खनिज रासायनिकी। मृदा एवं इसकी संरचना, ऋतु क्षरण प्रक्रिया, मृदा में स्थूल एवं सूक्ष्म वनस्पति पोषक, मृदा वर्गीकरण, भारत की मृदाएं।

7. वानिकी

खण्ड—अ

सामान्य वन वर्धन

वन पारिस्थितिकी के जैविक और अजैविक घटक। वन समुदाय अवधारणा, पोषक चक्र और जल संबंध; पारिस्थितिकीय अनुक्रमण एवं चरम बिंदु। भारत में वनों के प्रकार। प्रजातियों की पहचान, संयोजन और जुड़ाव, जड़ी बूटी और वृक्षों की स्थापना के सिद्धान्त। वन वर्धन के सामान्य सिद्धान्त वनस्पति को प्रभावित करने वाले स्थानीय कारक। वनों में कृत्रिम और प्राकृतिक पुनरोत्पादन, प्रजनन की तकनीकें, वन पौधशाला तकनीक— पौधशाला क्यारियां, पौली बैग और उनका रख रखाव, पौध सुदृढ़ करना और श्रेणी बद्ध (ग्रेडिंग) करना, स्थापना एवं देखभाल, गुड़ाई, सफाई, सुधार, पातन बेल कटाई।

वन वर्धन पद्धतियों एवं वृक्षों का वर्धन

निःशेष पातन, आच्छादक, प्रवरण, गौण, कापिस एवं रूपान्तर पद्धति, प्रजातियों का चयन, मानक संवर्धन तरीकों की स्थापना एवं प्रबन्ध। संवर्धन पद्धति, नियन्त्रण तकनीक वृहद यान्त्रिक पद्धति, उष्ण कटिबन्धीय वन वर्धन अनुसंधान एवं अभ्यास में परम्परागत एवं आधुनिक प्रगति। कुछ आर्थिक महत्व की प्रजातियों का वन वर्धन जैसे अकेसिया निलोटिया, अकेशिया और बुलोफौमिस, एल्बिजिया लेबीक, एनोजिसिस लौटिफोलिया अजारिवाटा इण्डिका, बम्बुसा बम्बूस, डैन्ड्रोकैलेमस स्ट्रिक्टस, बौम्बेक्स सीवा कैजुरिना इकुसिटीफोलिया, डलबर्जिया लौटिफोलिया, इम्ब्लिका औफिसिनैलिस, युकेलिप्टस हाइब्रिड, गैमलीना आबोरिया, हाइबिकिया बाइनेय, लैंगीस्ट्रोमिया लैसीओल्मटा, पटोरोकार्पस मैसुपिअम, प्रोसोपिस ज्यूलिफोरा, सैन्टलम अल्बम, टैक्टोना ग्रेन्डिस, टर्मिनेलिया टौमेन्टोसा, टर्मिनेलिया, अर्जुना, टर्मिनेलिया पैनीकुलाय, टमारिण्डस इण्डिका जामलिआ जायलोकार्पा।

कृषि वानिकी एवं सामाजिक वानिकी तथा आवश्यकतायें, वृक्ष फसलों का अन्तर्व्यवहार, प्रजातियों का चयन, कृषि वानिकी पद्धतियों का वर्गीकरण, कर्नाटका के विभिन्न कृषि – पारिस्थितिकी संभागों के तहत कृषि वानिकी पद्धतियों, बहुप्रयोजनीय पादपो एवं NTFP प्रजातियों का भोजन चारा एवं ईंधन की पूर्ति में भूमिका। शहरी सामाजिक वानिकी विस्तार एवं अपरिहार्यता। जन सहभागिता। कृषि क्षेत्र वानिकी। कृषि क्षेत्र काष्ठ समूह, शुष्क और जल मग्न भूमि वानिकी।

भूमि संरक्षण एवं जलागम प्रबंधन

वन मृदा, मृदीय संरचना का वर्गीकरण, भौतिकी, रासायनिक एवं जैविक गुणधर्म, भूमि संरक्षण, परिभाषा, भू-क्षरण के कारण, क्षरण के वाहक, वायु और जल क्षरण, भूमि एवं परती भूमि के संरक्षण और सुधार की समस्यायें। भूमि संरक्षण में वनों की भूमिका, मृदा के कार्बनिक तत्वों का निर्माण और रख रखाव। सूक्ष्म कार्बनिकों की भूमि सुधार में भूमिका। जलागम प्रबंधन, जलागम की अवधारणा, वानिकी जल विज्ञान मूसलाधार बारिस नियंत्रण हेतु जलागम विकास। नदी जल धारा का स्थाईकरण हिम-स्खलन और भू-स्खलन नियंत्रण, अवनत क्षेत्रों, पर्वतीय एवं पर्वतों का पुनर्वास इन्टीग्रेटेड जलागम प्रबंधन, जल सीरण और जल संचय, भूजल अवधारणा का पुनरावेशन और जलागम प्रबंधन।

पादप परिशोधन

पादप परिशोधन का सामान्य अवधारणा, पद्धतियां एवं तकनीकें, प्राकृतिक मानक एवं इनके उपयोग में परिवर्तन। बीज उत्पादन और बीज उद्यान, स्थापना, मूल्यांकन, रखरखाव एवं उपयोगिता। सतति परीक्षण प्राकृतिक वनों एवं मानकों का सुधार। पादप सुधार में चुनाव प्रक्रिया एवं तकनीकें। वन आनुवांशिक स्रोत एवं स्वस्थाने तथा अन्यत्र जीन संरक्षण आधुनिक प्रजनन तकनीकें, बीज प्रमाणिकता।

वन प्रबंधन

उद्देश्य, सिद्धान्त और वन प्रबन्धन की तकनीकें, प्रशासन की इकाईयां और प्रबन्धन, वन स्टैण्डस, संरचना और गति विज्ञान, सत्त उत्पादन के सिद्धान्त सामान्य वन, आवर्तन, आदर्श वृक्ष धन का विश्लेषण, उपज नियमन, वनरोपण क्षेत्रों का प्रबन्धन व्यवसायिक वन, कार्ययोजना तैयार करने की पद्धतियां और विशिष्टतायें और वैज्ञानिक प्रबन्धन में उनकी भूमिका, प्रकृति संरक्षण, जैव विविधता और अन्य आयाम, वार्षिक योजना और उसकी संक्रिया, संयुक्त वन प्रबन्ध के सिद्धान्त, कार्य विधि, विस्तार, उपयोगिता और भूमिका, ग्राम वन समिति की व्यवस्था/रचना।

वन मापन एवं सुदूर संवेदन

पद्धतियां और साधन उपयोग व्यास, गोलाई, ऊँचाई, आयु, वृद्धि और पादप आयतन, वृक्ष गुणक, सम सामयिक वार्षिक एवं औसत वार्षिक वृद्धि एवं सैम्पलिंग पद्धतियां और नमूना भूखण्ड, उपज गणना, और स्टैण्ड टेबल, उपज तंत्र को बनाना एवं इसका उपयोग, स्थल गुणवत्ता विश्लेषण सुदूर संवेदन के सिद्धान्त योजनाएं और प्रासंगिकाएँ, सुदूर संवेदन द्वारा वन आच्छादन की जांच करना। वन प्रबन्धन हेतु भौगोलिक सूचना पद्धति।

वन अर्थशास्त्र एवं विधायन

वन अर्थशास्त्र, आधारभूत सिद्धान्त, मूल्य उपयोग विश्लेषण, मॉग का अनुमान एवं आपूर्ति। निजी संस्थानों की भूमिका, वानिकी की सहकारिता एवं सामुदायिक वित्तीय पोषण। वन उत्पादों एवं सेवाओं का मूल्यांकन एवं वाणिज्यिक नियन्त्रण, विधायन: वन विकास का इतिहास, 1894, 1952 और 1988 की राष्ट्रीय वन नीतियां, भूमि उपयोग संबंधी विवाद और वन नीति, प्रकाष्ठ एवं गौण वन उपज उत्पाद, संस्थागत एवं संरचनात्मक परिवर्तन। वन कानून आवश्यकतायें और सिद्धान्त। भारतीय वन अधिनियम 1927, भारतीय वन (उत्तरांचल संशोधन) 2001 उ० प्र० वन संरक्षण अधिनियम 1976 वन (संरक्षण) अधिनियम 1980, वन्य जीव (संरक्षण) अधिनियम 1972 और उनमें संशोधन, पर्यावरण (संरक्षण) अधिनियम 1986।

वन संसाधन एवं उपयोग

पर्यावरणीय रूप से सुरक्षित वनों के दोहन के सिद्धान्त, लौगिंग (Logging) एवं दोहन तकनीकें एवं सिद्धान्त, परिवहन पद्धतियाँ एवं वन उत्पादों का विक्रय, गौण उपज वन उत्पाद (NTFPS) परिभाषा एवं कार्यक्षेत्र। गोंद, राल, लीसा, तैलीय लीसा, तैलीय, बीज, नट्स, रबर, बैत, बॉस, औषधीय पौध, चारकोल, लाख और सैलाक का संग्रह। काष्ठ शुष्कीकरण का महत्व और आवश्यकताएं एवं संरक्षण, सामान्य सिद्धान्त एवं शुष्कीकरण की पद्धतियां संरचना एवं उन्नत। काष्ठ गुण संसोधित उत्पादन एवं उपयोग। लुग्दी, पेपर एवं रेयॉन वर्तमान में उद्योगों को कच्चे माल की आपूर्ति की वर्तमान स्थिति। प्रकाष्ठ स्थानापन्न रोपण प्रकाष्ठ का उपयोग।

वन संरक्षण

आवश्यकतायें एवं सीमायें, वनों के विनाश के लिए उत्तरदायी संस्थाएं— मानव पालतू मवेशी, जंगली जानवर एवं पर्यावरणीय कारक, निवारण एवं उपचारित मानक, मानव विकास हेतु वनों के विनाश के लिए उत्तरदायी कारक, प्रतिस्थापित काश्तकारी, खनन, वनाग्नि, अवैध शिकार, कुप्रबंधन, अतिक्रमण अवैध पातन एवं उन पर नियंत्रण, वन अग्नि के प्रकार, क्षति, गति पर नियंत्रण। चारण का दबाव एवं वनों में चारण, क्षति पर नियंत्रण मानक। पौधशाला एवं रोपण क्षेत्रों के महत्वपूर्ण कीट एवं रोग। संघटित कीट एवं रोग प्रबंधन।

पर्यावरण एवं जैव विविधता परिवर्तन

पर्यावरण घटक एवं महत्व, वननाशन का प्रभाव, वन अग्नि एवं विविध मानवीय कार्यकलाप जैसे माइनिंग, निर्माण, विकास परियोजनाएं, पर्यावरण और जैव विविधता में जनसंख्या वृद्धि, प्रदूषण के प्रकार प्रभाव एवं नियंत्रक मानक, ग्लोबल वार्मिंग, ग्रीन हाउस प्रभाव, ओजोन परत घटना एवं अम्लीय वर्षा प्रभाव एवं नियंत्रण उपाय। पर्यावरण संरक्षण में पादप एवं वनों की भूमिका। वायु नियंत्रण एवं उपचार। जल एवं ध्वनि प्रदूषण, पर्यावरण परिक्षण, पर्यावरण प्रभाव विश्लेषण, संरक्षण, जीव विज्ञान, जैव विविधता संरक्षण की युक्तिपूर्ण पद्धतियां संरक्षित क्षेत्रों के विशेष संदर्भ में। वन पारिस्थितिकी एवं सत्त विकास का संरक्षण।

8- भू-विज्ञान

खण्ड-अ

1- सामान्य भू-विज्ञान: भूगतिक गतिविधियों के संदर्भ में ऊर्जा। पृथ्वी की उत्पत्ति एवं अन्तरस्थ। विभिन्न विधियों द्वारा शैलों का तिथि निर्धारण तथा पृथ्वी की आयु। रेडियो सक्रियता एवं भू-वैज्ञानिक समस्याओं में इसका उपयोग। ज्वालामुखी के कारण और उत्पाद, ज्वालामुखी मेखलाएँ भूकंप के कारण, प्रभाव, वितरण तथा इसका ज्वालामुखी मेखलाओं से सम्बन्ध। भू-अभिनति एवं उनका वर्गीकरण। द्वीप-चाप गहरी सागर खाइयाँ तथा मध्य सागरीय कटक, समुद्रतल विस्तरण तथा प्लेट विवर्तनिकी, समस्थिति। पर्वतों के प्रकार एवं उद्भव महाद्वीपों तथा सागरों की उत्पत्ति। महाद्वीपीय विस्थापन की संक्षिप्त रूपरेखा।

2- भू-आकृति विज्ञान: आधारभूत संकल्पना तथा महत्व। भू-आकृतिक प्रक्रियाएँ तथा पैरामीटर भू-आकृतिक चक्र तथा उनके प्रतिपादन। उच्चावच लक्षण। संरचनाओं तथा अशिमकी का भूस्थलाकृति से संबंध। विशाल भू-आकृतियाँ। अपवाह तंत्र। भारतीय उप महाद्वीप के भू-आकृतिक लक्षण।

3- संरचना भू-विज्ञान: प्रतिबल तथा विकृत दीर्घवृत्तज एवं शैल विरूपण। वलन तथा भ्रंशन की यांत्रिकी। ऐंखिक तथा समतलीय संरचनाएं तथा उनका उत्पत्ति मूलक महत्व। शैल समविन्यास विश्लेषण और इसका आलेखीय प्रतिवेदन तथा भू-वैज्ञानिक समस्याओं में उपयोग। भारत का विवर्तनिकी ढांचा।

4- जीवाष्म विज्ञान : सूक्ष्म (माइक्रो) स्थूल (मैक्रो) जीवाश्म। जीवाश्मों का परिरक्षण तथा उपादेयता वर्गीकरण तथा नाम प्रद्वति से सामान्य परिचय। जैविक विकार तथा इस पर पुराजीवाश्म वैज्ञानिक अध्ययन का प्रभाव। ब्रैकियोपॉड, द्विकपाटी गैस्ट्रोपॉड, ऐमानाइड ट्राइलोबाइट, एकिनाइट तथा प्रवालों की आकृतिकी, वर्गीकरण तथा विकासीय प्रवृत्ति सहित भूवैज्ञानिक इतिहास। कशेरुक के प्रधान समूह तथा उनके मुख्य आकृतिक गुण। कालों में कशेरुकजीवन। डाइनोसौर। अश्व, गज तथा मानव के विकास का विस्तृत अध्ययन। गोंडवाना वनस्पति एवं इसका महत्व। सूक्ष्म जीवाश्मों के प्रकार तथा उनका तेल-अन्वेषण में विशेष संदर्भ सहित महत्व।

5- स्तरिकी: स्तरिकी के सिद्धान्त। स्तरीय वर्गीकरण तथा नाम प्रद्वति स्तरिकीय मानक मापक्रम। भारतीय उपमहाद्वीप की विभिन्न भूवैज्ञानिक प्रणालियों का विस्तृत अध्ययन। स्तरविज्ञान में सीमा समस्याएं-कैम्ब्रियन पूर्व-कैम्ब्रियन, परमियम-ट्राईएसिक, किटेशन-टरशियरी तथा न्यूजीन-क्वाटरनरी। भारत के प्रमुख शैल समूहों का विश्व के समतुल्यों से सहसंबंध, विभिन्न भूवैज्ञानिक प्रणालियों के स्तरिकी की रूपरेखा। भारतीय महाद्वीप में पुरा भूवैज्ञानिक (कालकी) जलवायु तथा आग्नेय सक्रियता। पुरा भौगोलिक पुनःनिर्माण।

खण्ड-ब

किस्टल विज्ञान, खनिजविज्ञान, षैल विज्ञान तथा आर्थिक भूविज्ञान

1- किस्टल विज्ञान, किस्टलीय तथा अकिस्टलीय पदार्थ दिक्स्थान समूह। जालक सममिति। किस्टलों का 32 सममिति वर्गों में वर्गीकरण। किस्टल संकेतन की अंतर्राष्ट्रीय पद्धति। किस्टल सममिति के निरूपण में त्रिविम प्रक्षेप का उपयोग। यमलन तथा यमल नियम। किस्टल अनियमितताएँ। किस्टल अध्ययन में एक्सरे का उपयोग।

2- प्रकाशकीय खनिज विज्ञान: प्रकाश के सामान्य सिद्धान्त। समदैशिकता तथा असमदैशिकता। प्रकाशिक द्योनिका की संकल्पना। बहुवर्णता, द्विअपवर्जन, व्यक्तिकरण वर्ण तथा विलोपन। किस्टलों में प्रकाशिक अनुस्थापन विक्षेपण प्रकाशिक सहायक उपकरण।

3- खनिज विज्ञान: किस्टल रसायन के तत्व; बंधक के प्रकार, आयनिक त्रिज्या, समन्वय, संख्या, समरूपिता, बहुरूपिता तथा कूटरूपिता। सिलिकेटों का संरचनात्मक वर्गीकरण शैल-निर्माणकारी खनिजों का विस्तृत अध्ययन, उनके भौतिक, रासायनिक तथा प्रकाशिक गुण तथा उनके प्रयोग (यदि कोई हो) इन खनिजों के परिवर्तन उत्पादन का अध्ययन।

4- शैल विज्ञान: मैग्मा, इसका सृजन, प्रकृति तथा संघटन। द्विअंगी, त्रिअंगी, प्रणाली का सामान्य प्रावस्था आरेख तथा उनका महत्व। बॉवन अभिक्रिया सिद्धान्त। मैग्नीय विभेदन तथा स्वांगीकरण। गठन तथा संरचना एवं उनका शैलजनक महत्व। आग्नेय शैलों का वर्गीकरण भारत के प्रमुख आग्नेय शैलों की शैलवर्णनता तथा शैलजनन-ग्रेनाइट, क्षारीय शैल चार्नोकाइट, एनॉर्थोसाइट तथा डेकन बेसाल्ट। अवसादी शैलों के निर्माण की प्रक्रियाएँ। प्रसंघनन तथा शिलीभवन। गठन तथा संरचना एवं उनके शैलजनन महत्व। अवसादी शैलों का वर्गीकरण खंडज तथा विखंडज। भारी खनिज तथा उनका महत्व। निक्षेप-पर्यावरण की मौलिक परिकल्पना अवसादी संलक्षणी तथा उद्गमक्षेत्र। सामान्य शैल-प्रकारों की शैलवर्णनता। कायांतरिक प्रक्रियाएँ तथा कायांतरण के प्रकार। कायांतरिक कोटि (ग्रेड) जोन तथा संलक्षणी। AKF तथा AFM आरेख। कायांतरिक शैलों के गठन, संरचना तथा नाम पद्धति महत्वपूर्ण शैलों की शैलवर्णनता तथा शैलजनन।

5- आर्थिक भू विज्ञान: अयस्क, अयस्क खनिज तथा गैंग, अयस्क औसत प्रतिशत। खनिज निक्षेपों के निर्माण की प्रक्रिया। अयस्क निक्षेपों के सामान्य रूप एवं संरचना अयस्क निक्षेपों का वर्गीकरण। अयस्क निक्षेपण का नियंत्रण। धातुजनन युग। भारत के महत्वपूर्ण धातुमयं तथा अधात्विक निक्षेप तैल तथा प्राकृतिक गैस क्षेत्र तथा कोयला क्षेत्र का अध्ययन। भारत का खनिज सम्पदा। खनिज अर्थशास्त्र। राष्ट्रीय नीति। खनिजों का संरक्षण तथा उपयोगिता।

6- अनुप्रयुक्त भूविज्ञान: पूर्वक्षण तथा अन्वेषण तकनीक के मूलतत्व। खनन, प्रतिचयन अयस्क तथा खनिज सज्जीकरण की मुख्य विधियाँ। अभियन्त्रण बांध, सुरंग संतु तथा सड़क कार्यों में भूवैज्ञानिक कसौटियाँ। मृदा तथा भूमि जल, भूविज्ञान और भूरसायन के मूलतत्व। बायव-फोटो तथा उपग्रह छवियों (सेटेलाइट इमेजरी) का भूवैज्ञानिक अन्वेषण में उपयोग।

9. उद्यान विज्ञान

खण्ड - अ

भारत तथा तमिलनाडु की आर्थिकी में उद्यान विज्ञान का विषय क्षेत्र तथा इसकी महत्ता। औद्योगिक भूगोल (क्षेत्र तथा अंचल) जलवायु की भूमिका, औद्योगिक फसल उत्पादन के संबंध में मृदा एवं जल-एकीकृत पोषक तत्व प्रबंधन (आई.एन.एम) कीटों एवं रोगों का प्रबंधन, जल, खरपतवार, घासपात, काट छांट तथा प्रशिक्षण का प्रबंधन।

फसल प्रणाली - संरक्षित खेती, मौसमेतर उपज - फसल-प्रहस्तन - जल कृषि - पोषक फिल्म तकनीक - फसल थोपना - वृद्धि नियामकों का उपयोग।

पर्यावरणीय बागवानी - व्यावसायिक बागवानी - जैविक - बागवानी - परम्परागत पादप प्रजनन में प्रगतियाँ। कुहासा प्रजनन - सूक्ष्म प्रजनन। फसलों के सुधार तथा बागवानी फसलों में त्वरित आयोनिज प्रजनन में जैव प्रौद्योगिकी की भूमिका।

वर्धी तथा लैंगिक रूप से प्रजनित फसलों में प्रजनन प्रणालियाँ एवं विधियाँ - संकर प्रभाव हेतु प्रजनन, प्रसंस्करण तथा जैव व अजैव प्रतिबल की प्रतिरोधकता - उत्परिवर्तन तथा पुरुगुणता प्रजनन - तनूकृतक परिवर्तन तथा इसके अनुप्रयोग -

अगुणितों का विकास – प्ररसक द्रवण – तनु कोशिका द्रवण – इन-विट्रो उत्परिवर्तन – ट्रैन्सजेनिक पौधे।

घरेलू उपवनों के लिये परिदृश्य अभिकल्प, सांस्थानिक एवं औद्योगिक उपवन – ग्रामीण उपवनों की जीव सौन्दर्यपरक आयोजना, मनोरंजन के स्थान, राजमार्गों तथा रेलवे लाईनों के समीप वृक्ष लगाना। लॉन तथा विभिन्न प्रकार के उपवनों की स्थापना एवं उनका रखरखाव – आन्तरिक पौध सज्जा – बोंसाई।

औद्यानिक फसल में कटाई से पूर्व तथा पश्चात् की हानियां – परिपक्वता सूचकांक – पकना – भण्डारण – भण्डारण की विधियां – भण्डारण समय का विस्तार – रसायनों का उपयोग – वृद्धि नियामक तथा फसल पकने व भण्डारण समय के नियमन में त्वचा आवरण – विकृतों का नियन्त्रण, उतारना – चढ़ाना, बांधना तथा परिवहन की विधियां।

प्रसंस्करण तथा परिरक्षण – विभिन्न बागवानी उत्पाद – बागवानी पर आधारित उद्योगों की स्थापना – सहायक उत्पाद उपयोग।

खण्ड – ब

बागवानी फसलों की उत्पादन प्रौद्योगिकी :

वर्तमान स्थिति तथा संभावनाएं – विभिन्न अंचलों में जलवायु तथा मृदा आवश्यकताएं – प्रजनन तकनीकें तथा पौधशाला प्रौद्योगिकियां – फसल प्रणालियां – पौधारोपण प्रणालियां – किस्में तथा पैदावार – सुधार – पोषक-द्रव्य-उद्ग्रहण-अपेक्षाएं एवं प्रबंधन – सिंचाई – विधियां, जल आवश्यकताएं एवं प्रबंधन – कटाई-छंटाई एवं प्रशिक्षण- घासपात-खरपतवार प्रबंधन-पादप वृद्धि नियामकों का उपयोग – परिपक्वता सूचकांक – फसल कटाई – श्रेणी निर्धारण – पैकेजिंग विधियां तथा पैकिंग – भण्डारण – फसल पकाने की विधियां – औद्योगिक व निर्यात संभावनाएं एफ-1 बीज उत्पादन सहित बीज उत्पादन तकनीकें।

फल पैदावार :- आम, केला, नींबू, संतरा आदि, अंगूर, पपीता, अमरुद, अनन्नास, अनार, बेर, आँवला, इमली, सेब, नाशपाती, आड़ू, प्लम, झरबेरी, कटहल, भंगुष्ठ, सचिरा, अन्य छोटे फल।

शाक पैदावार :- टमाटर, बैगन, भिंडी, फली वाली सब्जियां (बीन्स, मटर, गुच्छा बीन्स – लोबिया, सोयाबीन्स – कुल्हथ बीन्स) कन्दज सब्जियां (प्याज, लहसुन) कन्द कवच सब्जियां (प्रकण, शकरकन्दी, अरबी) कूष्माण सब्जियां (ककड़ी, खरबूजा, तरबूज, तुम्बी

बिम्बा, कद्दू तथा काशीफल, चाऊ चाऊ) राजिका सब्जियां (बंधगोभी, फूलगोभी, छोटी राजिकाएं) मूल वाली सब्जियां (गाजर, मूली, शलजम, चुकन्दर, गांठगोभी) पत्तों वाली सब्जियां (पालक, प्रवास्तुक) शतावरी, सहजन, आलू, करी पत्ता।

पुष्प पैदावार :- चमेली, गुलाब, रजनीगंधा, गुलदाऊदी, डहेलिया, गेंदा, कनकाम्बर, कटपुष्प (कट गुलाब, जीवन्ती, लवंगपद्म, ग्लैडिओली, हेमपुष्प, झरबेरा, एन्थुरियम, ऐस्टर, लिली, सूखे फूल)।

मसालों की पैदावार : काली मिर्च, इलायची, हल्दी, अदरक, वृक्ष मसाले (लौंग, जायफल, दालचीनी, धनिया, मेथी, जीरा, जड़ी बूटी वाले मसाले)।

बागान पैदावार :- चाय, कॉफी, रबर, कोका, नारियल, तैल-ताड़, काजू, ग्रन्थताल, सुपारी।

औषधीय पौधे :- कैंथारैन्थस, सेन्ना, डायस्कोरिआ, सोलानम, ग्लोरिओसा, कोलिअस, पायरिथ्रम, डिजिटालिस, एट्रोपा, आइपिसैक, इसबगोल, विधानिया, रोवोन्फिया।

सुगंधित पौधे :- जिरेनियम, मेथा, ओसियम, सुगंधित घास (सिम्बोपोगोन्स, पाल्मा रोसा, वेट्टिवर), पैचोली।

10- गणित

खण्ड-अ

रैखिक बीज गणित : सदिश समष्टि आधार, परिमित जनित समष्टि की विमा, रैखिक रूपांतर की कोटि तथा शून्यता कैली हैमिल्टन प्रमेय, अभिक्षणिक मान तथा अभिलक्षणिक सदिश। रैखिक रूपांतर का आव्यूह, पंक्ति तथा स्तम्भ समसंनयन, सोपानक रूप, तुल्यता, संवांग समता तथा उपरूपता, विहित रूपों में समानयन। लाम्बित, सममित, विषय सममित ऐकिक, हमिटी तथा विषम हमिटी आव्यूह, उनका अभिलक्षणक मान, द्विपाती तथा हमिटी रूपों के लाम्बिक तथा ऐकिक समानयन। धनात्मक निश्चित द्विपाती रूप, सहकालिक समानयन। कलन: वास्तविक संख्याएं, सीमाएं वान्तत्य, पद कलनीयता, माध्यमान प्रमेय, टेलर प्रमेय, अनिधार्य रूप, उच्चिष्ठ तथा निम्निष्ठ। बंधता, अनुरेखरण, अंतरस्पर्शी। बहुचर फलन, आंशिक अवकलन उच्चिष्ठ तथा निम्निष्ठ। जैकोबीय। निश्चित तथा अनिश्चित समाकल द्विशः तथा त्रिशः समाकल (केवल प्रविधियां) बीटा तथा गामा फलनों में अनुप्रयोग। क्षेत्रफल आयतन, गुरुत्व केंद्र। दो तथा तीन विमाओं की वैश्लेषिक ज्यामिति: कार्तीय तथा ध्रुवीय निर्देशांको में दो विमाओं में एक घातीय तथा द्विघातीय समीकरण। समतल, गोला, परवलजय, दीर्घ वित्तज तथा एक एवं दो परतों वाला अति परवलजय तथा उनके प्रारम्भिक गुण। समष्टि में वक्रता तथा मरोड़ फ्रैनेट सूत्र।

अवकल समीकरण : अवकल समीकरण की कोटि तथा घात, प्रथम कोहि तथा प्रथम घात के समीकरण, पृथक्करणीयचर, समघात रैखिक तथा यथातथ अवकल समीकरण अचर गुणांको सहित अवकल समीकरण। पूरक फलन तथा e^{ax} , $\cos ax$, $\sin ax$, x^m , e^{ax} , \cos^{bx} , $e^{9x} \sin bx$ क संदर्भ में विशेष समाकल। सदिश विश्लेषण : सदिश बीज गणित, आदिश चर के सदिश फलनों का अवकलन, प्रवणता,

डाइवर्जेंस कर्ल के कार्तीय, बेलनी और गोलीय निदेशांको में निरूपण तथा उनके भौतिक निर्वचन। उच्चतर कोटी के अवकलज, सदिश तत्समक तथा सदिश समीकरण, गाउस तथा स्टोक्स प्रमेय। **प्रदिश विश्लेषण** : प्रदिश की परिभाषा, निर्देशांको का रूपांतरण प्रति परिवर्ती तथा सह परिवर्ती प्रदिशों का योग तथा गुणनफल, प्रदिशों का संकुतन, आंतर गुणनफल, मूल प्रदिश, क्रिस्टोफेल प्रतीक, सह परिवर्ती अवकलन, प्रदिश संकेलन में प्रवणता, कर्ल तथा डाइवर्जेंस। **सांख्यिकी** : कर्ल निकाय का संतुलन कार्य, ओर विभव ऊर्जा, घर्षण, सामान्य कैटेनरी, कल्पित कार्य के सिद्धांत, संतुलन का स्थायित्व, तीन विमाओं में बलों का संतुलन। **गतिकी** : स्वतंत्र और व्यवरोधी की कोटि, सरल रेखीय गति, सरल आवर्त गति, समतल पर गति, प्रक्षेपी वयरुद्ध गति, कार्य तथा ऊर्जा, आवेगी बलों के अधीन गति। केपलर के नियम। केन्द्रीय बलों के अधीन कक्षाएँ। परिवर्ती द्रव्यमान की गति। प्रतिरोधी माध्यम में गति। द्रव्य सांख्यिकी : गुरु तरलों पर दाब, दिये हुये बल निकाय के अंतर्गत तरलों का संतुलन, दाब-केंद्र, वक्र तलों पर प्रणोदक मान, तैरते हुए पिण्डों का संतुलन, संतुलन का स्थायित्व और गैसों का दाब, वायुमण्डल संबन्धी प्रश्न।

खण्ड—ब

बीज गणित : उपसमूह, सामान्य उपसमूह, समूहों की समाकारिकता, विभाग-समूह, आधारी तुल्यकरिता प्रमेय, सिलों प्रमेय, कुमचय समूह, कैली प्रमेय वलय तथा गुणजावली, मुख्य गुणजावली, मुख्य गुणजावली प्रांत, अद्वितीय गुणनखण्ड प्रान्त तथा यूकालिडीय प्रांत, क्षेत्र विस्तार परिमित क्षेत्र। **वास्तविक विश्लेषण** : दूरिक समष्टि में अनुक्रम के विशेष संदर्भ सहित उनकी सांस्थितिकी, कोशी अनुक्रम, पूर्णता, पूर्ति, संतत फलन, एक समान सांतत्य संहत समुच्चयों पर संतत फलनों के गुणधर्म। रीमान स्टीलजे समाकल, अनंतसमाकल तथा उनके अस्तित्व प्रतिबंध, बहुचर फलनों के अवकल, स्पष्ट फलन-प्रमेय उच्चिष्ठ तथा अल्पिष्ठ। वास्तविक तथा सम्मिश्र, पदों की श्रेणियों का निरपेक्ष ओर सप्रतिबंधी, अभिसरण, श्रेणियां की पुनः व्यवस्था, एक समान अभिसरण, अनंत गुणनफल, श्रेणियों के लिये सांतत्य अवकलनीयता तथा समाकलनीयता, बहुसमाकल। सम्मिश्र विश्लेषण: वैश्लेषिक फलन, कोशी प्रमेय कोशी समाकल सूत्र, घात श्रेणियां, टेलर श्रेणियां, विचित्रताएं, कोशी अवशेष प्रमेय तथा परिरेखा समाकलन। आंशिक अवकल समीकरण: आंशिक अवकल समीकरणों का बनाना, प्रथम कोटि के आंशिक अवकल समीकरणों के प्रकार, शर्पिट विधि, अचर गुणांको सहित आंशिक अवकल समीकरण। यांत्रिकी : व्यापीकृत निर्देशांक, व्यरोध होलीनोमी ओर गैर-होलीनामी निकाय, डिअलम्बर्ट सिद्धांत तथा लाग्रान्य समीकरण, जड़त्व आघूर्ण, दो विमाओं में दृढ़ पिण्डों की गति। द्रव्य गतिकी : सांतत्य समीकरण, संवेग और ऊर्जा, अश्यान प्रवाह सिद्धांत, द्विविमीय गति, अभिरवण गति, स्रोत ओर अभिगम। **संख्यात्मक विश्लेषण** : अविजीय तथा बहुपद समीकरण- सारणीयन विधि, द्विभाजन, मिथ्या स्थिति विधि, छेदन तथा न्यूटन-रफसन और इसके अभिसरण की कोटि, अंतर्वेशन तथा संख्यात्मक अवकलन।

11. भौतिकी

खण्ड—अ

यांत्रिक तापीय भौतिकी तथा तरंग एवं दोलन :

1. यांत्रिकी:— संरक्षण नियम, संघट्ट, प्रांचल, प्रकीर्णन प्रच्छेद, द्रव्यमान केन्द्र तथा प्रयोगशाला तंत्र भौतिक राशियों के रूपान्तर के साथ । रदरफोर्ड प्रकीर्णन। नियत बल क्षेत्र के भीतर राकेट की गति! रोटेटिंग फ्रेम ऑफ रिफरेन्स। कोरियालस बल! दृढ पिन्डों की गति। घूर्णन करती वस्तुओं की गतिकी! जड़त्वाघूर्ण, समानान्तर तथा अभिलम्बवत अक्षों का नियम। गोला, रिंग, बेलन, डिस्क का जड़त्वाघूर्ण। कोणीय संवेग, टार्क (बलाघूर्ण), टाप का प्रेसिसन, गाइरास्कोप, केन्द्रीय बल। व्युत्क्रमवर्ग नियम के अन्तर्गत गति, केपलर के नियम। कृत्रिम उपग्रह की गति (भूस्थिर उपग्रह भी) गैलोनियन सापेक्षिकता! विशिष्ट सापेक्षिकता सिद्धान्त, माइकेल्सन मोरले का प्रयोग। लारेन्ज का रूपान्तर, वेगों का योग का नियम। द्रव्यमान का वेग के साथ परिवर्तन, द्रव्यमान—ऊर्जा समतुल्यता व तरल गतिकी, स्टीमलाइन, रेनोल्ड संख्या, श्यानता, संकीर्ण नलिका से द्रवों के प्रवाह सम्बन्धी पाइलोजी का सूत्र विक्षोप, वनरैली का समीकरण तथा उसके सामान्य अनुप्रयोग।

2. तापीय भौतिकी:— ताप गतिकी के नियम, एण्ट्रोपी, कार्नो चक्र, समतापीय तथा रुदोष्म परिवर्तन। ऊष्मा गतिक विभव, हेमहोल्टज तथा गिव के फलन। मैक्सवेल सम्बन्ध। क्लासियस—क्लेपेरान समीकरण। उत्क्रमणीय सेल। जूल केल्विन प्रभाव। स्टीफान बोल्मैन नियम। गैसों का गत्यात्मक सिद्धान्त। वेग के वितरण का मैक्सवेल नियम। ऊर्जा का समविभाजन, गैसों की विशिष्ट ऊष्मा, मध्य—मुक्त पथ ब्राउनी गति। कृष्ण का विकिरण। ठोसों की विशिष्ट ऊष्मा, आइन्स्टीन तथा डीवाई सिद्धान्त। बीन का नियम, प्लैक का नियम, सौर नियतांक। साहा का ऊष्मीय आयनीकरण सिद्धान्त तथा नक्षत्रीय स्पेक्ट्रम। रुद्मीय विचुम्बकन द्वारा निम्न ताप उत्पादन तथा तनु प्रशीतलन। ऋणात्मक ताप की अवधारणा।

3. तरंग एवं दोलन:— दोलन, सरल संगत गति। सरल संगत गति के उदाहरण:— द्रव्यमान, स्प्रिंग और एल. सी. परिपथ। स्थिर एवं चलायमान तरंगें, अवमंदित सरल गति, प्रणादित दोलन तथा अनुनाद। अनुनाद की तीक्ष्णता। तरंग समीकरण। हरमोनिक हल। समतल तथा गोलीय तरंगे, तरंगों का अध्यारोपण। दो अभिलम्बवत सरल आवर्तगतियां लिसाजू आकृतियां। आवर्ती तरंगों का फूरियर विश्लेषण—वर्ग तथा त्रिकोणीय तरंगे। कला तथा समूह वेग, विस्पंद। हराइमेन का सिद्धान्त। आयाम एवं तरंगाग्र का विभाजन, फ्रनेल वाइप्रिज्म न्यूटन—रिंग मोकेलसन इण्टरफेरोमीटर। विवर्तन—फ्रनेल तथा फ्रानहॉफर फूरियन रूपांतरण के रूप में विवर्तन। आयताकार एवं वृत्ताकार द्वारकों से फ्रनेल तथा फ्रानहॉफर विवर्तन। सीधेकोर, एकल तथा बहुरिलटों से विवर्तन, ग्रेटिंग की विभेदन की क्षमता। प्रकाशकीय उपकरण। रेले का मानक। ध्रुवण ध्रुवित प्रकाश (रेखीय, वृत्तीय तथा दीर्घ वृत्तीय) का उत्पादन तथा संसूचना। ब्रुस्टर नियम, द्विवअपवर्तन का हाइगेन सिद्धान्त। प्रकाशीय घुर्णन, पोलारीमीटर, लेसर श्रोत (हीलियनमनीयोन, रूबी तथा अर्थ चालक डायोड) स्थानीय एवं सामयिक कला सम्बद्धता की अवधारणा। हेलोग्राफी सिद्धान्त का अनुप्रयोग।

खण्ड—ब

1. वैद्युत तथा चुम्बकत्व:— कूलम्ब का नियम, वैद्युत विभव, समरूप क्षेत्र में समांग परावैद्युत तथा अनावेशित गोलीय चालक हेतु पायर्जो एवं लाप्लास के समीकरण बिन्दु आवेश तथा अनन्त संचालक तल। वैद्युत धारा: किरचाफ का नियम तथा इसके अनुप्रयोग: हवीट स्टोन सेतु, केल्विन डबल ब्रिज, कैरीफास्टर ब्रिज। बायो—सावर्ट नियम तथा उसके अनुप्रयोग। एम्पीयर का परिपथीय नियम तथा अनुप्रयोग। चुम्बकीय प्रेरण तथा क्षेत्र तीव्रता, चुम्बकीय सेल। वृत्ताकार कुण्डली के अक्ष पर चुम्बकीय क्षेत्र, हेल्महोल्टज कुण्डली। वैद्युत चुम्बकीय प्रेरण: फ़ैराडे एवं लैन्ज का नियम। स्व एवं अन्योन्य प्रेरकत्व प्रत्यावर्ती धारा, एल सी आर परिपथ, श्रेणी एवं समान्तर अनुनाद परिपथ, गुणता गुणांक। मैक्सवैल के समीकरण तथा वैद्युत चुम्बकीय तरंगों की अनुप्रस्थ प्रकृति। पाइण्टिंग वेक्टर। द्रव्यों में चुम्बकीय क्षेत्र प्रति अनुफेरो प्रतिफेरो तथा फेरी चुम्बकत्व (गुणात्मक उपागम मात्र) शैथिल्यता।

2. आधुनिक भौतिकी:— हाइड्रोजन परमाणु का बोर सिद्धान्त, इलैक्ट्रान, इलैक्ट्रान स्पिन। प्रकाशित एवं एक्स—रे स्पेक्ट्रा। स्टर्न — गरलैक प्रयोग तथा स्थानिक क्वाण्टिकरण। परमाणु का वेक्टर माडल स्पेक्ट्रमी पद, स्पेक्ट्रमी रेखाओं की सूक्ष्म संरचना J-j तथा L-S युग्मन। जीमान प्रभाव। पालों का अपवर्जन सिद्धान्त। दो

समतुल्य तथा भिन्न इलैक्ट्रानों की स्पेक्ट्रमी पद। इलैक्ट्रानिक बैण्ड स्पेक्ट्रा की स्थूल तथा सूक्ष्म संरचना। रामन प्रभाव। प्रकाश वैद्युत प्रभाव क्वाण्टम प्रभाव, डी ब्रागली तरंगे। तरंगकण दवतता। अनिश्चितता का सिद्धान्त। क्वाण्टम यांत्रिकी की अभिधारणाएं। श्रौडिगर समीकरण का अनुप्रयोग (1) बाक्स में स्थित कण तथा (2) पद विभव के आर पार गति में। एक विभीय हार्मोनिक दोलक, आइमन मूल्य तथा आइमन फलन। रेडियोधर्मिता, आल्फा, बीटा तथा गामा विकीरणा अल्फा क्षय का प्रारम्भिक सिद्धान्त, नाभिकीय बन्धन ऊर्जा, मास स्पेक्ट्रोस्कोपी, सेमी एम्पीरिकल मास फार्मूला नाभिकीय विखण्डन तथा संलयन। प्रारम्भिक रिएक्टर भौतिकी। मूल कण तथा उनके वर्गीकरण। तीव्र तथा कमजोर वैद्युत चुम्बकीय अन्तक्रिया। कण त्वरक साइक्लोट्रान रेखीय त्वरक। अतिचालकता का प्रारम्भिक ज्ञान।

3. इलैक्ट्रानिकी:— ठोस का बैण्ड सिद्धान्त चालक कुचालक तथा अर्द्धचालक। नैज तथा वाहा अर्द्धचालक। पी एन संधि, थमिस्टर जेनर डायोड। पश्च एवं अग्र अभिनत पी एन संधि। सौर सेल। रेडियो आवर्ती तरंगों के दिष्टीकरण, प्रवर्धन दोलन, माड्युलेशन तथा संसूचन में डायोड तथा ट्रांजिस्टर का उपयोग ट्रांजिस्टर अभिग्रंहरण। टेलीविजन। लाजिक गेट तथा उनकी सत्य तालिका, उनके कुछ उपयोग।

12. सांख्यिकी

खण्ड – अ

सांख्यिकी के उपयोग, विषय क्षेत्र तथा सीमाएं, आंकड़ों का संग्रह, वर्गीकरण तथा सारणीयन, आरेखीय एवं रेखाचित्रीय प्रतिरूपण, अवस्थिति, प्रकीर्णन, वैषम्यता तथा कंकुटता के माप।

प्राथमिकता – जोड़, गुणन तथा बे के प्रमेय व उनका अनुप्रयोग, शेबीशेव असमिका। यादृच्छिक चर – एक विचर तथा द्विविचर – प्राथमिकता बंटन – उपांत तथा प्रतिबंधी बंटन – प्रत्याशा – आघूर्ण तथा योग घात आघूर्ण जनक फलन। असतत् बंटन – द्विपद प्वांसा, हायपर ज्यामितीय। सतत् बंटन – एक समान, चार घातांकीय तथा प्रसामान्य। वक्र आसंजन – न्यूनतम वर्ग विधि द्वारा रेखिक तथा द्विघातिक समीकरण। सहसंबंध तथा समाश्रण।

समष्टि तथा प्रतिदर्श – समष्टित एवं प्रतिदर्शज, प्रतिदर्शीय बंटन तथा मानक त्रुटि, विद्यार्थी का 't' chi-वर्ग तथा F प्रतिदर्शज – बंटन तथा उनके अनुप्रयोग।

आकलन – बिन्दु आकलन – आकलन के गुणधर्म, नेमैन – फिशर का खण्डकरण प्रमेय (बिना साक्ष्य) – क्रैमर राव असमिका – ब्लैकवैल प्रमेय – MLE तथा आघूर्ण विधि आकलन – अंतराल आकलन – समष्टि मध्यक तथा लघु व विशाल प्रतिदर्शों पर आधारित प्रसरण परिकल्पनाओं के परीक्षण – शून्य एवं वैकल्पिक – त्रुटियों के प्रकार, परीक्षण की शक्ति, नेमैन – पीयरसन लेमा UMP तथा संभाविता – अनुपात

परीक्षण, विशाल एवं लघु प्रतिदर्श हेतु परीक्षण प्रक्रिया – गुणों की अनाश्रिता, चि वर्ग परीक्षण – आखंड की अच्छाई।

खण्ड-ब

यादृच्छिक सरल यादृच्छिक प्रतिदर्श – स्तरित, व्यवस्थित, गुच्छ (एकल चरण) SKS में मध्यक तथा प्रसरण का आकलन – प्रतिदर्श सर्वेक्षण – संगठन – CSO तथा NSSO – प्रतिचयन तथा अप्रतिचयन त्रुटियां।

प्रसरण विश्लेषण – अभिकल्प CRD के सिद्धान्त, Rbd तथा LSD – हेतु प्रयोग 22, 23 तथा 32 (बिना समाकुलन) अप्राप्त क्षेत्र की प्राविधि।

SQC की अवधारणा – नियन्त्रण संचित्र – \bar{x} , R, p तथा c संचित्र। स्वीकार्यता प्रतिचयन योजना – एकल तथा दोहरी – oc वक्र। गुण तथा परिवर्ती योजना, विश्वसनीयता।

काल श्रेणी – विभिन्न घटक – उपनीति तथा मौसमी परिवर्तन – निर्धारण तथा निरसन।

सूचकांक – संरचना तथा उपयोग, विभिन्न प्रकार के सरल एवं भारित सूचकांक – विपर्याय परीक्षण – जीवन निर्वाह सूचकांकों की संरचना एवं उपयोग।

OR निदर्श – रैखिक प्रोग्रामन समस्याएं – सरल विधि-द्वैत-आविम, समनुदेशन समस्याएं – नेट कार्य- CPM एवं PERT मूल प्रोग्रामन – परिवर्ती-स्थिरांक तथा स्ट्रिंग्स, प्रवाह संचित्र – मूल अभिव्यक्तियां तथा नियन्त्रण विवरण, मानक पुस्तकालय कार्य, अभिदानित परिवर्ती DIM तथा DATA विवरण, सरल प्रोग्रामन समस्याएं। जीवन-मृत्यु दर – आशोधित तथा मानक मृत्यु दरें, प्रजनन दरें – जीवन सारिणी संरचना तथा उपयोग।

13. पशु चिकित्सा विज्ञान

खण्ड-अ

पशु पोषण:

1. **ऊर्जा पोषण:** ऊर्जा स्रोत, ऊर्जा चयापचय जीवन निर्वाह, दुग्ध उत्पादन मांस, अण्डा तथा कार्य के लिए ऊर्जा की आवश्यकता, खाद्य पदार्थों की ऊर्जा का मूल्यांकन।
2. **प्रोटीन पोषण :** प्रोटीन के स्रोत, प्रोटीन का पाचन तथा चयापचय, प्रोटीन मूल्यांकन, जीवन निर्वाह एवं उत्पादन के लिए प्रोटीन की आवश्यकता। आहार में ऊर्जा तथा प्रोटीन का अनुपात।
3. **खनिज पोषण:** पशुओं के लिए खनिज का स्रोत, कार्य, कमी के लक्षण, आवश्यकता तथा खनिज लवणों से इनका सम्बन्ध।

4. **विटामिन्स हारमोन्स एवं खाद्य योगज:** स्रोत, कार्य, कमी के लक्षण, आवश्यकता तथा खनिज लवणों से इनका सम्बन्ध।
5. **अनुप्रयुक्त पोषण :** खाद्य अध्ययनों के मूल्यांकन को व्यक्त करने की प्रणालियाँ, पाचकता तथा संतुलन अध्ययन, खाद्य मानव तथा खाद्य ऊर्जा का मापन, शारीरिक वृद्धि, जीवन निर्वाह उत्पादन के लिए पोषक तत्वों की आवश्यकता, संतुलित आहार।
6. **जुगाली करने वाले पशुओं का पोषण :** दुग्ध उत्पादन तथा उनके संगठन के संदर्भ में पोषक तत्वों तथा उनका चयापचय, दूध रहित एवं दुधारू गायों, भैसों, बछड़ा तथा ओसर को पोषक तत्वों की आवश्यकता तथा उनका परिकलन।
7. **जुगाली न करने वाले पशुओं का पोषण:** मांस एवं अण्डा उत्पादन के संदर्भ में पोषक तत्वों तथा उनका चयापचय, अण्डा देने वाली मुर्गियों, ब्रायलर तथा सुकरो को पोषक तत्वों की आवश्यकता तथा उनका परिकलन।

पशु शरीर क्रिया विज्ञान :

1. **वृद्धि तथा पशु उत्पादन :** जन्म के पूर्व तथा जन्म के बाद वृद्धि, परिपक्वता, वृद्धि की रेखा, वृद्धि का विनियम, वृद्धि की दक्षता, शरीर के संगठन तथा मांस के गुण पर प्रभाव डालने वाले कारक।
2. **दुग्ध उत्पादन :** अयन के विकास में हारमोनी नियंत्रण, दुग्धश्राव एवं दुग्धकरण, गाय तथा भैंस के दुग्ध का संगठन।
3. **पशु जनन:** नर तथा मादा जनन अंग, उनके भाग तथा कार्य।
4. **पाचन शरीर क्रिया विज्ञान:** पाचन के अंग तथा उनके कार्य, जुगाली करने वाले तथा जुगाली न करने वाले पशुओं में कार्बोहाइड्रेट्स प्रोटीन तथा वसा का पाचन।
5. **पर्यावरण शरीर क्रिया विज्ञान:** पर्यावरण कारकों का शरीर क्रिया विज्ञान से सम्बन्ध तथा शरीर क्रिया अनुकूलन की विधि, पशुओं के रहन-सहन को नियंत्रित करने के लिए विभिन्न विधियाँ, वातावरणीय प्रतिबल तथा रोकने के उपाय।
6. **वीर्य के गुण, संरक्षण तथा कृत्रिम गर्भाधान :** वीर्य के घटक, शुक्राणु का संगठन, स्वखलित वीर्य के भौतिक तथा रासायनिक गुण, वीर्य संरक्षण, वीर्य तनुकारक का संगठन, शुक्राणु का सान्द्रण, तनुकृत वीर्य, का स्थानान्तरण, वीर्य की अतिहिमीकृत तकनीक।

पशुधन उत्पादन एवं प्रबन्ध:

1. **वाणिज्यकीय डेरी फार्मिंग:** भारतवर्ष तथा विकसित देशों के डेरी फार्मिंग का तुलनात्मक अध्ययन, मिश्रित खेत के तथा विशिष्ट खेती के रूप में डेरी व्यवसाय, आर्थिक डेरी फार्मिंग, डेरी फार्मिंग की शुरुआत डेरी के लिए पूंजी तथा भूमि की आवश्यकता, डेरी फार्म व्यवस्था, सामानों को इकट्ठा करना, डेरी फार्म के लिए अवसर, डेरी पशु की क्षमता पर प्रभाव डालने वाले कारक, झुंड अभिलेख, आय व्ययक, दुग्ध उत्पादन पर व्यय, दुग्ध के मूल्य का निर्धारण, व्यक्तिगत प्रबन्ध।
2. **सामान्य प्रबन्ध :** पशुधन प्रबन्ध (गर्भित तथा दुधारू गाय, नवजात बछड़ा) पशुधन अभिलेख, स्वच्छ दुग्ध उत्पादन के सिद्धान्त, पशुधन खेती का अर्थशास्त्र, पशुधन, कुक्कुटों के लिए आवास, भेड़, बकरी, सूकर तथा कुक्कुट प्रबन्ध की सामान्य समस्याएँ।
3. **शासन प्रबन्ध :** डेरी पशुओं के लिए सस्ता एवं व्यवहारिक आहार विकसित करना। वर्षभर के लिए हरे चारे की व्यवस्था करना, डेरी फार्म के लिए भूमि तथा हरे चारे की आवश्यकता, सूखे पशु, नवजात बछड़े, सांड ओसर तथा प्रजनन योग्य पशु के लिए आहार व्यवस्था।
4. **सूखे की स्थिति में पशुओं का प्रबन्ध :** सूखे बाढ़ तथा अन्य आपातकाल स्थिति में पशुओं के लिए आहार तथा रख रखाव की व्यवस्था।
5. **दुग्ध एवं दुग्ध उत्पादन प्रौद्योगिकी :** ग्रामीण दुग्ध प्राप्त करने, कच्चे दूध के एकत्रीकरण तथा यातायात की व्यवस्था, कच्चे दूध का गुण परीक्षण तथा श्रेणीकरण क्रीम, मक्खनियाँ दूध तथा सम्पूर्ण दूध का गुणीय भण्डारण, वितरण, विपणन दोष एवं उनका नियंत्रण तथा दूध के पौष्टिक गुण। पास्चुरीकृत, मानकीकृत, टोन्ड, निर्जलीकृत, समग्रीकृत, पुनर्निर्मित पुनर्संयोजित तथा सुगन्धित दूध/संवर्ध तथा उसका प्रबन्ध योगहर्ट दही लस्सी तथा श्रीखण्ड, विविध मानक, स्वच्छता स्वच्छ एवं सुरक्षित दूध की आवश्यकता, दूध संयंत्र की सफाई।
दुग्ध उत्पादन जैसे मक्खन, घी, खोवा, छेना, पनीर, संघनित, वाष्पीकृत, शुष्क दूध, शिशु आहार, आइस्क्रीम तथा कुल्फी के लिए कच्चे पदार्थों का चुनाव, एकत्रीकरण, उत्पादन, प्रसंस्करण, भण्डारण, वितरण तथा विपणन। दुग्ध उत्पादों का परीक्षण, श्रेणीकरण तथा चयन, बी0 आई0 एस0 एवं एगमार्क

विशिष्टीकरण दुग्ध उत्पाद के पौषण गुण, गुण नियंत्रक विधिक मानक, दुग्ध उत्पाद का प्रसंस्करण तथा कार्य नियन्त्रण लागत
दुग्ध उत्पादों की प्रौद्योगिकी

खण्ड—ब

आनुवांशिकी एवं पशु प्रजनन :

- 1. पशु आनुवांशिकी :** समसूत्रण एवं अर्धसूत्रण विभाजन, मेण्डेलियन वंशागति आनुवांशिकी में परिवर्तन, जीनों की अभिव्यक्ति, सहलग्नता, एवं विनिमय, लिंग सममित लक्षण, रक्त समूह एवं बहुरूपता, गुणसूत्र विपथन, जीन तथा उसकी संरचना, डी०एन०ए० एवं आनुवांशिक द्रव्य, आनुवांशिक कूट एवं प्रोटीन संश्लेषण, पुनः संयोजित डी०एन०ए० तकनीकी, उत्परिवर्तन, उत्परिवर्तन के प्रकार, उत्परिवर्तन एवं उत्परिवर्तन दर ज्ञात करने की विधियां।
- 2. समष्टि आनुवांशिक का पशु प्रजनन में अनुप्रयोग :** मात्रात्मक (बनाम) गुणात्मक लक्षण, हार्डीवाइनवर्ग नियम, समष्टि प्रति (बनाम) व्यक्तिगत जीन एवं जीन प्रक्रम आवृत्ति को परिवर्तित करने वाले कारक, आकस्मिक स्रोत तथा लघु समष्टि, अंतः प्रजनन गुणांक ज्ञात करने की विधियां, अन्तः प्रजनन की पद्धतियां, क्षमताशाली समष्टि परिणाम, प्रजनन मूल्य ज्ञात करना, प्रतिभाषित एवं प्रबलता विचलन, विभिन्नता का विभाजन जीन, प्रकंपी वातावरण सहसंबंध तथा जीनरूपी वातावरणीय अन्योन्यक्रिया।
- 3. प्रजनन पद्धति :** वंशागति, आवृत्ति, आनुवांशिक तथा दृश्य रूपी सहसम्बन्ध तथा इनकी प्राक्कलन की विधियां और आगणन की यथार्थता, वरण के लिए सहायता तथा उनके सम्बन्धित लाभ, व्यक्तिगत, वंशावली, पारिवारिक तथा अन्तः पारिवारिक चयन, संतति परीक्षण, वरण की विधियां, वरण का आधार, वरण के प्रति प्रतिक्रिया और उसका परिमाण, वरण भेदीय, प्रजनक सांड, सूचक, आवर्ती एवं व्युत्क्रम आवर्तीकरण, नयी पशु प्रजातियों की स्थापना, अन्तः प्रजनन वहिः प्रजनन, कमोत्रति, प्रसंस्करण, संकरण तथा भिन्न संकरण।

स्वास्थ्य एवं स्वच्छता :

- 1. बैल एवं मुर्गी की शरीर रचना,** ऊतकीय तकनीक, प्रशीतन इलेडिंग आदि, रक्त की फिल्म बनाना तथा उसे रंजित करना।
- 2. ऊतको को रंगने के लिए प्रमुख रंजक तथा गाय का भ्रूण विज्ञान।**
- 3. स्वास्थ्य एवं रोग में रक्त एवं उसका परिसंचण, पाचन, श्वसन, उत्सर्जन, अन्तःसावी ग्रन्थि का शरीर क्रिया विभाजन।**
- 4. औषध विज्ञान तथा रसायन चिकित्सा का सामान्य ज्ञान।**
- 5. जल, वायु तथा रहन सहन के संदर्भ में पशुचिकित्सा स्वास्थ्य विज्ञान,**
- 6. दुग्ध स्वच्छता।**

पशु रोग :

- 1. प्रतिरक्षा एवं टीकाकरण विशिष्ट रोगों के प्रति पशुओं के प्रतिरक्षण हेतु सिद्धान्त एवं विधियाँ, झुंड प्रतिरक्षा, रोग रहित क्षेत्र, शून्यरोग परिकल्पना, रोगहर रसायन।**
- 2. गाय भेंड़ बकरी के रोग :** निम्नलिखित रोगों का कारण, लक्षण, निदान, रोकथाम तथा चिकित्सा : जहरी बुखार, गलाघोटू, लंगडिया, थनैली, तपैदिक, जोन्स बीमारी, खुरपका एवं मुँहपका, पोकापोकनी, रेबीज, पाइरोप्लाजमोसिस, सर्रा, जुकना रोग, दुग्ध ज्वर, अफरा एवं नवजात बछड़ों के रोग।
- 3. कुक्कुट के रोग :** रानीखेत रोग, कुक्कुट शीतला रोग, पक्षियों का श्वेतरक्ताणु जटिलता रोग, मैरक्स रोग तथा गमवोरो रोग का कारण, लक्षण, निदान रोकथाम तथा चिकित्सा।
- 4. सूकर के रोग :** सूकर—ज्वर तथा सूकर कालरा। **5. श्वान रोग:** श्वान डिस्टेम्पर पार्वी, रेबीज रोग तथा मानव स्वास्थ्य से सम्बन्ध।

पशु लोक स्वास्थ्य :

- 1. जुनोसिस :** वर्गीकरण, परिभाषा, जूनोटिक रोग के स्थानान्तरण में पशु एवं पक्षियों का योगदान

2. **पशु चिकित्साशास्त्र** : पशु रोग के रोकथाम तथा पशु के गुणों को सुधारने के लिए नियम एवं अधिनियम। पशु चिकित्सा विधिक परीक्षण हेतु नमूना लेने के लिए संक्रिया तथा विधियां।
3. आदर्श स्वच्छता की परिस्थितियों में पशु वधशाला से मांस उत्पादन हेतु पशु चिकित्सक के कर्तव्य एवं भूमिका।
4. वधशाला से प्राप्त उपोत्पाद तथा उनका आर्थिक उपयोग।
5. अन्तः सावी ग्रन्थि की दवा के उपयोग में लाने के लिए, एकत्रीकरण, परिरक्षण एवं प्रक्रीकरण की विधियां।

प्रसार : प्रसार के सिद्धान्त, धारणा, उद्देश्य तथा मूल दर्शन, ग्रामीण किसानों को शिक्षित करने की विभिन्न विधियां। नयी तकनीक का निर्माण, उसका स्थानान्तरण तथा पुनः मूल्यांकन, नयी तकनीक के स्थानान्तरण में समस्याएं एवं बाधाएँ। ग्रामीण विकास के लिए पशुपालन कार्यक्रम।

14. प्राणी विज्ञान

खण्ड—अ

अकार्डेटा और कार्डेटा

1. विभिन्न फाइलमों का सामान्य सर्वेक्षण, वर्गीकरण और परस्पर सम्बन्ध, 2. प्रोटोजोआ: चलन, पोषण, जनन और मानव परजीवी प्रोटोजोआ, 3. पारीफेरा: नाल तंत्र कंकाल और जनन, वर्गीकरण स्थान, 4. नाइडेरिया: बहुरूपता, प्रवाल, भित्तियां, मेटाजेनेसिस, 5. हेलमिन्थीज: परजीवी अनुकूलन तथा परपोषी-परजीवी सम्बन्ध, 6. ऐनेलीडा: पॉलीकीटा में अनुकूली विकिरण, 7. आर्थ्रोपोडा: कस्टेशिया में लार्वा प्रारूप और परजीविता, झींगा के उपांग, आर्थ्रोपोडा में दृष्टि और श्वसन, कीटों में सामाजिक जीवन और कायांतरण, 8. मोलस्का: श्वसन नियोपाइलिना, मोती निर्माण, 9. इकाइनोडर्मेटा: सामान्य संगठन, लार्वा प्रारूप और बंधुता, 10. कार्डिेटों की उत्पत्ति, फुफ्फुस मीन और चुतष्पादों की उत्पत्ति, 11. ऐम्फीबिया: चिरडिम्भता और शावकीजनन, पैत्रक रक्षण, 12. रेप्टीलिया: करोटि प्रारूप (ऐनाप्सिड, डाइएप्सिड, पैराप्सिड और सिनेप्सिड) डाइनोसॉर, 13. ऐवीज: उत्पत्ति पक्षियों में एरियल अनुकूलन और प्रवासन, उड़ान विहीन पक्षी, 14. मैमोनिया: प्रोटोथीरिया और मेटाथीरिया, यूथीरिया के चर्म व्युत्पन्न।

पारिस्थितिकी, जीव पारिस्थितिकी, जैव सांख्यिकी और आर्थिक प्राणि विज्ञान

1. पारिस्थितिकी: जैव तथा अजैव कारक, आन्तरण और अंतरजातीय सम्बन्ध, पारिस्थितिक अनुक्रम, जीवोम के विभिन्न प्रकार, जीवभूरसायन चक्र, खाद्य जाल, ओजोन पर्त और जीव मंडल, वायु जल और थल का प्रदूषण।

2. जीव पारिस्थितिकी: प्राणि व्यवहार के प्रकार, व्यवहार में फीरोमोनो और हार्मोनो की भूमिका, प्राणि व्यवहार के अध्ययन की विधियां, जीववैज्ञानिक रिदम।
3. जैव सांख्यिकी: प्रतिचयन विधियां, बारम्बारता-बंटन और केन्द्रीय प्रवृत्ति के माप, मानक विचलन और मानक त्रुटि, सहसम्बन्ध और समाश्रयण, कार्ई स्क्वायर और टी-टेस्ट।
4. आर्थिक प्राणि विज्ञान: फसलों (धान, चना और गन्ना) और संग्रहीत अनाजों के कीट पीडक, मौन पालन, रेशमकीट पालन, लाख कीट पालन, मत्स्य पालन और सीप पालन।

खण्ड-ब

कोशिका जैविकी, आनुवंशिकी, विकास और वर्गीकरण विज्ञान: 1. कोशिका जैविकी: कोशिका कला-सक्रिय गमन और सोडियम-पोटेशियम एटीपेज पम्प, माईटोकॉन्ड्रिया, गाल्जीकाय, अन्तरद्रव्यी जालिका, राइबोसोम और लाइसोसोम, कोशिका विभाजन- सम सूत्री तर्क और गुण सूत्र गति और अर्ध सूत्रण, गुण सूत्र मानचित्र। जीन धारणा और कार्य डी.एन.ए. का वेट्सन-क्रिक मॉडल, आनुवंशिक कूट,प्रोटीन संश्लेषण, लिंग गुण सूत्र और लिंग निर्धारण। 2. आनुवंशिकी: वंशागति के मेंडल के नियम, पुनर्योग सहलग्नता और सहलग्नता चित्र, बहुएलील, उत्परिवर्तन (प्राकृतिक और प्रेरित) उत्परिवर्तन और विकास, गुणसूत्र की संख्या और प्रारूप संरचनात्मक पुनर्विन्यास, बहुगुणिता, प्रोकैरियोटों और युकोरियोटों में जीन अभिव्यक्ति का नियमन, मानव गुणसूत्रीय अपसामान्यतायें, जीन और रोग, सुजनन विज्ञान, आनुवंशिक अभियांत्रिकी-पुनर्योगज डी.एन.ए. तकनीकी और जीन क्लोनिंग। 3. विकास एवं वर्गीकरण विज्ञान: विकास के सिद्धान्त जैव विभिन्नता का स्रोत और उसकी प्राकृतिक वरण, हार्डी-वाइनवर्ग नियम: गुप्त और भय सूचक रंजन, अनुहरण, प्राथक्य क्रिया विधियां और उनकी भूमिका- द्वीपीय प्राणि जात, स्पीसीज और उप स्पीसीज की धारणा, वर्गीकरण के सिद्धान्त। प्राणिनाम पद्धति, प्राणि- भौगोलिक परिमंडल और अन्तरराष्ट्रीय संहिता, जीवाश्म, भूवैज्ञानिक महाकल्प, घोड़े और हाथी की जाति वृत्त, मानव की उत्पत्ति और उसका विकास, जन्तुओं के महाद्वीपीय वितरण के सिद्धान्त और वाद, विश्व के प्राणि- भौगोलिक परिमंडल।

जैव रसायन, शरीर क्रिया विज्ञान और परिवर्धन जैविकी: 1. जैव रसायन: कार्बोहाइड्रेटों, द्रवों (संतृप्त और असंतृप्त वसा अम्लों सहित) अमीनों अम्लों, प्रोटीनों और न्यूक्लीक अम्लों की संरचना, ग्लाकोलिसिस, क्रेब का चक्र, उपचयन और अपचयन, आक्सीकरण फास्फोरिलेसन ऊर्जा संरक्षण और उसका मोचन, ए.टी.पी. और सी-ए.एन.पी. एन्जाइमों के प्रकार, एन्जाइम की क्रिया विधि, प्रतिरक्षाग्लेब्यूलिन और प्रतिरक्षाविटामिन। 2. शरीर क्रिया विज्ञान स्तनियों के विशेष संदर्भ में: रूधिर की रचना, मानव में रूधिर वर्ग, स्कन्दन, ऑक्सीजन और कार्बनडाई ऑक्साईड का परिवहन, हीमोग्लोबिन, श्वसन और उसका नियमन, यूरिया का निर्माण, और मूत्र,अम्ल क्षारक साम्य और समस्थापन, मानव में ताप नियमन, तंत्रिका आवेग-एक्सॉन में चालन और सीमेप्स में पारगमन, तंत्रिका प्रेषी, दृष्टि श्रवण और घ्राण पेशियों के प्रकार, प्रोटीन, कार्बोहाइड्रेड, वसा और न्युक्लिक अम्ल का पाचन और अवशोषण, पाचक रसों के स्राव का नियंत्रण मानव का संतुलित आहार। स्टेरॉइड, पोटीन, पेप्टाइड और अमीनो अम्ल से व्ययुपन्त हार्मोन, हाईपोथेलेमस, पिट्यूटरी, थाइराइड, पैराथाइरॉइड पैनक्रियाज (अग्नाशय),एड्रीनल (अधिकक) गोण्ड (जेनद) और पिनियल अंग की भूमिका और उनके संबन्ध, मानव जनन का शरीर क्रिया विज्ञान, मानव में परिवर्धन का हार्मोनी नियन्त्रण स्तनियों में फिरोमान। 3. परिवर्धन जैविकी: ब्रैकियोस्टोमा, मेढक

और कुक्कुट में युग्मकजनन, निसेचन: अण्ड के प्रकार दिलन और गैस्ट्रूलेशन, मेढक और कुक्कुट के गैस्ट्रुला के फ़ैट मैप (भविष्य मानचित्र) मेढक में कायांतरण, कुक्कुट में भ्रूणवाहय कला का निर्माण और भविष्य, स्तनियों में उल्व, अपरापोशिका और अपरा के प्रकार, सघटक परिघटना, पुर्नरूढभवन, परिवर्धन का आनुवंशिक नियंत्रण, मस्तिष्क, आँख और हृदय का अंग विकास, काल प्रभावन। कीट कायांतरण का हार्मोनी नियंत्रण।

परिशिष्ट-04

उत्तराखण्ड की आरक्षित श्रेणियों हेतु निर्धारित प्रमाण-पत्रों के प्रपत्र।
प्रमाण-पत्र का प्रारूप

उत्तराखण्ड के अन्य पिछड़े वर्ग के लिये जाति प्रमाण-पत्र
(जैसा कि उ0प्र0 पुनर्गठन अधिनियम,2000 के अन्तर्गत उत्तराखण्ड में लागू है)
प्रमाणित किया जाता है कि श्री/श्रीमती/कुमारी

..... सुपुत्र/पत्नी/ सुपुत्री श्री निवासी ग्राम

..... तहसील नगर जिला

..... उत्तराखण्ड के राज्य की पिछड़े जाति के व्यक्ति है। यह जाति उ0प्र0 लोक सेवा (अनुसूचित जातियों, अनुसूचित जनजातियों तथा अन्य पिछड़े वर्गों के लिए आरक्षण अधिनियम,1994) जैसा कि उत्तराखण्ड राज्य में प्रभावी है, की अनुसूची-1 के अन्तर्गत मान्यता प्राप्त है। उक्त अधिनियम,1994 की अनुसूची-2 से अधिसूचना संख्या-22/16/92-का-2/1995 टी.सी. दिनांक 08 दिसम्बर,1995 द्वारा यथा संशोधित से आच्छादित नहीं है।

श्री/श्रीमती/कुमारी तथा/अथवा उनका परिवार
उत्तराखण्ड के ग्रामतहसील नगर
जिलामें सामान्यतया रहता है।

स्थान :

दिनांक :

हस्ताक्षर

पूरा नाम

पदनाम

मुहर

जिलाधिकारी/अपर जिला मजिस्ट्रेट/सिटी
मजिस्ट्रेट/उप जिला मजिस्ट्रेट/तहसीलदार
/जिला समाज कल्याण अधिकारी।

उत्तराखण्ड की अनुसूचित जाति तथा अनुसूचित जनजाति के लिये जाति प्रपत्र
(जैसा कि उ0प्र0 पुनर्गठन अधिनियम, 2000 के अन्तर्गत उत्तराखण्ड में लागू है)

प्रमाणित किया जाता है कि श्री/श्रीमती/कुमारी

..... सुपुत्र/पत्नी/सुपुत्री श्री निवासी

ग्राम तहसील नगर जिला

उत्तराखण्ड कीजाति के व्यक्ति है, जिसे संविधान (अनुसूचित जाति) आदेश 1950 (जैसा कि समय-समय पर संशोधित हुआ) संविधान (अनुसूचित जनजाति उ0प्र0) आदेश 1967, जैसा कि उत्तराखण्ड राज्य में प्रभावी है, के अनुसार अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति के रूप में मान्यता दी गई है।

श्री/श्रीमती/कुमारीतथा

अथवा उनका परिवार उत्तराखण्ड के ग्राम तहसीलनगर

.....जिला में सामान्यतया रहता है।

स्थान :
दिनांक :
मुहर :

हस्ताक्षर
पूरा नाम
पदनाम
जिलाधिकारी/अपर जिला मजिस्ट्रेट/सिटी मजिस्ट्रेट/
उप जिला मजिस्ट्रेट/तहसीलदार/जिला समाज कल्याण
अधिकारी।

उत्तराखण्ड राज्य के अन्य पिछड़े वर्ग के लिये जाति प्रमाण-पत्र
(जैसा कि उ0प्र0 पुनर्गठन अधिनियम,2000 के अन्तर्गत उत्तराखण्ड में लागू है)

प्रमाणित किया जाता है कि श्री/श्रीमती/कुमारी
सुपुत्र/पत्नी/ सुपुत्री श्री निवासी ग्राम तहसील
.....नगर जिला उत्तराखण्ड के राज्य की
..... पिछड़े जाति के व्यक्ति हैं। यह जाति उ0प्र0 लोक सेवा (अनुसूचित जातियों, अनुसूचित जनजातियों तथा
अन्य पिछड़े वर्गों के लिए आरक्षण अधिनियम,1994) जैसा कि उत्तराखण्ड राज्य में प्रभावी है, की अनुसूची-1 के
अन्तर्गत मान्यता प्राप्त है। उक्त अधिनियम,1994 की अनुसूची-2 से अधिसूचना संख्या-22/16/92-का-2/1995
टी.सी. दिनांक 08 दिसम्बर,1995 द्वारा यथा संशोधित से आच्छादित नहीं है।

श्री/श्रीमती/कुमारी तथा अथवा उनका परिवार उत्तराखण्ड के ग्राम
..... तहसील नगर जिला में
सामान्यतया रहता है।

स्थान :

हस्ताक्षर

दिनांक :

पूरा नाम

पदनाम

मुहर

जिलाधिकारी/अपर जिला मजिस्ट्रेट/सिटी
मजिस्ट्रेट/उप जिला मजिस्ट्रेट/तहसीलदार
/जिला समाज कल्याण अधिकारी।

उत्तराखण्ड राज्य के स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों के आश्रितों के लिए प्रमाण-पत्र
शासनादेश संख्या 4/23/1982-2/1997, दिनांक 26 दिसम्बर, 1997
(जैसा कि उ0प्र0 पुनर्गठन अधिनियम, 2000 के अन्तर्गत उत्तराखण्ड में लागू है)
प्रमाण-पत्र

प्रमाणित किया जाता है कि श्री/श्रीमती/कुमारी
.....सुपुत्र/पत्नी/ सुपुत्री निवासी ग्राम
तहसील नगर जिलाउत्तर प्रदेश लोक
सेवा (शारीरिक रूप से विकलांग, स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों के आश्रित और भूतपूर्व सैनिक के लिए आरक्षण)
अधिनियम, 1993 जैसा कि उत्तराखण्ड राज्य में लागू है, के अनुसार स्वतंत्रता संग्राम सेनानी हैं और
श्री/श्रीमती/कुमारी(आश्रित) पुत्र/पुत्री/पौत्र/पौत्री (पुत्र की
पुत्री) (विवाहित एवं अविवाहित) उपयुक्त अधिनियम, 1993 के ही प्रावधानों के अनुसार उक्त श्री/श्रीमती/(स्वतंत्रता
संग्राम सेनानी) के आश्रित हैं।

स्थान :
दिनांक :

हस्ताक्षर
पूरा नाम.....
पदनाम
मुहर
जिलाधिकारी
(सील)

उत्तराखण्ड सरकार

(प्रमाण पत्र निर्गत करने वाले कार्यालय का नाम एवं पता)

(अधिसूचना संख्या 64/XXXVI(3)/2019/19(1)/2019 दिनांक 07 मार्च, 2019 के अधीन)

आर्थिक रूप से कमजोर वर्गों के लिए आय एवं सम्पत्ति प्रमाण-पत्र

प्रमाण-पत्र संख्या.....वर्ष.....हेतु मान्य दिनांक.....

यह प्रमाणित किया जाता है कि श्री/श्रीमती/कुमारी.....
पुत्र/पत्नी/पुत्री.....ग्राम/मुहल्ला.....
पोस्ट ऑफिस.....जिला.....पिन कोड.....
उत्तराखण्ड राज्य के मूल निवासी/स्थायी निवासी हैं, जिनका नवीनतम फोटो नीचे प्रमाणित है।
इनके परिवार की सभी स्रोतों से वित्तीय वर्ष.....की औसत आय आर्थिक रूप से
कमजोर वर्ग के लिए निर्धारित मानक ₹ 8.00 लाख (रूपये आठ लाख) से कम है और इनका
परिवार निम्न में से कोई सम्पत्ति धारित नहीं करता है :-

- (I) कृषि भूमि 5 एकड़ या उससे अधिक, या
- (II) आवासीय भवन 1000 वर्ग फुट या उससे अधिक, या
- (III) अधिसूचित नगरपालिकाओं में 100 वर्ग गज या उससे अधिक के आवासीय भूखण्ड, या
- (IV) अधिसूचित नगरपालिकाओं के अलावा अन्य क्षेत्रों में 200 वर्ग गज या उससे अधिक के भूखण्ड।

2. श्री/श्रीमती/कुमारी.....जो कि.....जाति से हैं
और भारत सरकार/उत्तराखण्ड सरकार की अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति/अन्य पिछड़ा
वर्ग सूची में सम्मिलित नहीं है।

हस्ताक्षर सहित कार्यालय की मुहर
नाम.....
पदनाम.....

आवेदक का नवीनतम
पासपोर्ट साइज का
प्रमाणित फोटो